उत्तरमाला : हिंदी रीडर-1

पाठ 1 : चित्र देखकर कहानी बुनो

बंदर और टोपियाँ बेचनेवाला

एक व्यापारी था। वह गाँव-गाँव घूमकर टोपियाँ बेचता था। एक दिन वह पास के गाँव में टोपियाँ बेचने के लिए जा रहा था। उस दिन बहुत गरमी पड़ रही थी। इसलिए उसने रास्ते में कुछ देर आराम करने की सोची। वह एक वृक्ष के नीचे आराम करने के लिए बैठ गया। थकान के कारण उसे नींद आने लगी और वह सो गया।

टोपियों से भरा उसका थैला उसके सिर के पास रखा था। उस पेड़ पर बहुत-से बंदर रहते थे। बंदरों का ध्यान उस थैले की ओर गया। उन्होंने सोचा, ज़रूर थैले में कोई खाने की वस्तु रखी है। एक बंदर नीचे आया और उसने थैला खोला। उसमें टोपियाँ निकलीं। रंग-बिरंगी, सुंदर टोपियाँ। उसने तुरंत एक टोपी निकालकर अपने सिर पर पहनी और वापस पेड़ पर चढ़ गया। फिर क्या था, सभी बंदर एक-एक करके नीचे उतरे और अपनी-अपनी पसंद की टोपियाँ पहनकर वापस पेड़ पर चढ़ गए।

कुछ देर बाद टोपी बेचनेवाले की नींद खुली। थैले से टोपियाँ गायब थीं। उसने ऊपर देखा तो सभी बंदर अपने-अपने सिरों पर टोपियाँ पहने हुए थे। उसने बंदरों को डरा-धमका कर टोपियाँ वापस लेनी चाही। किंतु बंदरों ने नहीं दीं। फिर एकाएक उसने अपने सिर से टोपी उतारी और फेंक दी। उसको टोपी फेंकते देखकर सभी बंदरों ने भी अपने-अपने सिरों से टोपियाँ उतारकर फेंक दीं। टोपी बेचनेवाले ने उन्हें उठाकर थैले में भरा और चला गया। बंदरों का नकलची स्वभाव काम कर गया।

पाठ 2 : आओ दोहराएँ वर्णमाला

स्वयं कीजिए।

पाठ 3 : बिना मात्रा के शब्द

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अक्षरों को जोड़कर शब्द लिखिए और पढ़िए।

घर	फल
भवन	पवन
मगर	शहर
बरगद	बरतन
शरबत	अदरक

(ख) चित्रों को पहचानकर उनके नाम लिखिए।

घर	अजगर	मटर	कलश
फल	कटहल	अदरक	मगर

(ग) अक्षरों को सही क्रम में लिखकर चित्रों के नाम लिखिए।

थरमस	कमल	बरगद	अचकन

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(क) स्वयं करें।

(ख) चित्रों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए।

जय बस पर चढ़कर घर चल।

रमन कलश पकड़ कर नहर पर चल।

पाठ 4 : आ से औ तक की मात्राएँ

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) वर्ण और मात्रा जोड़कर शब्द लिखिए।

काला	भाला
भाला	बाज़ार
बादल	चावल

(ख) स्वयं कीजिए।

(ग) स्वयं कीजिए।

(घ) चित्र देखकर सही अक्षर पर 'आ' की मात्रा (ा) लगाइए।

बादल गाजर भाला माला

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(क) उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए।

बाला	काला
बा – बाग	का – काम
बाजा	कार
बादल	काजल

(ख) स्वयं कीजिए।

इ और ई की मात्रा (ि, ी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए। वाक्य पढ़िए।

राजा तितली मत पकड़।	चल कर मछली पकड़।
एक हाथी आया।	एक किसान सिर पर घास लाया।
राशि पहिया उधर रख।	रमन दीपक जला।

(ख) स्वयं कीजिए।

(ग) वर्ण और मात्रा जोड़कर शब्द बनाइए।

किला	किताब
तकिया	पपीता
पीपल	किरण

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(क) दिए गए चित्रों को देखो और बाएँ से दाएँ भरो–

ति	त	ली
प	पी	ता
ब	क	री
सि	ता	र
चि	ड़ि	या

(ख) इ तथा ई की मात्रा लगाकर शब्द पूरे कीजिए।

सीटी	सियार	मछली
किताब	हाथी	सीढ़ी
खीरा	मिठाई	हिरन

उ और ऊ की मात्रा (ु, ू)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) वर्ण और मात्रा जोड़कर शब्द बनाइए।

पुड़िया	गुलाब
कबूतर	सूरज
चुटिया	कपूर

(ख) चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए।

बुढ़िया की कुटिया पर चल।	एक भालू आया।
राधा मूली मत खा।	कुछ गुलाब ला।
मीठा तरबूज़ खा।	भारी कछुआ धीमा-धीमा चला।

उत्तरमाला : हिंदी रीडर-2

पाठ 1 : उठो सवेरे (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. ईश्वर के गुण कौन गाता है?
   चिड़ियाँ।
2. कलियाँ किसे देखकर मुसकराती हैं?
   आसमान की लालिमा
3. इस जग का पालनकर्ता कौन है?
   ईश्वर।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चिड़ियाँ कब उठ जाती हैं?
   चिड़ियाँ सूरज के उगने से पहले उठ जाती हैं।
2. कलियों के खिलने पर क्या होता है?
   कलियों के खिलने पर वातावरण महक उठता है।
3. सुबह उठकर बच्चों को क्या करना चाहिए?
   सुबह उठकर बच्चों को मुँह-हाथ धोकर ईश्वर का नाम लेना चाहिए।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. यह कविता आपको क्या सीख देती है?
   यह कविता हमें सीख देती है कि सुबह सूरज उगने से पहले उठ जाना चाहिए। ईश्वर का नाम लेना चाहिए तथा फिर अपने काम पर लग जाना चाहिए।
2. स्वंय करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. चिड़िया 2. लालिमा 3. बड़ों को

भाषा से

(क) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

सुबह	–	शाम	हँसना	–	रोना
खुशबू	–	बदबू	अच्छे	–	बुरे

(ख) उचित मिलान कीजिए।

सूरज	–	सूर्य	आसमान	–	आकाश
जग	–	संसार	सवेरा	–	सुबह
खुशबू	–	महक	प्रणाम	–	नमस्कार
रोज	–	नित्य	बच्चे	–	बालक

(ग) उ तथा ऊ की मात्रा लगाकर शब्दों को दोबारा लिखिए।

सूरज	गुण	मुसकराना	खूशबू
मुँह	फूल	बुलबुल	धूप

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 2 : संगीत प्रेमी गधा (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. धोबी रोज सुबह कहाँ जाता था?
   नदी पर।

2. गधे की मित्रता किससे हुई?
   लोमड़ी।
3. तरबूज़ खाने के बाद गधे ने क्या करना चाहा?
   गीता गाना।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. धोबी रात होने पर गधे को क्यों खोल देता था?
   धोबी रात होने पर गधे को खोल देता था, ताकि गधा लोगों के खेतों को चरकर अपना पेट भर सके।
2. गधा गीत क्यों गाना चाहता था?
   रात सुहावनी थी। गधे ने भरपेट तरबूज़ खा लिए थे और वह तरंग में आ गया था। इसी कारण उसका मन गीत गाने को मचल रहा था।
3. लोमड़ी ने गधे को गाने से क्यों मन किया?
   गधा मूर्ख था। वह गीत गाकर खेत के रखवाले को जगाने पर तुला था। लोमड़ी जानती थी कि यदि खेत का रखवाला जाग गया तो उनकी खूब पिटाई करेगा। इसलिए लोमड़ी गधे को गाने से मना कर रही थी।
4. खेत के रखवाले ने गधे के साथ कैसा व्यवहार किया?
   खेत के रखवाले ने गधे के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया। उसने गधे की लाठी से खूब पिटाई की।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न!

1. गधा मर्ख था। बताइए, क्यों?
   गधा मूर्ख था, क्योंकि वह जानता था कि उसकी आवाज़ बेसुरी है जो किसी के भी कानों को अच्छी नहीं लगती। दूसरी ओर उस समय गाना गाने का मतलब था, खेत के मालिक को जगाना तथा खतरा उठाना। गधे ने यह सब जानते हुए भी गाना गाने की कोशिश की। अत: इससे स्पष्ट हो जाता है कि गधा मूर्ख था।
2. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।
   (i) धोबी (ii) लोमड़ी (iii) तरबूज़ (iv) पवन (v) चतुर
3. ये वाक्य किसने कहे?
   (i) गधे ने लोमड़ी से कहा।
   (ii) लोमड़ी ने गधे से कहा।
   (iii) गधे ने लोमड़ी से कहा।
   (iv) लोमड़ी ने गधे से कहा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. नदी तट पर 2. मूर्ख 3. सुहावनी 4. चतुर

भाषा से

(क) एक से अनेक बनाइए।

गधा	–	गधे	नदी	–	नदियाँ
कपड़ा	–	कपड़े	लोमड़ी	–	लोमड़ियाँ
तारा	–	तारे	लाठी	–	लाठियाँ

(ख) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

मित्र	–	मित्रता	सफल	–	सफलता
मूर्ख	–	मूर्खता	सुंदर	–	सुंदरता
शीतल	–	शीतलता	चतुर	–	चतुरता
नीरस	–	नीरसता	निकट	–	निकटता

(ग) 'अध' जोड़कर शब्द बनाइए।

अधमरा अधखिला अधजला अधपका

(घ) पाठ में से (ि) (ी) तथा (ु) (ू) की मात्र वाले तीन-तीन शब्द ढूँढ़कर लिखिए।

(ि) – मित्र, किसान, किया, चिंता
(ी) – गीत, पसली, लोमड़ी, शीतल
(ु) – गुस्सा, सुहावनी, शुरू, कुछ
(ू) – मर्ख, तरबूज़, ढेंचू-ढेंचू, भूत

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

2. यदि गधा लोमड़ी की बात मान लेता, तो उस पर मुसीबत न आती। वह किसान के हाथों न पिटता और तरबूज़ की दावत आगे भी खाने को मिलती रहती।
3. लोमड़ी इस कहानी में बेल से पके अंगूरों के गुच्छे तोड़ने की कोशिश करती है, किंतु जब उन तक नहीं पहुँच पाती, तो उन्हें खट्टे अंगूर कहकर अपना मन समझा लेती है तथा वहाँ से लौट जाती है।

पाठ 3 : दयालु बालक अब्राहम (जीवनी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बालक का नाम क्या था?
   अब्राहम।
2. बालक अपने मित्रों के साथ क्या कर रहा था?
   टहल रहा था।
3. अमेरिका के लोग अब्राहम लिंकन को किस नाम से याद करते हैं।?
   फादर अब्राहम।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बालक अब्राहम का स्वभाव कैसा था?
   बालक अब्राहम स्वभाव से बड़ा ही दयालु था। दीन-दुखियों और विपत्ति में फँसे लोगों की सहायता करके उसे सुख मिलता था।
2. अब्राहम की दृष्टि किस पर पड़ी?
   अब्राहम की दृष्टि एक ऐसे घोड़े पर पड़ी जिसकी पीठ पर जीन तो थी, परंतु उसका सवार गायब था।
3. बहन के नाराज होने पर अब्राहम ने उससे क्या कहा?
   बहन के नाराज होने पर अब्राहम ने उससे कहा कि- ''बहन दीन-दुखियों की सहायता करना प्रत्येक मनुष्य का कर्तव्य है। दुखियों की सेवा करना ही ईश्वर की सेवा करना है। मैंने तो अपना कर्तव्य निभाया है।''
4. बेहोश घुड़सवार को होश कैसे आया?
   अब्राहम बेहोश घुड़सवार को अपने घर ले गया और उसने डॉक्टर को बुलाकर उसका इलाज कराया। डॉक्टर के इलाज से वह सुबह तक होश में आ गया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. बालक अब्राहम ने घुडसवर की क्या सहायता की तथा कैसे?
   बालक अब्राहम घुड़सवार को बेहोशी की हालत में अपने घर ले गया। उसने डॉक्टर को बुलाया और घुड़सवार का इलाज कराया। सुबह तक वह होश में आ गया। फिर बालक अब्राहम ने उसे स्नान कराया, उसके कपड़े बदले तथा उसको भोजन कराया। इस प्रकार उसने घायल घुड़सवार की बहुत सहायता की।
2. किसने, किसे कहा, लिखिए-
   (i) अब्राहम ने अपने मित्रों से कहा।
   (ii) अब्राहम के मित्रों ने अब्राहम से कहा।
   (iii) अब्राहम ने अपनी बहन से कहा।
3. इन शब्दों से वाक्य बनाइए-

स्वभाव	-	बालक का स्वाभाव दयालु था।
सहायता	-	हमें दीन-दुखियों की सहायता करनी चाहिए।
घुड़सवार	-	घुड़सवार एकाएक घोड़े से गिर पड़ा।
बेहोश	-	बालक बेहोश बूढ़े को अपने घर उठा लाया।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. उसकी बड़ी बहन 2. घुड़सवार 3. अमेरिका 4. ईश्वर

भाषा से

(क) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

माता	–	पिता	दिन	–	रात
धूप	–	छाँव	दीन	–	दु:खी

(ख) इनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

बालक	–	बच्चा	लड़का	माता	–	माँ	अम्मा
मित्र	–	दोस्त	सखा	शाम	–	साँझ	सायं
घोड़ा	–	अश्व	घोटक	दिन	–	दिवस	वार

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

2. मुझे बालक अब्राहम के निम्नलिखित गुण पसंद आए

दयालुता मानव-सेवा भावना परोपकारिता उदारता सादगी

4. वन हल वार ताला लाज मल

पाठ 4 : मूर्ख को सलाह मत दो (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बंदर कहाँ रहते थे?
   पहाड़ की चोटी पर।
2. बंदरों के पास किससे बचने के लिए ठिकाना न था?
   सरदी।
3. बंदरों को किसने सलाह दी?
   चिड़िया ने।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बंदर गाँव में क्यों गए?
   बंदर गाँव में सरदी से बचने के लिए गए, क्योंकि पहाड़ की चोटी पर बहुत अधिक ठंड पड़ती थी। इसी कारण बंदर गाँव में रहकर सरदी के मौसम को गुज़ारना चाहते थे।
2. गाँववालों ने बदरों के साथ कैसा व्यवहार किया?
   गाँववालों ने बंदरों के साथ बुरा व्यवहार किया। उन्होंने बंदरों पर पत्थर बरसाए तथा लाठियाँ दिखाकर गाँव से वापस भगा दिया।
3. बंदर आग क्यों जलाना चाहते थे?
   बंदर सरदी से बचने के लिए आग जलाना चाहते थे।
4. आग क्यों नहीं जल रही थी?
   आग इसलिए नहीं जल रही थी, क्योंकि बंदर लकड़ियों के ढेर पर झाड़ी के लाल -लाल फलों को जलते हुए कोयले के टुकड़े समझकर लकड़ियों पर डालकर ढेर में आग सुलगाने की कोशिश कर रहे थे।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. सरदी आने पर बंदरों की हालत खस्ता क्यों हो जाती थी?
   पहाड़ की ऊँची चोटी पर सरदी के मौसम में बहुत अधिक ठंड पड़ती थी। बंदरों के पास उस सरदी से बचने के लिए कोई साधन न था। न उनके पास घर थे और न ही कोई अन्य आश्रय। वे आग जलाना भी नहीं जानते थे। इसी कारण सरदी के मौसम में उनकी हालत खस्ता हो जाती थी।
2. चिड़िया को अपने प्राण क्यों गँवाने पड़े?
   बंदर आग जलाने की कोशिश कर रहे थे। वे लकड़ियों के ढेर में लाल बेरों को जलते हुए कोयले समझकर उनसे आग सुलगाना चाहते थे। चिड़िया को उनकी इस स्थिति पर दया आ गई। अत: उसने बंदरों को उनकी मूर्खता का एहसास कराते हुए उन्हें सरदी से बचने की सच्ची सलाह देने की कोशिश की। किंतु बंदरों को उसका सलाह देना अच्छा न लगा। वे क्रोध से भर गए तथा एक बूढ़े बंदर ने उसकी गरदन मरोड़ कर उसे मार डाला।

3. सही वाक्य पर (✓) का तथा गलत वाक्य पर (×) का चिह्न लगाइए–
(i) × (ii) ✓ (iii) ✓ (iv) ×

4. खाली स्थान भरिए–
(i) पहाड़, झुंड (ii) सरदी (iii) आग (iv) चिड़िया

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. बंदर 2. सरदी 3. बंदर ने 4. मूर्ख को

भाषा से

(क) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

पुरानी – नई	विशाल – लघु	सरदी – गरमी
सुबह – शाम	मूर्ख – समझदार	क्रोध – शांति

(ख) इनके दो-दो नाम लिखिए–

पेड़, वृक्ष बंदर, वानर घर, गृह

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

चोटी – चोटियाँ	चिड़िया – चिड़ियाँ	सरदी – सरदियाँ
शाखा – शाखाएँ	छत – छतें	लकड़ी – लकड़ियाँ

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

1. बंदर तो मूर्ख थे ही, पर चिड़िया भी मूर्खा निकली, क्योंकि वह समझदार थी और फिर भी उसने मूर्ख बंदरों को अच्छी सलाह देने को प्रयत्न किया। ऐसा करना उसकी मूर्खता ही कहा जा सकता है।
3. हमने इस कहानी से यह सीखा कि मूर्ख व्यक्ति को सलाह देना भी मूर्खता ही है। अत: सलाह उसको देनी चाहिए जो समझदार हो तथा सलाह लेना चाहता हो। बिन माँगे किसी को भी सलाह नहीं देनी चाहिए।

पाठ 5 : पेड़ (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पेड़ खड़े-खड़े क्या करते हैं?
पेड़ खेड़-खड़े मुसकराते हैं।
2. पेड़ किसकी तरह डटे रहते हैं।
पेड़ सैनिक की तरह डटे रहते हैं।
3. पेड़ क्या सहना सीख गए हैं?
पेड़ आतप सहना सीख गए हैं।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पेड़ों को सैनिक के समान क्यों कहा गया है?
पेड़ सैनिक की तरह हर मौसम में अपने स्थान पर दृढ़ता से डटे रहते हैं। इसी कारण उन्हें सैनिक के समान माना गया है।
2. पेड़ों में सज्जनता के दर्शन कैसे होते हैं?
पेड़ फल-फूलों से लदकर सज्जन आदमी की तरह थोड़ा-सा झुक जाते हैं।
उनके इस प्रकार झुकने में ही उनकी सज्जनता के दर्शन होते हैं।
3. पेड़ों से कैसा दृश्य उत्पन्न होता है?
पेड़ों पर रंग-बिरंगे सुंदर फूल खिलते हैं तथा धरती पर हरियाली आती है। जो सबके मन को भाती है। इस तरह पेड़ों से सुदंर दृश्य उत्पन्न होता है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. स्वयं करें।
2. इन शब्दों से वाक्य बनाइए–
बादल – आसमान में बादल छाए हैं।
आतप – पेड़ आतप सहना सीख गए हैं।
सरस – निबंध की भाषा सरस होनी चाहिए।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. हरे-गुलाबी 2. धूप 3. सज्जनता

भाषा से

(क) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

सैनिक के समान
बादल के समान
बिजली के समान
सज्जन के समान

(ख) उदाहरण के अनुसार कीजिए।

सज्जन + ता	मनुष्य + ता
विशाल + ता	सुंदर + ता
विशेष + ता	नम्र + ता

(ग) मिलान कीजिए।

जंगल - वन	पर्वत - पहाड़
बादल - मेघ	आतप - धूप
खुशबू - सुंगध	

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 6 : लिटिल रेड राइडिंग हुड (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. नन्ही लड़की का क्या नाम था?
   नन्ही लड़की का नाम राइडिंग हुड था?
2. कौन बीमार था?
   दादी।
3. लड़की को रास्ते में कौन मिला?
   भेड़िया।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. दादी के पास भेजते हुए राइडिंग हुड को उसकी माँ ने क्या समझाया?
   दादी के पास भेजते हुए राइडिंग हुड को उसकी माँ ने यह समझाया कि यदि रास्ते में कोई अजनबी मिले तो उससे बात मत करना।
2. राइडिंग हुड को रास्ते में कौन मिला तथा उसने उससे क्या कहा?
   राइडिंग हुड को रास्तें एक भेड़िया मिला। भेड़िए ने राइडिंग हुड से कहा कि- ''देखो यहाँ कितने सुदंर, रंग-बिरंगे फूल खिले हैं। पक्षी कितना मधुर गीत गा रहे हैं। दादी माँ के पास जाने की इतनी जल्दी क्यों है? कुछ देर के लिए यहाँ रुक जाओ। घूमो-फिरो और मज़ा करो।''
3. दादी के घर पहुँचकर भेड़िए ने क्या किया?
   दादी के घर पहुँच कर भेड़िया चिटकनी खोलकर अंदर घुसा तथा फिर सीधे दादी पर झपट पड़ा। बेचारी दादी घायल हो गई और बेहाश होकर गिर पड़े।
4. राइडिंग हुड को भेड़िए से किसने बचाया?
   राइडिंग हुड को भेड़िए से एक शिकारी ने बचाया। जैसे ही शिकारी ने भेड़िए के गुर्राने की आवाज़ सुनाई दी, वैसे ही उसने उस पर निशाना लगा दिया। भेड़िए वहीं ढेर हो गया तथा बच्ची के प्राण बच गए।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. भेड़िए ने अपनी धूर्तता का परिचय कैसे दिया?
   भेड़िए ने राइडिंग हुड को बहला-फुसला कर रास्ते में ही रुके रहने के लिए राजी कर लिया और स्वयं उसकी जगह दादी के पास पहुँच गया। उसने दादी को घायल कर दिया। दादी बेहोश हो गई तथा जब राइडिंग हुड स्वयं वहाँ पहुँची तो उसने दादी बनकर उसे अपने पास बुलाया और उस पर भी झपट पड़ा। इस प्रकार भेड़िए ने अपनी धूर्तता का परिचय दिया।

2. दादी को होश कैसे आया?
भोड़िए को मारने के बाद शिकारी अंदर आया। उसने बूढ़ी दादी को ज़मीन से उठाकर पलंग पर लिटाया और फिर उसके मुँह पर पानी के छींटे डाले। इस तरह करने से दादी को होश आ गया तथा वह अपने सामने अपनी प्यारी पोती को देखकर प्रसन्न हो गई।

3. किसने किससे कहा, लिखिए-
(i) माँ ने राइडिंग हुड से कहा।
(ii) भेड़िए ने राइडिंग हुड से कहा।
(iii) भेड़िए ने दादी से कहा।
(iv) भेड़िए ने राइडिंग हुड से कहा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. लाल 2. धूर्त था 3. दादी माँ 4. शिकारी ने

भाषा से

(क) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

सुंदर	–	कुरूप	बीमार	–	स्वस्थ
मीठी	–	कड़वी	कोमल	–	कठोर
मधुर	–	कर्कश	अंदर	–	बाहर

(ख) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

न्त –	अन्त	अन्तर	अशान्त
द्य –	विद्या	विद्यमान	विद्यालय
न्न –	प्रसन्न	गन्ना	अन्न
म्म –	अम्मा	चम्मच	मरम्मत

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

2. (i) भेड़िए ने राइडिंग हुड को बेवकूफ़ बनाया।
(ii) भेड़िए ने बेचारी बूढ़ी दादी को घायल कर दिया।

पाठ 7 : छिपा हुआ खजाना (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. किसान का क्या नाम था?
बद्री।
2. किसान का स्वभाव कैसा था?
आलसी।
3. गाँव में कौन आया था?
महात्मा

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. किसान के परिवार की स्थिति कैसी थी?
किसान के आलसी स्वभाव के कारण फसल अच्छी नहीं हो पाती थी। इसी कारण किसान का परिवार गरीबी की वजह से परेशान था।
2. किसान महात्मा के पास क्यों गया?
किसान महात्मा के पास अपनी गरीबी की समस्या का हल पूछने के उद्देश्य से गया।
3. महात्मा किसान से क्या-क्या तथा कितने में खरीदना चाहता था?
महात्मा किसान की दोनों आँखें, एक पैर तथा दोनों हाथ क्रमश : बीज हज़ार, तीस हज़ार तथा पचार हज़ार में खरीदना चाहता था।
4. अंत में किसान ने क्या संकल्प लिया?
अंत में किसान ने आलस छोड़कर मेहनत करने का संकल्प लिया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. किसान की गरीबी का क्या कारण था?
   किसान के पास खेती करने के लिए पर्याप्त ज़मीन थी। किंतु अपने आलसी स्वभाव के कारण वह अपने खेतों में पूरी मेहनत से काम नहीं करता था। इसी कारण खेतों में फसल अच्छी नहीं होती थी। अच्छी फसल न होने के कारण ही किसान का परिवार गरीबी में जी रहा था।
2. किसान ने महात्मा जी से क्या सीख ली?
   किसान ने महात्मा जी से यह सीख ली कि आदमी की आँखें, हाथ तथा पैर ही उसका असली खजाना हैं। क्योंकि जिस मनुष्य के पास ये सब चीजें होती हैं वह अपनी मेहनत के बल पर अपनी किस्मत को बदल सकता है या फिर धन कमा कर अपनी जीवन सुखी बना सकता है।
3. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-
   (i) किसान ने (ii) महात्मा (iii) व्यस्त (iv) आँखों, अंधा (v) आँखों, खुशहाल
4. से वाक्य किसने कहे?
   (i) किसान ने (ii) महात्मा ने (iii) किसान ने (iv) महात्मा ने

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. एक किसान 2. उसका आलस्य 3. बीस हज़ार

भाषा से

(क) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

गरीब	-	अमीर	खाली	-	भरा
सुख	-	दु:ख	आलसी	-	चुस्त
ज़मीन	-	आसमान	खरीदना	-	बेचना

(ख) संज्ञा (नाम) शब्दों पर गोला ◯ लगाइए।

किसान	घर	रहना	चलना	खोदना	महात्मा
गरीब	कुटिया	घास	ज़मीन	मंदिर	बहना
सोना	रोना	धरती	पेड़	आसमान	बादल

(ग) इन शब्दों को शुद्ध करके लिखिए-

जीवन	ज़मीन	पोषण
महात्मा	सुख	गरीब
किसान	बीस	आँख
परिवार	पसीना	महाराज

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वय करें।

पाठ 8 : सच्चे मित्र (नाटक)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. श्रीकृष्ण कहाँ बैठे हुए थे?
   श्रीकृष्ण राज सिंहासन बैठे हुए थे।
2. द्वारपाल ब्राह्मण का क्या नाम बताता है?
   सुदामा।
3. श्रीकृष्ण सुदामा को कहाँ बैठाते हैं?
   सिंहासन पर।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. द्वारपाल श्रीकृष्ण को क्या संदेश देता है?
   द्वारपाल श्रीकृष्ण को सुदामा के महल के द्वार पर आने का संदेश देता है।
2. सुदामा को देखकर श्रीकृष्ण क्या करते हैं?
   सुदामा को देखकर श्रीकृष्ण सिंहासन से उठ खड़े होते हैं तथा फिर आगे बढ़कर सुदामा को गले से लगा लेते हैं।

3. सुदामा सिंहासन पर बैठने से मना करते हुए क्या कहता है?
सुदामा सिंहासन पर बैठने से मना करते हुए कहता है कि यह द्वारका का सिंहासन है, इस पर तो कोई राजा ही बैठ सकता है।
4. सुदामा के पैरों की क्या स्थिति थी?
सुदामा के पैरों की स्थिति बहुत बुरी थी। उनमें बिवाइयों से रक्त बह रहा था तथा काँटे चुभे हुए थे।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. श्रीकृष्ण चावलों की प्रशंसा करते हुए क्या-क्या कहते हैं?
श्रीकृष्ण चावलों की प्रशंसा करते हुए कहते हैं कि जो स्वाद इन चावलों में है, वह राजमहल के भोजन में भी नहीं है। प्रेम की तो बात ही कुछ और है।
2. श्रीकृष्ण गुरु जी की कौन-सी बात याद दिलाते हैं?
श्रीकृष्ण गुरु जी की यह बात याद दिलाते हैं कि वह सच्चा मित्र नहीं होता जो अपने निर्धन मित्र को भूल जाए।
3. सही/गलत वाक्य लिखिए
(i) गलत (ii) सही (iii) सही (iv) गलत (v) सही

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. ब्राह्मण था 2. मित्र था 3. चावल 4. सच्ची

भाषा से

(क) उचित मिलान कीजिए।

दोस्ती	–	मित्रता	अतिथि	–	मेहमान
दुबला	–	कमज़ोर	सेवक	–	नौकर
आदर	–	सम्मान	प्रेम	–	प्यार

(ख) उलटे अर्थवाले शब्द पर गोला ◯ लगाइए-

मित्र – (शत्रु) आदर – (अनादर) गरीब – (अमीर) राजा – (रंक) सुंदर – (कुरूप)

(ग) इनके जोड़े बनाइए।

राजा	–	रानी	ब्राह्मण	–	ब्राह्मणी
सेवक	–	सेविका	पति	–	पत्नी
भाई	–	बहन	गुरु	–	गुरुआइन

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

1. इस नाटक से हमने सीखा कि सच्ची मित्रता या दोस्ती अमीरी-गरीबी नहीं देखती, बल्कि मित्र का प्यार देखती है। अत: हमें अपनी मित्रता को सच्चे दिल से निभाना चाहिए।

पाठ 9 : लोमड़ी और मोर (चित्रकथा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लोमड़ी कहाँ घूम रही थी?
जंगल में।
2. मोर कहाँ बैठा था?
पेड़ पर।
3. लोमड़ी किसके डर से भागी?
शिकारी कुत्तों के।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लोमड़ी ने मोर से क्या करने को कहा?
लोमड़ी ने मोर से पेड़ से नीचे आकर उसके साथ खेलने के लिए कहा।
2. लोमड़ी ने मोर को क्या कहकर मूर्ख बनाने की कोशिश की?
लोमड़ी ने मोर को मूर्ख बनाने की कोशिश करते हुए कहा कि जंगल के जानवरों के बीच यह समझौता हुआ है कि कोई भी पशु-पक्षी किसी अन्य पशु-पक्षी को अपना शिकार नहीं बनाएगा।

3. लोमड़ी ने भागते-भागते मोर से क्या कहा?
लोमड़ी ने भागते-भागते मोर से कहा कि- ''मैं इसलिए भाग रही हूँ कि शायद शिकारी कुत्ते उस सभा में मौजूद नहीं थे। अत: इन्हें उस फ़ैसले के बारे में मालूम नहीं होगा।''

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. कुत्तों का नाम लेते ही लोमड़ी ने क्या प्रतिक्रिया प्रकट की?
कुत्तों का नाम लेते ही लोमड़ी घबरा गई तथा उसने वहाँ से बचकर निकल जाने में ही अपनी भलाई समझी। फलत: वह वहाँ से तुरंत भाग गई।
2. लोमड़ी सयानी थी, पर मोर उससे भी सयाना था। क्या आप बता सकते हैं कि कैसे?
लोमड़ी सयानी थी, क्योंकि उसने मोर को अपना शिकार बनाने के लिए उसके आगे झूठ बोला कि जानवरों की सभी में यह निर्णय लिया गया हैं कि कोई भी जानवर दूसरे जानवर को अपना शिकार नहीं बनाएगा। ऐसा उसने मोर को अपना शिकार बनाने के लिए ही कहा था। जबकि मोर उसकी योजना के बारे में जान गया था तथा उसने शिकारी कुत्तों की बात करके लोमड़ी को झूठा साबित कर दिया तथा साथ ही उसके मन में डर पैदा करके वहाँ से भाग जाने पर बाध्य कर दिया। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि लोमड़ी सयानी थी, परंतु मोर उससे भी सयाना था।
3. सही/गलत वाक्य लिखिए
(i) सही (ii) सही (iii) गलत (iv) सही (v) गलत
4. इन शब्दों से वाक्य बनाइए-
निर्णय - उसने दिल्ली जाने का निर्णय कर लिया है।
चतुर - लोमड़ी एक चतुर प्राणी है।
झूठ - झूठ बोलना पाप है

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मोर 2. मीठी 3. शिकारी कुत्तों

भाषा से

(क) सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।

1. रही थी, रहा था 2. था, थी 3. भाग, भागे

(ख) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

मूर्ख	-	सयाना	ऊँची	-	नीची
निकट	-	दूर	मीठा	-	कड़वा
सच	-	झूठ	इधर	-	उधर

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

मूर्ख	मूर्खता	बेवकूफ़ी
चतुर	चतुरता	हाशियारी
सुंदर	सुंदरता	खूबसूरती
सफल	सफलता	कामयाबी
प्रसन्न	प्रसन्नता	खुशी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

2. **समझदार कौआ**
एक कौआ था। वह बहुत प्यासा था। उसने पानी की बहुत खोज की, परंतु उसे कहीं पानी नहीं मिला। अंत में वह एक बाग में आया। वहाँ एक घड़ा रखा था। कौए ने घड़े में झाँककर देखा तो उसमें पानी बहुत कम था। उसकी चोंच पानी तक न पहुँच पाई। अचानक कौए की नज़र कुछ दूर पड़े कंकड़ों के ढेर पर पड़ी। उन्हें देखकर कौए के दिमाग में एक योजना आई। उसने एक-एक करके कुछ कंकड अपनी चोंच में उठाए तथा उन्हें घड़े में डाला। घड़े में पानी ऊपर आ गया। कौए ने पानी पिया और उड़ गया।

पाठ 10 : लालची औरत (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गरीब औरत कहाँ रहती थी?
गरीब औरत गाँव में रहती थी।

2. गरीब औरत मटके कहाँ बेचती थी?
   गरीब औरत मटके शहर में बेचती थी।
3. औरत का पैर किन पर जाकर पड़ा?
   औरत का पैर मटकों पर जाकर पड़ा।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गरीब औरत कहाँ रहती थी और क्या काम करती थी?
   गरीब औरत गाँव में रहती थी। वह मिट्टी से घड़े बनाती थी तथा उन्हें शहर में ले जाकर बेचती थी।
2. औरत रास्ते में क्यों रुकी?
   औरत रास्ते में खाना खाने तथा कुछ देर के लिए आराम करने के लिए रुकी।
3. औरत ने सोते-सोते क्या-क्या कल्पनाएँ कीं?
   औरत ने सोते-सोते अमीर बनने के लिए विभिन्न प्रकार की कल्पनाएँ कीं, जैसे- मटके बेचकर मुरगियाँ खरीदना, अंडे बेचकर धन जमा करना, उस धन से गाएँ खरीदना तथा गायों का दूध बेचकर खूब धन कमाना।
4. औरत का अमीर बनने का समना कैसे टूटा?
   औरत अमीर बनने की कल्पना करते-करते अपने घर के नौकर पर गुस्सा कर गई। उसने सपने में नौकर को लात मारी जो सीधे उसके पैरों के पास रखे मटकों को जाकर लगी। मटके चूर-चूर हो गए, उनके साथ ही उसका अमीर बनने का सपना भी टूट गया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. इस कहानी से आपने क्या सीखा?
   इस कहानी से हमने सीखा कि आदमी को धनी या सुखी बनने के लिए कल्पनाएँ नहीं करनी चाहिए, बल्कि वास्तविक जीवन जीते हुए मेहनत करनी चाहिए।
2. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-
   (i) औरत (ii) मटके (iii) व्यापार (iv) नौकर (v) लात

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मटके 2. भोजन 3. गाय

भाषा से

(क) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

गरीब	–	अमीर	बेचना	–	खरीदना
ज़मीन	–	आसमान	नौकर	–	मालिक
ठीक	–	गलत	अच्छा	–	बुरा

(ख) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

मटका	–	मटके	औरत	–	औरतें
मुरगी	–	मुरगियाँ	पोटली	–	पोटलियाँ
गाय	–	गाएँ	लात	–	लातें

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

1. औरत वास्तविकता के धरातल पर रह कर मेहनत करके धन कमाने के बजाय धन कमाने की कल्पना में इतनी अधिक डूब जाती है कि उसे इतना भी होश नहीं रहता कि वह कर क्या रही है। वह अपनी लात से अपने घड़े तोड़ देती है तथा फिर बाद में पछताती है। कल्पना में भी उसकी धन की लालसा बनी ही रहती है। अत: इस आधार पर हम कह सकते हैं कि औरत लालची थी।

3.

म	ट	का							
ह		ज							
ल		ल	ख	न	ऊ				
					न	म	क		खि
							म		ड़
							ल	ड़	की

पाठ 11 : कोयल (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कोयल का रंग कैसा होता है?
   काला।
2. कोयल की बोली कैसी होती है?
   मीठी।
3. कोयल के अंडे कौन सेती है?
   कव्वी।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कोयल की मीठी बोली का हम पर क्या प्रभाव पड़ता है?
   कोयल की मीठी बोली हमारे मन को प्रसन्न कर देती है।
2. कोयल अपनी चतुराई का परिचय कैसे देती है?
   कोयल चुपके से अपने अंडों को कौए के घोंसले में रख आती है। फिर कव्वी ही उसके अंडों को सेती है तथा उसके बच्चों को दाना-पानी देती है। अत: यह सब कोयल की चतुराई का ही परिचय देता है।
3. वर्षा आने पर कोयल क्या करती है?
   वर्षा आने पर कोयल चुप हो जाती है?
4. कवि कव्वी को भोली क्यों बताता है?
   कवि कव्वी को भोली बताता है, क्योंकि वह बिना किसी भेदभाव के कोयल के अंडों को सेती है तथा उसके बच्चों को दान-पानी देती है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. स्वयं करें।
2. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-
   हर्षाती - खुश करती = कोयल की मीठी बोली हम सबको हर्षाती है।
   मीठी - मधुर = मीठी बोली सबको अच्छी लगती है।
   सयानी - समझदार = लोमड़ी बहुत सयानी होती है।
   वर्षा - बारिश = वर्षा आने पर किसान खुश हो जाते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मिसरी 2. सयानी होती है 3. कौए के

भाषा से

(क) दिए गए शब्द-जाल में से उलटे अर्थवाले शब्द छाँटकर लिखिए।

मीठा	-	कड़वा	काला	-	सफ़ेद	सयानी	-	बेवकूफ़
दिन	-	रात	धरती	-	आकाश	अपना	-	पराया
ऊपर	-	नीचे	उलटा	-	सीधा			

(ख) सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।

1. सुनाती 2. है 3. है 4. आती

(ग) बताइए, ये पशु-पक्षी कैसी बोली बोलते हैं?

काँव-काँव टॉय-टॉय चीं-चीं भौं-भौं म्याऊँ-म्याऊँ हुआँ-हुआँ

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 12 : मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. तीन मित्र किसकी सेवा करते थे?
   शेर की।

2. शेर को किस पर दया आई?
   शेर को ऊँट पर दया आई।
3. मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव किसने बनाया था?
   मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव गीदड़ ने बनाया था।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. तीन मित्र कौन थे? वे किसकी सेवा करते थे?
   तीन मित्र गीदड़, तेंदुआ तथा कौआ थे। वे सब जंगल के राजा शेर की सेवा करते थे।
2. ऊँट की प्रसन्नता का क्या कारण था?
   शेर ने ऊँट को अपने साथ जंगल में रहने की इजाजत दे दी थी तथा साथ ही उसकी रक्षा करने का वचन भी दिया था। इसी कारण ऊँट बहुत प्रसन्न था।
3. शेर के साथ क्या घटना घटी?
   शेर किसी बात को लेकर एक हाथी से भिड़ गया था तथा हाथी ने उसे बुरी तरह से घायल कर दिया था। इसी कारण शेर बहुत कमज़ोर हो गया था।
4. गीदड़ द्वारा बनाया गया मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव क्या था?
   गीदड़ द्वारा बनाया गया मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव यह था कि सभी जानवर एक-एक करके शेर के भोजन के लिए स्वयं को समर्पित करें तथा जैसे ही ऊँट का नम्बर आए उस पर टूट पड़ें और मारकर खा जाएँ।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. शेर ने गीदड़ के सामने क्या शर्त रखी?
   शेर ने गीदड़ के सामने यह शर्त रखी कि वह ऊँट द्वारा स्वयं के सौंपने पर ही उसका शिकार करेगा, अन्यथा उसका शिकार नहीं करेगा।
2. ऊँट को किस पर भरोसा नहीं करना चाहिए था और क्यों?
   ऊँट को गीदड़ पर भरोसा नहीं करना चाहिए था। क्योंकि तीन मित्रों में गीदड़ ही सबसे अधिक चालाक था। वह जानता था कि भोला-भाला ऊँट आसानी से उसकी चाल में आ सकता है। इसलिए उसने ऊँट को शिकार बनाने के लिए मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव बनाया और ऊँट ने उसे मान लिया।
3. किसने किससे कहा?
   (i) शेर ने ऊँट से कहा। (ii) तीन मित्रों ने शेर से कहा।
   (iii) गीदड़ ने शेर से कहा। (iv) शेर ने तीन मित्रों से कहा।
   (v) तेंदुए ने शेर से कहा।
4. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-
   (i) शेर (ii) ऊँट (iii) हाथी (iv) ऊँट (v) विश्वास

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. भेड़िया 2. हाथी 3. गीदड़ 4. गीदड़

भाषा से

(क) उलटे अर्थ वाले शब्द चुनकर लिखिए।

मित्र	-	शत्रु	दु:खी	-	सुखी	खुश	-	नाखुश
बुरी	-	अच्छी	स्वामी	-	सेवक	दिन	-	रात
जीवित	-	मृत	छोटा	-	बड़ा			

(ख) चित्र देखकर इनके दो-दो नाम लिखिए

गीदड़	हाथी	शेर	वृक्ष
सियार	गज	सिंह	पेड़

पाठ 13 : आज्ञाकारी नौकर (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सेठ का क्या नाम था?
   धनीराम।

2. गुणीराम कैसा व्यक्ति था?
   भोला-भाला।
3. गुणीराम तश्तरी में क्या रखे हुए था?
   जूते।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सेठ जी गुणीराम से प्रसन्न क्यों थे?
   गुणीराम सेठ जी की हर आज्ञा का पालन करता था और अपना प्रत्येक काम मन लगाकर करता था। इसी कारण से सेठ जी उससे प्रसन्न रहते थे।
2. सेठ जी ने शाम के भोजन के बाद गुणीराम को क्या आज्ञा दी?
   सेठ जी ने शाम के भोजन के बाद गणीराम को दो पान लेकर आने की आज्ञा दी।
3. सेठ जी ने गुणीराम को क्या समझाया?
   सेठ जी ने गुणीराम को समझाया कि यदि कोई चीज़ माँगी जाए तो उसे तश्तरी में रखकर लाना चाहिए।
4. सेठ जी को गुणीराम के किस कार्य पर हँसी आई?
   जब सेठ जी ने अपने जूते मँगवाए तो गुणीराम ने एक तश्तरी में रखकर उनके सामने पेश किया। सेठ जी को गुणीराम का यह भोलापन देखकर उस पर हँसी आ गई।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. गुणीराम के चरित्र की कुछ विशेषताएँ बातइए।
   गुणीराम बहुत ही भोला व्यक्ति था। वह अपना प्रत्येक काम पूरी मेहनत और लगन के साथ करता था। वह अपने मालिक की आज्ञा का पालन करता था।
   अत: उसमें सेवा-भावना तथा वफादारी का विशेष गुण था। गुणीराम जूतों को तश्तरी में रखकर सेठ जी के सामने लेकर आया। इससे स्पष्ट होता है कि वह इतना अधिक भोला था कि उसमें साधारण-सी बात को समझने की भी समझ नहीं थी।
2. सही/गलत वाक्य लिखिए।
   (i) गलत (ii) सही (iii) गलत (iv) सही
3. इन शब्दों से वाक्य बनाइए-
   आज्ञा - हमें बड़ों की आज्ञा का पालन करना चाहिए।
   प्रसन्न - सेठ जी गुणीराम से बहुत प्रसन्न था।
   तश्तरी - गुणीराम जूते तश्तरी में रखकर लाया।
   मालिक - नौकर अपने मालिक के प्रति वफादार था।
   भूल - भूल-चूक सभी से हो जाती है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. सेठ का नौकर 2. पान मँगवाए 3. भोला था 4. तश्तरी में रखे

भाषा से

(क) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

नौकर	-	मालिक	प्रसन्न	-	अप्रसन्न
दिन	-	रात	आदर	-	अनादर
क्षमा	-	दंड	अपना	-	पराया
बाहर	-	भीतर	अच्छा	-	बुरा

(ख) बहुवचन रूप लिखिए।

जूता	-	जूते	तश्तरी	-	तश्तरियाँ
चीज़	-	चीज़ें	आँस	-	आँखें

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

घर	-	गृह	आलय	आज्ञा	-	हुक्म	आदेश
दिन	-	वार	वासर	रात	-	रजनी	रात्रि
आदमी	-	व्यक्ति	मनुष्य	मित्र	-	दोस्त	मीत
सुबह	-	सवेरे	प्रात:	तश्तरी	-	प्लेट	थाली

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 14 : राजा और मकड़ी (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा का क्या नाम था?
   ब्रूस।
2. राजा कहाँ छिपा हुआ था?
   राजा गुफा में छिपा हुआ था।
3. गुफा की दीवार पर कौन चढ़ रहा था?
   मकड़ी।
4. राजा ने क्या संकल्प लिया?
   राजा ने पुनः युद्ध करने का संकल्प लिया।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा का स्वभाव कैसा था?
   राजा बड़ा ही वीर और साहसी व्यक्ति था। वह दृढ़-निश्चयी तथा बुद्धिमान पुरुष भी था।
2. राजा गुफा में क्या रह रहा था?
   राजा युद्ध हार गया था तथा शत्रु से बचने के लिए वह जंगल में एक गुफा में रह रहा था।
3. मकड़ी ने क्या सफलता प्राप्त की तथा कैसे?
   मकड़ी गुफा की दीवार पर चढ़ने की कोशिश कर रही थी, किंतु वह बार-बार फिसल कर नीचे फ़र्श पर गिर जाती थी। मकड़ी साहसी थी। उसने हार नहीं मानी, पुनः पुनः प्रयास किए तथा अंततः दीवार पर चढ़ने में सफल हो गई।
4. राजा को मकड़ी से क्या प्रेरणा मिली?
   राजा को मकड़ी से पुनः पूरी तैयारी तथा दृढ़ निश्चय के साथ युद्ध लड़ने की प्ररेणा मिली।
5. राजा ने अपना घर-परिवार तथा राजापाट कैसे प्राप्त किया?
   राजा ने गुफा से बाहर आकर अपनी सेना को दोबारा तैयार किया तथा फिर अपने शत्रु को युद्ध में हरा कर अपने घर-परिवार तथा राजपाट को पुनः प्राप्त कर लिया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. इस कहानी से आपने क्या सीखा?
   इस कहानी से हमने यह सीखा कि जीवन के किसी भी क्षेत्र में हार नहीं माननी चाहिए। सफलता प्राप्त करने के लिए बार-बार प्रयास करने चाहिए। इस तरह सफलता अवश्य मिल जाती है।
2. सही शब्द से खाली स्थान भरिए-
   (i) ब्रूस (ii) युद्ध, शत्रु (iii) मकड़ी (iv) जंगल (iv) युद्ध
3. सही वाक्य पर (✓) का तथा गलत वाक्य पर (×) का चिह्न लगाइए।
   (i) ✓ (ii) ✓ (iii) ✓ (iv) × (iv) ✓

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. साहसी 2. घने जंगल में थी 3. मकड़ी से 4. वही सफल होता है।

भाषा से

(क) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

राजा	–	रंक	शत्रु	–	मित्र
विजय	–	पराजय	जीवित	–	मृत
वीर	–	कायर	दुःख	–	सुख
सफलता	–	असफलता	युद्ध	–	शांति

(ख) जोड़े बनाइए-

राजा	–	रानी	लड़का	–	लड़की
वीर	–	वीरांगना	बाप	–	माँ

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

सीखा	शत्रुता
हारा	मित्रता
देखा	सफलता
चला	सुंदरता
पकड़ा	सत्यता
चढ़ा	फलता

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 15 : चालाक चूहा (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. घर कैसा था?
   बड़ा।
2. घर में कितने चूहे रहते थे?
   चार।
3. छोटा चूहा कैसा था?
   शरारती।
4. बिल्ली से डरकर चूहा कहाँ घुस गया?
   बोतल में।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सबसे छोटा चूहा क्या करता रहता था?
   सबसे छोटा चूहा इधर-उधर भागता-दौड़ता तथा तरह-तरह की शरारतें करता रहता था।
2. मोटी बिल्ली और छोटे चूहे के बीच क्या संघर्ष हुआ?
   मोटी बिल्ली छोटे चूहे को पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ी, किंतु छोटा चूहा दौड़ते-दौड़ते एक बोतल में घुस गया। बिल्ली ने उसे बोतल से बाहर निकालने की बहुत कोशिश की, किंतु उसे बाहर न निकाल पाई।
3. जब चूहा बोलत से बाहर न निकल पाया, तो मोटी बिल्ली ने उससे क्या कहा?
   जब चूहा बोतल से बाहर न निकल पाया, तो मोटी बिल्ली ने उससे यह कहा कि- ''ठहर कम्बख्त! अभी अपनी बहन को बुलाकर लाती हूँ। फिर देखूँगी कि तू कैसे इस बोलत से बाहर नहीं आता।''
4. चूहा बोतल से बाहर कैसे निकला?
   चूहा बोतल से बाहर अपने तीन मित्रों की सहायता से निकला। उसके तीनों मित्र एक-दूसरे पर चढ़कर खड़े हो गए। सबसे ऊपर वाले चूहे ने अपनी पूँछ को बोतल के अंदर लटका दिया। छोटा चूहा उसकी पूँछ पकड़ कर बाहर निकल आया।
5. अंत में छोटे चूहे ने बिल्ली से क्या कहा?
   अंत में छोटे चूहे ने बिल्ली से कहा कि- ''अरे मौसी! मौसी जी मैं यहाँ हूँ।''

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. इन शब्दों से वाक्य बनाइए।
   शरारती - छोटा चूहा बहुत शरारती था।
   अचानक - बिल्ली अचानक आ धमकी।
   कोशिश - कोशिश करने पर सफलता अवश्य मिलती है।
   एकाएक - राधा एकाएक गिर पड़ी।
2. पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए-
   (i) घर (ii) बिल्ली (iii) चूहा, बिल्ली (iv) बिल (iv) बोतल

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. चार 2. मोटी 3. अपनी बरहन को 4. मौसी

भाषा से

(क) चित्र देखकर उनके दो-दो नाम लिखिए।

बिल्ली	चूहा	घर	पूँछ
मार्जारी	मूषक	गृह	दुम

(ख) सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।

1. था, थे 2. थीं, थी 3. गया, गए

(ग) बहुवचन रूप लिखिए।

बिल्ली –	बिल्लियाँ	चूहा –	चूहे	बोलत –	बोलतें
छड़ी –	छड़ियाँ	मौसी –	मौसियाँ	बहन –	बहनें

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें

पाठ 16 : प्यासा कौआ (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कौआ क्या खोज रहा था?
   पानी।
2. बाग में क्या रखा था?
   घड़ा।
3. कौए ने घड़े में क्या डाला?
   कंकड़

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मौसम कैसा था?
   मौसम बहुत अधिक गरम था।
2. प्यास के कारण कौए की क्या हालत थी?
   प्यास के कारण कौआ थका हुआ था तथा घबरा कर इधर-उधर पानी की खोज में उड़ रहा था।
3. घड़े को देखकर कौए पर क्या प्रभाव पड़ा?
   घड़े को देखकर कौआ प्रसन्न हो गया।
4. घड़े में झाँककर कौए को निराशा क्यों हुई?
   घड़े में झाँककर कौए को निराशा हुई, क्योंकि घड़े में बहुत कम पानी था। वहाँ तक उसकी चोंच नहीं पहुँच सकती थी।
5. कौए ने पानी ऊपर लाने के लिए क्या युक्ति अपनाई?
   कौए ने पानी ऊपर लाने के लिए घड़े में कंकड डालें।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. स्वयं करें।
2. इसके बाद क्या हुआ
   (i) कौआ उड़कर एक बाग में आया।
   (ii) कौआ घड़े के अंदर झाँका।
   (iii) घड़े में पानी ऊपर आ गया।
3. सही/गलत लिखिए-
   (i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत (iv) सही

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. प्यासा था 2. घड़ा 3. कंकड़-पत्थर 4. चतुर था

भाषा से

(क) स्वयं करे।

(ख) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

गरमी –	सरदी	धूप –	छाँव
जल –	थल	हार –	जीत
पास –	दूर	खुश –	नाखुश
ऊपर –	नीचे	चतुराई –	मूर्खता

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) स्वयं करें।

(ग) चित्र पहचानकर उनके नाम लिखिए।

कुरसी खरबूज़ा गुड़िया अमरूद

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं कीजिए।

ऋ की मात्रा (ृ)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) वर्ण और मात्रा जोड़कर शब्द लिखिए।

गृह	मृग
कृषि	वृक्ष
कृपाण	पृथक

(ख) चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए।

एक मृग था। वह तृण चर रहा था।

तभी नृप आया। मृग पर कृपाण उठाया।

मृग डर कर भाग गया।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ग) चित्र पहचानकर नाम पूरे कीजिए।

दृग गृह वृक्ष कृषक

ए और ऐ की मात्रा (े, ै)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) वर्ण और मात्रा जोड़कर शब्द लिखिए।

नेवला	केला
शेरनी	करेला
सैनिक	मैदान
मैया	शैतान

(ख) ए तथा ऐ की मात्रावाले शब्दों को छाँटकर अलग-अलग लिखिए।

मेला	थैला
देश	भैया
नेहा	मैना
नेवला	नैया

(ग) सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए।

1. लाल 2. पैर 3. सैनिक 4. नैया 5. गवैया 6. रेल 7. थैला

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(क) चित्र देखकर ए तथा ऐ की मात्रा लगाकर शब्द पूरे कीजिए।

कैमरा	नेवला	सेब	केला
सैनिक	नैया	गवैया	मैना

(ख) नीचे दिए गए वर्ग में चार जंतुओं के नाम छिपे हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए।

हाथी भालू बकरी गाय

(ग) स्वयं कीजिए।

ओ और औ की मात्रा (ो, ौ)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) वर्ण और मात्रा जोड़कर शब्द बनाइए।

टोकरी	बोतल
घोड़ा	मोरनी
हथौड़ा	मौसी
सौरभ	पकौड़ी

(ख) चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए।

मौसी समोसा खा।	पेड़ पर तोता बैठा है।
गौरी हथौड़ी ला।	नदी में नौका है।
बालक ढोलक मत बजा।	रानी लौकी ला।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(क) उदाहरण के अनुसार शब्द बनाइए।

बौना	खिलौना	भगौना	बिछौना
नौका	चौका	भौंका	मौका

(ख) चित्र देखकर रिक्त खानों में सही अक्षर लिखिए तथा चित्रों के नाम पूरे कीजिए।

लो	ह	तौ	को	ढो	खि
म	थौ	लि	य	ल	लौ
ड़ी	ड़ा	या	ल	क	ना

पाठ 5 : अं, अः और चंद्रबिंदु की मात्रा

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) वर्ण और मात्रा जोड़कर शब्द लिखिए।

कँजूस	शंख
बाँसुरी	पाँच
दु:ख	नम:
गाँव	ताँगा

(ख) चित्रों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए।

बड़ों को नम: करना चाहिए।	मोहन बाँसुरी बजाता है।
माँ ताँगे में बैठकर आई है।	उधर साँप है।
बच्चा पतंग उड़ाता है।	रजनी ने सुंदर कंगन खरीदे।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं कीजिए।

पाठ 6 : र रेफ़ और पदेन वाले शब्द

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

दिए गए शब्दों के अर्थ ढूँढ़कर लिखिए।

साँप - सर्प	बारिश - वर्षा	गाँव - ग्राम	सुबह - प्रात:काल
सूरज - सूर्य	सैर - भ्रमण	उद्यान - पार्क	शीशा - दर्पण
कान - कर्ण	झरना - निर्झर	पहाड़ - पर्वत	रेलगाड़ी - ट्रेन

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं कीजिए।

पाठ 7 : संयुक्ताक्षर और संयुक्त व्यंजन

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. कुत्ते 2. मिट्टी 3. छत्ता 4. कुत्ता 5. कच्चा, खट्टा

(ख) वर्ण और मात्रा जोड़कर शब्द लिखिए।

कुत्ता	मक्खी
बंदर	बच्चा
बूड्ढा	रस्सी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

चित्रों को पहचानकर उनके नाम लिखिए।

चक्र	लड्डू	मक्का
गुब्बारा	कुत्ता	लट्टू

पाठ 8 : ड़ और ढ़ का प्रयोग

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

स्वयं कीजिए।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं कीजिए।

पाठ 9 : माँ (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. माँ किसका ध्यान रखती है?
   बच्चे का।
2. जीवन का पहला गुरु कौन होता है?
   माँ।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. माँ कैसी होती है?
   माँ प्यारी-प्यारी और निराली होती है।
2. माँ बच्चे को चलना किस तरह सिखाती है?
   माँ बच्चे को उसकी अँगुली पकड़कर चलना सिखाती है।
3. माँ बच्चे को कैसी सीख देती है?
   माँ बच्चे को जीवन सफल बनाने वाली सीख देती है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. माँ 2. चलना 3. सही

भाषा से

(क) स्वयं कीजिए।

(ख) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

बच्चे	सफलताएँ
राहें	भुजाएँ
आँखें	गाएँ

(ग) सही शब्द चुनकर लिखिए।

माँ बिसराती निराली सिखलाती जीवन गुरु

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

1. स्वयं करें।
2. बताएँ, आप इन्हें क्या कहते हैं?

नाना दादी दादा पिता

नानी भाई मौसी मामा

पाठ 10 : निममो की चतुराई (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लोमड़ी का क्या नाम था?
   निम्मो।
2. नदी में कौन रहता था?
   मगरमच्छ।
3. लोमड़ी कहाँ रहती थी?
   गुफा में।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लोमड़ी नदी पर क्यों जाया करती थी?
   लोमड़ी नदी पर पानी पीने के लिए जाती थी।
2. मगर के मुँह से अपनी टाँग छुड़ाने के लिए लोमड़ी ने क्या किया?
   मगर के मुँह से अपनी टाँग छुड़ाने के लिए लोमड़ी ने अपनी दूसरी टाँग मगर को दिखाई तथा बोली- ''मगर, मामा तुमने मेरी टाँग की जगह लकड़ी पकड़ ली है।'' मगर उसकी बातों में आ गया और उसने लोमड़ी की टाँग छोड़ दी।
3. मगर ने क्या निर्णय लिया?
   मगर ने लोमड़ी की गुफा में छिपकर उसे पकड़ने का निर्णय लिया।
4. लोमड़ी को कैसे पता चला कि मगर गुफा में छिपा हुआ है?
   लोमड़ी को गुफा के बाहर मगर के पंजों के निशान देखकर पता चल गया कि उसमें मगर छिपा हुआ है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।
   (i) लोमड़ी (ii) मगर (iii) चतुराई (iv) गुफा (v) बिगाड़
2. स्वयं करों।

बहुविकल्पी-प्रश्न (MCQs)

1. नदी पर 2. चतुर 3. मगर

भाषा से

(क) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

चतुर मूर्ख हँसना रोना

दिन रात पकड़ना छोड़ना

(ख) शब्द के सही अर्थ पर गोला ❍ लगाइए।

वन, होशियारी, जल, प्रतीक्षा, साँझ

(ग) स्वयं करें।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

1. इस शब्द-जाल में से आठ जंगली जानवरों के नाम ढूँढ़कर लिखिए-

   1. लोमड़ी 2. शेर 3. भालू 4. बंदर 5. भेड़िया 6. हाथी 7. मगरमच्छ 8. दरियाई घोड़ा

2. स्वयं करों।

पाठ 11 : घोड़े की सवारी (प्रेरक-प्रसंग)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पंडित जवाहरलाल नेहरू के पिता का क्या नाम था?
   मोती लाल नेहरू।
2. पंडित जवाहरलाल नेहरू अपने बचपन में कैसे थे?
   थोड़े शरारती।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पंडित जवाहरलाल नेहरू कौन थे?
   पंडित जवाहरलाल नेहरू आज़ादी की लड़ाई के प्रमुख नेता तथा भारत के पहले प्रधानमंत्री थे।
2. पंडित जवाहरलाल नेहरू के पिता ने उनसे क्या कहा?
   पंडित जवाहरलाल नेहरू के पिता ने उनसे कहा कि- 'तुम सचमुच बड़े बहादुर हो। आज मैं समझ गया कि बड़े होकर तुम निश्चय की बड़े-बड़े काम करोगे और महान आदमी बनोगे।'

(ग) निमबंधात्मक-प्रश्न।

1. किसने, किससे कहा-
   (i) बालक जवाहर ने साईस से कहा।
   (ii) बालक जवाहर ने अपने पिता से कहा।
   (iii) मोतीलाल नेहरू ने बालक जवाहर से कहा।
2. स्वयं करें।

बहुविकल्पी-प्रश्न (MCQs)

1. अमीर थे 2. घोड़े 3. साईस

भाषा से

(क) समान अर्थवाले शब्द पर (✓) का निशान लगाइए।

स्वतंत्रंता मज़ा ध्यान बेटा वीर

(ख) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

बेटा	- बेटी	पिता	- माता
घोड़ा	- घोड़ी	भाई	- बहन
लड़का	- लड़की	दादा	- दादी

(ग) उलटे अर्थवाले शब्दों से मिलान कीजिए।

प्रथम	- अंतिम	गिरना	- उठना
स्वतंत्रता	- परतंत्रता	दूर	- पास
बचपन	- बुढ़ापा	आगे	- पीछे

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

1, 2 स्वयं करें।

3. नीचे कुछ प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र दिए गए हैं, इन्हें पहचानकर इनके नाम लिखिए-
   1. महात्मा गाँधी 2. सुभाषचंद्र बोस 3. भगतसिंह 4. रानी लक्ष्मीबाई

पाठ 12 : माली काका ज़ोर से भागा (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लोग माली को क्या कहकर बुलाते थे?
   माली काका।

2. माली कैसे पेड़ को काटना चाहता था?
   सूखे पेड़ को।
3. कुल्हाड़ी कहाँ जाकर टकराई।
   मधुमक्खियों के छत्ते से।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. माली ने किस पेड़ को काटने का निश्चय किया और क्यों?
   माली ने सूखे पेड़ को काटने का निश्चय किया, क्योंकि वह पेड़ के बजाय एक ठूँठ नज़र आता था।
2. चिड़िया ने माली से क्या विनती की?
   चिड़िया ने माली से सूखे पेड़ को न काटने के लिए विनती की।
3. माली पत्थर दिल कैसे था?
   माली पत्थर दिल था, क्योंकि वह सूखे पेड़ को काटकर पक्षियों के घरों को नष्ट करना चाहता था।
4. अंत में माली ने पेड़ को काटने का इरादा क्यों छोड़ दिया?
   अंत में माली ने पेड़ को काटने का इरादा छोड़ दिया, क्योंकि उसके मन में मधुमक्खियों का डर समा गया था।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।
   (i) बाग (ii) ठूँठ (iii) अंडे (iv) धावा (v) इरादा
2. सही/गलत लिखिए-
   (i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत (v) सही

भाषा से

(क) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

विशाल	- लघु	बाहर	- भीतर	क्रोध	- शांति
सूखा	- गीला	आगे	- पीछे	सफल	- असफल

(ख) 'वि' जोड़कर शब्द बनाइए।

विशाल विशेष विफल विमान विहार विश्वास

(ग) इन शब्दों में इ तथा ई की मात्रा लगाइए।

विशाल माली निश्चय कुल्हाड़ी विराट चिड़िया टहनी जिद पक्षी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

स्वयं करें।

पाठ 13 : केले का छिलका (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चौबे जी ने क्या खाया?
   केला।
2. केले के छिलके पर किसका पैर पड़ा?
   चौबे जी का।
3. 'मर गए राम' शब्द किसने बोले?
   चौबे जी ने।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चौबे जी ने केला कहाँ खड़े होकर खाया?
   चौबे जी ने केला सड़क पर खड़े होकर खाया।
2. चौबे जी धड़ाम से क्यों गिरे?
   चौबे जी केले के छिलके पर पैर रखने से फिसल गए तथा धड़ाम से ज़मीन पर जा गिरे।

3. गिरने से चौबे जी का क्या नुकसान हुआ?

गिरने से चौबे जी की पगड़ी बिगड़ गई तथा उनका चश्मा टूट गया।

4. छिलके ने चौबे जी से क्या कहा?

छिलके ने चौबे जी से कहा कि- 'सड़क पर केले का छिलका फेंकने वालों को यही सज़ा मिलती है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

स्वयं करें।

बहुविकल्पी-प्रश्न (MCQs)

1. केला 2. चश्मा 3. सड़क पर छिलका नहीं फेंकना चाहिए।

भाषा से

(क) पढ़िए समझिए और लिखिए।

गिराकर, बनाकर, पढ़ाकर, उठाकर, जगाकर

(ख) सही शब्द से खाली स्थान भरिए-

1. खाया, खाए 2. उठाई, उठाई 3. था, थे

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

स्वयं करें।

पाठ 14 : भेड़िए का अनुरोध (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. भेड़िया कहाँ रहता था?

जंगल में।

2. भेड़िए की जज़र किस पर पड़ी?

भेड़ पर।

3. भेड़ कैसी थी?

समझदार।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. भेड़िया शिकार करने में असमर्थ क्यों था?

भेड़िया बहुत बूढ़ा हो गया था और बीमार भी रहने लगा था, इसीलिए शिकार करना अब उसके वश की बात न थी।

2. भेड़ को देखकर भेड़िए ने क्या विचार बनाया?

भेड़ को देखकर भेड़िए के मन उसे पानी लाकर पिलाने के बहाने पास बुलाकर खा जाने का विचार आया।

3. भेड़िए ने भेड़ से क्या विनती की?

भेड़िए ने भेड़ से पानी लाकर पिलाने की विनती की।

4. भेड़ ने अपनी समझदारी का परिचय कैसे दिया?

भेड़ अपने दुश्मन भेड़िए के निकट जाने के बजाय अपने रेवड़ की तरफ चली गई, क्योंकि वह भेड़िए की योजना को समझ गई थी। अत: इस तरह भेड़ ने अपनी समझदारी का परिचय दिया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

(i) भेड़िया (ii) भूखा (iii) चट्टान (iv) कृपा (v) भोजन

2. इन शब्दों से वाक्य बनाइए-

बीमारी - रमन की बीमारी लाइलाज है।

चट्टान – चट्टान पर एक मंदिर बना है।
बढ़िया – रजनी ने बढ़िया साड़ी खरीदी है।
कृपा – भगवान की कृपा से सब ठीक हो गया।
निश्चय – भेड़ ने रेवड़ की ओर जाने का निश्चय किया।
समझदारी – विपत्ति के समय समझदारी से काम लेना चाहिए।

बहुविकल्पी-प्रश्न (MCQs)

1. बहुत बूढ़ा 2. पानी पी रही थी 3. खाना चाहता था

भाषा से

(क) शब्द का उसके अर्थ से मिलान कीजिए।

बीमार	–	रोगी	तबीयत	–	सेहत
हिम्मत	–	साहस	लायक	–	योग्य
बढ़िया	–	अच्छा	रेवड़	–	झुंड
कृपा	–	दया			

(ख) उलटे अर्थवाले शब्द लिखिए।

बूढ़ा	–	जवान	बीमार	–	स्वस्थ
भूखा	–	तृप्त	मोटी	–	पतली
बढ़िया	–	घटिया	समझदार	–	मूर्ख

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

न्न	–	गन्ना	पन्ना	–	प्रसन्न
ल्ल	–	दिल्ली	बिल्ली	–	तिल्ली
त्त	–	पत्ता	कुत्ता	–	सत्ता
ज्ज	–	छज्जा	सज्जन	–	बिज्जू
स्स	–	लस्सी	रस्सी	–	जस्सी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 15 : अनोखा खिलौना (संवाद)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. खिलौना कौन लाया था?
   पिताजी।
2. खिलौने में कितने बंदर थे?
   तीन।
3. उनके मित्र ने गाँधी जी को यह खिलौना किसने भेंट किया था?

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मुँह बंद करके खिलौने का पहला बंदर क्या कहना चाहता था?
   मुँह बंद करके खिलौने का पहला बंदर यह कहना चाहता था कि ''बुरा मत बोलो।'' बुरा बोलने से लड़ाई-झगड़े होते हैं। जब बुरी बात मुँह पर आए तो मुँह बंद कर लो।
2. कान बंद करके तीसरा बंदर क्या उपदेश देना चाहता था?
   कान बंद करके तीसरा बंदर यह उपदेश देना चाहता था कि हमें बुरा नहीं सुनना चाहिए। जब कोई हमारे सामने किसी की बुराई करे तो हमें अपने कान बंद कर लेने चाहिए।

3. बुरा दिखे तो क्या करना चाहिए?

बुरा दिखे तो अपनी आँखें बंद कर लेनी चाहिए।

4. गाँधी जी खिलौने को कहाँ रखते थे?

गाँधी जी खिलौने को अपनी कुटिया में रखते थे।

(ग) निबंधात्मक-पश्न।

1. सही/गलत बताइए–

1. सही 2. गलत 3. गलत 4. सही 5. सही

2. सही शब्द से खाली स्थान भरिए–

(i) आँख (ii) क्या (iii) खिलौना (iv) रखूँगा

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. बाज़ार 2. पहला 3. लड़ाई-झगड़ा होता है

भाषा से

(क) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

बैठा है	बैठा था	बैठेगा
कहता है	कहता था	कहेगा
रहता है	रहता था	रहेगा
देता है	देता था	देगा
मिलता है	मिलता था	मिलेगा

(ख) समान अर्थवाले शब्द छाँटकर उनके जोड़े बनाइए।

खराब - बुरा उपहार - भेंट

चित्र - तस्वीर मतलब - अर्थ

शिक्षा - उपदेश

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

स्वयं करें।

उत्तरमाला : हिंदी रीडर-3

पाठ 1 : ऐसे सूरज आता है (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सूरज किस दिशा से आता है?
   पूर्व दिशा।
2. सीढ़ी पर कौन चढ़ता है?
   दिन।
3. थका-सा कौन आता है?
   धूप।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सूरज कैसे तथा क्या बिखेरता हुआ आता है?
   सूरज पूर्व का दरवाज़ा खोलकर लाल रंग बिखेरता हुआ आता है।
2. सूरज निकलने पर चिड़ियाँ क्या करती हैं?
   सूरज निकलने पर चिड़ियाँ गीत गाने लगती हैं।
3. धरती-गगन कब दमकता है?
   सूरज के तेज़ चमकने पर धरती और गगन दमकने लगते हैं।
4. सूरज़ कैसे ढलता है?
   गरमी कम होने पर तथा धूप के थक जाने पर सूरज आगे की ओर बढ़ता हुआ ढल जाता है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. सूरज के निकलने पर क्या-क्या परिवर्तन दिखाई पड़ते हैं? कविता के आधार पर बताइए।
   सूरज के निकलने पर कई प्रकार के परिवर्तन दिखाई पड़ते हैं, जैसेकि चिड़ियाँ अपने घोसलों से बाहर निकल कर गाने लगती हैं। कलियाँ खिलकर फूल बन जाती हैं, लोग सुस्ती त्यागकर अपने-अपने कामों में जुट जाते हैं, आदि।
2. स्वंय करें।
3. इन शब्दों से वाक्य बनाइए-
   पूरब - सूरज पूरब दिशा में उगता है।
   कलियाँ - कलियाँ खिलकर फूल बन जाती हैं।
   सुस्ती - हमें सुस्ती नहीं दिखानी चाहिए।
   गगन - दिन के समय गगन में सूरज चमकता है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. गोल 2. लाल 3. सुस्ती

भाषा से

(क) इनके समानार्थी शब्द लिखिए।

सूरज -	सूर्य	पूरब -	पूर्व	दिन -	दिवस
गगन -	आसमान	गरमी -	ग्रीष्म	धरती -	भूमि

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

आना -	जाना	चढ़ना -	उतरना
दिन -	रात	खिलना -	मुरझाना
सुस्ती -	चुस्ती	धरती -	आकाश

(ग) नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं, उनमें (ि) या (ी) की मात्रा लगाकर दोबारा लिखिए।

धीरे	गाती	खिलती
सीढ़ी	दिन	सुस्ती
धरती	गरमी	थकी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

4.

1 गु	ला	ब				5 क	म	लि	नि	डे 6
		2 क				4 गें				लि
		म				दा				या
		ल	गु 3	ड़	ह	ल				

पाठ 2 : अकबर का न्याय (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बादशाह अकबर को क्या कहकर बुलाया जाता था?
   अकबर महान।
2. बादशाह अकबर की न्याय की रीति कैसी थी?
   बादशाह अकबर की न्याय की रीति बड़ी विचित्र थी।
3. पृथ्वीराज किसकी परीक्षा लेना चाहता था?
   अकबर बादशाह की न्याय प्रणाली की।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बादशाह अकबर के न्याय की क्या विशेषता थी?
   बादशाह अकबर के न्याय की यह विशेषता थी कि वह न्याय करते समय किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करते थे। वह हिंदू हो या मुसलमान सबको समान महत्व देते थे तथा सच्चा न्याय करते थे।
2. महल के बाहर जंजीर क्यों लटकाई गई थी?
   महल के बाहर जंजीर इसलिए लटकाई गई थी ताकि किसी निर्दोष पर जुल्म होने पर उसको न्याय प्रदान किया जा सके। कोई भी उस जंजीर को खींचकर घंटे को बजा सकता था और बादशाह अकबर से न्याय प्राप्त कर सकता था।
3. कविता पढ़कर बादशाह ने कैसा महसूस किया और फिर क्या घोषणा की?
   कविता को पढ़कर बादशाह के मन को गहरी ठेस लगी तथा उसने गो-हत्या पर रोक लगाए जाने की घोषणा कर दी।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. गाय के गले में लटकी कविता का क्या भावार्थ था?
   मैं दिन-रात तिनके चरती हूँ और बड़ी दीन वाणी में रँभाती हूँ। मैं लोगों को दूध, दही, घी आदि देती हूँ। मेरे बछड़े बड़े होकर बैल बनते हैं तथा ज़मीन जोतकर फसल उगाते हैं। जब मैं मरती हूँ तो चमड़ा देती हूँ जिससे जूतियाँ और ढोल-नगाड़े बनते हैं। फिर भी मुझे बेमौत मार दिया जाता है अथवा मेरी हत्या कर दी जाती है। अत: मैं बादशाह अकबर से न्याय चाहती हूँ।
2. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-
   (i) महान (ii) न्याय, विचित्र (iii) गाय (iv) कविता
3. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-
   कुशल - निपुण - बादशाह अकबर उदार तथा नीति कुशल व्यक्ति थे।
   बादशाह - सम्राट - मुग़ल बादशाह शाहजहाँ ने ताजमहल बनवाया।
   दीन - गरीब - दीन-दु:खी की सहायता करना हम सबका कर्तव्य है।
   घोषणा - मुनादी - अकबर की घोषणा के उपरांत गो-हत्या करना बंद कर दिया गया।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. घंटा 2. कवि 3. हँसने लगे

भाषा से

(क) इनके विलोम शब्द लिखिए।

आदर	-	अनादर	न्याय	-	अन्याय
उदार	-	अनुदार	बादशाह	-	फ़कीर
दिन	-	रात	इधर	-	उधर
मारना	-	बचाना	बाहर	-	भीतर

(क) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

दीनता समानता

महानता	कुशलता
उदारता	सुंदरता

(क) एक से अनेक बनाइए।

रीति	–	रीतियाँ	जंजीर	–	जंजीरें
नीति	–	नीतियाँ	आवाज़	–	आवाज़ें
घंटा	–	घंटे	कविता	–	कविताएँ

(घ) नीचे संज्ञा शब्द दिए गए हैं। उनमें से जातिवाचक संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए।
बादशाह, महल, गाय, सिपाही, कविता, दूध, राजा, जूती, घर

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

1. बादशाह अकबर के चरित्र की दो विशेषताएँ हैं-
   (i) वह एक न्यायप्रिय शासक थे।
   (ii) वह अत्यधिक उदार एवं नीति-कुशल व्यक्ति थे।

पाठ 3 : भारत की झीलें (लेख)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. डल झील कहाँ स्थित है?
   श्रीनगर।
2. भोजताल का निर्माण किस राजा ने करवाया था?
   राजा भोज।
3. वेल्लयानी झील किस राज्य में स्थित है?
   केरल।
4. पुलीकट झील की औसत गहराई कितनी है?
   18 मीटर।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. डल झील के चार प्रमुख जलाशय कौन से हैं?
   डल झील के चार प्रमुख जलाशय हैं- गगरीबल, लोकुट डल, बोड डल तथा नागिन।
2. वुलर झील की कुछ विशेषताएँ बताइए।
   वुलर झील की कुछ विशेषताएँ इस प्रकार हैं-
   (i) यह भारत की मीठे पानी की सबसे बड़ी झील है।
   (ii) इसमें बड़ी-बड़ी लहरें उठती हैं।
   (iii) प्राचीन काल में इसे महापद्मसर के नाम से जाना जाता था।
3. चिल्का झील का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
   यह उड़ीसा राज्य में सागरीय अप्रवाही जल से बनी एक विशाल झील है। यह भारत की सबसे बड़ी एवं संसार की दूसरी सबसे बड़ी झील है। इस झील की लंबाई 70 किलोमीटर तथा चौड़ाई लगभग 30 किलोमीटर है। इस झील का आकार नाशपाती के समान है। इसकी औसत गहराई 3 मीटर है। दिसंबर से जून तक इसका जल खार बना रहता है तथा वर्षा ऋतु आने पर मीठा हो जाता है।
4. चाँदुबी झील कहाँ स्थित है? इसकी कुछ विशेषताएँ बताइए।
   चाँदुबी झील असम के कामरूप जिले में स्थित है। इस झील की कुछ प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं-
   (i) गारो की पहाड़ियों में स्थित यह झील असम तथा मेघालय से घिरी हुई है।
   (ii) यह झील चाय बागानों और घने जंगलों के बीच स्थित है।
   (iii) यह झील अपने प्राकृतिक सौंदर्य तथा शांत वातावरण के लिए संसार भर में विख्यात है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. फतेह सागर झील का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
   यह राजस्थान के उदयपुर शहर में स्थित एक विशाल झील है। यह एक मानव-निर्मित झील है। इसे सन् 1680 में महाराणा जय

सिंह प्रथम द्वारा बनवाया गया था। इस झील में तीन बड़े द्वीप स्थित हैं जिनमें एक पर नेहरू पार्क स्थित है जिसमें एक चिड़ियाघर तथा भव्य रेस्तरां भी बने हुए हैं।

2. पर्यटन स्थलों के प्रति हमारा क्या दायित्व है? लिखिए।

पर्यटन स्थलों के प्रति हमारे बहुत सारे दायित्व हैं जिन्हें हम सबको निभाना चाहिए। उनमें से कुछ प्रमुख दायित्व इस प्रकार हैं–

(i) हमें पर्यटन स्थलों की सुंदरता को बनाए रखना चाहिए। उन्हें किसी भी रूप में अथवा किसी भी प्रकार से गंदा नहीं करना चाहिए।

(ii) हमें पर्यटन स्थल पर वर्णित सभी नियमों का पालन करना चाहिए।

(iii) हमें पर्यटन स्थल की ज़मीन पर अवैध रूप से कब्ज़ा नहीं करना चाहिए।

(iv) सभी पर्यटकों से शिष्ट व्यवहार करना चाहिए।

3. सही/गलत बताइए–

(i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत (v) सही

4. उचित मिलान कीजिए–

डल झील	कश्मीर
चाँदुबी झील	असम
खज्जियार झील	हिमाचल प्रदेश
पुलीकट झील	तमिलनाडु
उमियाम झील	मेघालय
पोवई झील	महाराष्ट्र

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. आंध्र प्रदेश 2. वुलर झील 3. भोजताल 4. वेल्लयानी झील

भाषा से

(क) इनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

ताल	–	सरोवर	तालाब	नदी	–	सरिता	तटिनी
धरती	–	धरा	मही	जल	–	पानी	नीर
सागर	–	समुद्र	सिंधु	पेड़	–	वृक्ष	तरु

(ख) विलोम शब्द छाँटकर लिखिए।

महान	–	लघु	सुंदर	–	कुरूप
प्राकृतिक	–	कृत्रिम	धरती	–	आकाश
जल	–	थल	गहरी	–	उथली
प्राचीन	–	नवीन	शांत	–	अशांत

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

चौड़ाई	विशालता
लंबाई	सुंदरता
गहराई	मानवता
ऊँचाई	सफलता

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

वुलर झील चिल्का झील वेल्लयानी झील डल झील

पाठ 4 : कृतघ्न शेर (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. शेर कहाँ रहता था?

शेर जंगल में रहता था।

2. शेर के गले में क्या फँस गया था?
   हड्डी।
3. पेड़ पर कौन-सा पक्षी बैठा था?
   कठफोड़वा।
4. शेर कैसा प्राणी निकला?
   कृतघ्न।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. शेर के लिए खाना-पीना मुश्किल क्यों हो गया था?
   शेर के गले में हड्डी फँस गई थी। इसी कारण उसके लिए खाना-पीना मुश्किल हो गया था।
2. कठफोड़वे ने शेर से अपने किस भय के बारे में कहा?
   कठफोड़वे ने भय प्रकट करते हुए शेर से कहा कि मैं आपके गले में फँसी हड्डी को तो निकाल सकता हूँ, किंतु आपके मुँह में अपना सिर डालने से डरता हूँ। कहीं आप मुझे खा न लें।
3. कठफोड़वे ने शेर के दोनों जबड़ों के बीच लकड़ी क्यों लगाई?
   कठफोड़वे ने शेर से अपने प्राण सुरक्षित बचाए रखने के लिए उसके दोनों जबड़ों के बीच लकड़ी लगाई। क्योंकि इस तरह शेर अपना मुँह बंद नहीं कर सकता था।
4. शेर कृतघ्न था। बताइए, कैसे?
   शेर एक कृतघ्न प्राणी था, क्योंकि कठफोड़वा संकट के समय उसकी सहायता के लिए आगे आया था। उसने शेर के गले में फँसी हड्डी निकाल कर उसकी जान बचाई थी। किंतु जब कठफोड़वे को शेर की सहायता की ज़रूरत पड़ी, तो उसने स्पष्ट मना कर दिया एवं साथ ही उसको डाँटा भी।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. इस कहानी से आपने क्या सीखा?
   इस कहानी से हमने सीखा कि जो व्यक्ति अथवा प्राणी हमारे किसी काम आए, हमें भी उसके काम आना चाहिए और उसके प्रति कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए। इसके अतिरिक्त शेर जैसे धूर्त अथवा कृतघ्न प्राणियों से दूर रहना चाहिए।
2. शेर ने अपनी कृतघ्नता कैसे प्रकट की?
   कठफोड़वे ने शेर के गले में फँसी हड्डी को निकालकर उसके प्राण बचाए। किंतु जब कठफोड़वे को शेर की सहायता की ज़रूरत पड़ी तो शेर ने उसकी सहायता करने से साफ़ मना कर दिया तथा उलटे उसी पर यह एहसान जताया कि वह उसके मुँह में जाने पर भी सुरक्षित बाहर निकल आया, यह उसकी कृपा का ही फल था। अन्यथा वह जीवित नहीं बच पाता। इन सभी बातों से शेर की कृतघ्नता स्वत: स्पष्ट हो जाती है।
3. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-
   (i) गिर (ii) कठफोड़वा (iii) हड्डी (iv) मुँह (v) एहसान
4. किसने किससे कहा, लिखिए-
   (i) कठफोड़वे ने शेर से कहा।
   (ii) शेर ने कठफोड़वे से कहा।
   (iii) कठफोड़वे ने स्वयं से कहा।
   (iv) शेर ने कठफोड़वे से कहा।
   (v) कठफोड़वे ने शेर से कहा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. गुफा में 2. शेर के मुँह में 3. लकड़ी 4. सिंह

भाषा से

(क) नीचे दिए गए शब्दों में सही स्थान ँ पर तथा ँ का प्रयोग कीजिए।

जंगल	मुँह	मैं	हाँ	पाँव
फँस	खाऊँगा	संभव	करूँगा	बंद

(ख) इनके दो-दो नाम लिखिए।

शेर	वन	गुफा
सिंह	जंगल	माँद

(ग) दिए गए शब्दों के विलोम शब्द वर्ग से ढूँढ़कर लिखिए।

बाहर	–	भीतर	पास	–	दूर
कृतघ्न	–	कृतज्ञ	जीवन	–	मरण
संभव	–	असंभव	अच्छाई	–	बुराई
जीवित	–	मृत	दिन	–	रात

(घ) संज्ञा शब्दों पर गोला लगाइए।

शेर दर्द जंगल कठफोड़वा गुफा चोंच लकड़ी बुढ़ापा सुंदरता पशु शिकारी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

2. (i) हाथी (ii) शेर (iii) बंदर (iv) लोमड़ी (v) खरगोश (vi) हिरण (vii) साँप (viii) गिलहरी (ix) भालू (x) कठफोड़वा

पाठ 5 : भूल गया है क्यों इनसान (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. नभ की छाया कैसी है?
   निर्मल।
2. मानव किसकी उपज है?
   धरती।
3. अंतर-प्राण का क्या अर्थ है?
   हृदय।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. 'सबकी है मिट्टी की काया' से क्या तात्पर्य है?
   'सबकी है मिट्टी की काया' से यह तात्पर्य है कि प्रत्येक मनुष्य का शरीर मिट्टी से बना हुआ है।
2. देश तथा वेश अलग-अलग होकर भी सभी मानव एक समान कैसे हैं?
   मनुष्य चाहे किसी भी देश में और चाहे किसी भी वेश में रहता हो फिर भी उसकी एक-दूसरे से समानता होती है, क्योंकि सभी मनुष्यों का अंतर-प्राण अर्थात् दिल एक जैसा ही होता है।
3. मनुष्य किस आधार पर स्वयं को दूसरों से भिन्न समझता है?
   मनुष्य अपने देश और अपने वेश के आधार पर ही स्वयं को दूसरों से भिन्न समझता है।
4. हम सब एक धरा की संतान कैसे हैं?
   एक धरा अथवा धरती पर ही भिन्न-भिन्न देश बसे हुए हैं। अत: संसार के देश भिन्न हो सकते हैं, किंतु धरती भिन्न नहीं है। सबकी धरती एक ही है। इसलिए हम सब एक धरा की संतान हैं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. नीचे दिए गए पद्यांश का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
   भावार्थ- इस संसार में जन्मे प्रत्येक मनुष्य का शरीर मिट्टी से बना हुआ है। सबके सिर पर एक ही आसमान की निर्मल छाया उपस्थित है। फिर भी हे मानव! तू यह क्यों भूल गया है कि इस धरती पर जन्मा प्रत्येक मानव एक समान है तथा कोई भी मानव विशेष वरदान लेकर नहीं जन्मा है। अर्थात् विशेष नहीं हैं, अर्थात् विशेष नहीं हैं।
2. इन शब्दों से वाक्य बनाइए।
   इनसान – संसार का प्रत्येक इनसान एक ही धरती की संतान है।
   वरदान – हे ईश्वर! हमें भले इनसान बनने का वरदान प्राप्त हो।
   वेश – हमें देश तथा वेश के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए।
   निर्मल – नदी का जल निर्मल है।
   धरा – इस धरा पर सभी जीवों का हक है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मिट्टी 2. मानव ने 3. हृदय

भाषा से

(क) विलोम शब्द पर (✓) का निशान लगाइए।

इनसान	– हैवान	देश	– विदेश
धरती	– आकाश	निर्मल	– मलिन

(ख) उचित मिलान कीजिए।

इनसान	– मनुष्य	आदमी	मनुज
धरा	– धरती	मही	वसुधा
नभ	– अंबर	आकाश	आसमान
काया	– शरीर	तन	देह

पाठ 6 : खेलो-खाओ पेड़ों के संग (संवाद)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. काजल और रजनी कौन हैं?
   काजल और रजनी सगी बहनें हैं।
2. काजल और रजनी रोज शाम को कहाँ खेलती हैं?
   काजल और रजनी रोज शाम को उद्यान में खेलती हैं।
3. कौन-सा पेड़ बीमार था?
   अमरूद का पेड़ बीमार था।
4. पेड़ों के डॉक्टर को किसने बुलवाया?
   पेड़ों के डॉक्टर को रजनी और काजल के पिता ने बुलवाया।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. रजनी ने उद्यान में क्या देखा?
   रजनी ने उद्यान में अमरूद के एक बीमार पेड़ को देखा जिसकी अधिकांश पत्तियाँ पीली पड़ गई थीं अथवा सूख गई थीं।
2. रजनी और काजल अपने पापा से क्या चाहती थीं?
   रजनी और काजल अपने पापा से यह चाहती थीं कि वह पेड़ों के डॉक्टर को बुलाकर उस अमरूद के पेड़ का इलाज करवाए।
3. अमरूद के पेड़ को क्या रोग था? उसका इलाज कैसे किया गया?
   अमरूद के पेड़ की जड़ों में दीमक लग गई थी। इसी कारण वह पेड़ सूखने लगा था। पेड़ों के डॉक्टर ने उसकी जड़ों में दवाई डालकर उसका इलाज किया तथा पेड़ फिर से हरा-भरा हो गया।
4. काजल और रजनी अपने पापा के साथ पेड़ों के डॉक्टर के पास क्यों गईं?
   पेड़ों के डॉक्टर की सहायता से अमरूद का पेड़ फिर से हरा-भरा हो गया था और उस पर अच्छे फल आए थे। अतः दोनों बहनें इस कार्य के लिए डॉक्टर को धन्यवाद देना चाहती थीं और उस पेड़ के फल भी उन्हें भेंट के रूप में देना चाहती थीं। इसी कारण वे अपने पापा के साथ डॉक्टर से मिलने गईं।
5. सबने मिलकर क्या शपथ ली?
   सबने मिलकर पेड़ लगाने और उनका संरक्षण करने की शपथ ली।

(ख) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. काजल की मैम ने उनको क्या बताया था ?
   काजल की मैम ने उसको पेड़-पौधों के बारे में बताया था। उन्होंने बताया था कि पेड़-पौधे हमारी तरह ही प्राणी होते हैं। धरती पर जीवन को बनाए रखने के लिए पेड़ उगाना तथा पेड़ों को बचाना ज़रूरी है। धरती पर पेड़ ही जीवन का आधार हैं।
2. पेड़-पौधे हमारे लिए उपयोगी क्यों हैं?
   पेड़-पौधे हमारे लिए उपयोगी हैं, क्योंकि-
   (i) इनसे हमें फल एवं सब्ज़ियाँ मिलती हैं।
   (ii) इनसे अनाज, दालें, मसाले, पेय पदार्थ, लाख आदि बहुत-सी उपयोगी चीज़ें प्राप्त होती हैं।
   (iii) पेड़ों से प्राप्त ऑक्सीजन को हम साँस द्वारा ग्रहण करते हैं। ऑक्सीजन हमें जीवन देती है।
   (iv) पेड़ वर्षा लाने में सहायक होते हैं।
   (v) पेड़ हमें शीतल छाया प्रदान करते हैं।

3. सही/गलत वाक्य बताइए-

(i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) सही (v) सही

4. किसने, किससे कहा, लिखिए-

काजल ने रजनी से कहा।

रजनी ने अपने पापा से कहा।

पापा ने रजनी और काजल से कहा।

पेड़ों के डॉक्टर ने रजनी और काजल से कहा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. उद्यान में 2. बीमार पेड़ का 3. हरी-भरी बनाते हैं 4. अमरूद

भाषा से

(क) इनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

उद्यान	-	बाग	बगीचा
पेड़	-	वृक्ष	तरु
बीमार	-	रोगी	रुग्ण
बेटी	-	पुत्री	सुता
दिन	-	वार	वासर

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

सुबह	-	शाम		सच	-	झूठ
सूखा	-	गीला		बीमार	-	स्वस्थ

(ग) नीचे दिए गए विशेष्यों के लिए उचित विशेषण शब्द चुनकर लिखिए।

हरा	पेड़	मीठा	फल
बड़ी	बहन	बड़ा	उद्यान
सच्ची	बात	सुंदर	फूल
मासूम	लड़की	अच्छा	आदमी

(घ) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

द् + ध = द्ध	बुद्ध	शुद्ध	युद्ध
द् + य = द्य	विद्या	विद्यमान	वैद्य
त् + त = त्त	पत्ता	कुत्ता	छत्ता
स् + व = स्व	स्वयं	स्वास्थ्य	स्वाभिमान
न् + य = न्य	अन्य	न्याय	न्यारा

(ङ) वचन बदलिए।

बेटी	-	बेटियाँ	पत्ती	-	पत्तियाँ
बहन	-	बहनें	बीमारी	-	बीमारियाँ
टोकरी	-	टोकरियाँ	पौधा	-	पौधे
जड़	-	जड़ें	दवाई	-	दवाइयाँ

(च) स्त्रीलिंग अथवा पुल्लिंग बताइए।

पापा	-	पुल्लिंग	पेड़	-	पुल्लिंग
बच्चा	-	पुल्लिंग	बेटी	-	स्त्रीलिंग
डॉक्टर	-	पुल्लिंग	फल	-	पुल्लिंग
उद्यान	-	पुल्लिंग	फूल	-	पुल्लिंग

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

चित्रों और संकेत बिंदुओं की सहायता से कहानी लिखिए।

एक लकड़हारा था। उसका नाम था- भोला। भोला रोज जंगल में लकड़ियाँ काटने के लिए जाया करता था। एक दिन वह जंगल में गया। उसने एक स्वस्थ पेड़ को देखा। पेड़ मोटा-तगड़ा था। उससे अच्छी लकड़ियाँ मिल सकती थीं। उसने उस पेड़ को काटने का

मन बनाया। जैसे ही उसने कुल्हाड़ी उठाई, अचानक बारिश आ गई। बारिश के कारण उसने पेड़ काटने का निर्णय टाल दिया और अपने घर वापस लौट गया।

बारिश तेज़ थी। भोला के घर चले जाने के बाद कुछ चोर उस पेड़ के नीचे आए। उनके पास चोरी के बहुत सारे सोने के सिक्के थे। उन्होंने उन सोने के सिक्कों को उस पेड़ की जड़ों में छिपा दिया और फिर वहाँ से चले गए।

भोला अगले दिन उस पेड़ को काटने के लिए जंगल में आया। पेड़ काटने के लिए जैसे ही उसने कुल्हाड़ी उठाई, तो पेड़ डर के मारे काँपने और रोने लगा। पेड़ भोला से विनती करते हुए बोला- ''भाई, मुझे मत काटो। मुझ पर दया करो। अगर तुम्हें धन ही चाहिए तो मेरी जड़ों में छिपे सारे धन को निकालकर ले जाओ।'' फिर पेड़ ने उसे उन सिक्कों के बारे में बता दिया, जिन्हें चोर छिपाकर गए थे।

भोला पेड़ की बात सुनकर प्रसन्न हुआ। उसने पेड़ की जड़ों से सोने के सारे सिक्के निकाल लिए तथा फिर जीवन भर कभी किसी पेड़ को न काटने का वादा करके खुशी-खुशी अपने घर लौट गया।

पाठ 7 : वीर बालक - बाजी रावत (प्रेरक-प्रसंग)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. हरी रावत कौन था?
   हरी रावत एक नाविक था।
2. बाजी-रावत की उम्र क्या थी?
   तेरह साल।
3. बाजी रावत कैसा बालक था?
   बाजी रावत एक वीर तथा साहसी बालक था।
4. सिपाही कहाँ जाना चाहते थे?
   सिपाही नदी पार के एक गाँव में जाना चाहते थे।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. हरी रावत क्या काम करता था?
   हरी रावत नाव चलाने का काम करता था। वह लोगों को अपनी नाव में बैठाकर नदी पार कराता था।
2. बाजी रावत ने अपने पिता को घर क्यों भेजा?
   बाजी रावत ने अपने पिता को भोजन खाकर आने के लिए घर भेजा, क्योंकि वह सुबह बिना भोजन खाए ही नदी तट पर आ गए थे।
3. युवकों ने सभा के दौरान क्या-क्या किया?
   सभा में युवकों ने तिरंगा हाथ में लेकर देश को स्वतंत्र कराने की शपथ ली तथा साथ ही 'वंदे मातरम्' के नारे भी लगाए थे।
4. बाजी रावत सिपाहियों को नदी पार क्यों नहीं कराना चाहता था?
   बाजी रावत सिपाहियों को नदी पार नहीं कराना चाहता था, क्योंकि वह जानता था कि नदी पार के गाँव में युवकों ने तिरंगा फहरा कर देश को स्वतंत्र कराने की शपथ ली है तथा 'वंदे मातरम्' के नारे भी लगाए हैं। अत: ये सिपाही उन पर गोलियाँ चलाने के लिए जा रहे हैं। अत: वह उन युवकों पर संकट नहीं लाना चाहता था।
5. बाजी रावत ने अपनी वीरता तथा साहस का परिचय कैसे दिया?
   बाजी रावत ने सिपाहियों को अपनी नाव में सवार न होने दिया। निडरता से उनका विरोध किया तथा उनकी बंदूक से जरा भी न डरा। उसने सिपाहियों से संघर्ष करते हुए अपनी जान दे दी, किंतु पीछे नहीं हटा। इन सब बातों से स्पष्ट हो जाता है कि बाजी रावत एक वीर तथा साहसी बालक था।

(क) निबंधात्मक प्रश्न।

1. बालक बाजी रावत की हिम्मत और देशभक्ति का परिचय अपने शब्दों में दीजिए।
   बाजी रावत बहुत अधिक हिम्मती और देशभक्त बालक था। उसकी हिम्मत और देशभक्ति का परिचय उस समय मिलता है जब अंग्रेज़ सिपाही राष्ट्रभक्त युवकों पर गोलियाँ चलाने के लिए बालक की नाव में बैठकर नदी पार करना चाहते थे और उनके डराने-धमकाने पर भी उसने उनको अपनी नाव में नहीं बैठने दिया। सिपाहियों से लड़ते हुए अपने सीने पर गोलियाँ खाकर अपने प्राण दे दिए, किंतु उन्हें नदी पार नहीं जाने दिया। बालक का यह बलिदान उसकी हिम्मत तथा देशभक्ति का सजीव उदाहरण था।
2. इस कहानी से आपने क्या सीखा? अपने विचार लिखिए।
   इस कहानी से हमने साहस, हिम्मत, त्याग तथा राष्ट्रप्रेम की सीख प्राप्त की है। हमने जाना है कि जो लोग अपने राष्ट्र से प्रेम

करते हैं, उनके लिए प्राणों की भी कोई कीमत नहीं होती है। वे अपने देश के लिए हँसते-हँसते बलिदान हो जाते हैं। अत: राष्ट्रप्रेम ही प्रेम का सर्वश्रेष्ठ रूप है।

3. सही वाक्य के लिए (✓) तथा गलत वाक्य के लिए (×) का चिह्न लगाइए-
   (i) ✓ (ii) ✓ (iii) ✓ (iv) × (v) ×
4. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।
   वीरांगना - वीर स्त्री झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई महान वीरांगना थीं।
   प्रतीक्षा - नाविक यात्रियों की प्रतीक्षा कर रहा था।
   शपथ - युवकों ने देश को स्वतंत्र कराने की शपथ ली।
   साहस - संकट के समय साहस से काम लेना चाहिए।
   क्रोध - क्रोध करना सेहत के लिए हानिकारक है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. उड़ीसा 2. एक नाविक 3. साहसी 4. नाव

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

स्वतंत्रता	-	परतंत्रता	देश	-	विदेश
खुशी	-	नाखुशी	दिन	-	रात
सावधान	-	असावधान	हार	-	जीत

(ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

दिन	-	वार	वासर	दिवस
नाव	-	नौका	डोंगी	नैया
नदी	-	सरिता	तटिनी	तरंगिणी
बालक	-	लड़का	बच्चा	बाल

(ग) सही जोड़े बनाइए।

बेटा	-	बेटी	पिता	-	माता
भाई	-	बहन	पुत्र	-	पुत्री
युवक	-	युवती	बालक	-	बालिका

(घ) एक से अनेक बनाइए।

नाव	-	नावें	नदी	-	नदियाँ
बेटा	-	बेटे	खुशी	-	खुशियाँ
झंडा	-	झंडे	गोली	-	गोलियाँ
बंदूक	-	बंदूकें	धारा	-	धाराएँ

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

1. बाजी रावत में हमें निम्नलितिखत गुण नज़र आए-
   (i) साहस (ii) वीरता (iii) निडरता (iv) देशभक्ति त्याग या बलिदान
2. भगत सिंह चंद्रशेखर आज़ाद
   सुभाषचंद्र बोस रामप्रसाद बिस्मिल
   तांत्या टोपे रानी लक्ष्मीबाई

पाठ 8 : सच्चा शिष्य (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गुरुकुल किस नदी के तट पर स्थित था?
   गंगा नदी।

2. आचार्य कैसा व्यक्ति था?

विद्वान।

3. आचार्य किसका विवाह करना चाहता था?

आचार्य अपनी बेटी का विवाह करना चाहता था।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. आचार्य ने शिष्यों के सामने क्या विचार रखा?

आचार्य ने शिष्यों के सामने यह विचार रखा कि उसकी बेटी विवाह के योग्य हो गई है तथा उनके पास धन का अभाव है। अत: किसी प्रकार विवाह हेतु धन की व्यवस्था की जाए।

2. आचार्य ने शिष्यों से धन किस प्रकार लाने के लिए कहा?

आचार्य ने शिष्यों से धन इस प्रकार लाने के लिए कहा कि धन या कोई वस्तु लाते समय उसे कोई न देखे और न ही उसके बारे में किसी को पता चले।

3. एक शिष्य धन क्यों नहीं ला पा रहा था?

एक शिष्य धन नहीं ला पा रहा था, क्योंकि उसे घर में कोई भी ऐसा स्थान नहीं मिल पा रहा था कि जहाँ से वह वस्तु उठाए और उसे उस वस्तु को उठाते हुए कोई भी न देख पाए। वह उस वस्तु को उठाते हुए स्वयं तो देख ही रहा था। इसी कारण वह किसी वस्तु को उठाने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था।

4. सच्चे शिष्य ने आचार्य से क्या कहा?

सच्चे शिष्य ने आचार्य से कहा कि – ''गुरु जी आपने कहा था कि वस्तु इस प्रकार लाना कि किसी को पता न चले। मैंने बहुत बार कोशिश की, परंतु घर में ऐसा कोई स्थान न मिला जहाँ कोई भी न देखे। कोई अन्य देखे न देखे, किंतु मैं तो वहाँ उपस्थित रहता ही हूँ।'' मैं तो अपने उस बुरे कृत्य को देखता ही हूँ। अत: इसी कारण मैं अभी तक कुछ लाने में असमर्थ बना रहा हूँ।''

5. आचार्य ने सच्चे शिष्य के साथ क्या किया?

आचार्य ने शिष्य की बात सुनने के बाद उसे गले से लगा लिया और उसे अपनी कन्या के लिए उचित वर घोषित कर दिया।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. आचार्य ने किसको सच्चा शिष्य बताया और क्यों?

आचार्य ने अपने घर से कोई भी वस्तु न ला पाने वाले शिष्य को अपना सच्चा शिष्य बताया। क्योंकि पूरे गुरुकुल में वही एक शिष्य था जो गुरु के कहने पर भी पाप के मार्ग पर नहीं चला। उसने अपने चरित्र की दृढ़ता से स्वयं को बुरा कृत्य करने से रोके रखा। गुरु के अनुसार उसने सही कार्य किया था तथा सही मायनों में शिक्षा ग्रहण की थी।

2. इस कहानी से तुम्हें क्या शिक्षा मिलती है?

इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें पाप के मार्ग पर चलने या बुरा कार्य करने के लिए भले ही कोई व्यक्ति प्रेरित करे, हमें कभी उसकी आज्ञा का पालन नहीं करना चाहिए। ऐसी प्रेरणा देने वाला व्यक्ति भले ही हमारा शिक्षक या सगा-संबंधी क्यों न हो, हमें उसकी बात कभी नहीं माननी चाहिए।

3. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

(i) गंगा, गुरुकुल (ii) आचार्य (iii) शर्मिंदगी (iv) कृत्य (v) वर

4. स्वयं करे।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. गुरुकुल 2. धन 3. चेला

भाषा से

(क) इनके बहुवचन रूप लिखिए।

समस्या	–	समस्याएँ	पुत्री	–	पुत्रियाँ
कन्या	–	कन्याएँ	वस्तु	–	वस्तुएँ

(क) विलोम शब्द लिखिए।

प्राचीन	–	नवीन	बड़ा	–	छोटा
गुरु	–	शिष्य	समस्या	–	समाधान
उपाय	–	निरुपाय	मान	–	अपमान

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

द्ध	–	शुद्ध	युद्ध
द्व	–	विद्वान	द्वार
न्न	–	अन्न	पन्ना
र्म	–	धर्म	वर्षा
च्च	–	बच्चा	कच्चा

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 9 : स्वस्थ जीवन - सुखी जीवन (लेख)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कैसा जीवन सुखी होता है?
   स्वस्थ जीवन।
2. स्नान करने के बाद क्या करना चाहिए?
   स्नान करने के बाद शरीर को सूखे तौलिए से पौंछना चाहिए।
3. हमें कूड़ा कहाँ डालना चाहिए?
   हमें कूड़ा कूड़ेदान में डालना चाहिए।
4. विटामिन और खनिजों का क्या महत्व है?
   विटामिन और खनिज हमारे शरीर को रोगों से बचाते हैं।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. स्वस्थ शरीर की क्या पहचान है?
   मन का हर पल प्रसन्नता से भरा रहना, काम में मन लगना, अच्छी नींद आना तथा समय पर जगना, प्रत्येक कार्य कुशलतापूर्वक कर पाना आदि स्वस्थ शरीर की पहचान हैं।
2. शरीर की स्वच्छता में स्नान का क्या महत्व है?
   शरीर की स्वच्छता में स्नान का बहुत अधिक महत्व है। स्नान करने से शरीर के सभी अंगों की ठीक से सफ़ाई हो जाती है तथा उन पर उपस्थित कीटाणु हट जाते हैं। अत: प्रतिदिन स्नान करना अनिवार्य है।
3. हमें साफ़ वस्त्र क्यों पहनने चाहिए?
   हमें साफ़ वस्त्र पहनने चाहिए, क्योंकि-
   साफ़ वस्त्र पहनकर हम सुंदर दिखते हैं।
   साफ़ वस्त्र बीमारियाँ फैलाने वाले कीटाणुओं से रहित होते हैं। अत: हम विभिन्न बीमारियों से बच जाते हैं।
4. संतुलित आहार से क्या तात्पर्य है?
   संतुलित आहार से तात्पर्य ऐसे भोजन से है जिसमें शरीर के लिए अनिवार्य सभी पोषक-तत्वों को प्रदान करने वाले सभी खाद्य पदार्थ उचित मात्रा में सम्मिलित हों।
5. व्यायाम का महत्व बताइए।
   व्यायाम का हमारे शरीर के लिए विशेष महत्व है, क्योंकि व्यायाम से हमें निम्न लाभ प्राप्त होते हैं-
   (i) शरीर की मांसपेशियाँ बढ़ती हैं तथा उनमें मजबूती आती है।
   (ii) शरीर चुस्त बना रहता है तथा काम में मन लगता है।
   (iii) मन प्रसन्न बना रहता है।
   (iv) शरीर को कोई रोग नहीं लगता।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. शरीर को स्वस्थ तथा नीरोग बनाए रखने के लिए किस-किस तरह की स्वच्छता पर ध्यान देना अनिवार्य है?
   शरीर को स्वस्थ तथा नीरोग बनाए रखने के लिए हमें निम्नलिखित स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए-
   (i) हमें शारीरिक स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए। शरीर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नियमित रूप से स्नान करना चाहिए।
   (ii) हमें अपने घर तथा आसपास के स्थानों की स्वच्छता पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि अगर ये स्थान अस्वच्छ हुए तो बीमारियाँ फैलाने वाले कीटाणु पनप सकते हैं और हमें बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

(iii) हमें अपने वस्त्रों की स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि वस्त्र साफ़ न होने पर उनमें उपस्थित गंदगी या कीटाणु हमें बीमार कर सकते हैं।

2. उचित खान-पान का हमारे शरीर से क्या संबंध है?
उचित खान-पान का हमारे शरीर से गहरा संबंध है। हमारे शरीर को विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों, जैसे कि कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, विटामिन, खनिज आदि की आवश्यकता होती है। ये सभी पोषक पदार्थ हमें किसी एक प्रकार के खाद्य पदार्थ से प्राप्त नहीं होते। इसलिए हमें प्रतिदिन विविध प्रकार के भोज्य प्रदार्थों का सही मात्रा में सेवन करना चाहिए ताकि सभी आवश्यक तत्व शरीर को मिलते रहें और हमारा शरीर स्वस्थ या नीरोग बना रहे। हमें प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ जल का सेवन भी करना चाहिए।

3. इस पाठ से आपने जो शिक्षा ग्रहण की उसे अपने शब्दों में लिखिए।
हमने इस पाठ से शरीर को स्वस्थ एवं नीरोग बनाए रखने की सीख प्राप्त की है। इसे पढ़कर हम जान गए हैं कि स्वस्थ शरीर का क्या महत्व होता है तथा शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए कौन-कौन-से उपाय करना अनिवार्य है। अत: अब हम अपने शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में समर्थ हो सकते हैं।

4. इन शब्दों से वाक्य बनाइए-
उल्लास - होली उल्लास का त्योहार है।
स्वच्छता - हमें शरीर की स्वच्छता पर पूरा ध्यान देना चाहिए।
रोगाणु - गंदगी में रोगाणु पनपते हैं।
उमंग - व्यायाम करने से शरीर उमंग से भर जाता है।

5. सही/गलत लिखिए-
(i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) सही (v) गलत

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. स्वस्थ शरीर 2. सूखे तौलिए से पोंछिए 3. खनिज व विटामिन 4. मज़बूत

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

स्वस्थ	-	अस्वस्थ	अनिवार्य	-	ऐच्छिक
सुबह	-	शाम	स्वच्छता	-	अस्वच्छता
नीरोग	-	रोगी	उचित	-	अनुचित
शक्ति	-	कमजोरी	शुद्ध	-	अशुद्ध

(ख) इनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

शरीर	-	देह	काया	घर	-	गृह	आलय
पानी	-	जल	वारि	हवा	-	समीर	वायु
बीमारी	-	रोग	रुग्णता	प्रात:	-	उषा	सुबह

(ग) विशेषण और विशेष्य का उचित मिलान कीजिए।

स्वस्थ	शरीर
अच्छा	बालक
साफ़	वस्त्र
सूखा	तौलिया
सूक्ष्म	जीव

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 10 : नहीं व्यर्थ बहाओ पानी (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. क्या व्यर्थ नहीं बहाना है?
पानी।

2. पानी न रहने पर क्या वीरान हो जाएगा?
   खेत।
3. पानी कैसा रत्न है?
   अनमोल।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. धरती रेगिस्तान कब तथा किस स्थिति में बनेगी?
   यदि हम पानी को व्यर्थ बहाते रहे और इस धरती पर पानी का अभाव हो गया तो निश्चय ही एक दिन धरती रेगिस्तान बन जाएगी।
2. बादल हम पर क्या उपकार करते हैं?
   बादल हमें बारिश के रूप में पानी देकर हम पर बड़ा उपकार करते हैं।
3. धरती को हरा-भरा रखने के लिए क्या ज़रूरी है?
   धरती को हरा-भरा रखने के लिए पेड़-पौधे उगाना तथा उनकी सुरक्षा करना ज़रूरी है।
4. पानी की एक-एक बूँद बचाना क्यों ज़रूरी है?
   धरती पर पर्याप्त मात्रा में पानी बनाए रखने के लिए इसकी एक-एक बूँद को बचाए रखना ज़रूरी है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. इस कविता में नानी क्या-क्या बातें समझाती हैं?
   इस कविता में नानी निम्नलिखित बातें समझाती हैं-
   (i) पानी को कभी भी व्यर्थ नहीं बहाना चाहिए।
   (ii) धरती पर से पानी का समाप्त होना जीवन का समाप्त होना है।
   (iii) धरती पर पेड़ उगाना ज़रूरी है ताकि बादल आते रहें और पानी मिलता रहे।
   (iv) पानी अनमोल रत्न के समान है। अत: इसकी एक-एक बूँद को बचाना अनिवार्य है।
2. इस कविता से आपने क्या सीखा?
   इस कविता से हमने पानी की उपयोगिता के विषय में जाना। हमने जाना कि धरती पर पानी से ही जीवन है। पानी के बिना धरती रेगिस्तान बन सकती है और इस पर विद्यमान जीवन समाप्त हो सकता है। धरती पर पेड़-पौधों की हरियाली से ही बादल आते हैं तथा वर्षा के रूप में पानी देते हैं। अत: हमें पानी को व्यर्थ होने से बचाना चाहिए तथा धरती पर पेड़ उगाने चाहिए।
3. स्वयं करें।
4. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

व्यर्थ	–	बेकार	हमें पानी को व्यर्थ नहीं करना चाहिए।
जिंदगानी	–	जीवन	मनुष्य की जिंदगानी पानी के बिना नहीं चलती।
वीरान	–	उजाड़	पानी के बिना धरती वीरान है।
उपकारी	–	उपकार करने वाला	कवि ने बादलों उपकारी बताया है।
रत्न	–	कीमती पत्थर	पानी अनमोल रत्न के समान है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. पानी 2. रेगिस्तान 3. बादल 4. अनमोल रत्न

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पानी	–	जल	नीर	वारि
धरा	–	धरती	भूमि	मही
जग	–	संसार	विश्व	दुनिया
बादल	–	मेघ	घन	जलधर
वर्षा	–	बारिश	बरसात	बरखा

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

धरती	–	आकाश	जीवन	–	मरण
उपजाऊ	–	अनुपजाऊ	उपकारी	–	अपकारी
भारी	–	हल्का	एक	–	अनेक

(ग) 'अन' उपसर्ग लगाकर चार शब्द बनाइए।

अनपढ़ अनजान अनर्थ अनादर अनावश्यक

(घ) इन विशेष्यों के लिए उचित विशेषण शब्द लिखिए।

ठंडा	पानी	वीरान	धरती
बूढ़ी	नानी	हरा	वृक्ष
काला	बादल	तेज़	वर्षा
बड़ा	खेत	नन्ही	बूँद

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक क्रियाकलाप

3. कविता

काले-काले बादल आए।
रिम-झिम, रिम-झिम बारिश लाए।
घर से बाहर बच्चे आए।
दौड़-दौड़कर बारिश में नहाए।

पाठ 11 : महाबली भीम (चित्रकथा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पांडव कहाँ से निकाले गए थे?
   हस्तिनापुर।
2. पांडव कहाँ निवास कर रहे थे?
   ब्राह्मणी के घर।
3. भोजन किसके लिए ले जाया जा रहा था?
   राक्षस।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. ब्राह्मणी क्यों रो रही थी?
   ब्राह्मणी इसलिए रो रही थी, क्योंकि उसके बेटे को राक्षस के लिए भोजन लेकर जाना था। राक्षस भोजन के साथ-साथ उसके लिए भोजन लेकर आने वाले व्यक्ति को भी खा जाता था।
2. कुंती ने ब्राह्मणी को क्या आश्वासन दिया?
   कुंती ने ब्राह्मणी को यह आश्वासन दिया कि उसके पुत्र को कोई हानि नहीं पहुँचेगी, क्योंकि राक्षस के लिए भोजन ले जाने का कार्य वह अपने शक्तिशाली पुत्र भीम को सौंप देगी।
3. नगर के बाहर जंगल में कौन रहता था और वह क्या करता था?
   नगर के बाहर जंगल में एक राक्षस रहता था। गाँव में से प्रतिदिन उसके लिए भोजन पहुँचाया जाता था। जो व्यक्ति उसके लिए भोजन लेकर जंगल में जाता था वह राक्षस उसे भी खा जाता था।
4. कुंती ने महाबली भीम को क्या आज्ञा दी?
   कुंती ने महाबली भीम को राक्षस के लिए भोजन लेकर जाने की आज्ञा दी ताकि ब्राह्मणी के पुत्र को वहाँ न जाना पड़े।
5. भीम ने नगरवासियों की किससे रक्षा की तथा कैसे?
   भीम ने जंगल में रहने वाले राक्षस का वध करके नगरवासियों की उससे रक्षा की।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. सही/गलत वाक्य बताइए-
   (i) सही (ii) सही (iii) गलत (iv) सही (i) सही
2. इन शब्दों से वाक्य बनाइए-
   किस्मत - आदमी की किस्मत उसके हाथों से बनती है।
   अनहोनी - अनहोनी तो किसी के साथ भी हो सकती है।
   महाबली - महाबली किसी भी संकट से नहीं घबराते।
   संभव - संभव है कि आज बारिश हो।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. हस्तिनापुर 2. ब्राह्मणी के पुत्र 3. लड्डू

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

माता	–	कुमाता		दिन	–	रात	
राक्षस	–	आदमी		निर्दय	–	सदय	

(ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

माता	–	माँ	अम्मा		पुत्र	–	बेटा	सुत
राक्षस	–	दानव	असुर		जंगल	–	वन	कानन
आज्ञा	–	हुक्म	आदेश		बलशाली	–	बलवान	शक्तिशाली

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

आना	आता है	आया	आएगा
खाना	खाता है	खाया	खाएगा
मारना	मारता है	मारा	मारेगा
चलना	चलता है	चला	चलेगा
बुलाना	बुलाता है	बुलाया	बुलाएगा
देना	देता है	दिया	देगा

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 12 : चतुर चित्रकार (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. धनवान महिला कैसी थी?
   सनकी।
2. चित्रकार कैसा व्यक्ति था?
   चतुर।
3. चित्रकार ने चित्र पर क्या रगड़ा?
   मसालेदार गोश्त।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. धनी महिला चित्रकार के पास क्यों गई?
   धनी महिला अपना चित्र बनवाने के लिए चित्रकार के पास गई।
2. धनी महिला चित्रकार से नाराज क्यों हुई?
   धनी महिला सनकी थी। उसने चित्रकार द्वारा बनाए गए चित्र को अपने कुत्ते को दिखाया और उसे पहचानने को कहा। परंतु कुत्ते ने उसमें कोई रुचि नहीं दिखाई। इस कारण वह चित्रकार से नाराज हो गई और कहा कि उसने चित्र खराब बनाया है।
3. चित्रकार ने महिला को अगले दिन आने को क्यों कहा?
   चित्रकार ने महिला को अगले दिन आने के लिए इसलिए कहा क्योंकि तब तक वह उस चित्र में रह गई कमियों को पूरा करना चाहता था।
4. चित्रकार ने अपनी चतुराई का परिचय कैसे दिया?
   चित्रकार बहुत चतुर था। वह जानता था कि धनी महिला सनकी है। इसी कारण चित्र में कोई कमी न होने पर भी उसे कमी दिखाई दे रही है। वह भी केवल उसके कुत्ते द्वारा चित्र में कोई रुचि न दिखाने के कारण। अतः उसने चित्र पर मसालेदार गोश्त का टुकड़ा रगड़ दिया। बस गोश्त की खुशबू नाक में घुसते ही कुत्ता बड़े चाव से चित्र को चाटने लगा। यह देखते ही वह चित्र उस महिला के लिए सबसे अच्छा चित्र बन गया तथा वह खुश हो गई। यह सब चित्रकार की चतुराई का ही फल था।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. धनी महिला सनकी थी। यह आप कैसे कह सकते हैं?
   धनी महिला सनकी थी। यह हम इसलिए कह सकते हैं, क्योंकि उसने मात्र कुत्ते द्वारा चित्र में रुचि न दिखाने पर ही अपना यह निर्णय सुना दिया कि चित्र खराब बना है। बाद में जब उसी चित्र पर चित्रकार ने मसालेदार गोश्त का टुकड़ा रगड़ दिया तथा

उसकी खुशबू पाकर कुत्ता उस चित्र को चाव से चाटने लगा तो वही चित्र उस महिला के लिए सबसे अच्छा चित्र बन गया। इन सब बातों से यही साबित होता है कि महिला में अपनी स्वयं की बुद्धि से निर्णय लेने की सामर्थ्य न थी। उस पर मात्र सनक ही सवार थी।

2. चित्रकार व्यवहार कुशल ही नहीं, बल्कि चतुर भी था। बताइए, कैसे?

   चित्रकार व्यवहार कुशल ही नहीं, बल्कि बहुत चतुर भी था। चित्रकार के चरित्र की ये विशेषताएँ निम्नलिखित दो घटनाओं से स्पष्ट हो जाती हैं–

   (i) जब महिला ने कुत्ते द्वारा चित्र में रुचि न लेने के कारण उसे खराब बताया तो चित्रकार चुप रहा तथा उसने अपनी समझदारी का परिचय देते हुए उस महिला को अगले दिन आने के लिए कहा ताकि इस बीच वह चित्र में रह गई कमियाँ सुधार ले। इससे चित्रकार की व्यवहार कुशलता का परिचय मिलता है।

   (ii) चित्रकार ने उस चित्र में कोई सुधार नहीं किया, बल्कि उस पर मसालेदार गोश्त रगड़ दिया जिसकी खुशबू पाते ही कुत्ता उसे चाटने लगा। यह देखते ही सनकी महिला प्रसन्न हो गई तथा उसने सोचा कि कुत्ते ने चित्र में उसे पहचान लिया है। इस घटना से चित्रकार की चतुराई का परिचय मिलता है।

3. पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए–

   (i) धनी (ii) कुत्ता (iii) रुचि (iv) सटीक (vi) गोश्त, चित्र

4. शब्दों की वर्तनी ठीक करके उनसे वाक्य बनाइए–

   धनवान – धनवान व्यक्ति बड़ा ही दयालु था।
   सनकी – धनी महिला सनकी थी।
   मालकिन – मालकिन ने नौकरानी को शाबाशी दी।
   खुशबू – गोश्त की खुशबू पाकर कुत्ता चित्र को चाटने लगा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. शहर में 2. धनवान महिला का 3. मोती 4. गोश्त

भाषा से

(क) 'वान' उपसर्ग लगाकर चार शब्द बनाइए।

धनवान बलवान रूपवान पुत्रवान गुणवान

(ख) विलोम शब्दों से मिलान कीजिए।

धनवान	–	निर्धन	दुःख	–	सुख
अपना	–	पराया	रुचि	–	अरुचि
नाराज	–	राजी	खुशबू	–	बदबू

(ग) इनके स्त्रीलिंग रूप लिखिए।

कुत्ता	–	कुतिया	पुरुष	–	महिला
धनवान	–	धनवती	मालिक	–	मालकिन

(घ) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

(र)	(र्)	(्र)	(ृ)
चित्रकार	वर्ष	क्रम	ट्रक
भारत	वर्षा	भ्रम	ट्रेन
रथ	पर्वत	नम्र	राष्ट्र
रक्षक	धर्म	प्रताप	ड्रम
सरकार	शर्म	प्रकाश	ड्रामा

(ङ) इनके बहुवचन रूप लिखिए।

महिला	–	महिलाएँ	कुत्ता	–	कुत्ते
खुशी	–	खुशियाँ	तस्वीर	–	तस्वीरें

(च) शुद्ध शब्द पर (✓) का चिह्न लगाइए।

मालकिन, समझदार, प्रशंसा, गोश्त, खुशबू

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 13 : शिक्षा बड़ी या धन (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा का क्या नाम था?
   वीरसिंह।
2. तीन बालकों के क्या नाम थे?
   तीन बालकों के नाम थे- शिवा, सुमीत और रंजन।
3. तीन बालक राजा के लिए क्या लाए?
   भोजन और जल।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा वन में क्या कर रहा था।
   राजा वन में शिकार खेल रहा था।
2. राजा टीले पर क्यों बैठा था?
   राजा शिकार खेलते समय जंगल में भटक गया था। किसी तरह रास्ता ढूँढ़ते-ढूँढ़ते वह जंगल से बाहर आया। उस समय राजा भूख-प्यास से दु:खी तथा शरीर से बहुत थका हुआ था। इसी कारण वह जंगल से बाहर आकर टीले पर आराम करने बैठ गया।
3. राजा शिवा, सुमीत और रंजन से प्रसन्न क्यों हुआ?
   राजा शिवा, सुमीत और रंजन से प्रसन्न हुआ क्योंकि ये तीनों बालक भूखे-प्यासे राजा के लिए गाँव से भोजन और जल लेकर आए थे।
4. किस बालक की इच्छा से राजा प्रभावित हुआ और क्यों?
   रंजन की इच्छा के बारे में जानकर राजा बहुत प्रभावित हुआ, क्योंकि वह राजा से धन नहीं, बल्कि शिक्षा का दान चाहता था ताकि पढ-लिखकर अपने देश की सेवा कर सके।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. राजा के साथ जंगल में क्या घटना घटी?
   राजा जंगल में शिकार खेल रहा था। शिकार खेलते-खेलते वह घने जंगल में चला गया। अचानक आकाश में बादल छाए तथा तेज़ बारिश होने लगी। जंगल में घना अँधेरा छा गया। उस अँधेरे में राजा अपने सिपाहियों से अलग हो गया। फिर जंगल में भटकते हुए किसी तरह जंगल से बाहर निकल पाया।
2. शिवा तथा सुमीत ने अपनी क्या इच्छाएँ प्रकट कीं?
   शिवा तथा सुमीत ने अपनी निम्नलिखित इच्छाएँ प्रकट कीं-
   (i) शिवा जीवन में भरपेट खाना चाहता था और सुंदर वस्त्र पहनना चाहता था। इसी कारण उसने राजा के सामने अपनी धन की इच्छा प्रकट की। अत: उसने राजा से धन माँगा।
   (ii) जब सुमीत की बारी आई तो उसने अपनी इच्छा प्रकट करते हुए राजा से कहा कि उसको एक बड़ा-सा बँगला तथा घोड़ागाड़ी दी जाए।
3. अंत में शिवा तथा सुमीत ने अपने विद्वान मित्र रंजन से क्या कहा?
   शिवा तथा सुमीत दोनों ने राजा से धन माँगा था जो समय के साथ-साथ खर्च हो गया या फिर डूब गया और बर्बाद हो गया। इस तरह वे दोनों मित्र निर्धन हो गए तथा धन कमाने की उनके पास कोई योग्यता भी नहीं थी। किंतु रंजन ने राजा से शिक्षा रूपी धन माँगा था जिसके बल पर वह राजदरबार में मंत्री बन गया था। अत: अपने बुरे समय में शिवा तथा सुमीत दोनों मित्र रंजन के पास आए और पछताते हुए कहने लगे कि- हम दोनों ने राजा से पुरस्कार माँगने में बड़ी भूल की। हमें भी धन के बजाय राजा से ज्ञान या शिक्षा माँगनी चाहिए थी। क्योंकि धन सदा पास नहीं रहता, जबकि ज्ञान या शिक्षा जीवन भर साथ रहते हैं।''
4. इस कहानी में निम्नलिखित वाक्य किसने कहे?
   (i) राजा ने कहा
   (ii) शिवा ने कहा
   (iii) रंजन ने कहा
   (iv) राजा ने कहा
   (v) रंजन ने कहा

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. शिकार खेलने के लिए　　2. भोजन व पानी लाए　　3. सुमीत ने　　4. रंजन

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

राजा	–	रंक	शक्तिशाली	–	शक्तिहीन
अँधेरा	–	उजाला	दु:खी	–	सुखी
मित्र	–	शत्रु	भूखा	–	प्यासा
प्रेम	–	घृणा	धनी	–	निर्धन

(ख) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

राजदरबार　शक्तिशाली　धनवान　बुद्धिमान　घोड़ागाड़ी　धन्यवाद

(ग) रंगीन शब्दों के समानार्थी शब्द लिखकर वाक्यों को दोबारा लिखिए।

1. राजा ने बच्चों को बुलाया।
2. राजा बहुत खुश हुआ।
3. वे राजा के लिए भोजन लाए।
4. क्या आप मेरा स्वप्न पूरा करेंगे?
5. तीन बालक अच्छे दोस्त थे।
6. मैंने सुंदर परिधान नहीं पहने हैं।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

2. इस कहानी से हमने सीखा कि ज्ञान अथवा शिक्षा धन से बड़ी होती है अर्थात् शिक्षा का महत्व धन से बहुत अधिक होता है। क्योंकि धन सदा साथ नहीं रहता, जबकि शिक्षा जीवन भर साथ रहती है। अत: हमें धन के बजाय शिक्षा को महत्व देना चाहिए।

5. शीर्षक – धन से बड़ी है शिक्षा।

पाठ 14 : राष्ट्रीय संग्रहालय की सैर (लेख)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राष्ट्रीय संग्रहालय कहाँ स्थित है?
   नई दिल्ली।
2. राष्ट्रीय संग्रहालय की आधारशिला किसने रखी थी?
   प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू।
3. राष्ट्रीय संग्रहालय में लगभग कितनी कलाकृतियाँ सुरक्षित रखी हैं?
   लगभग 200,000 कलाकृतियाँ।
4. राष्ट्रीय संग्रहालय की कितनी मंजिलें हैं?
   तीन मंजिलें।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राष्ट्रीय संग्रहालय में किस-किस तरह की कलाकृतियाँ या वस्तुएँ रखी गई हैं?
   राष्ट्रीय संग्रहालय में भारत तथा अन्य देशों से प्राप्त कलाकृतियाँ या वस्तुएँ सुरक्षित रखी गई हैं। ये कलाकृतियाँ 5000 वर्षों से भी पुरानी हैं।
2. राष्ट्रीय संग्रहालय के निर्माण के विषय में जानकारी दीजिए।
   राष्ट्रीय संग्रहालय की आधारशिला भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा 12 मई, 1955 को रखी गई थी। इसके निर्माण में लगभग पाँच वर्ष का समय लगा। इसका अनावरण 15 दिसंबर 1960 को हुआ। इसकी तीन मंजिलें हैं।
3. हड़प्पा सभ्यता से संबंधित दीर्घा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
   यह दीर्घा हड़प्पा अथवा सिंधु घाटी की सभ्यता से संबंधित अनेक तरह के शिल्प-तथ्य दर्शाती है। इसमें जाने पर उस सभ्यता के लोगों की जीवन-शैली एवं उन्नत तकनीक के स्पष्ट दर्शन हो जाते हैं। इसमें मुख्यत: उस काल के बर्तन, मूर्तियाँ, मुद्राएँ, आभूषण आदि देखे जा सकते हैं।

4. सम्राट अशोक के शिलालेख पर क्या लिखा है?
   सम्राट अशोक के शिलालेख पर यह लिखा है कि-
   किसी को दु:ख मत दो।
   हिंसा करना पाप है।
   जीव मात्र से प्रेम का व्यवहार करो।
   सभी धर्मों का सम्मान करो।
5. कुषाण दीर्घा की विशेषताएँ बताइए।
   कुषाण दीर्घा में कुषाण काल की विविध प्रकार की कलाकृतियाँ सुरक्षित रखी गई हैं। इसमें रखी गई कलाकृतियाँ पहली से तीसरी शताब्दी ईस्वी की हैं। इसमें दर्शन के योग्य कुछ प्रमुख कलाकृतियाँ हैं- महात्मा बुद्ध की मूर्ति, कुबेर की मूर्ति, चतुरमुख शिवलिंग, जैन धर्म की पटिकाएँ आदि।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. राष्ट्रीय संग्रहालय के महत्व को बताते हुए कुछ वाक्य लिखिए।
   राष्ट्रीय संग्रहालय का बहुत अधिक महत्व है। इस संग्रहालय से हम अपने प्राचीन मानव-इतिहास की स्पष्ट जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें रखी प्राचीन वस्तुओं तथा उन्नत तकनीक से ज्ञान प्राप्त कर अपने भविष्य को सुखमय बनाने का प्रयास कर सकते हैं। अपनी प्राचीन या पूर्व पीढ़ियों के लोगों की जीवन-शैली को जान-समझकर अपनी जीवन शैली में सुधार कर सकते हैं। इसमें प्रदर्शित वस्तुओं से मानव सभ्यता के विकास का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं, आदि।
2. गुप्त दीर्घा की क्या विशेषताएँ हैं?
   गुप्त दीर्घा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी सहायता से हमें गुप्त राजवंश के बारे में बहुत-सी सटीक जानकारी प्राप्त होती है। इसमें सुरक्षित कलाकृतियाँ अथवा अन्य वस्तुएँ गुप्त काल की समाजिक एवं राजनीतिक जानकारी का समृद्ध भंडार हैं। इसमें मुख्यत: चौथी से छठी शताब्दी ईस्वी तक की वस्तुएँ देखी जा सकती हैं। इसका प्रमुख आकर्षण हैं- महाभारत के विविध दृश्य, अहिल्या के उद्धार से संबंधित दृश्य, लक्ष्मण द्वारा सुर्पनखा के नाक को काटने से संबंधित दृश्य आदि।
3. राष्ट्रीय संग्रहालय की पश्चिमी दीर्घा की क्या विशेषताएँ हैं?
   राष्ट्रीय संग्रहालय की पश्चिमी दीर्घा की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-
   (i) इसमें बहुत-सारी राजपूत दरबारों की राजस्थानी रचनाएँ देखी जा सकती हैं।
   (ii) प्राचीन कालीन अस्त्र-शस्त्र दिखाए गए हैं।
4. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

कलाकृति	-	कला का नमूना	=	राष्ट्रीय संग्रहालय की बहुत सारी कलाकृतियाँ सुरक्षित रखी हैं।
पाषाण	-	पत्थर	=	महात्मा बुद्ध की पाषाण मूर्ति देखने योग्य है।
कौशल	-	निपुणता	=	आदमी को अपने हस्त-कौशल पर गर्व होना चाहिए।
अलंकृत	-	सज्जित	=	रत्नों से अलंकृत आभूषण बहुत कीमती होते हैं।

5. सही/गलत वाक्य बताइए-
   (i) गलत (ii) सही (iii) सही (iv) सही (v) गलत

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. 1960 2. 5000 3. कांस्य 4. तीसरी

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

विश्व	संसार	दुनिया	मिट्टी	-	माटी	मृदा
प्राचीन	पुराना	पुरातन	आभूषण	-	गहने	जेवर
सम्राट	राजा	बादशाह	महिला	-	स्त्री	औरत

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

आधार	-	निराधार	सुंदर	-	कुरूप
समृद्ध	-	असमृद्ध	लघु	-	दीर्घ
प्राचीन	-	नवीन	उन्नत	-	अवनत
जीवन	-	मृत्यु	हिंसा	-	अहिंसा
पाप	-	पुण्य	धर्म	-	अधर्म

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

न्न	–	उन्नत	प्रसन्न	अन्न
प्प	–	हड़प्पा	पप्पू	अप्पू
ट्ट	–	मिट्टी	हट्टी	खट्टी
स्त	–	प्रस्तुत	समस्त	हस्त
म्म	–	सम्मिलित	मरम्मत	अम्मा
द्व	–	द्वार	विद्वान	द्वारा
श्य	–	दृश्य	श्याम	श्याल

(घ) इनके बहुवचन रूप लिखिए।

कला	–	कलाएँ	कृति	–	कृतियाँ
रचना	–	रचनाएँ	वस्तु	–	वस्तुएँ
लिपि	–	लिपियाँ	तस्वीर	–	तस्वीरें
झाँकी	–	झाँकियाँ	दीर्घा	–	दीर्घाएँ
मूर्ति	–	मूर्तियाँ	स्त्री	–	स्त्रियाँ

(ङ) समान तुकवाले शब्द लिखिए।

रचना	–	बचना	कवच	–	कवक
चित्र	–	मित्र	झाँकी	–	फाँकी
घाटी	–	माटी	रैली	–	मैली
पाप	–	आप	रंग	–	जंग
काल	–	गाल	फल	–	बल

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 15 : बालक चंद्रगुप्त (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मगध पर किसका राज था?
   महापद्मनंद।
2. ब्राह्मण का क्या नाम था?
   चाणक्य।
3. बालक किसका पुत्र था?
   मौर्य सेनापति।
4. ब्राह्मण ने राजा बने बालक से क्या वस्तु माँगी?
   गाय।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बालक कौन-सा खेल खेल रहे थे?
   बालक राजा और प्रजा का खेल खेल रहे थे। उनमें से एक बालक राजा बना हुआ था तथा शेष बालक प्रजा की या अन्य लोगों की भूमिका निभा रहे थे।
2. लड़के ने ब्राह्मण से क्या कहा?
   लड़के ने ब्राह्मण से कहा कि किसका साहस है जो मेरे शासन को न माने? जब मैं राजा हूँ, तब मेरी आज्ञा अवश्य मानी जाएगी।
3. ब्राह्मण ने लड़के के बारे में उसकी माँ से क्या कहा?
   ब्राह्मण ने लड़के के बारे में उसकी माँ से कहा कि यह बालक बड़ा होनहार है। इसकी मानसिक उन्नति के लिए आप इसे किसी तरह राजकुल में भेजा करो।

4. लोहे के पिंजरे में क्या था?

   लोहे के पिंजरे में मोम से बनाया गया एक सिंह था।

5. लड़के ने पिंजरा किस प्रकार खाली कर दिया?

   लड़के ने लोहे की एक सलाख ली तथा उसे आग में गरम करके मोम से बने सिंह को पिघला दिया। इस तरह मोम पिंजरे से बाहर बह गया तथा पिंजरा खाली हो गया।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. बालक राजा का अभिनय करते हुए क्या-क्या कर रहा था?

   बालक राजा का अभिनय करते हुए बहुत-से कार्य कर रहा था। उसके कई साथी प्रजा बने हुए थे और कुछ हाथी, घोड़े आदि की भूमिका निभा रहे थे। वह कभी घोड़े तथा कभी हाथी पर सवारी कर रहा था। वह दंड अथवा पुरस्कार आदि देने का राजकीय अभिनय भी कर रहा था।

2. उस लड़के की माँ ने ब्राह्मण से क्या कहा?

   ब्राह्मण के साथ निर्भयता से तथा एक राजा की तरह बातें करते देखकर बालक की माँ डर गई तथा उसे अपने बेटे पर बहुत क्रोध आया। वह तुरंत आगे आई और हाथ जोड़कर ब्राह्मण से कहने लगी कि- महाराज! यह दुष्ट लड़का है। इसके किसी अपराध पर ध्यान न दीजिएगा।

3. लड़के की असलियत का पता चलने पर राजा ने क्या कहा?

   लड़के की असलियत का पता चलने पर राजा की मूर्खता की अग्नि भड़क उठी तथा उस पर गंभीर क्रोध सवार हो गया। वह क्रोध भरे स्वर में कहने लगा कि यदि तूने पिंजरे को खाली नहीं किया तो तू भी इसी पिंजरे में बंद कर दिया जाएगा।

4. बताइए, निम्नलिखित वाक्य किसने कहे?

   (i) बालक की माता ने

   (ii) राजा नंद ने कहा

   (iii) चाणक्य ने कहा

   (iv) राजा नंद ने कहा

5. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-

   (i) महापद्मनंद (ii) ब्राह्मण (iii) शासन (iv) राजकोप (v) ढिठाई

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मौर्य सेनापति 2. चाणक्य 3. मोम से बना शेर 4. निष्ठुर

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

जीवन	×	मरण	दंड	×	पुरस्कार
उदारता	×	अनुदारता	हँसना	×	रोना
बड़ा	×	छोटा	उन्नति	×	अवनति
मूर्ख	×	समझदार	क्रुद्ध	×	शांत

(ख) स्वयं करें।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

उत्तरमाला : हिंदी रीडर-4

पाठ 1 : कौन? (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. रात को दिशा कौन दिखाता है?
   चाँद।
2. हरियाली कौन फैलाता है?
   पेड़।
3. दिन को सोने-सा कौन चमकाता है?
   सूरज।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चाँद और सूरज का क्या महत्व है?
   चाँद और सूरज का बहुत अधिक महत्व है, क्योंकि रात के समय चाँद की चाँदनी ही हम सबको राह दिखाती है तथा दिन को सूर्य का प्रकाश ही चमकाता-दमकाता है।
2. पर्वत क्या बहाते हैं।
   पर्वत स्वच्छ जल के झरने बहाते हैं।
3. नदियाँ संसार की प्यास किस प्रकार बुझाती हैं?
   नदियों में निर्मल जल बहता है। नदियाँ अपने इसी निर्मल जल से संसार की प्यास बुझाती हैं।
4. बादल, पेड़ और फूल हमें क्या देते हैं?
   बादल हमें वर्षा, पेड़ हमें हरियाली तथा फूल खिल-खिलाकर हँसने-मुसकराने की सीख देते हैं।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. इस कविता में किन-किन प्राकृतिक वस्तुओं का जिक्र हुआ है? उनकी उपयोगिता भी बताइए।
   इस कविता में कई प्राकृतिक वस्तुओं का जिक्र हुआ है, जैसे- चाँद, सूरज, पर्वत, नदियाँ, पेड़, फूल, बादल आदि।
   इनकी उपयोगिता इस प्रकार है-
   (i) चाँद हमें रात के समय रास्ता दिखाता है।
   (ii) सूरज हमारे दिन को चमकाता है।
   (iii) पर्वत हमारे लिए झरने बहाता है।
   (iv) नदियाँ अपने जल से सबकी प्यास बुझाती हैं।
   (v) पेड़ हरियाली लाते हैं।
   (vi) फूल हमें मुसकराने की सीख देते हैं।
   (vii) बादल हमारे लिए इंद्रधनुष बनाते हैं।
2. यह कविता हमें क्या सिखाती है?
   यह कविता हमें प्राकृतिक वस्तुओं के महत्व से अवगत कराती है तथा उनके अनुपम सौंदर्य के दर्शन कराती है। इस कविता को पढ़कर हमारे मन में प्रकृति प्रेम जाग्रत होता है।
3. कविता की वे पंक्तियाँ ढूँढ़कर लिखिए जिनका अर्थ है-
   (i) अगर न होता सूरज, दिन को
   सोना-सा चमकाता कौन?
   (ii) अगर न होती निर्मल नदियाँ
   जग की प्यास बुझाता कौन?
   (iii) अगर न होते बादल, नभ में
   इंद्रधनुष रच पाता, कौन?

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. चंद्रमा 2. नदियाँ 3. फूल

भाषा से

(क) चित्र देखकर उनके दो-दो नाम लिखिए।

चाँद	सूरज	पेड़	बादल
चंद्रमा	सूर्य	वृक्ष	मेघ

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

रात	–	दिन	निर्मल	–	मलिन
भला	–	बुरा	फूल	–	काँटा
खिलना	–	मुरझाना	प्रश्न	–	उत्तर

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक क्रियाकलाप

2. नदियाँ हमारी विविध प्रकार से मदद करती हैं। जैसे-
   (i) इनसे पीने तथा खेतों की सिंचाई के लिए जल की प्राप्ति होती हैं।
   (ii) नदियों पर बाँध बनाकर विद्युत उत्पादन किया जाता है तथा साथ मछलियाँ पाली जाती है।
   (iii) बहुत-सी नदियाँ नौवहन के लिए प्रयोग की जाती हैं।
5. सुबह का दृश्य बड़ा सुहावना लगता है। सूर्य उदय हो रहा है। पर्वत से झरना बह रहा है। हरे-हरे पेड़ झूमते हुए से लग रहे हैं। फूलों पर तितलियाँ मँडरा रही हैं। लड़की फूलों, तितलियों और समस्त प्राकृतिक सुदंरता को देखकर प्रसन्नता से फूली नहीं समा रही।

पाठ 2 : मछुआरिन का लालच (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मछुआरा कहाँ रहता था?
   मछुआरा एक नदी के किनारे पर रहता था।
2. नन्ही मछली का रंग कैसा था?
   सुनहरी।
3. मछुआरिन का स्वभाव कैसा था?
   लालची।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मछुआरा अपने परिवार का गुजारा कैसे करता था?
   मछुआरा नदी से मछलियाँ पकड़ता था जिन्हें उसकी पत्नी बाज़ार में बेच आती थी। मछलियाँ बेचकर जो धन प्राप्त होता था, उसी धन में मछुआरे के परिवार का गुजारा होता था।
2. नन्ही मछली ने मछुआरे से क्या कहा?
   नन्ही मछली ने मछुआरे से कहा कि- ''अरे मुछआरे! मैं कोई साधारण मछली नहीं हूँ। मैं मछलियों की रानी हूँ। तुम मुझे छोड़ दो।''
3. मछुआरे ने पहली बार मछली रानी से क्या माँगा?
   मछुआरे ने पहली बार मछली रानी से घर, वस्त्र, गहने, बरतन और खाने-पीने की चीज़ें माँगी।
4. मछुआरे ने अपनी पत्नी को क्या समझाया?
   मछुआरे को मछली ने जीवन को सुखी या सुविधा संपन्न बनाने वाली सभी चीज़ें दे दी थीं, किंतु मछुआरिन फिर भी नई-नई माँगें पेश करने पर तुली थी। उसके इसी व्यवहार को देखते हुए मछुआरे ने उसे समझाया कि मछली रानी की कृपा से हमारे पास सबकुछ है, अत: लालच मत करो। लालच का परिणाम बुरा होता है।
5. मछली रानी को मछुआरिन पर क्रोध क्यों आया?
   मछली रानी ने मछुआरिन की हर तरह की माँग पूरी कर दी थी। किंतु वह इतनी अधिक लालची थी कि उसका लालच बढ़ता ही गया और उसने अपनी अंतिम इच्छा मछली रानी को अपने घर नौकरानी बनाकर रखने के रूप में प्रकट की। उसकी इस इच्छा के बारे में जानकर मछली रानी को उस पर बहुत क्रोध गया।
6. मछुआरिन को उसके लालच का क्या फल मिला?
   मछुआरिन को उसके लालच का बहुत बुरा फल मिला। वह महलों के ठाट-बाट से पुन: झोंपड़े में आ गिरी अथवा फिर से निर्धनता अथवा अभाव का जीवन जीने पर विवश हुई।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न!

1. मछुआरे का स्वभाव कैसा था? पाठ के आधार पर बताइए।
   मछुआरा अपने स्वभाव से बहुत ही नेक, दयालु तथा ईमानदार व्यक्ति था। उसे अपने इन्हीं गुणों के कारण बिना किसी स्वार्थ के सुनहरी मछली को जाल से निकालकर फिर से नदी में डाल दिया। मछली के कहने पर भी उसने उससे कुछ नहीं माँगा। किंतु बाद में अपनी पत्नी के विवश किए जाने पर न चाहते हुए भी मछली रानी से अपनी कई इच्छाएँ पूरी करवाई। लालची पत्नी को समझाया, परंतु उसके न मानने पर भी वह उसका लालच पूरा करने के लिए मछली के पास जाने के लिए विवश होता रहा। इससे स्पष्ट होता है कि वह दयालु और ईमानदार तो था किंतु दब्बू, निर्णय लेने में कमजोर एवं मूर्ख व्यक्ति भी था।
2. मछली रानी ने मछुआरे की कौन-कौन-सी इच्छाएँ पूरी कीं।
   मछली रानी ने मछुआरे की कई इच्छाएँ पूरी कीं, जैसे-
   (i) पहली बार उसने मछुआरे को घर, वस्त्र, गहने, बरतन तथा खाने-पीने की चीज़ें दीं।
   (ii) दूसरी बार मछली रानी ने उसको बँगला, खेत, घोड़ा-गाड़ियाँ तथा नौकर-चाकर दिए।
   (iii) तीसरी बार उसने मछुआरे को राजा तथा मछुआरिन को रानी बनाया तथा उन्हें राजमहल एवं राज्य प्रदान किया।
3. मछुआरिन के लालच ने कब हद पार की और उसे उसका क्या दंड मिला?
   मछली रानी ने मछुआरिन को हर तरह का सुख प्रदान किया। यहाँ तक कि उसको राजमहल तथा राज्य देकर राजा रानी बनने का सुख भी दिया। किंतु लालची मछुआरिन का लालच कम न हुआ। उसने अपने लालच के कारण अपनी अंतिम इच्छा मछली रानी को अपनी नौकरानी बनाकर अपने साथ अपने घर में रखने की प्रकट की। उसकी यह इच्छा उसके लालच की हृदय थी। मछली रानी को उस पर बहुत क्रोध आया एवं उसने जो कुछ भी मछुआरिन को दिया था, सब वापस ले लिया। इस प्रकार मछुआरा परिवार महलों से पुनः झोंपड़े में आ गया। यह सब मछुआरिन के लालच की हद पार होने का ही दंड था।
4. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।
   (i) मछुआरा (ii) जाल (iii) वस्त्र, गहने (iv) राजमहल, राज्य (v) नौकरानी

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. रानी 2. लालची 3. अपनी नौकरानी

भाषा से

(क) विलोम शब्दों से मिलान कीजिए।

गुण	–	अवगुण	बड़ा	–	छोटा
सही	–	गलत	नाराज	–	राजी
सुंदर	–	कुरूप	अंदर	–	बाहर
विशाल	–	लघु	नौकर	–	मालिक
झोंपड़ी	–	महल	इच्छा	–	अनच्छिा

(ख) वचन बदलिए।

झोंपड़ी	–	झोंपडियाँ	रानी	–	रानियाँ
नदी	–	नदियाँ	कहानी	–	कहानियाँ
पत्नी	–	पत्नियाँ	घोड़ा	–	घोड़े
मछली	–	मछलियाँ	गाड़ी	–	गाड़ियाँ

(ग) जातिवाचक संज्ञा शब्दों पर गोले लगाइए।

पत्नी, नाव, जाल, पति, बादल, बरतन, घोड़ा, गाड़ी, घर, बंदर, महल, राजा, रानी

(घ) चित्रों का मिलान उनके नामों से कीजिए।

नाव, डोंगी, नैया
अश्व, घोड़ा, तुरंग
नदी, सरिता, तटिनी

मत्स्य, झस, मछली
घर, आलय, गृह
राजा, नृप, नरेश

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

1. लालच का फल बुरा ही होता है।
3. मछली कछुआ व्हेल

(i) कलम (ii) कमल (iii) आम (iv) छली (v) कली

पाठ 3 : कोई काम छोटा नहीं होता (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. धनी व्यापारी के कितने बेटे थे?
   दो बेटे।
2. मनोज कैसा लड़का था?
   समझदार और मेहनती।
3. मनोज ने किससे काम सीखा?
   मोची।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. धनी व्यापारी की चिंता का क्या कारण था?
   धनी व्यापारी की चिंता का कारण उसकी अपार धन-संपत्ति थी, क्योंकि उसका बड़ा बेटा बहुत अधिक आलसी तथा निठल्ला था। जबकि उसका छोटा बेटा उम्र में बहुत कम था। इसी कारण व्यापारी को लगता था कि उसके बाद उसकी धन-संपत्ति की देखभाल नहीं हो सकेगी।
2. मनोज रोज शाम को क्या करता था?
   मनोज रोज शाम को बाज़ार में एक मोची की दुकार पर जा बैठता था और उससे जूते बनाने की कला सीखता था?
3. मोची ने मनोज से क्या कहा?
   मोची ने मनोज से कहा कि-बेटा, तुम रोज यहाँ आकर बैठ जाते हो और मेरा काम देखते रहते हो। क्या तुम यह काम सीखना चाहते हो? किंतु तुम तो धनी सेठ के बेटे हो, तुम्हें यह काम सीखने की क्या आवश्यकता है?
4. दीपक ने मनोज को क्यों डाँटा ?
   मनोज मोची की दुकान पर बैठकर जूते बनाने काम कम सीखता था जिसे दीपक छोटा काम समझता था और मनोज का मोची बनना उसके लिए अपमान की बात थी। इसलिए उसने मनोज को उस काम से दूर बने रहने के लिए डाँटा।
5. ग्राहक मोची से बहस क्यों कर रहा था?
   ग्राहक मोची से बहस कर रहा था, क्योंकि मोची ने समय पर उसके जूते नहीं बनाए थे।
6. अंत में दीपक ने मनोज से क्षमा क्यों माँगी?
   पिता द्वारा प्राप्त सारी संपत्ति लुट जाने के बाद दोनों भाई रोटी के लिए तरस गए थे। किंतु मनोज के पास जूते बनाने का हुनर था जिसके बल पर मेहनत करके उसने धन कमाया और जूतों का व्यापारी बन बैठा। यह सब देखकर दीपक को समझ में आ गया कि कोई काम छोटा या बुरा नहीं होता । अत: उसने अपनी इस गलती को सुधारने के लिए मनोज से माफी माँगी।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. व्यापारी के बेटों को दुर्भाग्य का सामना क्यों करना पड़ा? मनोज ने उससे निपटने के लिए क्या किया?
   व्यापारी के मरने के बाद उसके दोनों बेटों के पास काफी धन-संपत्ति बची थी। वे दोनों उस धन-संपत्ति के सहारे अच्छा जीवन व्यतीत कर रहे थे। किंतु भाग्य ने उनका साथ नहीं दिया। एक दिन उनकी हवेली में डकैती पड़ गई। डाकू सारा धन लूटकर ले गए। उसके बाद जो कुछ बचा था वह भी धीरे-धीरे बिक गया और दोनों भाइयों का गुजारा मुश्किल हो गया। परंतु छोटे भाई मनोज ने हिम्मत नहीं हारी। वह एक दूसरे शहर में आकर मोची का काम करने लगा तथा दिन-रात मेहनत करके जूतों का बड़ा व्यापारी बन गया। इस तरह उसकी मेहनत से फिर से दानों भाइयों का जीवन सुख से व्यतीत होने लगा।
2. मनोज बड़ा समझदार और मेहनती लड़का था। इस कहानी के आधार पर बताइए, कैसे?
   मनोज एक धनी व्यापारी का बेटा था। उसके पास किसी तरह की आर्थिक तंगी न थी। किंतु फिर भी उसने मोची के पास बैठकर जूते बनाने की कला सीखी। उसने किसी काम को छोटा न समझा। फिर जब उनके घर डकैती पड़ी तथा वे एकाएक निर्धन हो गए तो मनोज ने उसी जूते बनाने की कला के बल पर धन कमाना शुरू किया तथा दिन-रात काम करके जूतों का बड़ा व्यापारी बन गया। इन सब बातों के आधार पर कहा जा सकता है कि मनोज एक समझदार और मेहनती लड़का था।

3. कोई भी काम बुरा अथवा छोटा नहीं होता। यह आप कैसे कह सकते हैं? मनोज को उदाहरण के रूप में लेते हुए उत्तर दीजिए।
संसार में प्रत्येक काम का अपना एक विशेष महत्व अथवा गरिमा होती है। इसलिए कहा जा सकता है कि कोई भी काम बुरा अथवा छोटा नहीं होता है। यदि हम यही बात इस कहानी के पात्र मनोज को लेकर सिद्ध करना चाहें तो स्वत: ही सिद्ध हो जाती है। क्योंकि उसने एक सेठ का बेटा होते हुए भी जूते बनाने का काम सीखा था, फिर उसी काम के बल पर जीवन में मनचाही उन्नति की। यदि वह मोची के काम को छोटा समझता तो ऐसा कभी न कर पाता।

4. सही वाक्य के लिए (✓) तथा गलत वाक्य के लिए (×) का चिह्न लगाइए-
(i) ✓ (ii) ✓ (iii) × (iv) × (iv) ✓

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. आलसी 2. कोई काम बुरा नहीं होता 3. मनोज

भाषा से

(क) नीचे दिए गए वाक्यों से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए।

1. उसके 2. तुम 3. मैं, उसकी 4. वह 5. वे, हमें

(ख) विलोम शब्द छाँटकर लिखिए।

धनी	– निर्धन	आलसी	– चुस्त
समझदार	– मूर्ख	हँसना	– रोना
बुरा	– भला	दुर्भाग्य	– सौभाग्य
गुण	– अवगुण	उपाय	– निरुपाय

(ग) नीचे दिए गए शब्दों में सही जगह पर अनुस्वार (ं) तथा चंद्रबिंदु (ँ) की मात्र लगाइए।

अंहकार	डाँटना	हँसना	शांत	सुंदर	पाँव
चिंता	यहाँ	संसार	पसंद	पहुँचा	आँख

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

3. (i) नाई (ii) अध्यापक (iii) कुम्हार (iv) धोबी (iv) माली

पाठ 4 : क्रिसमस का दिन (नाटक)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कौन-सा त्योहार मनाया जा रहा था?
क्रिसमस।
2. बालक के पास कितने पैसे थे?
पूरा एक रुपया।
3. देवदूत ने बालक को क्या दिया?
केक।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बालक की उदासी का क्या कारण था?
क्रिसमस का त्योहार था। सभी लोग उपहार और केक खरीदकर क्रिसमस की खुशियाँ मना रहे थे। किंतु बालक बहुत गरीब था। उसके पास क्रिसमस की खुशियाँ मनाने के लिए पैसे नहीं थे। इसी कारण बालक उदास था।
2. बालक को पैसे देते हुए बूढ़े ने क्या कहा?
बालक को पैसे देते हुए बूढ़े ने कहा कि ये लो, मैं तुम्हें कुछ पैसे देता हूँ। इन पैसों से तुम क्रिसमस की खुशियाँ मनाओ।
3. केक खरीदने के बाद घर जाते हुए बालक क्या सोच रहा था?
बालक घर जाते हुए सोच रहा था कि मुझे केक मिल गया। उस बुजुर्ग की कृपा से मुझे भी क्रिसमस की खुशियाँ मनाने का अवसर मिल गया। अब मैं घर पहुँचते ही दादाजी के साथ मिलकर क्रिसमस मनाऊँगा। उन्हें भी खाने को केक दूँगा और खुद भी खाऊँगा।
4. बीमार व्यक्ति ने बालक से क्या विनती की?
बीमार व्यक्ति बहुत अधिक भूखा था। जब उसने बालक को देखा तो उसे रोककर विनती करने लगा कि बेटा दया करो। खाने के लिए कुछ दे दो। कई दिनों से कुछ नहीं खाया है। यदि और थोड़ी देर भूखा रहा तो मेरे प्राण निकल जाएँगे।

5. देवदूत कौन था और बालक के पास क्यों आया था?
देवदूत के रूप में वही बीमार व्यक्ति था जिसको बालक ने केक दिया था। वह बालक को केक देने के लिए आया था।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. क्रिसमस के दिन बाज़ार में कैसी चहल-पहल थी?
क्रिसमस के दिन बाज़ार में लोगों की भीड़ लगी थी। लोग अपने तथा अपने सगे-संबधियों के लिए उपहार और केक खरीद रहे थे। लोग प्रसन्न थे और उपहार लेकर अपने-अपने घरों की ओर जा रहे थे। बाज़ार की हर सड़क व्यस्त नज़र आ रही थी।
2. बालक केक खरीदने पर भी क्रिसमस की खुशियाँ क्यों नहीं मना सका?
बालक को बूढ़े ने एक रुपया दिया जिससे उसने एक केक खरीदा। केक लेकर वह अपने घर की ओर चल दिया। वह घर पहुँचकर अपने बूढ़े दादाजी के साथ मिलकर क्रिसमस की खुशियाँ मनाना चाहता था। किंतु रास्ते में बालक को एक बीमार व्यक्ति मिल जो भूख से तड़प रहा था। उसने दो दिन से कुछ भी नहीं खाया था। बालक को उस बीमार पर दया आ गई। इसलिए उसने अपना केक उसे खाने के लिए दे दिया तथा खाली हाथ घर लौट गया। इस प्रकार बालक केक खरीदने के बाद भी क्रिसमस की खुशियाँ नहीं मना सका।
3. बालक की गरीबी का क्या कारण था?
बालक बहुत अधिक गरीब था। उसकी गरीबी का कारण उसके माता-पिता का न होना था। क्योंकि उसके माता-पिता का देहांत हो चुका था। उसके घर में केवल बूढ़े दादा जी ही थे जो अपने बुढ़ापे के कारण कुछ काम नही कर पाते थे। फिर पैसे कहाँ से आते? बालक को ही किसी प्रकार अपना तथा अपने दादाजी का पेट पालना पड़ता था।
4. बालक पर ईश्वर ने विशेष कृपा क्यों दर्शाई?
बालक बहुत गरीब था। उसके पास केक खरीदने के लिए पैसे न थे। बूढ़े व्यक्ति ने उस पर दया करके उसे कुछ पैसे दिए तो बालक ने केक खरीदा। किंतु रास्ते में बालक को एक भूखा बीमार व्यक्ति मिला। वह भूख से तड़प रहा था। बालक को उस पर दया आ गई और उसने अपना केक उसको दे दिया। बालक जानता था कि उसके पास दूसरा केक खरीदने के लिए पैसे नहीं हैं। किंतु फिर भी उसने उस भूखे बीमार व्यक्ति को अपना केक खुशी-खुशी दे दिया। बालक की इसी दयालुता से प्रभावित होकर ईश्वर ने उस पर विशेष कृपा दर्शाई।
5. नीचे दिए गए शब्दों से वाक्य बनाइए-
क्रिसमस - क्रिसमस का त्योहार मनाया जा रहा था।
खुशियाँ - त्योहार सबके लिए खुशियाँ लेकर आते हैं।
धन्यवाद - जो अपने काम आए उसका धन्यवाद अवश्य करो।
अंतर्धान - कुछ ही समय बाद देवदूत अंतर्धान हो गया।
उदास - बालक बहुत उदास दिख रहा था।
6. किसने, किसने कहा, लिखिए।
(i) बालक ने बूढ़े व्यक्ति से कहा।
(ii) बूढ़े व्यक्ति ने बालक से कहा।
(iii) बीमार व्यक्ति ने बालक से कहा।
(iv) देवदूत ने बालक से कहा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. केक 2. बीमार व्यक्ति 3. देवदूत

भाषा से

(क) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

त्य - त्योहार त्याग
श्य - श्याम श्याल
न्य - अन्य न्याय
त्म - आत्मा परमात्मा

(ख) इनके सामनार्थी शब्द लिखिए।

बालक	-	बच्चा	खुशी	-	प्रसन्नता
त्योहार	-	पर्व	बूढ़ा	-	वृद्ध
बीमार	-	रुग्ण	ईश्वर	-	परमात्मा
रास्ता	-	मार्ग	गरीब	-	दरिद्र

(ग) नीचे दिए गए शब्दों को उचित स्तंभों में लिखिए।

र	र्	्र	्र
गरीब	वर्ष	क्रिसमस	राष्ट्र
रक्षक	कर्म	भ्रम	ड्रम
ईश्वर	पर्वत	नम्र	ट्रक
बीमार	अर्थ	प्रकाश	ट्रेन

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

2. त्योहारों का हमारे जीवन में बहुत अधिक महत्व है। त्योहार हमारे जीवन में खुशियाँ लेकर आते हैं। ये हमें परस्पर एक-दूसरे के निकट लाते हैं तथा एकता व प्रेम के सूत्र में बाँधते हैं। त्योहारों के बहाने जीवन की व्यस्तता से मुक्त होकर मनोरंजन करने का समय मिलता है। त्योहार हमें हमारी परंपराओं एवं संस्कृति से जोड़े रखते हैं। त्योहार बहुत से लोगों की आजीविका कमाने का साधन भी बनते हैं।
3. (i) दीपावली (ii) ईद (iii) दशहरा (iv) होली (v) रक्षा बंधन (vi) बैसाखी (vii) रामनवमी (viii) पोंगल

पाठ 5 : एकता में बल (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. क्या टपकता है?
   पानी की बूँद।
2. पुरवैया का क्या अर्थ है?
   पुरवैया का अर्थ है- पूर्व की ओर से आने वाली हवा।
3. बूँद-बूँद के मिलने से क्या बनता है?
   सागर।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. अकेली बूँद के साथ क्या-क्या होता है?
   अकेली बूँद के साथ कई तरह की घटनाएँ घटती हैं। जैसे- उसे पंछी आकर पी जाता है, पुरवैया अपने साथ उड़ा ले जाती है और आँगन की माटी उसे सूखा देती है।
   पेड़
2. करोड़ों बूँदें साथ-साथ गिरने पर क्या होता है?
   करोड़ों बूँदें एक साथ गिरने पर उनमें सागर की-सी ताकत आ जाती है तथा वे विशाल लहरों का रूप लेकर लहराने लगती हैं। फिर न तो उन्हें पुरवैया उड़ा पाती है तथा न ही आँगन की माटी सूखा पाती है।
3. एकता में बड़ी ताकत क्यों होती है?
   एकता में बड़ी ताकत होती है, क्योंकि एकता के सामने बड़ी से बड़ी शक्ति नहीं टिक पाती। इसके अतिरिक्त एकता के बल पर असंभव कार्य भी संभव बन जाता है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. नीचे दिए गए पद्यांश का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
   भावार्थ - कवि पानी की बूँद का उदाहरण देते हुए कहता है कि एक बूँद से दूसरी बूँद मिलकर अथवा करोड़ों बूँदें मिलकर सागर का रूप ले लेती हैं। उसी प्रकार फूल से फूल मिलकर चमन का उद्यान या और घर से घर मिलकर बस्ती का रूप ले लेता है। ये सभी एकता की ताकत के उदाहरण हैं। अत: एकता ही वह है जिसमें सदैव ताकत का वास होता है।
2. इन शब्दों को शुद्ध रूप में लिखिए तथा इनसे वाक्य बनाइए।
   पुरवैया - पुरवैया पूर्व की और से आने वाली हवा को कहते हैं।
   आँगन - घर आँगन साफ़-स्वच्छ रहना चाहिए।
   सागर - बूँद-बूँद से मिलकर सागर बनता है।
   चमन - फूल-फूल से मिलकर चमन बनता है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. बूँद को पी जाता है 2. चमन 3. ताकत

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द छाँटकर लिखिए।

पंछी	फूल	बादल	हवा
पक्षी	पुष्प	घन	समीर

(ख) वर्ण-विच्छेद कीजिए।

आँगन – आ + ँ + ग् + अ + न् + अ
तालाब – त् + आ + ल् + आ + ब् + अ
सागर – स् + आ + ग् + अ + र् + अ
बस्ती – ब् + अ + स् + त् + ई

(ग) नीचे दिए गए शब्द-युग्मों में दिए गए शब्दों के अर्थ का अंतर स्पष्ट कीजिए।

साथ	–	संग	पानी	–	जल
सात	–	संख्या सात	पाणि	–	हाथ
सागर	–	समुद्र	गिरी	–	बीज या दाना
सागर	–	एक सूर्यवंशी राज का नाम	गिरि	–	पर्वत
घर	–	गृह	फूल	–	पुष्प
धर	–	धरना या धारण करना	फुतल	–	फूला हुआ

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

रचनात्मक-मूल्यांकन-1 (Formative Assessment-1)

(ख) चित्र देखकर छोटी-सी कहानी बुनिए।

एक खरगोश था। उसका मित्र एक तोता था। दोनों साथ-साथ एक ही जंगल में रहते थे। दोनों को फल खाना बहुत पसंद था। एक बार दोनों ने एक फलदार पेड़ लगाने का निर्णय लिया। वे एक नन्हा पौधा लेकर आए और उसे जंगल में एक खुली जगह पर रोप दिया। दोनों ने मिलकर उस पौधे की खूब देखभाल की। समय पर पानी दिया। कुछ ही सालों में वह नन्हा पौधा विशाल पेड़ बन गया और उस पर मीठे-मीठे फल लग आए। अब तोता पेड़ पर बैठकर फल खाता तथा अपने मित्र खरगोश के लिए पके-पके फल तोड़ कर नीचे गिरा देता। खरगोश पेड़ के नीचे बैठकर उन फलों को बड़े ही आनंद के साथ खाता।

पाठ 6 : नारद का वाराणसी भ्रमण (व्यंग्य)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. नारद किस नगरी के भ्रमण पर आए थे?
   वाराणसी।
2. नारद की इच्छा क्या खाने की थी?
   वाराणसी का पान।
3. लाला जी क्या खरीदना चाहता था?
   नारद की वीणा।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. नारद जी ने वाराणसी पहुँचकर मन-ही-मन में क्या सोचा?
   नारद जी ने वाराणसी पहुँचकर मन-ही-मन में वाराणसी का प्रसिद्ध पान खाने के बारे में सोचा, क्योंकि यहाँ के पान प्रंसिद्धि के बारे में उन्होंने देवलोक में ही पता चल गया था।
2. बालक कौन था? उसने नारद जी से क्या कहा?
   बालक सेठ पकौड़ी लाल का बेटा था। उसने नारद जी से कहा कि – 'आपको हमारे बाबू जी बुला रहे हैं।
3. लाला जी क्या खरीदना चाहता था और क्यों?
   लाला जी नारद जी से उसकी वीणा खरीदना चाहता था, क्योंकि उसका लड़का उस वीणा को लेने की जिद कर रहा था।

4. अंत में लाला जी के साथ क्या हुआ?
अंत लाला जी नारद की बात पर क्रोधित हो गए तथा उसे पकड़ने के लिए उस पर झपटे। किंतु नारद जी एकाएक अंतर्धान हो गए तथा लाला जी का पैर फिसल गया। वह धम्म से नीचे जा गिरे तथा भगवान को प्यारे हो गए।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. दुकान में बुलाकर लाला जी ने नारद से क्या कहा? लाल जी की बात का नारद पर क्या प्रभाव पड़ा?
दुकान में बुलाकर लाला जी ने नारद से कहा कि-बाबा जी आप अपनी इस वीणा को मुझे बेच दीजिए। आप इसके जितने पैसे चाहें मैं दे दूँगा। क्योंकि आपकी यह वीणा मेरे बेटे के मन में बस गई है। लाला जी की बात सुनकर नारद आश्चर्य में पड़ गया। वह वाराणसी का पान खाने की बात को भूल गया और उसने वहाँ से तुरंत वापस लौट जाने में ही अपनी भलाई समझी।
2. लाला जी की बेसिर-पैर की बातें सुनकर नारद जी ने क्या किया तथा उसका क्या नतीजा निकला?
लाला जी की बेसिर-पैर की बात सुनकर नारद को मजाक सूझा। वे जैसे को तैसा उत्तर देते हुए बोले-'हाँ, तुम्हारी शक्ति का अंदाजा तो तुम्हारी मोटी तोंद से ही लग रहा है। किंतु तुम्हारी बुद्धि शायद तुम्हारी इस तोंद से भी मोटी है जो नाम पकौड़ी लाल रखवाया। अन्यथ वाराणसी के हिसाब से तुम्हारा नाम कचौड़ी लाल होना चाहिए था।' उनकी इस बात को सुनकर लाला जी को गुस्सा आ गया तो वे नारद जी पर झपटे। नारद जी उसी क्षण अंतर्धान हो गए और लाला जी का पैर फिसल गया। धड़ाम से ज़मीन पर जा गिरे और गिरते ही उनके प्राण पखेरु उड़ गए।
3. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-
(i) मनोहारी, प्रसन्नता (ii) सुपूत (iii) ज़मीन (iv) देवलोक (v) दुकान

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. वाराणसी 2. पकौड़ी 3. बेटे के लिए

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

सुंदर	×	कुरूप	देवलोक	×	भूलोक
अच्छा	×	बुरा	मोटा	×	पतला
सुपूत	×	कुपूत	इच्छा	×	अनिच्छा

(ख) नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

1. पैरों तले की ज़मीन खिसकना - घबरा जाना।
लाला जी की बात सुनकर नारद जी के पैरों तले से ज़मीन खिसक गई।
2. जल-भुन जाना-क्रोध में आना।
उसने जल-भुनकर मुझे घर से बाहर निकाल दिया।
3. आग बबूला होना - क्रोध में आना।
बच्चे को चोरी करते देखकर पिता आग बबूला हो गया।
4. जैसे को तैसा-व्यक्ति के व्यवकार के अनुरूप ही व्यवहार करना।
जैसे को तैसा संसार का नियम है।

(ग) इनके तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पुत्र	-	बेटा	सुत	आत्मज
भगवान	-	ईश्वर	ईश	परमात्मा
इच्छा	-	कामना	आकांक्षा	चाह
ज़मीन	-	धरती	धरा	मही
आग	-	अग्नि	अनल	हुताशन
देह	-	काया	शरीर	तन

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 7 : स्वार्थी दानव (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बच्चे किसके बगीचे में खेलते थे?
बच्चे दानव के बगीचे में खेलते थे।

2. दानव किसके बगीचे में खेलते थे?
दाव अपने मित्र के यहाँ गया हुआ था।
3. दानव को किस पर क्रोध आया?
दानव को बच्चों पर क्रोध आया।
4. सबसे ऊँची आवाज़ में कौन हँस रहा था?
सबसे ऊँची आवाज़ में दानव हँस रहा था।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. दानव के बगीचे की शोभा कैसी थी?
दानव का बगीचा बहुत बड़ा और सुंदर था। उस बगीचे की ज़मीन पर उगी नरम-नरम घास एक गलीचे के समान दिखती थी। जहाँ-तहाँ क्यारियों में सुंदर एवं रंग-बिरंगे फूल खिले हुए थे। पेड़ों पर बैठे पक्षी मधुर गीत गा रहे थे। अत: हम कह सकते हैं कि दानव के बगीचे की शोभा देखने से ही बनती थी।
2. बगीचे में बच्चों को खेलते देखकर दानव ने क्या किया?
बगीचे में बच्चों को खेलते देखकर दानव को बहुत गुस्सा आया। वह बच्चों पर चिल्लाया और उन्हें वहाँ से भगा दिया।
3. तख्ती पर क्या लिखा हुआ था?
तख्ती पर लिखा हुआ था कि - 'बगीचे में प्रवेश करना मना है।'
4. बच्चे धूलभरी सड़क पर खेलते समय क्या सोचते रहते थे?
बच्चे धूलभरी सड़क पर खेलते समय बगीचे की नरम-नरम घास के गलीचे तथा पेड़ों की शीतल छाया के बारे में सोचते रहते थे।
5. दानव ने खिड़की से बाहर क्या देखा?
दानव ने खिड़की से बाहर एक चिड़िया को चहचहाते हुए देखा। उसे चिड़िया का चहचहाना स्वर्गिक संगीत के समान लगा।
6. दानव ने छोटे बालक के साथ कैसा व्यवहार किया और क्यों?
दानव ने छोटे बालक के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार किया तथा उसे अपनी बाँहों में उठाकर पेड़ की डाल पर बैठा दिया। उसने ऐसा इसलिए किया, क्योंकि दानव को पता चल गया था कि स्वार्थ बुरी चीज़ है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. दानव बहुत स्वार्थी था। बताइए, कैसे?
दावन का बगीचा बहुत बड़ा और सुंदर था। उसकी ज़मीन पर नरम-नरम घास का गलीचा बिछा हुआ था। क्यारियों में रंग-बिरंगे फूल खिले थे। पेड़ भी फूल-फलों से लदे हुए थे। बच्चों को दानव का यह बगीचा बहुत पसंद था। वे इसे अपने खेलने का स्वर्गिक स्थल मानते थे। यही कारण था कि दानव के वहाँ न रहने पर वे बगीचे में घुसकर खेलने लगे थे। किंतु जैसे ही दानव वहाँ आया, उसने तुरंत बच्चों को वहाँ से भगा दिया। फिर बगीचे में घुसने के लिए सभी द्वार बंद करवा दिए। साथ ही उसमें प्रवेश न करने की सूचना लिखकर द्वार पर एक तख्ती भी टाँग दी। दानव उस बगीचे के प्राकृतिक सौंदर्य का लाभ अकेला ही उठाना चाहता था। अत: इन सब बातों से स्पष्ट हो जाता है कि दानव स्वार्थी था।
2. दानव के बगीचे में वसंत देर से तथा कैसे पहुँचा?
दानव स्वार्थी था। वह अपने बगीचे में किसी को भी प्रेवश नहीं करने देता था। यहाँ तक कि उसने छोटे-छोटे बच्चों को भी बगीचे में खेलने की इज़ाजत नहीं दी। उसने बच्चों पर अपना गुस्सा दिखाते हुए वहाँ से भगा दिया था। फिर बगीचे के चारों ओर ऊँची दीवार करवा दी ताकि बच्चे उसमें प्रवेश न कर पाएँ। बगीचे का सुख छीन जाने पर बच्चे बहुत दु:खी थे। इसी कारण वसंत भी दु:खी हो गया था और वह दावन से नाराज होकर उसके बगीचे में न आया। किंतु बाद में जब दानव ने बच्चों को बगीचे में खेलने की इजाजत दे दी और अपने स्वार्थ को त्याग दिया तो वसंत भी खुश होकर उसके बगीचे में पहुँच गया।
3. दानव का हृदय परिवर्तन कब तथा कैसे हुआ?
जब वसंत के आने पर भी दानव के बगीचे के वीरानी छाई रही, तब उसका मन बड़ा दु:खी हुआ। फिर एक दिन उसने देखा कि कुछ बच्चे दीवार में बने सुराख से बगीचे में प्रवेश कर आए हैं तथा पेड़ों के आसपास खुशी से नाच रहे हैं। पेड़ों की शाखाएँ झूम-झूमकर उनका स्वागत कर रही हैं। पेड़ों पर नई कोंपले फूट आई हैं और पौधों पर रंग-बिरंगे फूल खिल आए हैं। पक्षियो के चहचहाने से बगीचे में एक मनमोहक दृश्य उत्पन्न हो गया है। दानव ने जैसे ही यह दृश्य देखा, उसका हृदय पिघल गया और उसने बच्चों को अपने बगीचे में खेलने की इजाजत देते हुए दीवार तोड़ने का निर्णय कर लिया।
4. लोगों को किस बात पर आश्चर्य हुआ और क्यों?
बच्चों के बगीचे में खेलने तथा दानव के स्वार्थी से उदार हो जाने पर बगीचे का सौंदर्य पूर्ण रूप से लौट आया था। दानव बच्चों से बहुत प्रसन्न था और वह बच्चों के साथ खेलने में मस्त था। जब लोग बगीचे के पास से गुजरे तो उन्हें यह देखकर बड़ा आश्चर्य हुआ कि दानव बच्चों के साथ खेल रहा है और उनके साथ हँसी-ठहाके लगा रहा है।

5. सही वाक्य के लिए (✓) का और गलत वाक्य के लिए (✕)का चिह्न लगाइए-
(i) ✓ (ii) ✕ (iii) ✕ (iv) ✓ (v) ✓

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. पक्षियों का गाना सुनना 2. ठूँठ की तरह उदास 3. वसंत 4. पेड़ की शाखा पर

भाषा से

(क) अब, इन विशेष्यों के सामने उचित विशेषण चुनकर लिखिए।

ठंडी हवा	छोटा पक्षी
सुंदर फूल	बड़ा सुराख
मीठा फल	पतली टहनी
स्वार्थी दानव	डरावना दृश्य
नई कोंपले	लंबी सड़क

(ख) उचित मिलान कीजिए।

बगीचा - उद्यान, उपवन, बाग
पेड़ - वृक्ष, पादप, तरु
फूल - पुष्प, सुमन, कुसुम
बालक - बच्चा, बाल, लड़का
हवा - वायु, समीर, अनिल

(ग) उ (ु) तथा ऊ (ू) की मात्रा लागाकर शब्दों को दोबारा लिखिए।

सुंदर	आड़ू	मधुर	भुलाकर
सुराख	सुगंध	किंतु	ऋतु
भूल	हूँ	चबूतरा	अनुपम

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक क्रियाकलाप

1. गुड़हल 2. कमल 3. चमेली 4. गुलाब 5. गेंदा
2. इस कहानी से हमने यह शिक्षा ली है कि हमें कभी स्वार्थी नहीं बनना चाहिए, बल्कि नि:स्वार्थ भाव से सबके। साथ प्रेम से रहना चाहिए।

पाठ 8 : प्राकृतिक सौंदर्य की भूमि-ऊटी (पर्यटन)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. ऊटी किस राज्य में स्थित है?
तमिलनाडु।
2. ऊटी का नया नाम क्या है?
उदगमंडलम।
3. ऊटी में वनस्पति उद्यान की स्थापना कब की गई थी?
सन् 1847 ई॰ में।
4. ऊटी का सबसे पुराना पर्वतीय पर्यटन स्थल कौन-सा है?
कोटागिरि।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. ऊटी श्हर का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
ऊटी अथवा उटकमंउल तमिलनाडु का अनूठा शहर है। यह कर्नाटक तथा तमिलनाडु की सीमा पर स्थित है। यह दक्षिण भारत का प्रसिद्ध हिल स्टेशन अथवा पर्वतीय स्थल है। यह शहर सागर तल से लगभग 2,268 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। इस शहर का नया नाम उद्गमंडलम है।

2. गवर्नर जॉन सलिवान कौन था? उसने ऊटी के विकास के लिए क्या किया?
जॉन सलिवान अंग्रेज़ी शासन के दौरान कोंयबटूर जिले का गवर्नर था। उसने ऊटी के विकास में बहुत योगदान दिया। उसने स्थानीय लोगों से ज़मीन खरीदकर ऊटी को एक पर्वतीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना प्रारंभ किया। इसका कारण यह था कि उसे ऊटी की आबो-हवा बहुत पसंद थी।

3. ऊटी झील पर संक्षिप्त चर्चा कीजिए।
ऊटी झील का निर्माण सन् 1825 में जॉन सलिवान द्वारा किया गया था। यह विशाल झील अपने अनूठे प्राकृतिक सौंदर्य के लिए जानी जाती है। पर्यटक इस झील पर भरपूर आनंद उठा सकते हैं। इस झील पर बोटिंग तथा मछली पकड़ने का आनंद उठाया जा सकता है।

4. डोडाबट्टा पर्वत चोटी की विशेषताएँ बताइए।
ऊटी पर्वतीय भाग की सबसे ऊँची पर्वत चोटी डोडाबट्टा है। यह सागर तल से 2623 मीटर ऊँची है। इस पर्वत चोटी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ से घाटी का अद्‌भुत नज़ारा देखा जा सकता है।

5. नीलगिरि पहाड़ों में कौन-सा वन्यजीव अभ्यारण्य स्थित है तथा उसकी क्या विशेषताएँ हैं?
नीलगिरि के पहाड़ों में मदुमलाई वन्यजीव अभ्यारण्य स्थित है। इस अभ्यारण्य की सबसे बड़ी विशेषता यह कि यहाँ कई संकटापन्न जंतु प्रजातियाँ देखने को मिलती हैं। इनके अलावा हाथी, चीतल, हिरण तथा रंग-बिरंगे अनूठे पक्षी भी देखे जा सकते हैं। थेप्पाक्कुड हाथी कैंप इस अभ्यारण्य का विशेष आकर्षण है। यह कैंप बच्चों को विशेष रूप से लुभाता है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. ऊटी स्थित वानस्पतिक उद्‌यान का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
ऊटी स्थित वानस्पतिक उद्‌यान अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए विशेष रूप से जाना जाता है। इस वानस्पतिक उद्‌यान की स्थापना सन् 1847 में की गई थी। यह लगभग 22 हेक्टेयर भूमि पर फैला एक खूबसूरत बाग है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ एक ऐसे पेड़ के जीवाश्म संभाल कर रखे गए हैं जिसके बारे में माना जाता है कि वह दो करोड़ वर्ष पुराना है। इसके अलावा यहाँ 653 से अधिक किस्मों के अनूठे पेड़-पौधे भी देखे जा सकते हैं। मई के महीने में इस उद्‌यान में ग्रीष्मोत्सव मनाया जाता है जिसमें फलों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है।

2. ऊटी प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पर्यटन स्थल है। इस कथन की पुष्टि अपने शब्दों में कीजिए।
तमिलनाडु में स्थित ऊटी प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर पर्यटन स्थल है। इस कथन की पुष्टि नीचे दिए गए उदाहरणों से स्वत: ही स्पष्ट हो जाती है। जैसे -
(i) सरदियों के अलावा यहाँ सारा साल मौसम सुहावना बना रहता है।
(ii) चाय के विस्तृत बागान तथा नीलगिरि के पेड़ विशेष दृश्य उत्पन्न करते हैं।
(iii) वनस्पति उद्‌यान में 650 किस्मों से भी अधिक अनूठे पेड़-पौधे देखने को मिलते हैं।
(iv) ऊटी झील नौकायन तथा मत्स्य संग्रहण के लिए अनूठा स्थान है।
(v) डोडाबट्टा पर्वत चोटी से घाटी का अद्‌भुत नज़ारा देखने को मिलता है।
(vi) कलहट्टी जल प्रपात तथा मदुमलाई वन्यजीव अभ्यारण्य सबका मन मोह लेते हैं।

3. उचित मिलान कीजिए-

(i) गवर्नर जॉन सलिवान	कोंयबटूर जिला
(ii) वनस्पति उद्‌यान	2 करोड वर्ष पुराना वनस्पति जीवाश्म
(iii) ऊटी झील	बोटिंग का आनंद
(iv) डोडाबट्टा	सबसे ऊँची पर्वत चोटी
(v) कोटागिरि	सबसे पुराा पर्यटन स्थल
(vi) कलहट्टी	100 फीट ऊँचा झरना

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. तमिलनाडु 2. होयसल 3. 1847 4. 2623 मीटर

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

विशाल	×	लघु	पसंद	×	नापसंद
धरती	×	आकाश	अरक्षित	×	अनारक्षित
राजा	×	रंक	सरदी	×	गरमी
खूबसूरत	×	बदसूरत	अनिवार्य	×	एच्छिक

(ख) पयार्यवाची शब्द लिखिए।

धरती	मही	भूमि	पृथ्वी	धरा	वसुधा
उद्यान	बाग	उपवन	फुलवारी	बगीचा	चमन
पहाड़	पर्वत	गिरि	भूधर	शैल	नग
पेड़	तरू	पादप	विटप	वृक्ष	पर्णी
सागर	पयोधि	समुद्र	रत्नाकर	सिंधु	नीरनिधि

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

न् + न = न्न	प्रसन्न	संपन्न	मन्नत
त् + त = त्त	पत्ता	पत्तल	सत्ता
द् + य = द्य	विद्यमान	विद्या	विद्यालय
स् + स = स्स	हिस्सा	किस्सा	लस्सी
ट् + ट = ट्ट	कलहट्टी	खट्टी	पट्टी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 9 : इनाम का हकदार (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सुल्तान का क्या शोक था?
   सुल्तान को मछलियों से बने पकवान खाने का शौक था।
2. मछुआरा कैसी मछली लेकर आया था?
   मछुआरा एक विशेष किस्म की मछली लेकर आया था।
3. मछुआरे को कुल कितनी मोहरें प्राप्त हुई?
   एक हज़ार दो सौ।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सुल्तान ने मछली के बारे में क्या कहा?
   सुल्तान ने मछली के बारे में कहा कि - 'मैनें आज तक ऐसी मछली नहीं देखी। मैं पहली बार ऐसी मछली देख रहा हूँ। मैं बहुत प्रसन्न हूँ।'
2. वजीर को किस बात की हैरानी हुई?
   सुल्तान द्वारा केवल एक मछली के लिए मछुआरे को सौ स्वर्ण मुद्राएँ दिए जाने पर वजीर को बहुत हैरानी हुई। क्योंकि उसकी दृष्टि में सौ मुद्राएँ बहुत अधिक थीं।
3. सुल्तान ने किसके कहने पर मछुआरे को वापस बुलाया और क्यों?
   सुल्तान ने वजीर के कहने पर मछुआरे को वापस बुलाया। सुल्तान ने मछुआरे को इसलिए वापस बुलाया ताकि वह वजीर द्वारा बताए गए ढंग से मछली के बारे में कुछ प्रश्न पूछ सकें।
4. सुल्तान को कब और क्यों लगा कि मछुआरा लालची है?
   सुल्तान से मोहरें लेकर मछुआरा अपने घर की ओर चल पड़ा। किंतु कुछ ही कदम दूर जाने पर उसकी एक मोहर झाड़ियों में गिर गई। वह उस मोहर को बड़ी बेचैनी के साथ ढूँढ़ने में लग गया। उसकी इसी बेचैनी को देखकर सुल्तान को लगा कि मछुआरा लालची है।
5. सुल्तान ने मछुआरे की किस बात पर उसे पूरी एक हज़ार मोहरें दीं?
   जब सुल्तान ने मछुआरे को केवल एक मोहर खो जाने के लिए बहुत अधिक परेशान देखा तो उसने मछुआरे को लालची बताया। किंतु मछुआरे ने कहा कि वह लालची नहीं है। वह उस मोहर के लिए नहीं बल्कि अपने सुल्तान की प्रतिष्ठा और मान-सम्मान

के लिए परेशान है। क्योंकि मोहर पर एक ओर सुल्तान नाम लिखा है तथा दूसरी तरफ चित्र अंकित है। इसलिए वह नहीं चाहता कि उस मोहर पर किसी का पैर पड़े। उसकी यह बात सुनकर सुल्तान बहुत प्रसन्न हुआ और उसने मछुआरे को पुरस्कार के रूप में पूरी एक हज़ार मोहरें दीं।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. मछुआरा राजा के पास क्यों गया?
   फ़ारस का राजा यानी सुल्तान मछलियों से बने पकवान खाने का बड़ा शौकीन था। उसके लिए खाने में रोज़ ही मछली से बनने वाले व्यंजन तैयार किए जाते थे। मछुआरा सुल्तान के इस शौक के बारे में भली-भाँति परिचित था। अत: जब उसने खास किस्म की मछली पकड़ी तो उसके मन में तुरंत यह विचार आया कि यदि मैं इस मछली को सुल्तान के पास लेकर जाऊँगा तो निश्चय ही वह मुझे बड़ा इनाम देंगे। अपने इसी विचार से प्रभावित होकर मछुआरा मछली लेकर राजा के पास जा पहुँचा।
2. वजीर कैसा व्यक्ति था और वह क्या चाहता था?
   वजीर बहुत की कृपण तथा इर्ष्यालु व्यक्ति था। इसी कारण जब मछुआरा सुल्तान के पास मछली लेकर आया और सुल्तान ने उसको केवल एक मछली के लिए सौ मोहरें दीं तो उसका हृदय जल उठा। उसमें मछुआरे के प्रति ईर्ष्या घर कर गई। उसने तुरंत सुल्तान को मछुआरे के खिलाफ़ उकासाना शुरू कर दिया। वजीर चाहता था कि सुल्तान किसी तरह मछुआरे को दी सौ मुद्राएँ वापस ले लें।
3. सुल्तान ने अपनी हैसियत के बारे में क्या कहा?
   जब वज़ीर ने सुल्तान को मछुआरे के प्रति उकसाना चाहा तथा सुल्तान को यह विश्वास दिलाना चाहा कि उसने केवल एक मछली के बदले सौ स्वर्ण-मुदाएँ देकर गलती की है तो सुल्तान ने अपनी उदारता का परिचय देते हुए वजीर से अपनी हैसियत के बारे में कहा कि - भाई, मैं सुल्तान हूँ कोई फ़कीर थोड़े ही हूँ, आखिर अपनी हैसियत और रूतबे के हिसाब से ही इनाम दिया है। इसमें हैरत वाली कौन-सी बात है।'
4. मछुआरे ने मोहर के गिर जाने के सवाल पर सुल्तान को अपना क्या जवाब दिया?
   जब सुल्तान ने मछुआरे से मोहर गिरने के बारे में सवाल किया तो मछुआरा हाथ जोड़कर खड़ा हो गया और बोला - ''जहाँपनाह, मैं लालची नहीं हूँ[redacted] आपने मुझे दो सौ सोने की मोहरें देकर मुझ पर कृपा दर्शाई है। किंतु उनमें से एक मोहर खो गई। यह मोहर का सवाल नहीं है, बल्कि सवाल आपके मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा का है। मोहर के एक ओर अपका नाम लिखा है और दूसरी ओर आपका चित्र अंकित है। उस पर किसी का भी पैर पड़ सकता है जो मेरे लिए असहनीय है।''
5. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-
   (i) सुल्तान (ii) दुर्लभ (iii) मोहर, क्यारी (iv) लालची (v) मन

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. सौ मोहरें 2. ईर्ष्या 3. एक हज़ार मोहरें

भाषा से

(क) नीचे दिए गए शब्दों में प्रयुक्त संयुक्ताक्षर लिखिए तथा उनसे दो-दो नए शब्द बनाइए।

व्यंजन	-	व्य	अपव्यय	व्यापार
सुल्तान	-	तत	सल्तनत	सुल्ताना
किस्म	-	स्म	किस्मत	रस्म
विद्यमान	-	द्य	विद्य	विद्यालय
सिक्का	-	क्क	मक्का	चक्का

(ख) नीचे दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त रंगीन सर्वनाम शब्द पाठ में जिन संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त हुए हैं, लिखिए-

1. सुल्तान 2. मछुआरा 3. सुल्तान 4. वजीर 5. मछुआरा

(ग) नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. ईमानदार 2. प्रसन्न 3. इनाम 4. अच्छा 5. मछुआरा

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 10 : भारत माता की सच्ची सुपुत्री-मैना (प्रेरक-प्रसंग)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. स्वतंत्रता की पहली लड़ाई कब लड़ी गई?
   सन् 1857 में।

2. नाना साहब को कहाँ का शासक घोषित किया गया?
कानपुर।
3. अंग्रेज़ बच्चों तथा महिलाओं की सुरक्षा का दायित्व किसे सौंपा गया?
मैना और माधव को।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मैना का स्वभाव कैसा था?
मैना स्वभाव से बहुत की बहादुर, दृढ़-निश्चयी तथा उदार युवती थी। राष्ट्र भक्ति की भावना भी उसमें कूट-कूटकर भरी थी।
2. माधव कौन था तथा उसकी मृत्यु कैसे हुई?
माधव नाना साहब का अंगरक्षक था। माधव की मृत्यु अंग्रेज़ सैनिकों के हाथों हुई थीं।
3. नाना साहब किस उपयश से बचना चाहते थे तथा क्यों?
नाना साहब निहत्थे और निर्दोष अंग्रेज बच्चों तथा महिलाओं की हत्या करने जैसे कायरता तथा अपयशपूर्ण कार्य से बचना चहते थे। क्योंकि इस कार्य को करने पर इतिहास उन्हें कभी क्षमा नहीं करता।
4. मैना से अंग्रेज़ किसका पता जानना चाहते थे तथा क्यों?
मैना से अंग्रेज़ नाना साहब का पता जानना चाहते थे ताकि वे नाना साहब को बंदी बनाकर स्वतंत्रता के लिए की जा रही क्रांति पर अंकुश लगा सकें।
5. अंग्रेज़ों ने मैना पर क्या-क्या अत्याचार किए?
अंग्रेज़ों ने मैना पर बहुत-से अत्याचार किए। उसे कोड़ों से पीटा गया। धूप में पेड़ से बाँधकर भूख व प्यास से तड़पाया गया तथा फिर उसे आग में जलाया गया।
6. मैना के इनकार का अंग्रेज़ों पर क्या प्रभाव पड़ा?
मैना के इनकार का अंग्रेज़ों पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने मैना को चिलचिलाती धूप में बाँधकर उस पर निर्दयतापूर्वक कोड़े बरसाए। उसे तलवारों से कोंचा तथा क्रोधित होकर आग में जला दिया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. क्रांतिकारी सैनिक गोरों को दंड देने के पक्ष में क्यों थे?
जब कानपुर की छावनी में कुछ अंग्रेज़ महिलाओं और बच्चों को पकड़ कर लाया गया तो नाना साहब ने उन्हें मारना कायरतापूर्ण कार्य समझा। किंतु क्रांतिकारी सैनिकों ने उन्हें दंड देना उचित समझा, क्योंकि उन्होंने भारतीयों पर अंग्रेज़ों के अत्याचारों को अपनी आँखों से देखा था। अत: वे चाहते थे कि जो व्यवहार अंग्रेजों ने उनके साथ किया है, वही व्यवहार उनकी महिलाओं एवं बच्चों के साथ भी होना चाहिए।
2. नाना साहब के बिठूर की ओर कूच करने पर क्या हुआ?
अंग्रेज़ महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा का दायित्व मैना तथा माधव पर छोड़कर नाना साहब बिठूर की ओर कूच कर गए। उनके जाने के बाद अंग्रेज़ी सेनाओं ने कानपुर को घेर लिया। दोनों सेनाओं के बीच गंभीर लड़ाई हुई। चूँकि भारतीय सैनिक संख्या में कम थे, इसीलिए अंग्रेज़ कानपुर पर अपना अधिकार करने में सफल रहे। अंग्रेज़ महिलाओं तथा बच्चों की देखभाल में लगे माधव को उन्होंने मार डाला तथा नाना साहब की पुत्री को पकड़ कर उस पर क्रूरता से अत्याचार किए तथा अंत में उसको भी मौत के हवाले कर दिया।
3. मरते समय मैना के मुख पर अनोखी मुस्कान क्यों थी?
मैना नाना साहब की साहसी, दृढ़ निश्चयी तथा क्रांतिकरी बेटी थी। उसके हृदय में भारतमाता को स्वतंत्र कराने की दृढ़ इच्छा थी। इसीलिए जब अंग्रेज़ों ने उस पर तरह-तरह के अत्याचार करके नाना साहब का पता जानना चाहा तो उनके अत्याचार सहकर उसमें और अधिक साहस आ गया एवं उसकी दृढ़ता और अधिक बढ़ गई। अपनी इसी दृढ़ता के कारण वह मरते समय तक अपने मुख पर अनोखी मुस्कान लिए हुए थी, क्योंकि मृत्यु पाकर भी वह अंग्रेज़ों के सामने नहीं झुकी थी तथा उसने भारत माता की सच्ची सुपुत्री होने का प्रमाण प्रस्तुत किया था।
4. मैना भारतमाता की सच्ची तथा वीर सुपुत्री थी। इस कथन की पुष्टि अपने शब्दों में कीजिए।
मैना भारत माता की सच्ची और वीर सुपुत्री थी। इस कथन की पुष्टि के लिए कई उदाहरण प्रस्तुत किए जा सकते हैं। जैसेकि वह देश की आज़ादी के लिए लड़ रहे क्रांतिकारयों के कार्यों में बढ़-चढ़कर सहयोग देती थी। आज़ादी के संघर्ष के दौरान जब अंग्रेजों ने उस पर तरह-तरह के असहनीय अत्याचार करके उससे नाना साहब का पता जानना चाहा, जब भी वह नहीं झुकी। उसने स्वयं को आग में जलाकर मरना कबूल कर लिया, किंतु अंग्रेज़ों को नाना साहब का पता बताने के लिए अपना मुख नहीं खोला। अत: इन उदाहरणों से स्वत: ही स्पष्ट हो जाता है कि मैना भारतमाता की सच्ची और वीर सुपुत्री थी।

5. किसने, किससे, कब कहा, लिखिए।
   (i) नाना सहब ने मैना से कहा, जब मैना ने उनकी दोनों तलवारें रखीं।
   (ii) नाना साहब ने क्रांतिकारियों से कहा, जब वे अंग्रेज़ बच्चों व महिलाओं को दंड दिए जाने की बात कह रहे थे।
   (iii) मैना ने अंग्रेज़ो से कहा, जब अंग्रेज़ उससे नाना का पता पूछना चाहते थे।
   (iv) अंग्रेज़ों ने मैना से कहा, जब वह आग में जल रही थी।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. कानपुर 2. माधव 3. बिठूर 4. यातनाएँ व मृत्यु देखकर भी न घबराने से

भाषा से

(क) रंगीन शब्दों के लिंग बदलकर वाक्यों को दोबारा लिखिए।
1. भारत में अनेक वीरंगनाएँ हुई हैं।
2. बालक उधर बैठा है।
3. सभी पुरुष चुप थे।
4. उसके भतीजे को बुलाओ।
5. नाना का बेटा बड़ा बहादुर था।

(ख) नीचे कुछ शब्द-युग्म दिए गए हैं। इनसे वाक्य बनाइए।
1. माधव अंग्रज़ों से युद्ध लड़ते-लड़ते शहीद हो गया।
2. रानी हँसते-हँसते बात को टाल गई।
3. कछुआ धीरे-धीरे चलता है।
4. बच्ची खेलते-खेलते सो गई।
5. गायक को गाना गाते-गाते खाँसी आ गई।

(ग) चित्र देखकर उनके दो-दो नाम लिखिए।

महिला	तलवार	वृक्ष	आग
औरत	चंद्रहास	पादप	अग्नि

(घ) दी गई वर्ग-पहेली से विलोम शब्द छाँटकर लिखिए।

इतिहास	×	वर्तमान	पसंद	×	नापसंद
अगली	×	पिछली	अरक्षित	×	अनारक्षित
आज़ादी	×	गुलामी	सरदी	×	गरमी
युद्ध	×	संधि	रक्षक	×	भक्षक
निर्दय	×	सदय	अपनी	×	परायी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 11 : अगर न नभ में बादल होते (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।
1. सिंधु से जल भरकर कौन लाता है?
   बादल।
2. बादलों को देखकर शोर कौन मचाता है?
   मोर।
3. 'सुंदर लहरें' से क्या तात्पर्य है?
   सुंदर लहरें से तात्पर्य है-अपार जल राशि।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।
1. बरसात के आने पर मेंढक अपनी खुशी कैसे प्रकट करते हैं?
   बरसात के आने पर मेंढक टर्र-टर्र की आवाज़ें लगाकर अपनी खुशी प्रकट करते हैं।

2. गरमी से तपते दिनों को कौन ठंडक प्रदान करता है?
गरमी से तपते दिनों को बादलों द्वारा लाई गई वर्षा ठंडक प्रदान करती है।
3. बदलों के न आने पर पशु-पक्षियों की क्या हालत हो जाती है?
बादलों के ल आने पर पशु-पक्षियों को प्यासा रहना पड़ता है तथा गरमी के कारण उनका जीना मुश्किल हो जाता है।
4. नदियों का बदलों से क्या संबंध है?
नदियों का बादलों से गहरा संबंध है, क्योंकि बादल ही बारिश के रूप में जल बरसा कर उनको सूखने से बचाते हैं।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. इस कविता के अधार पर बादलों की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
इस कविता के आधार पर कहा जा सकता है कि बादल बहुत ही उपयोगी होते हैं। क्योंकि आसमान में छाने वाले काले-काले बादल ही ठंडा जल देने वाली वर्षा लेकर लाते हैं तथा वर्षा से ही गरती से राहत मिलती है, झरने-सोते तथा नदियाँ कल-कल करके बहती हैं। पशु-पक्षियों की प्यास बुझती है तथा धरती को हरियाली एवं खुशहाली प्राप्त होती है।
2. यदि बादल न आएँ तो संसार में क्या-क्या संकट उत्पन्न हो जाएँगे?
यदि बादल न आएँ तो संसार में अनेक तरह के संकट उत्पन्न हो जाएँगे। जैसे-
(i) गरमी बढ़ जाएगी तथा सभी प्राणी परेशान हो जाएँगे।
(ii) नदी, नाले आदि सूख जाएँगे तथा धरती पर पानी की कमी हो जाएगी। मनुष्य तथा सभी पशु-पक्षियों को प्यास से जूझना पड़ेगा।
(iii) धरती वीरान हो जाएगी। पेड़-पौधों की हरियाली के बिना सारी धरती मरुस्थल का रूप ले लेगी।
(iv) किसान फसलें नहीं उगा पाएँगे तथा लोगों को खाने के लिए अन्न तथा सब्ज़ियाँ नहीं मिल पाएँगी। फलत: भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।
3. भावार्थ स्पष्ट कीजिए-
भावार्थ-कवि बादलों का महत्व बताते हुए कहता है कि यदि आकाश में बादल नहीं होते तो बारिश नहीं आती। बारिश के अभाव में नदियाँ और नहरें सूख जातीं तथा कहीं पर भी पानी की सुंदर लहरें उठती न दिखाई देतीं। ऐसी स्थिति में हम कहाँ और कहाँ जल में गोते खा-खाकर तैरने का आनंद ले पाते।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. सागर 2. बादलों के आने पर 3. शोर मचाता है

भाषा से

(क) संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए।

सिंधु बरसात शोर तोता नदियाँ सीता

(ख) उचित मिलान कीजिए।

सिंधु	-	सागर	समुद्र	जलधि
जल	-	पानी	नीर	वारि
नभ	-	अंबर	आकाश	आसमान
बादलु	-	मेघ	घन	जलधर
नदी	-	सरिता	तटिनी	तरंगिणी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

3. वर्षा नदी झरना झील

पाठ 12 : बीमार का हाल (हास्य-कथा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लाला जी के घरवालों को क्या आदत पड़ गई थी?
लाला जी के घरवालों को जोर-जोर से बोलने की आदत पड़ गई थी।
2. लाला जी का पड़ोसी कौन था?
पंडित सूरजमल।

3. लाला जी की पत्नी ने उसको कितने सवाल याद करवाए?
तीन सवाल।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लोग लाला जी से क्यों परेशान थे?
लाला जी को ऊँचा सुनता था। इसी कारण लाला जी से बातें करते समय लोगों को जोर-जोर से बोलना पड़ता था और वे लाला जी से परेशान हो जाते थे।
2. पत्नी ने लाला जी को सूरजमल के घर क्यों भेजा?
सूरजमल लाला जी के पड़ोसी थे। वे बीमार चल रहे थे। उनकी बीमारी का हालचाल पूछने के लिए ही पत्नी ने लाला जी को उनके घर भेजा।
3. लाला जी को देखकर पंडित जी क्यों खीझ गए?
लाला जी को देखकर पंडित जी खीझ गए, क्योंकि लाला जी को ऊँचा सुनता था तथा वह अपनी बीमार अवस्था में उनसे बात नहीं करना चाहते थे।
4. लाला जी ने अपनी ओर से कौन-सा सवाल पूछा?
लाला जी ने अपनी ओर से यह सवाल पूछा कि - 'हवा-पानी बदलने के लिए किसी दूसरी जगह पर क्यों नहीं चले जाते?''
5. यह कहानी आपको कैसी लगी?
स्वयं करें।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. पंडित सूरजमल कौन थे? लाला जी को उनके घर क्यों जाना पड़ा?
पंडित सूरजमल लाल जी के पड़ोसी थे। पंडित जी कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। एक पड़ोसी के नाते उनकी बीमारी के बारे में पूछना तथा उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करना लाला जी का कर्तव्य था। बस इसी कर्तव्य को निबाने के लिए पत्नी के कहने पर लाला जी को उनके घर जाना पड़ा।
2. लाला जी ने पंडित जी से कौन-कौने से सवाल पूछे?
लाला जी ने पंडित जी से निम्नलिखित चार सवाल पूछे-
   (i) आपकी बीमारी का समाचार सुनकर बड़ा दु:ख हुआ। तबीयत पहले से तो अच्छी है न?
   (ii) अब तो कुछ खाने-पीने को बताया होगा? क्या खाते हो?
   (iii) इलाज किसका हो रहा है?
   (iv) हवा-पानी बदलने के लिए किसी दूसरी जगह पर क्यों नहीं चले जाते?
3. लाला जी ने अंत में क्या सवाल किया और पंडित जी ने उसका क्या जवाब दिया?
लाला जी ने अंत में यह सवाल किया कि - 'आप हवा-पानी बदलने के लिए किसी दूसरी जगह पर क्यों नहीं चले जाते?'
पंडित जी ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा - 'जी हाँ, जहन्नुम जा रहा हूँ।'
4. किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए-
   (i) लाला जी की पत्नी ने लाला जी से कहा, क्योंकि वह उनको बीमार पड़ोसी का हालचाल पूछने के लिए उनके घर भेजना चाहती थी।
   (ii) पंडित सूरजमल ने लाल जी से कहा, क्योंकि वह लाल जी को देखकर खीझ गए थे।
   (iii) लाला जी ने पंडित सूरजमल से कहा, क्योंकि उन्हें उस डॉक्टर का ही इलाज उचित लग रहा था।
5. पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए-
   (i) ऊँचा (ii) सूरजमल (iii) तबीयत (iv) ज़हर (v) जहन्नुम

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. ऊँचा सुनते थे 2. पंडित सुरजमल 3. नरक 4.मज़ाक नहीं उड़ाना चहते थे

भाषा से

(क) स्त्रीलिंग अथवा पुल्लिंग लिखिए।

घर	-	पुल्लिंग	शरीर	-	पुल्लिंग
हवा	-	स्त्रीलिंग	डॉक्टर	-	पुल्लिंग
पंडित	-	पुल्लिंग	दवाई	-	स्त्रीलिंग
पत्नी	-	स्त्रीलिंग	पड़ोसिन	-	स्त्रीलिंग
पानी	-	पुल्लिंग			

(ख) इनके पर्यायवाची शब्द लिखिए।

हवा	–	वायु	समीर	पवन
शरीर	–	तन	देह	काया
पानी	–	जल	नीर	वारि
घर	–	गृह	आलय	निकेतन
ईश्वर	–	परमात्मा	ईश	भगवान

(ग) नीचे दिए गए वाक्यों में क्रिया तथा क्रियाविशेषण छाँटकर लिखिए।

	क्रिया	क्रियाविशेषण
1.	कराहता रहता था	दिनभर
2.	समझाती रही	निरंतर
3.	बैठा है	उधर
4.	खाओ	उतना, जितना
5.	चिल्ला रहा था	बार-बार
6.	हँसता रहता है	केवल
7.	जा रहा हूँ	उधर

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 13 : अनूठे भारतीय पक्षी (लेख)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. भारत कैसा देश है?
   विशाल।
2. चानक को और क्या कहते हैं?
   चीनी बटेर।
3. लौवा पक्षी का संबंध किस कुल से है?
   बटेर कुल।
4. पाकिस्तान का राष्ट्रीय पक्षी कौन-सा है?
   चकोर पक्षी।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चातक पक्षी की क्या विशेषता है?
   चातक पक्षी की यह विशेषता है कि यह वर्षा की पहली बूँदों को ही पीता है। यदि यह पक्षी प्यासा हो और इसे स्वच्छ जल की झील में डाल दिया जाए तो भी यह पानी नहीं पीता।
2. चातक पक्षी का पर्णन करते हुए कुछ वाक्य लिखिए।
   चातक एक छोटे आकार का सुंदर पक्षी होता है। इसे चीनी बटेर भी कहते हैं। इस पक्षी की लंबाई लगभग 15 से 17 सेंमी0 तथा वज़न लगभ 68 से 72 ग्राम तक पाया जाता है।
3. लौवा पक्षी कहाँ पाया जाता है?
   लौवा पक्षी पश्चिमी तथा दक्षिणी भारत में व्यापक रूप से पाया जाता है।
4. पियोरा के बारे में आप क्या जानते हैं?
   पियोरा तीतर कुल का पक्षी है। यह भारत के अतिरिक्त समूचे दक्षिण-पूर्व एशिया में पाया जाता है। इसके शरीर पर रंग-बिरंगे खूबसूरत डिजाइन पाए जाते हैं। यह उष्णकटिबंधीय वनों अथवा नमी वाले स्थानों में रहना पसंद करता है।
5. चित्रित चिंगारा की दो विशेषताएँ बताइए।
   चित्रित चिंगारा की निम्नलिखित दो विशेताएँ हैं-
   (i) यह हिमालय के दक्षिण में नम भूमियों पर पाया जाने वाला एक सुंदर बगुला है।
   (ii) इसके पंख अत्यधिक रंग-बिरंगे होते हैं। इन्हीं चित्रित या रंगे हुए पंखों के कारण इसे चित्रित चिंगाारा कहा जाता है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न!

1. चकोर पक्षी का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
   चकोर एक साहित्यिक पक्षी है। इसके विषय में भारतीय कवियों ने कल्पना कर रखी है कि यह सारी रात चंद्रमा की ओर ताकता रहता है। इसके अलावा अग्निस्फलिंगों को चंद्रमा के टुकड़े समझकर चुनता रहता है। किंतु इसमें सच केवल इतना ही है कि यह एक कीटभक्षी है जो चिंगारियों को जुगनू आदि चमकने वाले कीट समझ कर उन पर अपनी चोंच चला देता है। यह पाकिस्तान का राष्ट्रीय पक्षी है।
2. छोटी जंगली मुरगी के विषय में आप क्या जानते हैं?
   छोटी जंगली मुर्गी फिजेंट कुल का पक्षी है। यह भारत का मूल निवासी भी है। इसकी पूँछ तीतर की तुलना में लंबी होती है तथा जब यह ज़मीन पर बैठा होता है तो इसकी पूँछ साफ़ दिखाई देती है। हालाँकि इसका मुर्गी से दूर का भी संबंध नहीं है, किंतु फिर भी भारत में इसे मुर्गी ही कहा जाता है।
3. बटेर कुल की लौआ की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।
   बटेर कुल की लौआ की प्रमुख विशेषताएँ हैं-
   (i) यह भारत तथा श्रीलंका में पायाज ाने वाला सुंदर पक्षी है।
   (ii) नर तथा मादा पक्षी की अलग-अलग पहचान होती है। नर का अगला भाग सफ़ेद व काली धारियों से भरा होता है, जबकि मादा का अग्र भाग लाली लिए होता है।
   (iii) यह पक्षी अपना घोंसला ज़मीन पर बनाता है तथा मादा एक बार में 4 से 7 अंडे देती है।
   (iv) यह घने जंगलों, पर्वतीय इलाकों तथा ऊबड़-खाबड़ मैदानों में पाया जाता है।
4. उचित मिलान कीजिए।

(i) मेकेवा	चातक पक्षी
(ii) चीनी बटेर	चातक
(iii) लौवा	विशुद्ध भारतीय पक्षी
(iv) पियोरा	पक्षी परिवार के रूप में निवास
(v) चोखरा	छोटी जंगली मुर्गी
(vi) चित्रित चिंगारा	सुंदर बगुला

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. चातक 2. पियोरा 3. पर्वतीय बाँस का तीतर 4. सरावा

भाषा से

(क) जो शब्द पर्यायवाची नहीं है, उन पर गोले लगाइए।

जंगल - (सरिता)	पक्षी - (नग)	आँख - (नैया)
पर्वत - (नाग)	पानी - (नीड़)	चाँद - (चनक)
आग - (अनिल)	रात - (तटिनी)	

(ख) वर्ण-विच्छेद कीजिए।

स्वच्छ - स् + व् + अ + च् + छ् + अ
सुंदर - स् + उ + ं + द् + अ + र् + अ
परिवार - प् + अ + र् + इ + व् + आ + र् + अ
पियोरा - प् + इ + य् + ओ + र् + आ
मणिपुर - म्. अ. ण् + इ. प् + उ + र् + अ

(ग) विलोम शब्द लिखिए।

विशाल	लघु	प्राकृतिक	कृत्रिम
सुंदर	कुरूप	अगला	पिछला
शुद्ध	अशुद्ध	स्वच्छ	अस्वच्छ
पसंद	नापसंद	मूल	निर्मूल

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 14 : परिश्रम का महत्व (निबंध)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. संसार क्या है?
   संसार कर्मभूमि है।
2. सफलता का मूल-मंत्र क्या है?
   सफलता का मूल-मंत्र परिश्रम है?
3. श्रम के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा कौन बनता है?
   श्रम के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा मनुष्य का आलसी स्वभाव बनता है।
4. आलसी लोग किसे कोसते देखे गए हैं?
   आलसी लोग किस्मत को कोसते देखे जाते हैं।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. इच्छा-शक्ति का क्या महत्व है?
   इच्छा-शक्ति का बहुत अधिक महत्व होता है, क्योंकि यही वह शक्ति होती है जो मनुष्य को सफलता पाने के लिए प्रोत्साहित करती है।
2. श्रम की सीख किससे ली जा सकती है? कैसे?
   श्रम की सीख चींटी से ली जा सकती है। चींटी श्रम को बहुत अधिक महत्व देती है। वह एक-एक दाना इकट्ठा करके अनाज का इतना भंडारण कर लेती है कि भविष्य में चैन से भोजन कर सके। चींटी का यह भोजन भंडारण श्रम की ही देन है।
3. विद्यार्थी जीवन में परिश्रम का क्या महत्व है?
   विद्यार्थी जीवन में परिश्रम का बहुत अधिक महत्व होता है, क्योंकि यह अवस्था कर्म का महत्व सीखने की होती है।
4. श्रम का अपमान कैसे होता है?
   किसी काम को शुरू करके उसे पूरा न करना, बल्कि बीच में ही छोड़ देना श्रम का अपमान माना जाता है।
5. श्रम के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा आलास्य है, कैसे?
   श्रम के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा आलस्य है, क्योंकि यह मनुष्य को कर्म करने से रोकता है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. व्यक्ति को उसके कार्य में सफलता कब मिलती है?
   व्यक्ति को उसके कार्य में सफलता तब मिलती है जब वह परिश्रम अथवा मेहनत करता है। उसके साथ-ही साथ कर्म का महत्व समझते हुए दृढ़-इच्छा शक्ति रखता है तथा अपना उद्देश्य पूरा करने के लिए मन से प्रयास करता है। इसके अतिरिक्त व्यक्ति की सफलता में एक सबसे बड़ी बाधा उसके द्वारा किसी काम को प्रारंभ करके पूरा न करना अथवा अधूरा छोड़ देना भी है।
2. कुछ लोग अधूरे कार्य क्यों छोड़ देते हैं? ऐसे लोगों का जीवन कैसा होता है?
   किसी काम को शुरू करके उसे निश्चित रूप से पूरा करना भले ही रास्ते में कितनी ही बाधाएँ क्यों न आए सफलता की ओर बढ़ने का द्योतक होता है। इसके विपरीत किसी काम को शुरू करके जरा-सी बाधा आते ही अधूरा छोड़ देना श्रम का अपमान माना जाता है तथा साथ ही असफलता की निशानी। लोग अक्सर ऐसा तभी करते हैं जब वे श्रम, कर्म तथा दृढ़ इच्छा-शक्ति के महत्व से परिचित नहीं होते हैं। ऐसे लोगों का जीवन दु:खों और असफलताओं का घर होता है।
3. आलसी लोग सफलता का लुत्फ़ क्यों नहीं उठा पाते?
   आलसी लोग सफलता का आनंद नहीं उठा पाते, क्योंकि उन्हें श्रम करने से डर लगता है, वे कर्म का महत्व नहीं जान पाते उनमें दृढ़-इच्छा-शक्ति का अभाव होता है। उनके इन्हीं अवगुणों के कारण उनका हर काम अधूरा छूट जाता है तथा सफलता उनसे कोसों दूर बनी रहती है।
4. सही (✓) अथवा गलत (✗) बताइए-
   (i) ✓ (ii) ✗ (iii) ✓ (iv) ✗ (v) ✓
5. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

परिश्रम	-	मेहनत	परिश्रम सफलता की कुंजी है।
इच्छा	-	चाह	श्रम से आदमी अपनी हर इच्छा पूरी कर सकता है।
कर्म	-	काम	कर्म करना ही मानव का धर्म है।
आलस्य	-	सुस्ती	आलस्य जीवन को दु:खमय बना देता है।

आनंद – सुख जीवन का असली आनंद श्रम में ही बसता है।
खजाना – कोष खजाना मिलता नहीं, बल्कि बनाना पड़ता है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. धर्म 2. सफलता 3. आलस्य 4. परिश्रम

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

इच्छा	×	अनिच्छा	धर्म	×	अधर्म
सफलता	×	असफलता	सुख	×	दु:ख
निश्चय	×	अनिश्चय	जीवन	×	मरण
गुण	×	अवगुण	आलस्य	×	सुस्ती
खुश	×	नाखुश	सदुपयोग	×	दुरुपयोग

(ख) इन विशेष्यों के लिए उचित विशेषण लिखिए।

सुखी	जीवन	खुला	मैदान
सही	उदाहरण	भला	व्यक्ति
तेज़	बारिश	अच्छा	लेख
नन्ही	चींटी	लंबी	पेंसिल
समझदार	विद्यार्थी	कीमती	खजाना

(ग) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

सफल	–	सफलता	सुंदर	–	सुंदरता
आलसी	–	आलस्य	इच्छुक	–	इच्छा
दु:खी	–	दु:ख	सुखी	–	सुख
बड़ा	–	बड़ाई	आदमी	–	आदमियत

(घ) 'ता' 'ई' तथा 'इत' प्रत्यय लगाकर चार-चार शब्द बनाइए।

ता	–	सफलता	सुंदरता	नम्रता	समता
ई	–	परिश्रमी	नकली	गरमी	सरदी
इत	–	अपमानित	सम्मानित	संबंधित	गर्वित

(ङ) इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

श्रम	–	मेहनत	श्रम करना हम सबको सीखना चाहिए।
शर्म	–	लज्जा	उस नन्हें बालक को पीटते हुए आपको शर्म नहीं आई।
हाट	–	बाज़ार	वह स्थानीय हाट में सब्ज़ियाँ बेचती है।
हाथ	–	हस्त	उसके हाथ में एक छड़ी थी।
कर्म	–	कार्य	कर्म करना हम सबका धर्म है।
क्रम	–	अनुक्रम	बालकों को उनके रोल नंबर के क्रम खड़े कीजिए।
साधन	–	विधि	बस यातायात का साधन है।
सघन	–	गहरा	नदी के किनारे एक सघन वन था।

(च) इनके अनेकार्थी शब्द लिखिए-

पानी	–	जल	इज्जत	जीवन	–	प्राण	वायु
अक्षर	–	वर्ण	अवनाशी	घन	–	बादल	भारी हथौड़ा
मन	–	हृदय	चालीस किलो की तौल	बस	–	एक वाहन	वश

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 15 : बुरे का अंत बुरा (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. हाथी का क्या नाम था?
   भड़कू।

2. हाथी स्वभाव कैसा था?
   हाथी का स्वभाव क्रूर तथा उद्दंड था।
3. निम्मो दादी कौन थी?
   निम्मो दादी एक चतुर लोमड़ी थी।
4. हाथी ने सहायता के लिए किसे पुकारा?
   हाथी ने सहायता के लिए निम्मो दादी को पुकारा।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. भड़कू हाथी अपनी क्रूरता का परिचय कैसे देता था?
   भड़कू हाथी जरा-सी बात पर भड़क उठता था एवं जंगल में उपद्रव मचाने लगता था। वह पेड़ों की टहनियाँ तोड़ देता था तथा जो भी छोटा जंतु उसके सामने आता वह उसे अपने पैरों के नीचे कुचल कर मार डालता था। जब वह पेड़ों की टहनियाँ तोड़ता था तो उनसे पक्षियों के घोंसले तथा उनमें रखे अंडे नीचे गिरकर नष्ट हो जाते थे।
2. लोमड़ियों को भड़कू हाथी से क्या शिकायत थी?
   भड़कू हाथी के बेधड़क विचरण के कारण लोमड़ियों के बहुत-से ठिकाने नष्ट हो गए थे। इसी बात को लेकर लोमड़ियाँ दु:खी थीं और उनमें हाथी के प्रति अक्रोश व्याप्त था।
3. निम्मो ने हाथी के बर्ताव का निरीक्षण क्यों किया?
   निम्मो ने अपनी योजना को सफल बनाने के उद्देश्य से उसे हाथी पर आजमाने से पहले उसके बर्ताव का निरीक्षण किया।
4. निम्मो ने हाथी को क्या संदेश सुनाया?
   निम्मो ने हाथी को यह संदेश सुनाया कि उसे जंगल के सभी जानवरों ने अपना राजा चुना है।
   अत: ताजपोशी के लिए उसके साथ समारोह में चलें।
5. दलदल पर से गुज़रते समय हाथी के साथ क्या घटना घटी?
   दलदल पर से गुज़रते से समय हाथी उसमें धँस गया तथा उसने बाहर निकलने की जितनी कोशिश की उतना ही अंदर धँसता गया।
6. निम्मो ने हाथी ही सहायता करने से क्यों मना कर दिया?
   निम्मो ने हाथी की सहायता करने से मना कर दिया, क्योंकि वह निर्दयी हाथी को उसकी निर्दयता का उचित दंड देना चाहती थी।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. कहानी से उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भड़कू हाथी की क्रूरता का परिचय अपने शब्दों में दीजिए।
   भड़कू हाथी क्रूर तथा निर्दय था। उसकी क्रूरता का परिचय कहानी में से लिए गए निम्न उदाहरणों से स्वत: ही स्पष्ट हो जाता है-
   (i) भड़कू हाथी भड़क उठने पर जंगल में उपद्रव मचाने लगता था। वह नन्हे-पौधों को रौंद डालता था तथा बड़े पेडों की शाखाएँ तोड़ देता था। इन शाखाओं पर बने पक्षियों के घोंसले तथा उनमें रखे अंडे नीचे गिर नष्ट हो जाते थे।
   (ii) वह अपने सामने आने वाले छोटे जंतुओं को अपने पैरों के नीचे कुचल कर मार डालता था।
   (iii) उसने अपने बेधड़क विचरण से लोमड़ियों के बहुत-से ठिकाने नष्ट कर दिए थे।
2. चतुर लोमड़ी निम्मो ने भड़कू हाथी का अंत करने के लिए क्या योजना बनाई?
   चतुर लोमड़ी निम्मो ने भड़कू हाथी का अंत करने के लिए सबसे पहले उसके बर्ताव का निरीक्षण किया और फिर उसके पास जा पहुँची। उसने भड़कू हाथी से यह झूठ बोला कि उसे जंगल के जानवरों ने अपना राजा चुना है। वे उसकी ताजपोशी करना चाहते हैं। अत: उसके साथ-चलकर ताज धारण कर ले। जब हाथी उसके साथ चलने को तैयार हो गया तो वह हाथी को जान बूझकर दलदली रास्ते पर लेकर आई। शरीर का वज़न कम होने के कारण उसने तो दलदल को आसानी पार कर लिया, परंतु हाथी उसमें धँस गया। क्योंकि हाथी का वज़न बहुत अधिक था। हाथी ने उससे सहायता माँगी तो उसने साफ मना कर दिया। इस प्रकार हाथी दलदल में धँस कर मर गया और निम्मो अपनी योजना में सफल हुई।
3. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए।
   (i) हिमालय (ii) शेर, खूँखार (iii) गतिविधियाँ (iv) राह (v) बुरा
4. किसने, किससे, कब कहा लिखिए-
   (i) निम्मो ने हाथी से कहा - जब वह अपनी योजना के अनुसार उससे मिली।
   (ii) हाथी ने निम्मो से कहा - जव बह दलदल में धँस रहा था।
   (iii) निम्मो ने हाथी से कहा - जब उसने निम्मो से सहायता माँगी।
   (iii) सब लोमड़ियों ने निम्मो से कहा - जब उसने उनको हाथी के मरने की सूचना दी।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. एक हाथी 2. क्रूर तथा उद्दंड था 3. सयानी थी 4. दलदल में धँसने से

भाषा से

(क) विलोम शब्द चुनकर लिखिए।

घना	–	विरल	विशाल	–	लघु
ताकतवर	–	कमज़ोर	शक्ति	–	कमज़ोरी
मित्र	–	शत्रु	जीवन	–	मरण
ज़मीन	–	आसमान	खुश	–	नाखुश
भारी	–	हल्का	बुरा	–	अच्छा

(ख) वचन बदलिए।

लोमड़ी	–	लोमड़ियाँ	टहनी	–	टहनियाँ
घोंसला	–	घोंसले	चीता	–	चीते
दादी	–	दादियाँ	योजना	–	योजनाएँ
नदी	–	नदियाँ	रास्ता	–	रास्ते
राह	–	राहें	अंडा	–	अंडे

(ग) नीचे दिए गए वाक्यों में रंगीन सर्वनाम पाठ में जिन संज्ञा शब्दों के स्थान पर प्रयुक्त हुए हैं, उन्हें लिखिए।

1. भड़कू 2. लोमड़ियाँ 3. निम्मो 4. भड़कू 5. भड़कू 6. निम्मो

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 16 : सबसे मीठी और सबसे कड़वी चीज़ (चित्रकथा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा कैसा था?
   राजा शूरवीर और प्रतापी था।
2. बुद्धिराम कौन था?
   बुद्धिराम राजा का सबसे बुद्धिमान मंत्री था।
3. सबसे मीठी चीज़ कौन-सी है?
   मीठी बात।
4. सबसे कड़वी चीज़ कौन-सी है?
   कड़वी बात।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा ने दरबार में क्या सवाल पूछा?
   राजा ने दरबार में यह सवाल पूछा कि – 'बताइए सबसे मीठी चीज़ कौन-सी है तथा सबसे कड़वी चीज़ कौन-सी है?'
2. दरबारियों ने उसके सवाल का क्या जवाब दिया?
   दरबारियों ने उसके सवाल के जवाब कुछ इस तरह दिए कि सबसे मीठी चीज़ हैं- रसगुल्ले, केला, खरबूजा, आम आदि और सबसे कड़वी चीज़ हैं – नीम, करेला, चिरायता आदि।
3. बुद्धिराम ने राजा को अपना जवाब देने के बारे में क्या कहा?
   बुद्धिराम ने राजा को अपना जवाब देने के बारे में यह कहा कि – ''महाराज, मैं अपना जवाब कुछ दिनों के बाद दूँगा।''
4. राजा को वीरभद्र पर क्रोध क्यों आया?
   राजा को वीरभद्र पर क्रोध इसलिए आया, क्योंकि उसने राजा से कड़वी बात कही थी।
5. बुद्धिराम ने वीरभद्र का रूप किसलिए धारण किया?
   बुद्धिराम ने राजा के सवाल का सही-सही उत्तर देने के उद्देश्य से वीरभद्र का रूप धारण किया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. बुद्धिराम ने राजा के सवाल का क्या उत्तर दिया? अपने शब्दों में लिखिए।
   बुद्धिराम ने राजा के सवाल का सही-सही उत्तर दिया। उसके उत्तर के अनुसार सबसे मीठी चीज़ मीठी बात होती है, क्योंकि

मीठी बात सुनकर व्यक्ति का मन प्रसन्न हो जाता है। इसके विपरीत सबसे कड़वी चीज़ कड़वी बात होती है जिसे कोई अपना भी सुने तो शत्रु बन जाए।

2. राजा ने बुद्धिराम के प्रति अपनी प्रसन्नता कैसे जताई?
   राजा अपने सवाल का सही जवाब पाकर बुद्धिराम से बहुत अधिक प्रसन्न हुआ। उसने बुद्धिराम की दिल खोलकर प्रंशसा की। फिर अपना रत्न जड़ित कीमती हार उसके गले में पहना दिया और गले से लगा लिया।
3. सही / गलत वाक्य बताइए-
   (i) सही (ii) गलत (iii) गलत (iv) सही (v) सही

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1 कड़वा 2. चुप बैठा था 3. रत्न जड़ित हार

भाषा से

(क) उचित मिलान कीजिए।

राजा	-	रंक	दिन	-	रात
मीठा	-	कड़वा	ऊँची	-	नीची
सवाल	-	जवाब	वीरता	-	कायरता
बड़ा	-	छोटा	बलवान	-	बलहीन
बुद्धिमान	-	मूर्ख	अंदर	-	बाहर

(ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

राजा -	नरेश	भूप	सम्राट
दिन -	दिवस	वार	वासर
बुद्धिमान-	ज्ञानी	समझदार	सयाना
बलवान -	ताकतवर	बलशाली	शक्तिशाली

(ग) वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए।

1. शूरवीर 2. बुद्धिमान 3. दरबार 4. बलवान 5. पगड़ी 6. हिम्मत

(घ) चित्र देखकर उनकी दो-दो विशेषताएँ (विशेषण) लिखिए।

मीठे	मीठा	कड़वा
सफेद	कच्चा	हरा
अच्छा	स्वर्ण	सुंदर
प्रतापी	कीमती	राजस्थानी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(i) कमल (ii) नयन (iii) कलम (iv) नमन (v) नकल

पाठ 17 : इसे जगाओ (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कवि ने मनुष्य को जगाने का अनुरोध किससे किया ?
   सूरज से।
2. आदमी किससे बेख़बर है?
   आदमी सच से बेख़बर है।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. आदमी सच में बेखबर कब हो जाता है?
   सपनों अथवा कल्पनओं में डूबने के बाद आदमी सच में बेखबर हो जाता है।
2. किस प्रकार के लोग जीवन में आगे निकल जाते हैं?
   जो लोग समय पर जागकर अथवा सजग होकर अपने कार्य में जुट जाते हैं वही जीवन में औरों से आगे निकल जाते हैं।
3. मनुष्य का समय पर जागना क्यों ज़रूरी है?
   जीवन में सफलता पाने या आगे बढ़ते रहने के लिए मनुष्य का समय पर जागना ज़रूरी है।

4. मनुष्य कब घबराकर भागता है?

मनुष्य जब देर से या बेवक्त जागता है तो वह अपने से आगे निकल गए लोगों को पाने के लिए घबराकर भागता है?

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. इस कविता से प्राप्त शिक्षा को अपने शब्दों में लिखिए।

इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि व्यक्ति को सपनों अथवा कल्पनाओं में डूबकर सोए पड़े रहने से जीवन में सफलता नहीं मिलती। बल्कि वास्तविकता के धरातल पर रहकर सजगता के साथ कर्म, श्रम तथा प्रयास करते रहने पर ही सफलता मिलती है।

2. इसका भावार्थ स्पष्ट कीजिए।

भावार्थ - कवि सोए हुए व्यक्ति के बेवक्त जाग जाने की स्थिति का वर्णन करते हुए कहता है कि घबराकर भागना तथा तीव्र गति में भागना अलग-अलग बातें हैं। तीव्र गति का अर्थ तो सही समय पर सजग होकर आगे बढ़ना है। अत: भई सूरज इस आदमी को जगाओ। पवन तुम इसे हिलाओ और पंछी तुम इसके कानों में चिल्लाओ ताकि यह समय पर जाग जाए अथवा सजग होकर गति पकड़ ले।

3. इन शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

बेख़बर	-	अनजान	आदमी को बेखबर होकर नहीं सोना चाहिए।
बेवक्त	-	बिना सही समय के	बेवक्त जागना तथा चिल्लाना अच्छी बात नहीं है।
क्षिप्र	-	तेज़	नदी क्षिप्र गति से बह रही है।
सजग	-	सावधान	समय पर सजग हो जाना ही समझदारी है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. शशांक 2. आदमी 3. पवन

भाषा से

(क) पयार्यवाची शब्द लिखिए।

सूरज	-	रवि	भानु	सूर्य
पवन	-	हवा	समीर	वायु
पंछी	-	खग	विहग	पक्षी
आदमी	-	व्यक्ति	मनुष्य	मानव

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

आदमी	×	राक्षस	सोया	×	जागा
आगे	×	पीछे	सजग	×	असजग
सच	×	झूठ	सही	×	गलत

अब, इन विलोम शब्दों से वाक्य बनाइए-

जंगल में एक राक्षस रहता है। वह सुबह देर से जागा।

पुलिस चोर के पीछे पड़ी हैं। असजग आदमी ठोकर खाकर गिरता ही है।

झूठ बोलना पाप है। सही-गलत की समझ रखना ज़रूरी है।

(ग) नए शब्द बनाइए-

सच्चा	सचमुच	सच्चाई
गतिशील	गतिमान	दुर्गति
गुणवान	अवगुण	गुणगान
धनवान	निर्धन	धनाढ्य

(घ) 'बे' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए-

बेखबर	बेवक्त
बेशर्म	बेअदब
बेईमान	बेकार

(ङ) इन शब्दों (विशेष्यों) के लिए विशेषण शब्द लिखिए।

अच्छा	आदमी	ठंडी	पवन	चमकीला	सूरज	विशाल	वृक्ष
सुंदर	पंछी	ऊँचा	पर्वत	सुखी	जीवन	गुलाबी	फूल

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

उत्तरमाला : हिंदी रीडर-5

पाठ 1 : देश हमारा (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. हमारे देश को किसने सँवारा है?
   हमारे देश को प्रकृति ने सँवारा है।
2. अलग-अलग धर्मों के लोग कैसे रहते हैं?
   अलग-अलग धर्मों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं?

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. भारत का मुकुट किसे बताया गया है?
   हिमालय पर्वतमाला को भारत का मुकुट बताया गया है।
2. भारत की धार्मिक विशेषता क्या है?
   भारत की धार्मिक विशेषता यह है कि यहाँ विविध धर्मों के लोग रहते पाए जाते हैं। सभी धर्मों के लोग मिलजुलकर भाईचारे के साथ रहते हैं।
3. धरती को स्वर्ग कैसे बनाया जा सकता है?
   सभी प्रकार के भेदभावों को भुलाकर सबके साथ मिलजुलकर रहने तथा सबको पढ़ा-लिखा कर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करके इस धरती को स्वर्ग बनाया जा सकता है।
4. देश को हरा-भरा बनाने से क्या तात्पर्य है?
   देश को हरा-भरा बनाने से तात्पर्य है कि हमें पेड़-पौधे लगाने चाहिए तथा उनका संरक्षण करना चाहिए, ताकि देश की धरती हरी-भरी बनी रह सके।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. 'देश हमारा' कविता भारत की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख करती है?
   'देश हमारा' कविता भारत की निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख करती है-
   (i) भारत की धरती प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है अथवा इसकी प्राकृतिक सुंदरता देखने योग्य है।
   (ii) भारत के सिर पर हिमालय पर्वत मुकुट के समान सज्जित है जिस पर अनेक देवी-देवताओं के मंदिर स्थित हैं।
   (iii) भारत में विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं जो समस्त प्रकार के भेदभावों को भूलाकर आपस में मिलजुलकर प्रेम के साथ रहते हैं।
   (iv) भारत की धरती स्वर्ग के समान सुंदर है तथा भारत संसार के सब देशों से अनोखा देश है।
2. दी गई पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
   भावार्थ - कवि इस पद्यांश के माध्यम से कहना चाहता है कि भारत में रहने वाले हिंदू, मुसलमान, सिक्ख और ईसाई सभी परस्पर भाइयों के समान हैं तथा भाईचारे के साथ रहते हैं। इस देश में बहने वाली गंगा की जलधारा आपसी भाईचारे को बढ़ावा देती है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. हिमालय 2. अपने प्राणों से अधिक

भाषा से

(क) इनके विलोम शब्द लिखिए।

धर्म	-	अधर्म	बढ़ता	-	घटता
धरती	-	आकाश	स्वर्ग	-	नरक
गुण	-	अवगुण	प्यारा	-	दुश्मन

(ख) उदाहरण के अनुसार वर्ण-विच्छेद कीजिए।

मुकुट	म् + उ + क् + उ + ट् + अ
धरती	ध् + अ + र् + अ + त् + ई
मुस्लिम	म् + उ + स् + ल् + इ + म् + अ
भारत	भ् + आ + र् + अ + त् + अ

(ग) नीचे दिए गए वाक्यों में से जातिवाचक संज्ञा शब्द छाँटकर लिखिए।

1. नदी 2. देश 3. उद्‌यान, फूल 4. पहाड़ों, पेड़, पौधे

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

5. वाक्य - संसार में सबसे न्यारा, भारत देश हमारा।

पाठ 2 : न भीगे न जले (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा का क्या नाम था?
   विचित्र सिंह।
2. राजा ने राज्य में घोषणा कराने की आज्ञा किसे दी?
   प्रधानमंत्री।
3. राजा ने पत्थर की मूर्ति के विषय में क्या कहा?
   राजा ने कहा कि बहुत अधिक गरम करने पर पत्थर की मूर्ति भी जलकर राख हो सकती है।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा का स्वभाव कैसा था?
   राजा स्वभाव से बुद्‌धिमान अथवा ज्ञानी था। वह हर समय विचित्र वस्तुओं के बारे में सोचता रहता था।
2. राजा द्‌वारा क्या घोषणा करवाई गई?
   राजा ने घोषणा करवाई कि जो आदमी कोई ऐसी वस्तु लेकर आएगा जिसे न तो भिगोया जा सके और न ही जलाया जा सके, उसे इनाम में एक हज़ार स्वर्ण-मुद्राएँ दी जाएँगी।
3. नत्थूराम माली दरबार में क्या लेकर उपस्थित हुआ? राजा ने उससे क्या कहा?
   नत्थूराम माली दरबार में कमल का फूल लेकर उपस्थित हुआ। फूल को देखकर राजा ने कहा कि- माना कमल को भिगोना कठिन है, किंतु उसे जलाया जा सकता है।
4. नवयुवक ने राजा से क्या कहा?
   नवयुवक ने राजा से कहा- ''महाराज, मैं अपने साथ तो कुछ नहीं लाया हूँ। किंतु मैं अभी आपके सामने एक ऐसी चीज़ बनाऊँगा, जिसे न तो किसी तरह से पानी में भिगोया जा सकता है और न ही आग में जलाया जा सकता है।''
5. राजा ने नवयुवक को क्या इनाम दिया?
   राजा ने नवयुवक को इनाम के रूप में एक हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ दीं तथा साथ ही उसे अपने दरबार में एक अच्छा-सा पद भी दे दिया।

(ग) निबन्धात्मक-प्रश्न।

1. राजा की घोषणा सुनकर राज्य के लोगों में क्या चर्चा हो रही थी?
   राजा की घोषणा सुनकर राज्य के लोगों में तरह-तरह की चर्चाएँ हो रही थीं। कोई कह रहा था कि जिसे भी एक हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ मिलेंगी उसका तो भाग्य ही बदल जाएगा। वह तो रातों-रात अमीर हो जाएगा। कुछ लोग कह रहे थे कि भला ऐसी कोई चीज़ हो सकती है जो न भीगे और न ही जले? लगता है हमारे राजा अपनी प्रजा को मूर्ख बना रहे हैं। सब अपने-अपने विचार प्रकट कर रहे थे और सबको प्रतियोगिता वाले दिन का इंतजार था।
2. प्रतियोगिता का आयोजन कहाँ हुआ तथा उसमें कितने लोग शामिल हुए?
   प्रतियोगिता का आयोजन एक विशाल कक्ष में हुआ। उस विशाल कक्ष में राजा का दरबार लगाया गया तथा साथ ही लोगों के बैठने के लिए जगह रखी गई। कक्ष लोगों की भीड़ से खचाखच भरा हुआ था। कहीं तिल रखने की भी जगह न बची थी।
3. नवयुवक ने अपनी बुद्‌धिमानी का परिचय कैसे दिया?
   नवयुवक बहुत बुद्‌धिमान था। वह राजा को विशाल कक्ष में उस जगह पर लेकर गया जहाँ से होकर सूरज का प्रकाश दीवार पर पड़ रहा था। सभी उपस्थित लोग उस युवक की ओर कौतूहलपूर्वक देख रहे थे। उस व्यक्ति ने अपने हाथों को इस प्रकार मोड़कर सूर्य के प्रकाश में रखा कि दीवार पर मुरगी की आकृति वाली परछाई बन गई। उसको बनाने के बाद उसने राजा से कहा कि महाराज यह ऐसी वस्तु है जिसे न तो आप पानी में भिगो सकते हैं तथा न ही आग में जला सकते हैं। इस प्रकार राजा को अपनी वस्तु मिल गई तथा सबको उस नवयुवक की बुद्‌धिमानी का परिचय मिल गया।

4. किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए–

1. एक व्यक्ति ने अपने साथियों से कहा, क्योंकि इनाम के रूप में मिलने वाली एक हज़ार स्वर्ण-मुद्राएँ बहुत बड़ी धनराशि थी।
2. राजा ने मूर्तिकार से कहा, क्योंकि वह उस मूर्ति की विशेषता बताना चाहता था।
3. राजा ने नवयुवक से कहा, क्योंकि उसने ऐसी वस्तु बनाने की बात कही थी जो न तो भीगे और न ही जले।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. एक हज़ार स्वर्ण-मुद्राएँ 2. मुरगी

भाषा से

(क) इनके दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

राजा	–	नरेश	भूप
आदमी	–	व्यक्ति	मनुष्य
कमल	–	नीरज	जलज
जल	–	पानी	नीर
आग	–	अग्नि	अनल

(ख) पुल्लिंग अथवा स्त्रीलिंग बताइए।

राजा	–	पुल्लिंग	मुद्रा	–	स्त्रीलिंग
व्यक्ति	–	पुल्लिंग	दिन	–	स्त्रीलिंग
इनाम	–	पुल्लिंग	मूर्ति	–	स्त्रीलिंग
कमल	–	पुल्लिंग	आग	–	स्त्रीलिंग

(ग) विलोम शब्द लिखिए।

बुद्धिमान	–	मूर्ख	नया	–	पुराना
इनाम	–	सज़ा	राजा	–	रंक
अमीर	–	गरीब	विशाल	–	लघु
उपस्थित	–	अनुपस्थित	संतुष्ट	–	असंतुष्ट

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

2. **भावार्थ** - भई वाह! जिस भी आदमी को एक हज़ार सोने के मिलेंगे उसकी तो किस्मत ही बदल जाएगी। वह तो एक ही रात में अमीर हो जाएगा।
3. बुद्धिमत्ता अथवा ज्ञान की बड़ी महता होती है। बुद्धिमत्ता के बल पर आदमी अपने पर आए संकट को तो टाल ही सकता है साथ ही बिगड़े काम को सुधार सकता है। मन चाही शिक्षा और सफलता पा सकता है। संसार में विशेष कार्य कर लोगों का हित कर सकता है।

पाठ 3 : अनूठा उपहार (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. धनीराम कैसा व्यक्ति था?
   धनीराम कंजूस और लालची व्यक्ति था।
2. धनीराम के मुंशी का क्या नाम था?
   हीरा लाल।
3. बंदरों पर अत्याचार कौन कर रहा था?
   शिकारी।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लकड़हारा और उसके आदमी की कुल्हाड़ियाँ फेंककर बाग से क्यों भागे?
   लकड़हारा और उसके आदमी अपनी कुल्हाड़ियाँ फेंककर बाग से इसलिए भागे, क्योंकि मधुमक्खियाँ और बंदर उनके पीछे पड़ गए थे।
2. शिकारी बाग में क्या कर रहे थे?
   शिकारी बाग में बंदरों को पकड़कर पिंजरों में बंद कर रहे थे।

3. धन्नो ताई ने शिकारियों को क्यों डाँटा?
धन्नो ताई ने शिकारियों को डाँटा, क्योंकि वे बंदरों पर अत्याचार कर रहे थे और धन्नो ताई उन पर इस प्रकार के अत्याचार सहन नही कर सकती थी।
4. गाँव में पंचायत क्यों बुलाई गई?
गाँव में पंचायत इसलिए बुलाई गई ताकि लकड़हारे को बाग काटने से रोका जा सके।
5. धन्नो ताई ने बंदरों का आशियाना बचाने के लिए क्या किया?
धन्नो ताई ने बंदरों का आशियाना बचाने के लिए बाग तथा उसकी ज़मीन को स्वयं खरीद लिया। इसके लिए उसे अपना घर और खेत गँवाने पड़े।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. बंदरों को लकड़हारे और उसके आदमियों पर क्रोध क्यों आया?
लकड़हारा और उसके आदमी बाग के पेड़ों को काटना चाहते थे। बाग में अनेक तरह के पशु-पक्षी अपना आश्रय बनाए हुए थे। उनमें मुख्यत: बंदर, मधुमक्खियाँ तथा तरह-तरह के पक्षी शामिल थे। जब लकड़हारा तथा उसके आदमी कुल्हाड़ियाँ लेकर बाग में पेड़ काटने के लिए पहुँचे तो बंदरों को अपना ठिकाना छीन जाने का भय हुआ तथा वे लकड़हारे तथा उसके आदमियों पर क्रोध जताने लगे।
2. लकड़हारे ने बंदरों से छुटकारा पाने की क्या योजना बनाई और वह असफल क्यों रही?
लकड़हारे ने बंदरों से छुटकारा पाने के लिए कुछ शिकारियों की सहायता ली। शिकारी अपनी मनचाही धनराशि पाकर खुश हुए तथा बाग में से बंदरों को हटाने के लिए वहाँ पहुँच गए। शिकारियों ने बंदूकों से गोलियाँ छोड़-छोड़कर बंदरों को डरा दिया तथा फिर उन्हें पकड़-पकड़कर पिंजरों में बंद करने लगे। उसी समय धन्नो ताई वहाँ आ गई। उसे बंदरों पर यह अत्याचार सहन न हुआ। उसने कुछ किसानों की मदद से शिकारियों को वहाँ से डरा-धमकाकर भगा दिया तथा बंदरों को आज़ाद करवा दिया। इस प्रकार लकड़हारे की बंदरों से छुटकारा पाने की योजना असफल हो गई।
3. धन्नो ताई में प्रकृति प्रेम कूट-कूटकर भरा हुआ था। बताइए, कैसे?
धन्नो ताई में प्रकृति प्रेम कूट-कूटकर भरा हुआ था। इसका स्पष्टीकरण निम्न उदाहरणों से हो जाता है-
   (i) जब शिकारी बंदरों पर अत्याचार कर रहे थे, तब धन्नो ताई से निरीह जानवरों पर अत्याचार सहन नहीं हुआ। उसने किसानों की मदद से शिकारियों को रोका तथा उन्हें डाँट-फटकारकर बंदरों को पिंजरों से आज़ाद करवाया और शिकारियों को वहाँ से भगा दिया।
   (ii) धन्नो ताई ने बंदरों के आशियाने यानी उस बाग को बनाए रखने के उद्देश्य से अपना खेत और घर किसान तथा लकड़हारे को सौंप दिए। उसके उपरांत उसने भरी पंचायत में उस बाग को गाँववालों के लिए उसकी ओर से उपहार की घोषणा कर दी तथा स्वयं जाकर उस बाग में रहने लगी। इस तरह उसने पशु-पक्षियों का ठिकाना तो बचाया ही, साथ ही पेड़ों की सुरक्षा भी की जिससे उसका प्रकृति प्रेम स्वत: ही स्पष्ट हो जाता है।
4. धन्नो ताई द्वारा दिया गया उपहार गाँववालों के लिए अनूठा उपहार कैसे था?
धन्नो ताई द्वारा दिया गया उपहार गाँववालों के लिए अनूठा उपहार था, क्योंकि ऐसा उपहार वही व्यक्ति दे सकता है जिसमें प्रकृति के प्रति गहरा प्रेम बसता हो तथा जो प्राकृतिक पर्यावरण व उसके संतुलन का महत्व समझता हो। धन्नो ताई पेड़-पौधों तथा उनके बल पर पनपने वाले जंतुओं की उपयोगिता को भली प्रकार से समझती थी। इसीलिए उसने पर्यावरण संरक्षण के लिए बाग को खरीदकर गाँववालों को उपहार के रूप में दे दिया ताकि गाँव को स्वच्छ हवा, पानी, हरियाली, शीतल छाया तथा पशु-पक्षियों को सुरक्षित आवास सदा मिलता रहे।
5. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. लकड़हारा 2. बंदरों को पकड़ने के लिए 3. धन्नो ताई

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

आमदनी	-	खर्च	ज़मीन	-	आसमान
बाहर	-	भीतर	बंद	-	खुला
निर्दय	-	सदय	भला	-	बुरा
सुंदर	-	कुरूप	नई	-	पुरानी

(ख) 'बे' तथा 'उप' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए।

बेईमान उपकार

बेकाबू	उपहार
बेअदब	उपदेश

(ग) स्वयं करें।

(घ) इनके पर्यायवाची शब्द छाँटकर लिखिए।

बाग	बगीचा	उद्यान
ज़मीन	धरती	भूमि
बंदर	वानर	कपि
पक्षी	पंछी	विहग

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 4 : एक कछुआ, दो हंस (नाटक)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजकुमार का क्या नाम था?
   सिद्धांतपाल।
2. कछुआ कहाँ रहता था?
   कछुआ झील में रहता था।
3. कछुआ और हंस कहाँ जाना चाहते थे?
   कछुआ और हंस पहाड़ के पीछे झील पर जाना चाहते थे।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. विद्यासागर राजकुमार को क्या सीख देना चाहते थे?
   विद्यासागर राजकुमार को यह सीख देना चाहते थे कि आदमी को कम बोलना तथा ज्यादा सुनना चाहिए।
2. समय कनपकड़ी कब कराता है?
   जब व्यक्ति समय पर कार्य करने के बजाय उसे व्यर्थ में बिता देता है तथा फिर बाद में पछताता है, तो उसे समय द्वारा करवाई गई कनपकड़ी ही माना जाता है।
3. विद्यासागर ने राजा की तुलना किससे की और क्यों?
   विद्यासागर ने राजा की तुलना जल से की, क्योंकि राजा जल के समान ही अपनी प्रजा की प्यास बुझाता है।
4. गिलहरी ने कछुए को ले जाने का क्या उपाय बताया?
   गिलहरी ने कछुए को ले जाने का यह उपाय बताया कि एक लंबी-सी टहनी ले लो। उसका एक सिरा एक हंस अपनी चोच में पकड़ ले तथा दूसरा हंस दूसरे सिरे को, बीच का भाग कछुआ अपने दाँतों में अच्छी तरह जकड़ ले। फिर हंस उसे लेकर उड़ चलें।
5. हंस ने कछुए के सामने क्या शर्त रखी?
   हंस ने कछुए के सामने यह शर्त रखी कि वह रास्ते में बिलकुल नहीं बोलेगा।
6. कछुए ने अपनी मूर्खता का परिचय कैसे दिया?
   कछुआ जानता था कि बोलने के लिए मुँह खोलते ही वह नीचे ज़मीन पर गिर जाएगा। किंतु वह फिर भी बोला और फिर नीचे गिर गया। यह उसकी मूर्खता का ही परिणाम था।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. विद्यासागर ने समय के बारे में क्या कहा?
   विद्यासागर ने समय के बारे में कहा कि समय को इधर-उधर की बातों में कभी खराब मत करो। समय हाथ से निकल जाता है, तो फिर कभी हाथ नहीं आता। समय सबसे बड़ा शिक्षक है।
2. हंस और कछुआ कहाँ जाना चाहते थे और क्यों?
   हंस और कछुआ जिस झील में रहते थे, उसका पानी लगभग सारा सूख चुका था। उस झील से भोजन प्राप्त करना मुश्किल हो गया था। अत: भूखमरी से बचने के लिए दोनों हंस अपने कछुए मित्र को लेकर पहाड़ के पीछे वाली झील पर जाना चाहते थे। उस झील में भरपूर पानी तथा भोजन उपलब्ध था।

3. हंस कछुए के सच्चे मित्र थे। इस वाक्य की पुष्टि अपने शब्दों में कीजिए।
हंस कछुए के सच्चे मित्र थे। क्योंकि यदि वे चाहते तो कछुए को उसी सूखी झील पर छोड़कर स्वयं उड़कर उस पहाड़ के पीछे वाली झील पर जा सकते थे। किंतु उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने गिलहरी की बताई युक्ति के अनुसार कछुए को अपने साथ नई झील पर ले जाने की कोशिश की। यह तो कछुए की मूर्खता ही थी कि उसने झील पर पहुँचने से पहले ही अपने प्राण गँवा दिए।

4. इस कथा से क्या शिक्षा मिलती है?
इस कथा से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मनुष्य को बोलने में बड़ी ही सजगता का पालन करना चाहिए। उसे कम बोलना चाहिए तथा उचित समय पर ही बोलना चाहिए। अन्यथा मूर्ख कछुए की तरह गंभीर हानि उठानी पड़ सकती है।

5. किसने कहा, किससे कहा, लिखिए-
(i) राजकुमार ने विद्यासागर से कहा।
(ii) दूसरे हंस ने पहले हंस तथा कछुए से कहा।
(iii) कछुए ने अपने मित्र हंसों से कहा।
(iv) गिलहरी ने कछुए से कहा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. विद्यासागर 2. गिलहरी 3. बच्चे

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

बचपन	–	बुढ़ापा	गुरु	–	शिष्य
अंदर	–	बाहर	सूखा	–	गीला
पुराना	–	नया	मित्र	–	शत्रु

(ख) इनके पर्यायवाची शब्द छाँटकर लिखिए।

झील	–	सर	सरोवर	–	जलाशय
पानी	–	जल	नीर	–	वारि
आकाश	–	अंबर	गगन	–	आसमान
धरती	–	भूमि	मही	–	पृथ्वी

(ग) विशेषण और विशेष्यों का उचित मिलान कीजिए।

ठंडी	–	हवा	सफ़ेद	–	हंस
बड़ा	–	कक्ष	मूर्ख	–	कछुआ
अच्छा	–	बालक	नन्हा	–	प्राणी
गहरा	–	सागर	ऊँची	–	पहाड़ी

(घ) वचन बदलिए।

बेटा	–	बेटे	कहानी	–	कहानियाँ
कछुआ	–	कछुए	गिलहरी	–	गिलहरियाँ
झील	–	झीलें	टहनी	–	टहनियाँ

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 5 : नन्हा पौधा (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजकुमार का क्या नाम था?
सिद्धांतपाल।
2. कछुआ कहाँ रहता था?
मछुआ झील में रहता था।
3. कछुआ और हंस कहाँ जाना चाहते थे?
कछुआ और हंस पहाड़ के पीछे झील पर जाना चाहते थे।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बीज के अंदर क्या था?
   बीज के अंदर एक नन्हा तथा कोमल पौधा विद्यमान था।
2. पौधे को किससे गरमी मिलती है?
   पौधे को सूरज से गरमी मिलती है।
3. पौधे को कब ताकत मिली?
   जब पौधा भूमि से बाहर निकला और अँगड़ाई तोड़कर खड़ा हुआ तो उसे अपने तन में अनोखी ताकत मिली।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. सूरज ने पोधे से क्या कहा?
   सूरज ने पौधे से कहा कि- 'प्यारे पौधे, निद्रा दूर भगाओ। अलसाई आँखें खोलो, तुम उठकर बाहर आओ।'
2. कविता की निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
   भावार्थ - सूरज के कहने पर नन्हा पौधा भूमि के अंदर से बाहर आया। उसने अपनी आँखें खोलीं और अँगड़ाई ली। इस अवस्था में पौधे ने अपने शरीर में अनोखी ताकत महसूस की।
3. इस कविता से आपको पौधे के विषय में क्या पता चला?
   इस कविता से हमें यह पता चला कि बीज से पोधा उगाने के लिए सबसे पहले उसे मिट्टी की गहराई में बोया जाता है। फिर हवा, पानी तथा सूर्य का प्रकाश मिलने पर वह अँकुर बनकर ज़मीन से बाहर फूट पड़ता है तथा एक नन्हे पौधे के रूप में जन्म ले लेता है। समय के साथ-साथ नन्हा पौधा बड़ा होता चला जाता है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. नन्हा पौधा 2. सूरज ने 3. अँगड़ाई ली

भाषा से

(क) चित्र देखकर तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

सूरज	बादल	वृक्ष	चाँद
सूर्य	मेघ	पेड़	चंद्रमा
रवि	घन	तरु	चंदा

(ख) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

आलस्य	-	स्फूर्ति
निद्रा	-	जागरण
मंद	-	तीव्र
बाहर	-	भीतर
नई	-	पुरानी

(ग) वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए।
गहराई, नन्ही, अलसाई, पौधा

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 6 : असली-नकली (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सेठ कैसा व्यक्ति था?
   सेठ ईमानदार और उदार व्यक्ति था।
2. रामू कौन था?
   रामू एक ठग था।
3. सेठ ने रामू को कैसे सिक्के दिए?
   सेठ ने रामू को नकली सिक्के दिए।

(ख) गाँववाले सेठ की प्रशंसा क्यों करते थे?

1. गाँववाले सेठ की बहुत प्रशंसा करते थे, क्योंकि सेठ गाँव के गरीबों की बिना किसी प्रकार की लिखा-पढ़ी के आर्थिक मदद करता था।

2. बेईमान आदमी ने किसान का वेश बदलकर सेठ से क्या कहा?
बेईमान आदमी ने किसान का वेश बदलकर सेठ से कहा कि- 'सेठ जी, मैं पास के गाँव मानकपुर का एक गरीब किसान रामू हूँ। मेरी बेटी की शादी है, मैं मुसीबत में हूँ। मुझे सौ रुपए उधार दे दीजिए। जल्दी ही चुका दूँगा।'

3. सेठ ने रामू की परख करने के लिए क्या युक्ति अपनाई?
सेठ ने रामू की परख करने के लिए सबसे पहले अपने पास से पाँच नकली सिक्के दिए। फिर उसने अपने मुनीम से पिचानवें रुपए लाकर देने को कहा। रामू पिचानवें असली सिक्कों के साथ पाँच नकली सिक्के लेने पर राजी हो गया। इस तरह सेठ समझ गया कि वह बेईमान ठग है, कोई गरीब किसान नहीं। क्योंकि जानबूझकर नकली सिक्के केवल ठग ही स्वीकार कर सकता है जिसे धन वापस न लौटाना हो।

4. रामू ने नकली सिक्कों को असली क्यों मान लिया?
रामू एक बेईमान आदमी था। उसका उद्देश्य कर्ज़ लेना नहीं, बल्कि सेठ को ठगना था। इसी कारण उसने सोचा कि सौ रुपए में केवल पाँच रुपए ही नकली हैं, बाकी पिचानवें रुपए तो असली हैं और उसे कौन-सा सेठ के रुपए वापस लौटाने हैं। इसी कारण उसने नकली सिक्कों को भी असली मानकर स्वीकार कर लिया।

5. मुनीम जी ने भोला को मानकपुर क्यों भेजा?
मुनीम जी ने भोला को रामू नामक किसान बनने वाले ठग के बारे में पूछताछ करने के लिए भेजा।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. मुनीम जी अपने सेठ को अक्सर क्या समझाते थे?
मुनीम जी अपने सेठ को अक्सर यह समझाते थे कि इस संसार में बहुत बेईमान भरे पड़े हैं। इसलिए आप बिना लिखा-पढ़ी के लोगों को रकम उधार मत दीजिए। किसी दिन दिया गया कर्ज मारा गया तो पछताना पड़ सकता है।

2. रामू सेठ की उदारता का किस प्रकार लाभ उठाना चाहता था? वह अपनी योजना में असफल कैसे रहा?
सेठ गरीब किसानों के प्रति विशेष दयालुता रखता था। उसे ईमानदार और बेईमान की परख करना भी बखूबी आता था। इसी कारण वह लोगों को बिना किसी प्रकार की लिखा-पढ़ी के रकम उधार दे देता था। रामू ने सेठ की इस उदारता को उसकी कमजोरी समझा एवं उसका लाभ उठाना चाहा। उसने सोचा कि क्यों न कर्ज के नाम सेठ से धन ठग लिया जाए। किंतु सेठ के अनुभव और समझदारी के सामने उसकी पोल खुल गई तथा वह अपनी योजना में असफल हुआ।

3. सेठ अभ्यास और अनुभव का धनी व्यक्ति था। बताइए, कैसे?
सेठ उदार तथा दयालु होने के साथ-साथ बड़ा ही समझदार तथा अभ्यास एवं अनुभव का धनी व्यक्ति था। सेठ का यह गुण रामू नामक बेईमान व्यक्ति के द्वारा सेठ से कर्ज़ के नाम पर धन ऐंठने की घटना से स्पष्ट रूप से सामने आ जाता है। क्योंकि सेठ जी उसकी बेईमानीपूर्ण योजना को सरलता से पहचान लेते हैं तथा उसे कर्ज़ देने के बजाय अपमान के साथ धक्के मारकर बाहर निकाल देते हैं।

4. सही वाक्य के लिए (✓) तथा गलत वाक्य के लिए (✗) का चिह्न लगाइए-
(i) ✓ (ii) ✗ (iii) ✓ (iv) ✓ (v) ✓

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मदद करता था 2. किसान का 3. सौ रुपए

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

ईमानदारी	बेईमानी	उदारता	अनुदारता
उधार	नकद	धर्म	अधर्म
आदमी	राक्षस	गरीब	अमीर
नकली	असली	प्रशंसा	निंदा

(ख) नीचे दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए और उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

ईमानदारी	-	ईमानदारी	सेठ ईमानदारी से व्यापार करता था।
उदार	-	उदारता	आदमी की उदारता ही उसे महान बनाती है।
अच्छा	-	अच्छाई	अच्छाई-बुराई में फ़र्क करना सीखो।
बुरा	-	बुराई	बुराई का फल भी बुरा ही होता है।
गरीब	-	गरीबी	गरीबी बड़ी दु:खदायी होती है।

(ग) 'ता' लगाकर नए शब्द बनाइए और उनके अर्थ भी लिखिए।

प्रसन्न + ता	प्रसन्नता	खुशी
सुंदर + ता	सुंदरता	खूबसूरती

उदार + ता	उदारता	महानता
सफल + ता	सफलता	कामयाबी
आवश्यक + ता	आवश्यकता	ज़रूरत

(घ) समझिए और लिखिए।

आदमी	व्यक्ति, मनुष्य, नर
गरीब	दरिद्र, निर्धन, धनहीन
दिन	दिवस, वार, वासर
आँख	नयन, नेत्र, चक्षु

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक-क्रियाकलाप

4.

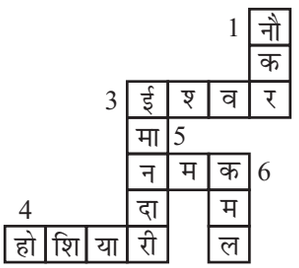

पाठ 7 : हाहा और हूहू (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. हाहा और हूहू कौन थे?
   हाहा और हूहू दो गवैए थे।
2. हाहा और हूहू किस मुनि के आश्रम में गए?
   देवल मुनि।
3. महावत कौन था?
   भगवान।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. हाहा और हूहू किस बात पर झगड़ रहे थे?
   हाहा और हूहू गाने-बजाने की बात को लेकर झगड़ रहे थे।
2. हाहा और हूहू देवल मुनि के आश्रम में क्यों गए?
   हाहा और हूहू आपस का झगड़ा निपटाने के लिए देवल मुनि के आश्रम में गए। क्योंकि देवल मुनि संगीत-कला के अच्छे जानकार थे और वही बता सकते थे कि उन दोनों में इस कला में कौन-सा अधिक निपुण है- हाहा अथवा हूहू।
3. देवल मुनि को किस बात पर क्रोध आया?
   हाहा और हूहू ने देवल को निपट मूर्ख तथा संगीत-कला का अज्ञानी बताया। उनकी इसी बात को सुनकर मुनि को बहुत अधिक क्रोध आया।
4. त्रिकूट पर्वत की क्या विशेषता थी?
   त्रिकूट पर्वत की यह विशेषता थी कि उसकी एक चोटी पुखराज की तथा दूसरी चोटी चाँदी की थी। चंद्रमा और सूर्य की रोशनी जब इस पर्वत पर पड़ती थी, तो चारों ओर प्रकाश फैल जाता था।
5. हाथी जलाशय से बाहर क्यों नहीं निकल पाया?
   जलाशय में हाथी के एक पाँव को घड़ियाल ने अपने जबड़े में जकड़ लिया। हाथी ताकतवर था परंतु घड़ियाल भी उससे कम ताकतवर न था। वह हाथी को जलाशय की गहराई में खींचकर ले गया। इस तरह हाथी जलाशय से बाहर न निकल पाया।

(ख) निबंधात्मक प्रश्न।

1. देवल मुनि ने हाहा और हूहू को क्या शाप दिया और क्यों?
   देवल मुनि ने अपने शाप के बल पर हूहू को हाथी बना दिया और कहा कि जा जंगलों में चिंघाड़ता फिर। उन्होंने हाहा को एक घड़ियाल बना दिया और बोले कि जा किसी जलाशय के पानी में पड़े रहकर अपना गला फाड़ता रह। उन्होंने अपने अपमान का बदला लेने एवं उनके घमंड को चूर करने के लिए उनको शाप दिया।

2. महावत कौन था? उसने हाहा और हूहू को शाप से कैसे मुक्त किया?

महावत के रूप में स्वयं भगवान प्रकट हुए थे। भगवान ने घड़ियाल और हाथी को आशीर्वाद दिया और वे हाहा और हूहू के रूप में बदल गए। दोनों हाहा और हूहू ने भगवान से क्षमा माँगी। फिर भगवान ने उन्हें जीवन में किसी भी चीज़ के लिए अहंकार अथवा घमंड न करने की शिक्षा दी।

3. भगवान ने हाहा और हूहू को क्या शिक्षा प्रदान की?

भगवान ने हाहा और हूहू को यह शिक्षा दी कि- ये प्रकृति, समस्त प्राणी सब मेरा ही प्रतिरूप हैं। मैं इस संसार के कण-कण में समाया हुआ हूँ। तुम दोनों ने देखा न कि कैसे एक-दूसरे को जीतने की होड़ संकट का कारण बन जाती है! इसलिए बच्चो, अपनी प्रतिभा पर अहंकार या घमंड करना उचित नहीं है। अपनी कला का सदुपयोग करना सीखो, जो दूसरों के काम आए, न कि किसी के दु:ख का कारण बने।

4. किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए-

(i) हूहू ने हाहा से कहा, क्योंकि वह स्वयं को हाहा से बेहतर संगीतज्ञ साबित करना चाहता था।

(ii) भगवान ने हाहा और हूहू से कहा, क्योंकि वह उनको सही सीख प्रदान करना चाहते थे।

5. नीचे दिए गए शब्दों को शुद्ध वर्तनी में लिखकर उनसे वाक्य बनाइए-

प्रशंसा - व्यक्ति को अपनी प्रशंसा अपने आप नहीं करनी चाहिए।

प्रणाम - बड़ों को हाथ जोड़कर प्रणाम करना चाहिए।

जलाशय - पर्वत की तलहटी में एक विशाल जलाशय था।

आशीर्वाद - भगवान के आशीर्वाद से सब काम ठीक से हो गए।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. संगीत कला 2. क्षीर सागर 3. भगवान ने

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

प्रशंसा	निंदा	गुणी	अवगुणी
शाप	आशीर्वाद	विजय	पराजय
रुष्ठ	प्रसन्न	मूर्ख	सयाना
जीवन	मृत्यु	ताकत	कमज़ोरी
गहरा	उथला	बाहर	भीतर

(ख) उपसर्गों से तीन-तीन शब्द बनाकर लिखिए।

प्र -	प्रणाम	प्रचंड	प्रचार
बे -	बेअदब	बेईमान	बेसहारा
ना -	नासमझ	नामंजूर	नाबालिग

(ग) विशेषण और विशेष्य का उचित मिलान कीजिए।

घमंडी	हाहा	ऊँचा	पर्वत
बड़ी	नाव	गहरा	जलाशय
गुणी	शिष्य	ताकतवर	घड़ियाल
मधुर	संगीत	हरी	घास
मूर्ख	बालक	सुंदर	फूल

(घ) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

गाना-बजाना	सुर-लहरी
दिन -रात	राजकुमार
जल -थल	राजमहल
सोना-चाँदी	संगीतकला

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 8 : आदमी की सोच (किस्सा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बीरबल कौन था?
   बीरबल अकबर बादशाह का खास मंत्री था।
2. लकड़हारा सिर पर क्या लिए हुए था?
   लकड़ियाँ।
3. बुढ़िया कैसी दिख रही थी?
   बुढ़िया बहुत दु:खी दिख रही थी।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बादशाह अकबर बीरबल के साथ कहाँ जा रहे थे?
   बादशाह अकबर बीरबल के साथ सैर करने के लिए जा रहे थे।
2. बादशाह ने बीरबल से लकड़हारे के बारे में क्या कहा?
   बादशाह ने लकड़हारे के बारे में कहा कि- बीरबल, क्या तुम बता सकते हो कि यह लकड़हारा हमारे बारे में क्या विचार रखता है?
3. बीरबल ने बादशाह को उनके प्रश्न का क्या उत्तर दिया?
   बीरबल ने बादशाह को उनके प्रश्न का यह उत्तर दिया कि- जहाँपनाह! सीधी-सी बात है। जैसे विचार आप लकड़हारे के बारे में रखते हैं, वैसे ही वह आपके बारे में रखता होगा।
4. बादशाह ने बुढ़िया के बारे में क्या सोचा?
   बादशाह ने बुढ़िया के बारे में सोचा कि सचमुच यह काफी परेशान लग रही है। मुझे इस बेचारी पर दया आ रही है। आज से ही इसके खाने-पीने के लिए खजाने से इंतजाम करूँगा।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. बादशाह अकबर और बीरबल दोनों मिलकर क्या सिद्ध करना चाहते थे?
   बादशाह अकबर और बीरबल दोनों मिलकर यह सिद्ध करना चाहते थे कि हम दूसरों के प्रति जैसे विचार अपने मन में रखते हैं, ठीक वैसे ही विचार दूसरे लोग हमारे प्रति अपने मन में रखते हैं। अन्य शब्दों में- व्यक्ति दूसरों के प्रति जिस तरह के विचार रखता है, दूसरे भी उसके प्रति वैसे ही विचार रखते हैं।
2. बीरबल की बात कब तथा कैसे सत्य हुई?
   बीरबल की बात लकड़हारे तथा गरीब बुढ़िया के माध्यम से सत्य सिद्ध हुई, जब बीरबल ने उनसे बादशाह की मौत की खबर सुनाई तो लकड़हारा बादशाह की मौत की खबर सुनकर खुशी से नाचने लगा, क्योंकि बादशाह के मन में उसके लिए बुरे विचारे थे। परंतु बुढ़िया के प्रति बादशाह के मन में अच्छे विचार थे। इसी कारण बादशाह की मौत का समाचार सुनकर बुढ़िया ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी।
3. सही शब्द से खाली स्थान भरिए-
   (i) सुहावने, नगर (ii) लकड़हारे (iii) दंड (iv) परेशान (v) बादशाह

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. लकड़हारे 2. खुशी से नाचने लगा 3. परोपकारी

भाषा से

(क) निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए।

1. प्राण पखेरु उड़ना - मर जाना
2. चल बसना - मर जाना।
3. छाती पीट-पीटकर रोना - चिल्ला-चिल्लाकर रोना।

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

दु:ख	-	सुख	मारना	-	बचाना
अच्छाई	-	बुराई	कुविचार	-	सुविचार
बादशाह	-	फकीर	दंड	-	पुरस्कार
अच्छा	-	बुरा	गरीब	-	अमीर

(ग) 'सु' तथा 'कु' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए तथा उनके अर्थ लिखिए।

पुत्र	सुपुत्र	–	अच्छा	पुत्र	विचार	–	कुविचार	बुरा विचार
फल	सुफल	–	अच्छा	परिणाम/फल	कर्म	–	कुक़र्म	बुरा कर्म या काम
दृढ़	सुदृढ़	–	अच्छी	तरह से दृढ़	पुत्र	–	कुपुत्र	बुरा पुत्र
विचार	सुविचार	–	अच्छा	विचार	ख्यात	–	कुख्यात	बुरी ख्याति वाला

(घ) नीचे दिए गए शब्द-समूह में से दो-दो पर्यायवाची शब्द ढूँढ़िए और उन्हें सही शब्द के आगे लिखिए।

बादशाह	–	सम्राट	नरेश
जंगल	–	वन	कानन
बेटा	–	पुत्र	आत्मज
विश्वास	–	भरोसा	यकीन
आँख	–	नेत्र	नयन
गरीब	–	दरिद्र	निर्धन

(ङ) खाली स्थानों में रंगीन शब्दों के बहुवचन रूप लिखकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. लकड़हारे नगर की ओर जा रहे थे।
2. बुढ़िया ने सूखी लकड़ियाँ इकट्ठी कीं।
3. हलवाई जलेबियाँ बना रहा था।
4. वह अपनी आँखें मल रहा था।
5. पेड़ की सभी पत्तियाँ सूख गई थीं।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

अकबर – बीरबल, तुम यह क्या कर रहे हो? भला, मटकी से इतनी दूर आग जलाने से खिचड़ी कैसे पकेगी? इतनी दूरी से गरमी मटकी तक कैसे पहुँच पाएगी?

बीरबल – जहाँपनाह, जब महल की प्राचीर पर जल रहे दीपक की गरमी दूर जलाशय के जल में खड़े व्यक्ति तक पहुँच सकती है तो इस आग की गरमी मटकी तक कैसे नहीं पहुँचेगी। यह दूरी तो उससे बहुत कम है।

शीर्षक : जैसे आपके विचार, वैसे ही दूसरे के विचार।

पाठ 9 : दोहावली (दोहे)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए?
   मीठी।
2. कल का काम कब करना चाहिए?
   कल का काम आज करना चाहिए।
3. किसकी तरह बड़ा होना व्यर्थ है?
   खजूर के पेड़ की तरह बड़ा होना व्यर्थ है।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मीठे वचन बोलने का क्या परिणाम होता है?
   मीठे वचन बोलने से सब ओर से सुख प्राप्त होता है तथा सुनने वाला अपने वश में हो जाता है।
2. बोली को अनमोल क्यों कहा गया है?
   बोली को अनमोल इसलिए कहा गया है, क्योंकि बोली के प्रभाव से ही पराए को अपना एवं अपने को पराया बनाया जा सकता है।
3. हमें आज का काम कल पर क्यों नहीं छोड़ना चाहिए?
   हमें आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि जीवन का कोई भरोसा नहीं होता। कभी भी मौत आ सकती है तथा काम अधूरा छूट सकता है।
5. निरंतर अभ्यास करने से क्या लाभ प्राप्त होता है?
   निरंतर अभ्यास करने का सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इसके बल पर मूर्ख व्यक्ति भी ज्ञानी अथवा सज्जन बन सकता है।

6. खजूर के पेड़ की विशेषताएँ बताइए।
खजूर का पेड़ बहुत बड़ा होते हुए भी किसी के लिए खास लाभकारी नहीं होता, क्योंकि न तो इससे किसी थके हुए यात्री को छाया प्राप्त होती है तथा न ही फल क्योंकि इसके फल भी बहुत अधिक ऊँचाई पर लगे होते हैं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. नीचे दिए गए दोहों के भावार्थ लिखिए-
   (i) **भावार्थ** - तुलसीदास जी इस दोहे के माध्यम से यह कहना चाहते हैं कि मीठे वचन या बोल बोलने से सब ओर अथवा चारों दिशाओं में सुख पनपता है। मीठे बोल व्यक्ति को अपने वश में कर लेते हैं अथवा यूँ कहिए कि वशीकरण का मंत्र हैं। अत: कठोर वचन छोड़कर सदैव मीठे वचन बोलिए।
   (ii) **भावार्थ** - आप जिस काम को आज करना चाहते हैं, उसे अभी कर लीजिए तथा जो काम आपको कल करना है उसे आज कर डालिए। क्योंकि किसी भी पल मौत आ सकती है और काम अधूरा रह सकता है।
   (iii) **भावार्थ** - कवि के अनुसार धर्म का मूल आधार क्षमा है तथा पाप का मूल आधार अभिमान है। इसीलिए जब तक शरीर में प्राण बाकी हैं, दया करना मत छोड़िए।
2. निम्नलिखित भाव दोहों की किन पंक्तियों में व्यक्त हुए हैं?
   (i) तुलसी मीठे वचन ते, सुख उपजत चहुँ ओर।
   बसीकरण यह मंत्र है, तज दे वचन कठोर।।
   (ii) रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरो चटकाय।
   टूटे से फिर ना जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।।
   (iii) करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
   रसरी आवत-जात तै, सिल पर परत निशान।।
   (iv) क्षमा धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान।
   तुलसी दया न छाँड़िए, जब लगि घट में प्रान।।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मीठी 2. खजूर 3. क्षमा 4. निरंतर अभ्यास द्वार

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

मीठा	-	कड़वा	शीतल	-	उष्ण
प्रेम	-	घृणा	पाप	-	पुण्य

(ख) नीचे दिए गए तद्भव शब्दों के तत्सम रूप लिखिए।

प्रान	-	प्राण	सीतल	-	शीतल
रसरी	-	रस्सी	बानी	-	वाणी

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

4. दोहा - बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर।
   पंथी को छाया नहीं, फल लागे अति दूर।।
   दोहा - करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान।
   रसरी आवत-जात तै, सिल पर परत निशान।
   दोहा - बोली एक अमोल है, जो कोई बोलै जानि।
   हिए तराजू तौलिके, तब मुख बाहर आनि।।
   दोहा - रहिमन धागा प्रेम का, मत तोरो चटकाय।
   टूटे से फिर ना जुरै, जुरै गाँठ परि जाय।।

पाठ 10 : चित्रकार मंत्री (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. विजयनगर का राजा कौन था?
   कृष्णदेव राय।
2. राजा का चित्र किसने बनाया?
   चित्रकार राजवर्मा।

3. लोगों ने अपनी परेशानी किसे बताई?
तेनालीराम।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा ने राजवर्मा को क्या पुरस्कार दिया?
राजा ने पुरस्कार के रूप में राजवर्मा को एक हज़ार सोने की मोहरें तथा साथ ही मंत्री पद भी दिया। उनको अपने दरबार में मंत्री पद पर नियुक्त कर लिया।
2. राजवर्मा से गलतियाँ क्यों हो जाती थीं?
राजवर्मा से गलतियाँ हो जाती थीं, क्योंकि उनको चित्रकला का तो बहुत अच्छा ज्ञान था, किंतु राजनीति का कोई विशेष ज्ञान एवं अनुभव नहीं था।
3. लोगों ने तेनालीराम से क्या शिकायत की?
लोगों ने तेनालीराम से चित्रकार मंत्री राजवर्मा के बारे में शिकायत की। क्योंकि वे उसकी गलत नीतियों के कारण बहुत दु:खी थे। अत: वे तेनालीराम से चाहते थे कि वह किसी तरह राजवर्मा को मंत्री पद से हटवा दे।
4. तेनालीराम ने बढ़इयों से भोजन तेयार करवाया। क्यों?
तेनालीराम ने बढ़इयों से भोजन तैयार करवाया, क्योंकि वह राजा कृष्णदेव राय को समझाना चाहते थे कि जिसका जो काम हो, उसे वही काम करने की जिम्मेदारी देनी चाहिए। दूसरे का काम सौंपने से काम बिगड़ जाता है।
5. भोजन खाने पर राजा की क्या हालत हुई और उसने तेनालीराम को क्या कहा?
भोजन का पहला निवाला खाने के साथ ही राजा को उबकाई आने लगीं तथा उनकी हालत खराब हो गई। क्योंकि भोजन में मिर्च का बहुत अधिक मात्रा में प्रयोग हुआ था। इस तरह राजा को क्रोध आया और उन्होंने तेनालीराम से कहा कि- इस भोजन को तैयार करने वाले रसोइए कौन हैं? उन्हें तुरंत मेरे सामने पेश करो।
6. राजा ने अपनी गलती का एहसास होने पर क्या किया?
राजा ने अपनी गलती का एहसास होने पर राजवर्मा को तुरंत मंत्री पद से हटा दिया और उसे राज्य का शाही चित्रकार घोषित कर दिया।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. राजा चित्रकार पर क्यों प्रसन्न हुए तथा उन्हें क्या इनाम दिया?
चित्रकार ने राजा का ऐसा चित्र बनाया जो हुबहु उनकी शक्ल से मिलता था। राजा उस चित्र को देखकर बहुत खुश हुए। उन्होंने पहले कभी ऐसा चित्रकार नहीं देखा था जो किसी की शक्ल से मिलता-जुलता हुबहु चित्र बना सके। इसी कारण राजा चित्रकार से बहुत प्रसन्न हुए। उन्होंने चित्रकार को इनाम के रूप में एक हज़ार सोने की मोहरें दीं तथा साथ ही उन्हें अपनी दरबार में मंत्री पद पर भी नियुक्त कर लिया।
2. एक सफल चित्रकार, सफल मंत्री न बन सका। क्यों?
व्यक्ति जिस काम में अनुभव एवं निपुणता रखता है, यदि उसे वही काम करने के लिए दिया जाए तो निश्चय ही वह उस काम को सफलतापूर्वक कर लेगा। किंतु यदि उसे वह काम करने के लिए कहा जाए जिसका उसे कोई अनुभव तथा ज्ञान न हो तो उस काम में गलतियाँ होना लाजिमी है। चित्रकार मंत्री के साथ भी ऐसा ही हुआ, क्योंकि वह चित्रकला का ज्ञान एवं अनुभव तो रखता था, किंतु राजनीति का उसे जरा भी ज्ञान न था। अत: इसी कारण वह सफल चित्रकार तो बन सका, किंतु सफल मंत्री नहीं बन सका।
3. राजा को उसकी गलती का एहसास कराने के लिए तेनाली द्वारा क्या उपाय किया गया?
राजा को उसकी गलती का एहसास कराने के लिए तेनाली ने बहुत ही सरल, परंतु प्रभावी उपाय किया। उन्होंने राजा को अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित किया तथा भोजन तैयार करने का दायित्व रसोइयों के बजाय बढ़इयों को सौंपा। बढ़ई खाना बनाने का ज्ञान एवं अनुभव नहीं रखते थे। इसलिए उनसे खाना बनाने में गलती होना लाजिमी था। वही हुआ भी। जब राजा ने खाना खाया तो उसमें बहुत अधिक मिर्च होने के कारण राजा को उबकाई आने लगीं। फलत: उन्होंने तेनालीराम से नाराजगी जाहिर की। तेनालीराम ने उनके सामने सारी सच्चाई स्पष्ट कर दी। उसने राजा के सामने अपना तर्क प्रस्तुत करते हुए कहा कि जब एक चित्रकार मंत्री बनकर राजनीतिक कार्य कर सकता है तो बढ़ई खाना क्यों नहीं बना सकते। उनका यह तर्क सुनकर राजा को अपनी गलती का एहसास हो गया तथा उन्होंने चित्रकार को मंत्री पद से हटा दिया।
4. सही/गलत वाक्य बताइए-
(i) सही (ii) गलत (iii) गलत (iv) सही
5. इन शब्दों से वाक्य बनाइए-
शिकायत - लोगों ने चित्रकार मंत्री की शिकायत तेनालीराम से की।
मुश्किल - इस समस्या का समाधान करना बड़ा मुश्किल है।
अतिथि - अतिथि का सत्कार करना हमारा धर्म है।

अनुभव -- बिना अनुभव के किसी काम को करने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए।
लाजवाब - नीता द्वारा बनाए गए भोजन का स्वाद लाजवाब था।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. राजा का 2. चित्रकार मंत्री 3. एक सौ सोने की मोहरें

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

राजा	-	नरेश, भूपति, नृप
सुंदर	-	खूबसूरत, मनोहर, रमणीय
दिन	-	दिवस, वार, वासर
आँख	-	नयन, नेत्र, चक्षु
पानी	-	जल, नीर, वारि

(ख) नीचे दिए गए वाक्यों में से क्रिया पद छाँटकर लिखिए।

1. बनाया 2. सुन रहा था 3. पकाया 4. बताई 5. हटा दिया जाएगा

(ग) विलोम शब्दों से मिलान कीजिए।

सुंदर	-	कुरूप	समस्या	-	समाधान
राजा	-	रंक	मान	-	अपमान
प्रसन्न	-	अप्रसन्न	सुगंध	-	दुर्गंध
ज्ञान	-	अज्ञान	सेवक	-	स्वामी
मुश्किल	-	आसान	क्षमा	-	दंड

(ग) इनके अनेकार्थी शब्द लिखिए।

कर	-	हाथ	टैक्स	हाथी की सूँड
जीवन	-	प्राण	वायु	जल
पानी	-	कांति	जल	इज्जत
धन	-	जोड़ा	संपत्ति	

(ङ) नीचे दिए गए शब्दों में से संयुक्ताक्षर अलग करके लिखिए तथा उनसे दो-दो नए शब्द बनाइए।

सम्मान	-	म्म	अम्मा	चम्मच
प्रसन्न	-	न्न	अन्न	सन्नी
सुन्दर	-	न्द	बन्दर	अन्दर
विद्यमान	-	द्य	विद्या	विद्यालय
प्रारम्भ	-	म्भ	आरम्भ	शुभारम्भ

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक क्रियाकलाप

1. मोर 2. फल 3. हिरन 4. मीन 5. फूल 6. मोर 7. झील 8. नीरज 9. सूरज 10. नीम
11. सिर 12. दीपक

2. किसान नाई डॉक्टर

पाठ 11 : संसार का लोकप्रिय पेय-कॉफी (लेख)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पहला कॉफी हाउस कहाँ स्थापित किया गया?
   पहला कॉफी हाउस डमस्कम में स्थापित किया गया।
2. गड़रिए ने बकरियों को क्या खाते देखा?
   गड़रिए ने बकरियों को एक झाड़ी की बेरियाँ खाते देखा।
3. यूरोप में कॉफी का आगमन कब हुआ?
   यूरोप में कॉफी का आगमन 17 वीं शताब्दी के मध्य हुआ।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गड़रिए ने कॉफी के पेड़ की बेरियाँ खाकर कैसा महसूस किया?
   गड़रिए ने कॉफी के पेड़ की बेरियाँ खाकर अपने शरीर में अजीब-सी स्फूर्ति महसूस की।
2. गड़रिए ने बेरियों का रहस्य किसे बताया?
   गड़रिए ने बेरियों का रहस्य अपने धर्माधिकारियों को बताया जिन्होंने इन बेरियों से पेय तैयार किया और अपने मठवासियों को पिलाया।
3. यूरोप के देशों में कॉफी की लोकप्रियता कब तथा कैसे फैली?
   यूरोप में कॉफी की लोकप्रियता 17 वीं शताब्दी के मध्य में फैली, जब जलयानों के जरिए यह अरब से यूरोप के देशों में आने लगी।
4. कुछ प्रमुख कॉफी उत्पादक देशों के नाम बताइए।
   कुछ प्रमुख कॉफी उत्पादक देशों के नाम हैं- ब्राजील, भारत, केन्या, इंडोनेशिया, ज़ायरे, मैक्सिको, पेरु, कोस्टारिका, इक्वेडोर आदि।
5. कॉफी के पेड़ की विशेषताएँ बताइए।
   कॉफी के पेड़ की निम्नलिखित कुछ विशेषताएँ हैं-
   (i) यह मध्यम आकार का झाड़ीनुमा पेड़ होता है।
   (ii) इस पर सफेद रंग के फूल खिलते हैं तथा फिर हरी बेरियाँ लगती हैं।
   (iii) पकने पर इसकी बेरियों का रंग पीला तथा फिर चमकीला लाल हो जाता है।
   (iv) प्रत्येक बेर की लुग्दी में कॉफी के दो बीज पाए जाते हैं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. कॉफी के प्रचलन के प्रारंभिक इतिहास पर प्रकाश डालिए।
   कॉफी का प्रचलन सबसे पहले अरब में हुआ था। इसकी खोज की एक रोचक कहानी है। अरब का एक गड़रिया अपनी भेड़-बकरियाँ चराने के लिए जंगल में जाया करता था। एक दिन उसकी नज़र उन दो बकरियों पर पड़ी जो औरों से अधिक सक्रिय एवं चुस्त रहती थीं। उनकी इस चुस्ती का रहस्य कॉफी के पेड़ की बेरियाँ थीं जिन्हें वे रोज खाती थीं। गड़रिए को जब इस रहस्य का ज्ञान हुआ तो उसने इसका ज्ञान अपने धर्माधिकारियों को कराया। इसके साथ ही अरब में कॉफी के पेय का प्रचलन शुरू हो गया। उसके बाद 17 वीं शताब्दी में इस पेय का जायका यूरोप वासियों तक पहुँच गया तथा वहाँ भी यह लोकप्रिय पेय बन गया। इस तरह कॉफी का प्रचलन विश्व भर में होता चला गया।
2. यूरोप में कॉफी की लोकप्रियता का पता किन बातों से चलता है?
   यूरोप में कॉफी की लोकप्रियता का पता निम्नलिखित बातों से चलता है-
   (i) कॉफी के यूरोप में आते ही इसका प्रयोग कुछ विशेष बीमारियों के इलाज के लिए किया जाने लगा।
   (ii) फिर धीरे-धीरे यूरोप के विविध देशों में लोग कॉफी के दीवाने होते चले गए तथा जगह-जगह पर कॉफी हाउस स्थापित किए जाने लगे। 1675 तक इंग्लैंड में लगभग 3000 कॉफी हाउस खुल चुके थे। इतनी बड़ी संख्या में कॉफी हाउस होना इसकी लोकप्रियता को स्वत: ही साबित कर देता है।
3. कॉफी के उत्पादन की प्रक्रिया लिखिए।
   कॉफी के उत्पादन की प्रक्रिया निम्नलिखित है-
   (i) सबसे पहले कॉफी के पेड़ों से पकी हुई बेरियाँ एकत्र कर ली जाती हैं। उसके बाद उन्हें सूखाकर पूरी तरह से साफ़ किया जाता है।
   (ii) फिर उन्हें कारखानों में ले जाकर बीजों को छिलकों से अलग किया जाता है। उसके उपरांत बीजों को धातु से बने सिलेंडरों में डालकर भूना जाता है।
   (iii) बीजों के भून जाने के बाद उनका चूर्ण बनाया जाता है या फिर उनकी उसी अवस्था में कॉफी का पेय बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।
4. उचित मिलान कीजिए।

(i) कॉफी का सेवन	शरीर में चुस्ती-फुर्ती का अनुभव
(ii) यूरोप का पहला कॉफी हाउस	वेनिस शहर में
(iii) इंग्लैंड का पहला कॉफी हाउस	ऑक्सफोर्ड शहर में
(iv) कॉफी के पेड़ के फूलों का रंग	सफ़ेद
(v) काफी को भूनना	धात्विक सिलेंडर

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. बीजों 2. अरब 3. ऑक्सफोर्ड

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

पुराना	–	नया	इतिहास	–	वर्तमान
सक्रिय	–	निष्क्रिय	चुस्ती	–	सुस्ती
सफ़ेद	–	काला	सूखा	–	गीला
गरम	–	ठंडा	मीठी	–	कड़वी

(ख) इनके पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पेड़	–	वृक्ष	तरु	पादप
दिन	–	वार	वासर	दिवस
शरीर	–	तन	देह	काया
फूल	–	पुष्प	सुमन	कुसुम
जंगल	–	वन	कानन	अरण्य

(ग) वचन बदलिए।

बकरी	–	बकरियाँ	पन्ना	–	पन्ने
गड़रिया	–	गड़रिए	बेरी	–	बेरियाँ
पौधा	–	पौधे	पत्ती	–	पत्तियाँ
मिठाई	–	मिठाइयाँ	मशीन	–	मशीनें

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 12 : उखड़े खंभे (व्यंग्य-कथा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा मुनाफाखोरों को कहाँ लटकाना चाहता था?
   राजा मुनाफाखोरों को खंभों पर लटकाना चाहता था।
2. सुबह उठकर लोगों ने क्या देखा?
   सुबह उठकर लोगों ने देखा कि खंभे उखड़े पड़े हैं।
3. विशेषज्ञ किसका साला था?
   विशेषज्ञ सेक्रेटरी का साला था।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा ने क्या घोषणा की?
   राजा ने यह घोषणा की, कि मुनाफाखोरों को बिजली के खंभों पर लटकाया जाएगा।
2. लोग राजा के पास जुलूस बनाकर क्यों गए?
   राजा ने मुनाफाखोरों को बिजली के खंभों पर लटकाने की घोषणा की थी, किंतु घोषणा के बावजूद किसी को भी बिजली के खंभों पर नहीं लटकाया गया। इसी कारण लोग राजा से नाराज हो गए तथा उनसे शिकायत करने हेतु जुलूस बनाकर उनके पास गए।
3. सोलह दिन के बाद क्या किया जाना था?
   सोलह दिन के बाद राज्य के सभी मुनाफाखोरों को बिजली के खंभों पर लटकाया जाना था।
4. इंजीनियर ने किसके कहने पर खंभे उखड़वाए?
   इंजीनियर ने बिजली इंजीनियर के कहने पर रातोंरात बिजली के सारे खंभे उखड़वा दिए।
5. लोग विशेषज्ञ की बात सुनकर चुपचाप अपने घर क्यों लौट गए?
   लोग विशेषज्ञ की बात सुनकर अपनी जान बच जाने की अनुभूति से दब गए थे। इसी कारण वे कुछ भी बोल न सके तथा चुपचाप अपने-अपने घर लौट गए।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. राजा की घोषणा का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा?
   राजा की घोषणा का लोगों पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने अपने राजा पर गर्व हुआ कि वह भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए महान कार्य करने जा रहे हैं। लोगों की नज़र में समाज व राष्ट्र की भलाई के लिए यह एकदम उचित कदम था। इस बारे में अपनी खुशी प्रकट करने के उद्देश्य से लोग सुबह होते ही बिजली के खंभों के पास जमा हो गए। उन्होंने खंभों की पूजा की, आरती उतारी तथा उन्हें तिलक किया।
2. मज़दूर और राजा के बीच क्या बातचीत हुई?
   मज़दूर और राजा के बीच निम्नलिखित बातचीत हुई-
   राजा - ''क्यों रे! किसके कहने पर तुम लोगों ने खंभे उखाड़े?''
   मज़दूर - ''सरकार, ओवरसियर साहब ने आदेश दिया था।''
3. विशेषज्ञ ने राजा को खंभे उखड़वाने का क्या कारण बताया?
   विशेषज्ञ ने राजा को खंभे उखड़वाने का यह कारण बताया कि मेरे परीक्षण के अनुसार ज़मीन के नीचे बिजली का एक भयंकर प्रवाह घूम रहा था। आज वह प्रवाह हमारे शहर के नीचे से गुजरने वाला है। यदि हमारे बिजली के खंभे ज़मीन में गड़े रहते तो वह बिजली उनके द्वारा ऊपर आती और उसकी टक्कर अपने पावरहाउस की बिजली से होती। तब भयंकर विस्फोट होता तथा सारा शहर जलकर भस्म हो जाता। अतः शहर को सुरक्षित बनाए रखने के लिए खंभों को उखाड़ना ज़रूरी था।
4. इस व्यंग्य से आपने क्या सीखा?
   इस व्यंग्य से हमने यह सीखा कि हमारा देश भ्रष्टाचार की दलदल में धँसता चला जा रहा है। छोटे से बड़े तक सभी सरकारी कर्मचारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। इसी कारण भ्रष्टाचार से मुक्त समाज व राष्ट्र का निर्माण करना बहुत कठिन हो गया है। देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए अत्यधिक कठोर कानून बनाना अनिवार्य है।
5. किसने, किससे और क्यों कहा?
   (i) राजा ने लोगों से कहा, क्योंकि फँदे बनाने वाला भी एक मुनाफाखोर था।
   (ii) लोगों ने राजा से कहा, क्योंकि वे राजा को मजदूरों की करतूत से अवगत कराना चाहते थे।
   (iii) विशेषज्ञ ने राजा से कहा, क्योंकि वह राजा को खंभे उखाड़ने का कारण बताना चाहता था।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. खंभो से 2. विशेषज्ञ 3. दो लाख

भाषा से

(क) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

मुनाफाखोर	-	मुनाफाखोरी	कठोर	-	कठोरता
स्वस्थ	-	स्वास्थ्य	सुंदर	-	सुंदरता
आदमी	-	आदमियत	साहसी	-	साहस

(ख) विलोम शब्द छाँटकर लिखिए।

राजा	-	रंक	स्वस्थ	-	अस्वस्थ
निजी	-	सार्वजनिक	जवाब	-	सवाल
दिन	-	रात	सुबह	-	शाम
ज़मीन	-	आसमान	जीवित	-	मृत

(ग) नीचे दिए गए रिक्त स्थानों में उचित सर्वनाम शब्द चुनकर भरिए।

1. उसे 2. हम 3. वह 4. मैं

(घ) बताइए, इन्हें क्या कहते हैं?

1. रक्षक 2. परीक्षक 3. उद्घोषक 4. ठेकेदार 5. अध्यापक 6. वक्ता

(ङ) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

ओर	-	तरफ	वह मंदिर की ओर गया है।
और	-	दूसरा	वह और उसकी बहन आए हैं।
प्राणी	-	जीव	सभी प्राणी ईश्वर की रचना हैं।
पाणि	-	हाथ	देवी के पाणि में कमल का फूल है।
भीड़	-	लोगों का जमघट	भीड़-भाड़ वाली जगहों पर सावधान रहो।
बीड़	-	रुपयों की गड्डी	सौ-सौ के नोटों की एक बीड़ बनाइए।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 13 : स्वामी विवेकानंद (निबंध)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. स्वामी विवेकानंद का असली नाम क्या था?
   नरेंद्रनाथ।
2. स्वामी विवेकानंद के गुरु कौन थे?
   स्वामी रामकृष्ण परमहंस।
3. बालक नरेंद्र का प्रिय खेल कौन-सा था?
   राजा और दरबार।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. स्वामी विवेकानंद का जन्म कब तथा कहाँ हुआ?
   स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 ई. को कोलकाता के सिमला मोहल्ले में हुआ था।
2. बचपन में उनका स्वभाव कैसा था?
   बचपन में उनका स्वभाव अत्यधिक चंचल एवं शरारती किस्म का था। वे अपनी छोटी बहनों को अक्सर तंग करते रहते थे।
3. उनको 'जन्मजात नेता' क्यों कहा जाता है?
   उनको जन्मजात नेता कहा जाता है, क्योंकि वे बचपन में राजा और दरबार के खेल के माध्यम से न्याय करने की भूमिका बड़े ही सुंदर ढंग से निभाते थे।
4. उन्होंने अपना भाषण शुरू करने से पहले क्या कहा?
   उन्होंने अपना भाषण शुरू करने से पहले कहा कि- 'अमेरिका निवासी बहनो और भाइयो!' इसके पहले सब लोग 'महिलाओ और सज्जनो' कहकर संबोधित कर रहे थे।
5. अमेरिका के समाचारपत्रों ने स्वामी जी के बारे में क्या-क्या लिखा?
   अमेरिका के समाचारपत्रों ने स्वामी जी की विभिन्न प्रकार से प्रशंसा करते हुए उनके बारे में यह कहा कि- 'स्वामी जी, निस्संदेह धर्म महासभा में सर्वश्रेष्ट व्यक्ति हैं।'

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. स्वामी विवेकानंद के जन्म तथा उनके परिवार के बारे में बताइए।
   स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 ई. को कोलकाता के सिमला मोहल्ले में हुआ था। उनके पिता का नाम श्री विश्वनाथ दत्त और माता का नाम श्रीमती भुवनेश्वरी देवी था।
2. बचपन में स्वामी जी की शरारतों पर नियंत्रण करने के लिए उनकी माँ क्या करती थीं?
   बचपन में स्वामी जी की शरारतों पर नियंत्रण करने के लिए उनकी माँ एक बड़े ही अनूठे तरीके का इस्तेमाल करती थीं। वह तरीका यह था कि उनकी माताजी उनके सिर पर ठंडा पानी डालती और 'शिव-शिव' का मंत्र जपतीं। ऐसा करने पर वे तुरंत शांत हो जाते थे तथा बिलकुल भी शरारत नहीं करते थे।
3. शिकागो अधिवेशन में उन्होंने क्या कहा और वे रातोंरात प्रसिद्धि के शिखर पर कैसे पहुँच गए?
   शिकागो अधिवेशन में उन्होंने किसी भी धर्म अथवा संप्रदाय को बड़ा न कहकर समस्त मानव-समाज की प्रगति की बात कही। उन्होंने उपस्थित जन-समूह को परोपकार, सेवा-भाव तथा विश्व-शांति का पाठ पढ़ाया। उनका भाषण लोगों को बहुत पसंद आया। अमेरिका के पत्र-पत्रिकाओं में उनकी खूब प्रशंसा की गई तथा उन्हें धर्म महासभा का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति घोषित कर दिया। इस तरह वे रातोंरात प्रसिद्धि की शिखर पर पहुँच गए।
4. पत्र-पत्रिकाओं ने स्वामी विवेकानंद की ख्याति में क्या योगदान दिया?
   स्वामी विवेकानंद ने धर्म महासभा में अपने विचार बड़े ही अनूठे तथा उदारता से प्रस्तुत किए। उनके विचार सुनकर श्रोतागण बहुत अधिक प्रसन्न हुआ तथा वे देखते-ही-देखते सबकी आँखों के तारे बन गए। उनकी ख्याति में चार-चाँद लगाने का असली काम अमेरिकी पत्र-पत्रिकाओं ने किया। उन्होंने स्वामी जी की प्रशंसा करते हुए उन्हें 'ऋषि' तथा 'मसीहा' की संज्ञा दी तथा धर्म महासभा का सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति घोषित कर दिया। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि पत्र-पत्रिकाओं ने स्वामी जी की ख्याति बढ़ाने में विशेष योगदान दिया।
5. सही शब्द से खाली स्थान भरिए।
   (i) श्रीविश्वनाथ दत्त, भुवनेश्वरी देवी (ii) जन्मजात (iii) दक्षिणेश्वर (iv) शिष्यों (v) सर्वश्रेष्ठ

6. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. कोलकाता 2. ईश्वरचंद्र विद्यासागर 3. खेत्री के राजा 4. बिले

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

जन्म	–	मृत्यु	अच्छा	–	बुरा
शांत	–	अशांत	आदर	–	अनादर
बचपन	–	बुढ़ापा	विशाल	–	लघु
मानव	–	दानव	सन्यासी	–	संसारी

(ख) 'वि' उपसर्ग जोड़कर शब्द बनाइए-

वियोग	विलक्षण
विचित्र	विमल
विज्ञान	विनाश
विशेष	विक्रय

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

त्त	–	पत्ता	गत्ता
क्क	–	पक्का	मक्का
च्च	–	बच्चा	कच्चा
न्न	–	अन्न	प्रसन्न
ल्ल	–	बिल्ली	सिल्ली

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 14 : सूरज चमका (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सूर्य किस दिशा में उदय होता है?
   सूर्य पूर्व दिशा में उदय होता है।
2. उगता हुआ सूरज कैसा लगता है?
   उगता हुआ सूरज स्वर्ण-थाल जैसा लगता है।
3. मधुर गीत कौन सुनाता है।
   मधुर गीत पक्षी सुनाते हैं।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. उगते हुए सूरज को स्वर्ण-थाल क्यों कहा गया है?
   उगते हुए सूरज को स्वर्ण-थाल कहा गया है, क्योंकि उगता हुआ सूरज सोने के थाल की तरह दिखाई देता है।
2. सूरज निकलने पर क्या नवीनता देखने को मिलती है?
   सूरज निकलने पर अँधेरा भाग जाता है। सूरज की किरणों का स्पर्श पाकर कलियाँ खिल जाती हैं। भौंरे फूलों पर मँडराने लगते हैं तथा पक्षी उड़-उड़कर गीत गाने लगते हैं। लोग अपने बिस्तर छोड़कर अपने-अपने काम में लग जाते हैं।
3. यह कविता आपको क्या सिखाती है?
   यह कविता हमें सुबह जल्दी उठकर अपने-अपने काम में लग जाने की सीख प्रदान करती है। इससे हमें प्रकृति के साथ चलने की प्रेरणा मिलती है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ बताइए-

भावार्थ -उगता हुआ सूरज तम यानी अँधकार को दूर भगाकर पूरे संसार में उजाला फैलाता है। अर्थात् सूरज उगने पर समस्त संसार में प्रकाश फैल जाता है। सूरज सागर का पानी पीकर फिर उसे धरती पर बरसाता है। अर्थात् सूर्य बादलों की रचना करता है तथा फिर वही बादल धरती पर वर्षा के रूप में पानी बरसाते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. स्वर्ण थाल-सा 2. कलियाँ 3. फूल-फूल पर मँडराते हैं।

भाषा से

(क) चित्र देशकर उनके दो-दो नाम लिखिए।

पक्षी	सूरज	फूल	नारी
पंछी	सूर्य	पुष्प	औरत

(ख) विलोम शब्दों से मिलान कीजिए।

उजियारा	–	अँधियारा	फूल	–	काँटा
दूर	–	पास	खिलना	–	मुरझाना
धरती	–	आकाश	मधुर	–	कर्कश
हँसना	–	रोना	प्रभात	–	संध्या
अपना	–	पराया	पूरब	–	पश्चिम

(ग) नीचे दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्दों के लिंग पहचानिए तथा लिखिए।

1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग 4. स्त्रीलिंग 5. स्त्रीलिंग 6. पुल्लिंग

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 15 : वीर बालक-मालवजी (चित्रकथा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मालवजी कौन था?
   मालवजी एक वीर बालक था।
2. मालवजी किसकी हत्या करना चाहता था?
   मालवजी शिवाजी की हत्या करना चाहता था।
3. शिवाजी की हत्या कौन करवाना चाहता था?
   शिवाजी की हत्या एक यवन करवाना चाहता था।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मालवजी ने शिवाजी को अपने बारे में क्या बताया?
   मालवजी ने शिवाजी को अपने बारे में यह बताया कि वह उनके एक शहीद सैनिक का पुत्र है। घर में वह तथा उसकी माँ दो जन हैं। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण भरपेट खाना तक मिल पाना कठिन हो गया है।
2. मालवजी मृत्युदंड पाने से पहले क्या करना चाहता था?
   मालवजी मृत्युदंड पाने से पहले अपनी माँ से मिलना चाहता था।
3. शिवाजी बालक की किन बातों से प्रभावित हुए?
   शिवाजी बालक की वीरतापूर्ण एवं सच्ची अथवा खरी बातों से बहुत अधिक प्रभावित हुए।
4. शिवाजी ने तानाजी को बालक के बारे में क्या कहा?
   शिवाजी ने तानाजी को बालक के बारे में कहा कि मैं इस बालक की परीक्षा लेने के बाद इसे मृत्युदंड से मुक्त करके अपनी सेना में भरती करूँगा। मेरा अनुमान है कि यह मातृभूमि की सेवा में कोई कसर उठा नहीं रखेगा।
5. शिवाजी ने बालक को क्षमा क्यों किया?
   बालक अत्यधिक वीर, सच्चा और वचन का पक्का था एवं शिवाजी ऐसे ही वीरपुत्रों पर गर्व करता था और उन्हें भरपूर सम्मान प्रदान करता था। अत: अपने इन्हीं विचारों के प्रभावस्वरूप उन्होंने बालक का अपराध क्षमा कर दिया।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. मालवजी शिवाजी को क्यों मारना चाहता था?
   मालवजी के परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। मालवजी तथा उसकी माता जी दाने-दाने के लिए तरस रहे थे। इसी बीच एक यवन ने बालक से शिवाजी का वध करने की बात कही और इसके बदले में बहुत बड़ा इनाम देने का लालच दिया। अत: बालक इस इनाम को पाने के लिए ही शिवाजी को मारना चाहता था।
2. बालक ने कौन-सी प्रतिज्ञा की और क्यों की?
   बालक ने अपने देश अथवा अपनी मातृभूमि की रक्षा करने की प्रतिज्ञा की। उसने यह प्रतिज्ञा इसलिए की, क्योंकि शिवाजी ने

उसमें निहित वीरता तथा सच्चाई के गुणों को देखते हुए उसके अपराध को क्षमा कर दिया था तथा उसे अपनी सेना में भरती कर लिया था।

3. मालवजी ने अपनी माँ को मृत्यु दंड की बात क्यों नहीं बताई?
   मालवजी ने अपनी माँ को मृत्यु दंड की बात नहीं बताई, क्योंकि उसे यह डर था कि यदि उसने इस बारे में अपनी माँ को बता दिया तो वह उसे वापस शिवाजी के पास लौटने से रोक देंगी तथा उसके द्वारा की गई प्रतिज्ञा को निभाना कठिन हो जाएगा। अत: अपनी प्रतिज्ञा के पालन को ध्यान में रखते हुए उसने अपने मृत्यु दंड के बारे में अपनी माँ को कुछ नहीं बताया।
4. जीवनदान मिलने पर मालवजी ने शिवाजी को कौन-सा वचन दिया?
   जीवनदान मिलने पर मालवजी ने शिवाजी को यह वचन दिया कि जब तक उसके शरीर में प्राण शेष रहेंगे, तब तक वह अपनी मातृभूमि अर्थात् अपने देश की सेवा करता रहेगा। अपने इस कर्तव्य से वह कभी पीछे नहीं हटेगा।
5. किसने, किससे कहा, लिखिए।
   (i) तानाजी ने शिवाजी से कहा।
   (ii) मालवजी ने शिवाजी से कहा।
   (iii) तानाजी ने शिवाजी से कहा।
   (iv) शिवाजी ने मालवजी से कहा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. यवन 2. शिवाजी 3. अपनी माता

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

दंड	–	पुरस्कार	मृत्यु	–	जन्म
मंजूर	–	नामंजूर	वीर	–	कायर
बुरी	–	भली	झूठ	–	सच
दोषी	–	निर्दोष	सवाल	–	जवाब

(ख) लिंग बदलिए।

पुत्र	–	पुत्री	पिता	–	माता
राजा	–	रानी	वीर	–	वीरांगना
महाराज	–	महारानी	बालक	–	बालिका

(ग) इनके तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए-

बालक	–	बच्चा	लड़का	बाल
माता	–	माँ	अम्मा	जननी
राजा	–	नरेश	सम्राट	भूप
पुत्र	–	बेटा	सुत	आत्मज
वन	–	जंगल	कानन	अरण्य

(घ) 'निर्' उपसर्ग लगाकर नए शब्द बनाइए और उनके अर्थ लिखिए।

निर्भय	जिसे भय न हो
निर्धन	गरीब
निर्जीव	जिसमें जीवन न हो
निर्मल	मल रहित, स्वच्छ
निर्बल	जिसमें बल न हो

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 16 : महामूर्ख राजा (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा का क्या नाम था?
   मूर्खानंद।

2. राजा किस तरह की आज्ञाएँ देता रहता था?
   राजा मूर्खतापूर्ण आज्ञाएँ देता रहता था।
3. राजा शिकार के लिए कहाँ गया?
   राजा शिकार के लिए जंगल में गया।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा मूर्खानंद से लोग क्यों परेशान थे?
   राजा मूर्खानंद से लोग इसलिए परेशान थे, क्योंकि वह आए दिन मूर्खतापूर्ण आज्ञाएँ देता रहता था।
2. राजा रसोइए पर क्यों चिल्लाया?
   राजा रसोइए पर चिल्लाया, क्योंकि वह रसोइए द्वारा रोज-रोज बनाई जाने वाली गोल-गोल पूरियाँ खाकर उकता गया था। इसके अलावा गोल थालियाँ, तश्तरियाँ, कटोरियाँ तथा अन्य गोल-गोल वस्तुएँ सभी राजा को बुरी लगने लगी थीं।
3. राजा ने क्या आदेश जारी किया?
   राजा ने यह आदेश जारी किया कि राज्य में जितनी भी गोल-गोल चीज़ें हैं उन्हें समाप्त कर दिया जाए। जिसके पास भी कोई गोल वस्तु दिखाई दी उसे फाँसी पर लटका दिया जाएगा।
4. प्रधानमंत्री ने क्या योजना बनाई तथा क्यों?
   प्रधानमंत्री ने राजा को चकौर पहियों वाले रथ में बैठाकर शिकार पर ले जाने तथा फिर राजा के पीछे डाकुओं को लगाने की योजना बनाई। उसने यह योजना राजा को उसकी गलती का एहसास कराने के लिए बनाई थी।
5. राजा ने डाकुओं से बचने के लिए क्या किया?
   राजा ने डाकुओं से बचने के लिए तुरंत रथ के नीचे छलाँग लगा दी तथा अपने प्राण बचाने के लिए एक ओर भाग निकला।
6. प्रधानमंत्री ने राजा को क्या समझाया?
   प्रधानमंत्री ने राजा को समझाया कि उनका नया आदेश सबके लिए खतरनाक साबित हो रहा है तथा लोगों को इस आदेश के कारण बहुत-सी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. राजा मूर्खानंद अपने नाम के अनुरूप मूर्ख था। यह आप कैसे कह सकते हैं?
   राजा मूर्खानंद अपने नाम के अनुरूप मूर्ख था, यह हम निम्नलिखित साक्ष्यों के आधार पर कह सकते हैं-
   (i) राजा ने अपना आदेश जारी करके अपने राज्य से सभी गोल-गोल चीज़ें समाप्त करने की घोषणा करवाई। जबकि कुछ चीज़ों का आकार गोल रखना अनिवार्य था। जैसेकि रथ आदि के पहिए। राजा की इस आज्ञा से जनता को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा।
   (ii) जब प्रधानमंत्री की योजना के तहत राजा को अपनी गलती का एहसास हुआ तो उसने अपना यह आदेश रद्द तो कर दिया, किंतु उसी समय एक नई आज्ञा दे दी कि- राज्य में कोई चकौर वस्तु नहीं दिखाई देनी चाहिए। यह भी राजा की मूर्खता का ही परिचायक था।
2. प्रधानमंत्री ने राजा की आज्ञा का पालन करते हुए क्या-क्या काम किए?
   प्रधानमंत्री ने राजा की आज्ञा का पालन करते हुए कई काम किए। जैसे-
   (i) शाही रसोईघर में जाकर गोल पूरियाँ वह रोटियाँ बंद करवाई।
   (ii) महल की सभी वस्तुएँ चकौर आकार की करवाईं। थाली, गिलास, कटोरियाँ, मेंज़ें, दर्पण, सिक्के सभी चकौर आकार के करवाए।
   (iii) रथों के पहिए चकौर आकार के बनवाए गए।
3. प्रधानमंत्री ने राजा को सबक सिखाने के लिए क्या किया और अंत में अपना माथा क्यों पीटा?
   प्रधानमंत्री ने राजा को सबक सिखाने के लिए एक खास योजना बनाई। उस योजना के अनुसार उसने राजा को शिकार के लिए चलने पर राजी किया। राजा को चकौर पहियों वाले रथ में बैठाया गया तथा फिर जंगल में उस रथ के पीछे डाकू लगाए गए। चकौर पहियों के कारण रथ तेज़ नहीं चल सकता था, इसलिए राजा डाकुओं से बचने के लिए रथ से नीचे कूदकर भागा। तभी वहाँ प्रधानमंत्री गोल पहियों वाला रथ लेकर पहुँच गया। उसने राजा को सारी सच्चाई बता दी तथा राजा को अपनी गलती का एहसास हो गया। उसने तुरंत अपनी आज्ञा वापस ले ली, किंतु उसी क्षण यह आज्ञा दे डाली कि उसके राज्य में कोई चकौर वस्तु नहीं होनी चाहिए। यह सुनकर प्रधानमंत्री ने प्रसन्न होने के बजाय अपना माथा पीटा।
4. सही वाक्य के लिए (✓) तथा गलत वाक्य के लिए (✗) का चिह्न लगाइए-
   (i) ✓ (ii) ✗ (iii) ✗ (iv) ✓ (v) ✓
5. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मूर्खपुर 2. गोल 3. डाकू 4. अपना माथा पीटा

भाषा से

(क) इनसे विशेषण बनाइए।

मूर्खता	–	मूर्ख	दिन	–	दैनिक
लंबाई	–	लंबा	गोलाई	–	गोल
सुंदरता	–	सुंदर	दु:ख	–	दु:खी

(ख) नीचे दिए गए वाक्यों में सही विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए।

1. राजा मूर्ख था।
2. राजा ने हलवा, पूरी, रोटियाँ व फल खाए।
3. रानी ने कहा, ''उसका स्वास्थ्य खराब है।''
4. राजा का स्वभाव कैसा था?
5. बाप रे! इतना बड़ा साँप।
6. वह दिन-रात पढ़ता रहता है।

(ग) रिक्त स्थनों में उचित पर्यायवाची शब्द भरिए।

राजा	नृप	भूप	भूपति	सम्राट
जंगल	वन	कानन	विपिन	अरण्य
दिन	वार	वासर	अहन	दिवस
ईश्वर	ईश	भगवान	परमात्मा	प्रभु
जमीन	वसुधा	भूमि	धरा	धरती

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 17 : हृदय-परिवर्तन (नाटक)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कादिर के पास कितनी अशर्फियाँ थीं?
   दस।
2. कादिर कहाँ जा रहा था?
   बगदाद।
3. कादिर तथा व्यापारियों को रास्ते में कौन मिला?
   डाकू।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. परदेश जाते समय कादिर की माँ ने उसको क्या शिक्षा दी?
   परदेश जाते समय कादिर की माँ ने उसको सदा सच बोलने की शिक्षा दी।
2. कादिर परदेश क्यों जा रहा था?
   कादिर पढ़ने-लिखने के उद्‌देश्य से परदेश जा रहा था।
3. कादिर कैसी वास्केट पहने हुए था?
   कादिर एक पुरानी तथा पैबंद लगी हुई वास्केट पहने हुए था।
4. व्यापारी जंगल के रास्ते पर से जाते हुए क्यों डर रहे थे?
   व्यापारी जंगल के रास्ते पर से जाते हुए डर रहे थे, क्योंकि वहाँ डाकुओं से घिर जाने की आशंका थी।
5. डाकू ने कादिर की फटी वास्केट देखकर उसके बारे में क्या कहा?
   डाकू ने कादिर की फटी वास्केट देखकर उसे भिखमंगा कहकर संबोधित किया।
6. अंत में डाकुओं के सरदार ने क्या आज्ञा दी?
   अंत में डाकुओं के सरदार ने व्यापारियों का सारा माल वापस लौटाने की आज्ञा दी।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. कादिर की माँ की क्या इच्छा थी और उसने अपनी इच्छा पूरी करने के लिए क्या किया?
   कादिर की माँ की इच्छा थी कि उसका बेटा खूब-पढ़े-लिखे और एक दिन बड़ा आदमी बनकर दिखाए। उसने अपनी इसी इच्छा को पूरी करने के लिए घर में गरीबी की स्थिति होने के बावजूद कादिर को पढ़ने-लिखने के लिए बगदाद भेजा।
2. जंगल से गुज़रते हुए भी कादिर को किसी तरह का भय न था। क्यों?
   जंगल से गुज़रते हुए भी कादिर को किसी तरह का भय न था, क्योंकि कादिर को अपनी माँ द्वारा दी गई सीख पर पूरा भरोसा था। उस सीख के अनुसार कादिर के मन में यह विश्वास पक्का हो गया था कि खुदा हमारे साथ है और जिनके साथ खुदा होता है, उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।
3. डाकुओं के सरदार की आँखों में आँसू क्यों आ गए? उसने कादिर को अपना गुरु क्यों माना?
   कादिर के अपनी माँ के प्रति अगाध प्रेम तथा विश्वास को तथा माँ के कहने पर सदा सच बोलने के उसके दृढ़ निश्चय को देखकर डाकुओं के सरदार का हृदय पिघल गया तथा उसकी आँखों में आँसू आ गए। कादिर की इसी महानता के आगे सरदार का सिर झुक गया और उसने कादिर को अपना गुरु मान लिया।
4. यह नाटक आपको क्या सिखाता है?
   यह नाटक हमें सदैव सत्य के मार्ग पर चलने तथा सद्कर्म करने की शिक्षा प्रदान करता है। इससे हमें सदा सच बोलने की सीख भी मिलती है। अपने माता-पिता वह अन्य बड़ों की दी सीख का दृढ़ता से पालन करने की सीख भी हमें इस नाटक से मिलती है।
5. निम्नलिखित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए-
   (i) जो लोग सच बोलते है, अल्लाह उन पर अपनी दया अवश्य दिखाता है।
   (ii) सरदार, यह तो भिखारी के समान है, भला इसके पास क्या मिलेगा?
   (iii) यह छोटा-सा बालक अपनी माँ द्वारा दी गई आज्ञा को निभाने में इतना सावधान है और हम डाकू हैं कि बूढ़े होने को आए हैं, फिर भी उस ईश्वर की आज्ञा तक का पालन करना नहीं सीख पाए जिसने हमें इस संसार में जन्म दिया है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. पढ़ने के लिए 2. डाकुओं का 3. भिखमंगा 4. अपना गुरु

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

झूठ	–	सच	पुरानी	–	नई	आबाद	–	बर्बाद
खुश	–	नाखुश	घना	–	विरल	गुरु	–	शिष्य
नादान	–	समझदार	आज्ञा	–	अवज्ञा			

(ख) विशेषण और विशेष्य का उचित मिलान कीजिए।

साधारण	घर	धनी	व्यापारी	छोटा	बालक	भारी	–	संदूक
पुरानी	वास्केट	निर्दयी	डाकू	दस	अशर्फियाँ	घना	–	वन
सुखी	जीवन	छोटी	थैली					

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

ल्ल	–	छल्ला	गल्ला	न्त	–	अन्त	सन्त
व्य	–	व्यय	व्यवस्था	च्च	–	बच्चा	कच्चा

(घ) नीचे दिए गए शब्द-समूह में से चित्रों के दो-दो नाम ढूँढ़िए और उनके नीचे लिखिए।

डाकू	कानन	संदूक	बालक
डकैत	अरण्य	पेटी	बाल

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 18 : प्रसिद्ध पर्व-पोंगल (निबंध)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. तमिलनाडु का प्रसिद्ध त्योहार कौन-सा है?
   पोंगल।

2. पहला दिन किस पोंगल के रूप में मनाया जाता है?
भोगी पोंगल।
3. पोंगल का क्या अर्थ है?
पोंगल का अर्थ है- उबालना अथवा पकाना।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पोंगल कब तथा क्यों मनाया जाता है?
पोंगल का त्योहार मकर संक्रांति के अवसर पर मनाया जाता है। इसे धान की नई फसल की खुशी में मनाया जाता है।
2. भोगी पोंगल किस प्रकार मनाया जाता है?
भोगी पोंगल के दिन इंद्र देवता की पूजा की जाती है तथा उसे भोग लगाने के बाद भोज को परिवार के सदस्यों को परोसा जाता है।
3. सूर्य पोंगल मनाने की विधि बताइए।
सूर्य पोंगल के दिन नए वस्त्र धारण करते हैं तथा घरों में नए चावल की खीर तैयार की जाती है। घरों में सूर्य देवता के चित्र बनाकर उसकी पूजा की जाती है एवं उन्हें खीर का भोग लगाया जाता है।
4. साँडों को किस तरह सजाया जाता है?
साँडों को बड़े ही आकर्षक ढंग से सजाया जाता है। उनके माथे पर तिलक लगाया जाता है तथा सींगों पर नोटों की गड्डी बाँधी जाती हैं।
5. 'जाल्लि कटु' से क्या तात्पर्य है?
पोंगल के अवसर पर साँडों की लड़ाई का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस प्रदर्शन को 'जाल्लि कटु' के नाम से जाना जाता है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. मट्टू पोंगल के दिन किसान क्या-क्या करते हैं?
मट्टू पोंगल के दिन किसान कई तरह के कार्य करते हैं। जैसेकि इस दिन वे अपने बैलों की पूजा करते हैं। अपने पशुओं को नहलाते तथा सजाते-धजाते हैं। उनके सींगों को पीतल के खोलों से मढा जाता है या फिर रंगा जाता है। पशुओं के गले में फूल मालाएँ पहनाई जाती हैं एवं माथे पर तिलक लगाया जाता है। इस अवसर पर कहीं-कहीं बैलगाड़ियों की दौड़ का आयोजन भी किया जाता है।
2. पोंगल उत्सव में साँडों की लड़ाई कार्यक्रम का क्या महत्व है?
पोंगल उत्सव में साँडों की लड़ाई कार्यक्रम का विशेष महत्व होता है, क्योंकि यह युवा लोगों के आकर्षण का विशेष केंद्र बनता है। साँडों को सजा-धजाकर उनके सींगों पर नोटों की गड्डी बाँधी जाती है तथा फिर साहसी तथा निडर युवक दौड़-दौड़कर उनके सींगों से नाटों की गड्डी झपटने का प्रयास करते हैं। साँडों तथा युवकों के बीच का यह संघर्ष वास्तव में बड़ा ही रोमांचक एवं मनोरंजक होता है।
3. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. तमिलनाडु 2. नोटों की गड्डी

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

दिन	–	रात	नए	–	पुराने
हर्ष	–	शोक	पहला	–	अंतिम
साहसी	–	डरपोक	आकर्षण	–	विकर्षण
लंबा	–	छोटा	ताकत	–	कमज़ोरी

(ख) इनके पर्यायवाची शब्द लिखिए।

सूर्य	–	सूरज	रवि	भानु		पर्व	–	त्योहार	उत्सव	
घर	–	गृह	आलय	सदन		रात	–	रजनी	रात्रि	निशा

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

उत्तरमाला : हिंदी रीडर-6

पाठ 1 : राष्ट्रगीत (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सारे संसार को रास्ता कौन दिखाता है?
   ध्रुव तारा।
2. सागर की लहरों पर गाता हुआ कौन चलता है?
   मन-बनजारा।
3. भारत का राष्ट्रीय ध्वज क्या कहलाता है?
   तिरंगा।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. भारत में जन्म लेना सौभाग्य की बात क्यों हैं?
   संसार को मार्ग दिखलाने वाले ध्रुव तारे को भारत भूमि ने ही जन्म दिया है। इसलिए भारत में जन्म लेना हमारे लिए सौभाग्य की बात है।
2. 'सौ रोगों की एक दवा' क्या है?
   सौ रोगों की एक दवा है- खुली धूप एवं खुली हवा।
3. हमारा नारा क्या है?
   आँधी-तूफ़ान तथा बिजली के आगे न झुकना तथा प्रत्येक रुकावट को पार करके आगे बढ़ते रहना ही हमारा नारा है।
4. सारे जग को पथ दिखलाने वाला ध्रुव तारा कौन है?
   सारे जग को पथ दिखलाने वाला ध्रुव तारा एक महान ईश्वर भक्त बालक ध्रुव का प्रतीक है जिसका इसे नाम दिया गया है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. कवि ने भारत भूमि में जीने-मरने को प्यारा बताया है, क्यों?
   भारत भूमि संसार की सबसे निराली भूमि है। इसकी भूमि पर दुर्लभ प्राकृतिक सौंदर्य के दर्शन होते हैं। यह हम सब भारतवासियों की जन्मभूमि है। जन्मभूमि से बढ़कर सुंदर कोई भी भूमि नहीं होती। अत: इसी कारण इस भूमि में जीना-मरना बहुत प्यारा है।
2. निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए।
   (i) **भावार्थ** - सारा आँचल अथवा क्षेत्र चंदन की सुगंध से सराबोर अथवा भीगा हुआ है।
   (ii) **भावार्थ** - भले ही हमारी राह में आँधी आकर शोर मचाए या फिर बिजली आसमान में चमक-चमककर हमें डराने की कोशिश करे।
   (iii) **भावार्थ** - हमारा मन रूपी बनजारा आसमान पर रास्ता बनाता हुआ आगे बढ़ता जाता है।
3. कवि ने इस कविता में किस ललकार की बात कही है? नवयुग ने किसे और क्यों ललकारा है?
   कवि ने इस कविता में नवयुग की ललकार की बात कही है। कविता के अनुसार नए जमाने ने समस्त भारतवासियों को निरंतर आगे बढ़ने अथवा उन्नति के पथ पर चलने के लिए ललकारा है। भारत की संतान यानी भारतवासी किसी भी प्रकार की चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं तथा वे मार्ग में आने वाली बाधाओं से निपटना बखूबी जानते हैं। अत: नवयुग ने भारतवासियों को उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए ललकारा है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. ध्रुव तारे को 2. चंदन की 3. नमन 4. भारत में जन्म लेना 5. अपनी जन्मभूमि

भाषा से

(क) इनके विलोम शब्द लिखिए।

जन्म	-	मृत्यु	सौभाग्य	-	दुर्भाग्य
देश	-	विदेश	सुंदर	-	कुरूप
जीना	-	मरना	सच	-	झूठ

(ख) नीचे दिए गए वाक्यों में रंगीन छपे शब्दों के लिंग बताइए।

1. पुल्लिंग, पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग 5. पुल्लिंग, पुल्लिंग

(ग) इन शब्दों का पर्यायवाची शब्दों से उचित मिलान कीजिए।

जग – संसार, विश्व, दुनिया
हवा – वायु, समीर, पवन
भूमि – भू, धरती, धरा
आँख – नयन, नेत्र, दृग
पर्वत – पहाड़, भूधर, गिरि
सागर – समुद्र, सिंधु, जलधि

(घ) वर्ण-विच्छेद कीजिए।

सौभाग्य – स् + औ + भ् + आ + ग् + य् + अ
जन्मभूमि – ज् + अ + न् + म् + अ + भ् + ऊ + म् + इ
बिजली – ब् + इ + ज् + अ + ल् + ई
आसमान – आ + स् + अ + म् + आ + न् + अ
बनजारा – ब् + अ + न् + अ + ज् + आ + र् + आ

(ङ) प्रत्येक के दो-दो उदाहरण दीजिए।

न्म –	आजन्म	जन्मेश
न्द –	अन्दर	समन्दर
त्त –	पत्ती	सत्ता
म्म –	चम्मच	मरम्मत
ल्ल –	बिल्ली	सिल्ली

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 2 : अनमोल सलाह (कहानी)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. महाजन का क्या नाम था?
   चौपटनाथ।
2. महाजन ने सामान कहाँ से खरीदा?
   महाजन ने सामान शहर से खरीदा।
3. बलिष्ठ युवक का क्या नाम था?
   गोकुल।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चौपटनाथ कौन था? उसका स्वभाव कैसा था?
   चौपटनाथ गाँव का एक महाजन था। चौपटनाथ स्वभाव से बड़ा ही दुष्ट, धोखेबाज तथा कंजूस आदमी था।
2. चौपटनाथ कैसा नौकर चाहता था?
   चौपटनाथ बड़ा ही लालची और कंजूस व्यक्ति था। पैसा तो उसे अपने प्राणों से भी प्यारा था। इसीलिए वह एक ऐसा नौकर चाहता था जो उसका सारा काम भी करे और बदले में पैसा भी न माँगे।
3. गोकुल को देखकर महाजन के दिमाग में क्या विचार आया?
   गोकुल को देखकर महाजन के दिमाग में विचार आया कि- यह लड़का तो बड़ा ही हट्टा-कट्टा है। क्यों न इसे बहला-फुसलाकर अपने घर ले जाऊँ तथा अपने यहाँ नौकर बनाकर रखूँ।
4. गाँव के निकट पहुँचकर महाजन ने गोकुल से क्या कहा?
   गाँव के निकट पहुँचकर महाजन ने गोकुल से यह प्रश्न किया कि- अगर तुम्हें अपनी मेहनत के बदले दो में से एक चीज़ लेनी पड़ी तो क्या लोगे- पैसा अथवा ज्ञान भरी सलाहें? इस तरह का प्रश्न पूछकर महाजन गोकुल की मज़दूरी के पैसे मारने का उपाय ढूँढ रहा था।
5. महाजन ने गोकुल को सबसे पहले बुद्धिमानी की कौन-सी सलाह दी?
   महाजन ने गोकुल को सबसे पहले बुद्धिमानी की यह सलाह दी कि- ''अगर तुमसे कभी कोई कहे कि शेरनी का दूध काला होता है, तो उसकी बात मत मानना।''

6. अंत में गोकुल ने महाजन को क्या सलाह दी?
अंत में गोकुल ने महाजन को यह सलाह दी कि- ''सेठजी, आपको एक पते की सलाह देता हूँ। यदि कोई आपसे कहे कि संसार में सभी मूर्ख होते हैं, तो उसकी बात का बिलकुल भी भरोसा मत करना।''

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. चौपटनाथ का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।
चौपटनाथ गाँव में निवास करने वाला एक साधारण महाजन था। उसके स्वभाव में वे सभी अवगुण विद्यमान थे जो किसी व्यक्ति को अपने स्वार्थ के लिए सोचने अथवा जीने के लिए विवश रखते हैं। जैसे कि दुष्टता, बेईमानी, लालच, कंजूसी आदि। अपने इन्हीं अवगुणों से प्रेरित होकर चौपटनाथ हमेशा लोगों को ठगने की चाह में रहता था। उदाहरणत: वह लोगों से अपना काम करवाकर उनकी मज़दूरी मार लेता था। किंतु वह इतना भी चालाक नहीं था कि हर किसी को मूर्ख बना सके। क्योंकि जब उसने गोकुल को मूर्ख बनाना चाहा, तो स्वयं ही उसके हाथों मूर्ख बन गया। अत: हम कह सकते हैं कि वह दुष्ट, स्वार्थी तथा मूर्ख प्रकृति का आदमी था।
2. चौपटनाथ ने गोकुल को कौन-कौन-सी सलाहें दीं?
चौपटनाथ ने गोकुल को निम्नलिखित सलाहें दीं?
(i) अगर तुमसे कोई कहे कि शेरनी का दूध काला होता है, तो उसकी बात मत मानना।
(ii) यदि कोई तुमसे कहे कि हाथी घास-फूस, पत्तियाँ, गन्ना आदि नहीं बल्कि शेर की तरह पशुओं को मारकर उनका मांस खाता है, तो उसकी बात का बिलकुल भरोसा मत करना।
(iii) यदि तुम्हें कोई यह कहकर उल्लू बनाना चाहे कि बर्फ़ गरम होती है, तो उसकी बात मत मानना।
3. गोकुल ने चौपटनाथ को क्या सबक सिखाया और क्यों?
चौपटनाथ अपनी बड़ी-बड़ी बातों से गोकुल को फुसलाकर उसकी मजदूरी मारना चाहता था। किंतु गोकुल होशियार लड़का था। वह महाजन के मन की बात को पूरी तरह से समझ गया था, इसलिए उसने मन-ही-मन उसको सबक सिखाने की ठान ली और अपने सिर पर रखे सामान को कूड़े के ढेर में फेंक दिया। गोकुल ने ऐसा इसीलिए किया कि भविष्य में चौपटनाथ किसी को मूर्ख बनाकर ठगने की कोशिश न करे।
4. पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए-
(i) महाजन (ii) हट्टा-कट्टा (iii) जी (iv) होशियार (v) सबक
5. किसने, किससे, कब कहा, लिखिए-
(i) चौपटनाथ ने गोकुल से कहा, जब वह सामान उठाने के लिए चौपटनाथ के पास आया।
(ii) गोकुल ने चौपटनाथ से कहा, जब उसने पैसे और बुद्धि के बारे में प्रश्न पूछा।
(iii) चौपटनाथ ने गोकुल से कहा, जब उसने अपनी अंतिम सलाह दी।
(iv) गोकुल ने चौपटनाथ से कहा, जब उसने सारा सामान कूड़े पर फेंका।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. बड़ा ही कंजूस 2. नौकर 3. समझदार 4. तीन 5. कूड़े के ढेर में

भाषा से

(क) इनके तीन-तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए।

दुष्ट	- निर्दय	बुरा	अत्याचारी	दूध	- क्षीर	गौरस	दुग्ध
घर	- गृह	आलय	सदन	हाथी	- गज	कुंजर	हस्ती
होशियार	- सयाना	समझदार	चतुर				

(ख) विपरीतार्थक शब्द लिखिए।

नौकर	- मालिक	बलिष्ठ	-	बलहीन
नम्र	- कठोर	मीठी	-	कड़वी
मूर्ख	- सयाना	होशियार	-	मूर्ख
ज्ञान	- अज्ञान	खुश	-	नाखुश

(ग) वर्ण-विच्छेद कीजिए।

धोखेबाज - ध् + ओ + ख् + ए + ब् + आ + ज् + अ
चौपटनाथ - च् + औ + प् + अ + ट् + अ + न् + आ + थ् + अ
होशियार - ह् + ओ + श् + इ + य् + आ + र् + अ
भोलापन - भ् + ओ + ल् + आ + प् + अ + न् + अ

(घ) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

कंजूस	–	कंजूसी	आदमी	–	आदमियत
युवक	–	यौवन	मूर्ख	–	मूर्खता
दुष्ट	–	दुष्टता	नम्र	–	नम्रता
लड़का	–	लड़कपन	बड़ा	–	बड़ाई

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 3 : हीरे-मोती (कहानी)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. दाढ़ीवाला बूढ़ा कैसे वस्त्र पहने हुए था?
   दाढ़ीवाला बूढ़ा पीले वस्त्र पहने हुए था।
2. लोग उस बूढ़े को क्या समझ रहे थे?
   लोग उस बूढ़े को पागल समझ रहे थे।
3. इस पाठ में हीरा-मोती की संज्ञा किसे दी गई है?
   इस पाठ में हीरा-मोती की संज्ञा कर्म तथा समय को दी गई है।
4. यीशु भक्त के पास कौन आया?
   देवदूत।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. दाढ़ी वाला बूढ़ा आते-जाते लोगों से क्या कह रहा था?
   दाढ़ी वाला बूढ़ा आते-जाते लोगों से चिल्ला-चिल्लाकर कह रहा था कि- 'जो चाहें, सो पाएँ।'
2. लोग उस बूढ़े को पागल क्यों समझ रहे थे?
   बूढ़ा जोर-जोर से चिल्लाकर लोगों से कहा रहा था कि जिसको जो चाहिए उससे ले लो। वह हर किसी को उसकी मनचाही वस्तु दे सकता है। जबकि उसके पास था कुछ भी नहीं। इसी कारण लोग उस बूढ़े को पागल व्यक्ति समझ रहे थे।
3. कर्म और समय हीरा-मोती कैसे हैं?
   कर्म और समय सचमुच हीरा-मोती हैं, क्योंकि यही वह धन है जिसके बल पर सबकुछ हासिल किया जा सकता है।
4. यीशु भक्त ने अपनी माँग वापस क्यों ली?
   यीशु भक्त ने अपनी माँग वापस ले ली, क्योंकि उसने संसार में बहुत जगह पर घूमकर देखा, किंतु उसे कोई एक घर भी ऐसा न मिला जो दु:ख से मुक्त हो।
5. प्रकृति का क्या नियम है?
   कर्म करके फल की प्राप्ति करना ही प्रकृति का नियम है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. दाढ़ी वाला बूढ़ा पागल नहीं, बल्कि विद्वान था। युवक को इस बात का ज्ञान कब तथा कैसे हुआ?
   युवक ने जब उस दाढ़ी वाले बूढ़े से हीरे-मोती माँगे तो उसने कहा कि मैं तुम्हें एक हीरा कर्म देता हूँ और दूसरा मोती समय का। इनको सँभाल कर रख लो। युवक उसकी बात सुनकर जोर-जोर से हँसने लगा एवं उसे पागल समझकर आगे बढ़ गया। किंतु जब कुछ देर बाद उस युवक को कुछ चेतना आई तो वह समझ गया कि वास्तव में कर्म हीरे के तथा समय मोती के समान है एवं आदमी इनके बल पर जो चाहे पा सकता है। इस प्रकार वह समझ गया कि बूढ़ा पागल नहीं, बल्कि विद्वान है।
2. हमें दु:खों से नहीं घबराना चाहिए, बल्कि कर्म तथा समय के उपयोग पर ध्यान देना चाहिए। क्या आप बता सकते हैं कि क्यों?
   हमें दु:खों से नहीं घबराना चाहिए, बल्कि कर्म तथा समय के उपयोग पर ध्यान देना चाहिए। क्योंकि इस संसार में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे कोई दु:ख न हो। दु:ख-सुख तो हर किसी के जीवन में आते हैं। किंतु कर्म तथा समय वे चीज़ें हैं जिनके बल पर हम प्रत्येक सुख अथवा सफलता प्राप्त कर सकते हैं। इनके उचित प्रयोग से हम अपना हर सपना साकार बना सकते हैं। अत: हमें दु:खों से नहीं घबराना चाहिए तथा कर्म तथा समय के उपयोग पर ध्यान देना चाहिए।
3. कर्म और समय का हमारे जीवन में क्या महत्व है? पाठ के आधार पर बताइए।
   कर्म और समय का हमारे जीवन में बहुत अधिक महत्व है। हमारा जीवन हमारे कर्म तथा समय के अनुरूप ही होता है। हम जैसा कर्म करते हैं तथा जितना समय उसमें लगाते हैं, उसी के अनुसार फल प्राप्त होता है। यदि हम अच्छा कर्म करते हैं, तो फल भी अच्छा मिलता है और यदि बुरा कर्म करते हैं तो फल भी बुरा ही प्राप्त होता है। अत: यह हमारे ऊपर निर्भर करता है

कि हम कैसा कर्म करें और उसमें कितना समय लगाएँ। कर्म तथा समय के बल पर हम अपने जीवन को जैसा चाहें, वैसा बना सकते हैं।

4. सही/गलत वाक्य लिखिए-

(i) गलत (ii) सही (iii) सही (iv) गलत (i) सही

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. पीले 2. हीरे 3. कर्म और समय 4. दु:ख 5. अच्छा

भाषा से

(क) अनेकार्थी शब्द लिखिए।

जीवन	–	प्राण	वायु	जल
धन	–	संपत्ति	जोड़ा	
फल	–	नतीजा	लाभ	मेवा
वर	–	वरदान	दूल्हा	श्रेष्ठ

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

बूढ़ा	–	जवान	पागल	–	सयाना
उपेक्षा	–	अपेक्षा	ज्ञान	–	अज्ञान
प्राचीन	–	नवीन	उपयोग	–	अनुपयोग
पवित्र	–	अपवित्र	जीवन	–	मरण

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

श्व	–	श्वास	श्वसन
स्त	–	अस्त	सस्ता
क्त	–	व्यक्त	वक्त
स्य	–	स्याही	स्यात्
च्छ	–	अच्छा	लच्छी

(घ) प्रत्येक उपसर्ग से दो-दो शब्द बनाइए।

अपमान	अपकार	अनुरूप	अनुकूल
उत्साह	उत्थान	अवगुण	अवतार
सुफल	सुपुत्र	विशेष	विज्ञान
		कुचाल	कुजात

(ङ) संधि-विच्छेद कीजिए।

सम् + सार	नि: + रोग
उप + योग	सम् + घर्ष
प्रति + एक	सम् + भव

(च) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

बुढ़ापा	दीनता
आदमियत	साधुत्व
यौवन	मित्रता
बालकपन	शत्रुता

(छ) उचित मिलान कीजिए।

दशा	–	हालत, स्थिति
खुश	–	प्रसन्न, प्रफुल्लित
साधु	–	महात्मा, संत
पवित्र	–	निर्मल, स्वच्छ
दीन	–	गरीब, दरिद्र

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 4 : मेंढकी का ब्याह (कहानी)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गाँववाले क्यों व्याकुल थे?
   गाँववाले बारिश न आने के कारण व्याकुल थे।
2. मेंढक-मेंढकी के विवाह की सलाह किसने दी?
   मेंढक-मेंढकी के विवाह की सलाह नावता ने दी।
3. पालकी में किसको बैठाया गया?
   पालकी में मेंढकी को बैठाया गया।
4. लोग किसका सिर फोड़ने की सोच रहे थे?
   लोग नावता का सिर फोड़ने की सोच रहे थे।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. अनाज किस आशा के साथ बोया गया था?
   अनाज इस आशा के साथ बोया गया कि पानी बरसेगा तथा अच्छी फसल होगी।
2. वर्षा के लिए लोगों ने क्या-क्या उपाय किए?
   वर्षा के लिए लोगों ने अनेक उपाय किए, जैसे कि टोने-टोटके, धूप-दीप, होम-हवन, सत्यनारायण की कथा, बकरों, मुरगों का बलिदान आदि।
3. वर्षा के लिए नावते ने क्या उपाय सुझाया?
   वर्षा के लिए नावते ने मेंढक-मेंढकी का ब्याह कराने का सुझाव दिया ताकि इंद्र देवता प्रसन्न होकर बारिश प्रदान करें।
4. मेंढक-मेंढकी के पिता कौन बने?
   मेंढक-मेंढकी के पिता गाँव के ही दो लोगों को बनाया गया था।
5. पानी बरसने पर कौन-कौन-सी हानियाँ हुईं?
   पानी बरसने पर कई तरह की हानियाँ हुईं, जैसे कि सड़कें टूट गईं, गाँव के घरों में पानी घुस गया जिससे काफी मात्रा में संपत्ति बर्बाद हुई, लोगों के पशु बाढ़ में बह गए आदि।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. वर्षा के अभाव में गाँव की स्थिति कैसी हो गई थी? लोगों ने वर्षा लाने के लिए क्या-क्या उपाय किए?
   वर्षा के अभाव में गाँव की स्थिति बहुत अधिक खराब हो गई थी? लोगों ने बारिश की उम्मीद करके धरती में अनाज बो दिया था। अनाज जम भी निकला था, किंतु फिर वर्षा न आने के कारण नन्हे पौधे सूखने लगे थे। अर्थात् लोगों की फसल बर्बाद होने लगी थी। इसके अतिरिक्त पानी के आभाव में और भी कई तरह की समस्याएँ उत्पन्न हो गई थीं। इसी परेशानी से बचने के लिए गाँववालों ने वर्षा लाने हेतु विधि प्रकार के उपाय किए। जैसेकि- टोने-टोटके, होम-हवन आदि करवाए गए। बकरों और मुरगों की कुर्बानी दी गई। सत्यनारायण भगवान की कथा करवाई गई तथा फिर अंत में नावते के कहने पर मेंढक-मेंढकी का ब्याह करवाया गया।
2. नावता कैसा आदमी था? लोगों ने न चाहते हुए भी उसके सुझाव को मान लिया, क्यों?
   नावता एक अंधविश्वासी तथा लालची स्वभाव का आदमी था। इसके साथ ही वह बड़ा होशियार भी था, क्योंकि वह जानता था कि बारिश न होने से दु:खी लोग उसकी अटपटी तथा बेहद अंधविश्वासपूर्ण बात को भी आसानी से मान लेंगे और हुआ भी यही, जब उसने बारिश लाने के लिए मेंढक-मेंढकी का ब्याह कराने की बात लोगों के सामने रखी, तो उन्होंने विश्वास न करते हुए भी उसके सुझाव को मान लिया तथा उसकी इच्छा के अनुरूप उनका ब्याह भी कराया। ऐसा लोगों ने केवल इसी कारण किया, क्योंकि उनमें निराशा घर कर गई थी, और वे नावते की बात का विरोध करने का साहस नहीं जुटा पाए थे।
3. मेंढक-मेंढकी के विवाह में कौन-कौन-सी रस्में पूरी की गईं?
   मेंढक-मेंढकी के विवाह में निम्नलिखित रस्में पूरी की गईं-
   (i) उनके विवाह का मुहूर्त निकाला गया। मुहूर्त के अनुरूप उनकी सगाई की गई। फलदान एवं सगुन की रस्में अदा की गई।
   (ii) बाजा बजाया गया तथा शानदार दावत की व्यवस्था की गई।
   (iii) मेंढक-मेंढकी के फेरे करवाकर विवाह संपन्न करवाया गया तथा कन्यादान की रस्म भी अदा की गई।
   (iv) मेंढकी के पिता के घर से उसकी विदाई की गई।
4. आशय स्पष्ट कीजिए।
   बारिश न होने के कारण लोग बहुत दु:खी थे। इसी कारण उन्होंने नावते की बात को तुरंत मान लिया। इस कार्यक्रम को पूरा

करने के लिए चंदा इकट्ठा किया गया। पास-पड़ोस के सभी गाँवों को इस बारे में सूचना दी गई। लोगों के मन में बसे भय तथा कौतूहल ने भी इस काम में बड़ी मदद की। लोग नावते की बात को मना ही नहीं कर सकते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं इंद्र देव नाराज न हो जाएँ। अगर ऐसा हो गया तो सब बर्बाद हो जाएँगे।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. सावन का 2. बारिश को 3. नावता 4. वर्षा के 5. नावते का

भाषा से

(क) विलोम शब्द चुनकर लिखिए।

आशा	–	निराशा	बुद्धिमान	–	मूर्ख
प्रसन्न	–	अप्रसन्न	प्यारा	–	दुश्मन
अपना	–	पराया	स्वामी	–	सेवक
बाढ़	–	सूखा	हानि	–	लाभ

(ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

वर्षा	–	बारिश	बरसात	–	बरखा
आकाश	–	आसमान	गगन	–	नभ
पानी	–	जल	नीर	–	वारि
आदमी	–	मनुष्य	मनुज	–	मनु
नदी	–	सरिता	तटिनी	–	तरंगिणी

(ग) स्वयं करें।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 5 : हिम्मती सुमेरा (कहानी)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सुमेरा का पूरा नाम क्या था?
   सुमेर सिंह।
2. सुमेरा के पिता कुली का काम कहाँ करते थे?
   बस अड्डा।
3. सुमेरा ने किससे रुपए उधार माँगे?
   मास्टर साहब।
4. राज निवास में कौन रहता था?
   राजा साहब।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सुमेरा कैसा बालक था?
   सुमेरा बहुत अधिक हिम्मती, सच्चा, ईमानदार तथा परिश्रमी बालक था। झूठ, चोरी एवं बेईमानी उसके लिए दुनिया के सबसे बड़े पाप थे।
2. सुमेरा के पिता किस बीमारी का शिकार हो गए थे?
   सुमेरा के पिता लकवा अथवा पक्षाघात नामक बीमारी का शिकार हो गए थे।
3. सुमेरा के पिता ने उसको क्या-क्या सिखाया था?
   सुमेरा के पिता ने उसको बहुत सारी अच्छी बातें सिखाई थीं, जैसेकि सच्चाई तथा ईमानदारी की राह पर चलना तथा मेहनत करना। चोरी, झूठ एवं बेईमानी को सबसे बड़ा पाप समझना।
4. सुमेरा ने जीवन चलाने के लिए क्या करने का निश्चय किया?
   सुमेरा ने जीवन चलाने के लिए पढ़ाई-लिखाई करने के बाद बाज़ार में फल अथवा सब्ज़ियाँ बेचने का निश्चय किया।
5. कमेटी की गाड़ी आने पर क्या हुआ?
   कमेटी की गाड़ी आने पर कुछ लोग भाग खड़े हुए। किंतु सुमेरा अपने स्थान पर बैठा रहा। उसी समय चार-पाँच लोग गाड़ी से नीचे उतरे तथा सुमेरा का सारा सामान उठाकर ले गए।

6. राजा साहब ने सुमेरा की क्या सहायता की?
राजा साहब ने सुमेरा को फल अथवा सब्ज़ियाँ बेचने के लिए लाइसेंस दिलवाया तथा साथ ही उसे सौ रुपए की धनराशि भी दी ताकि वह अपना काम शुरू कर सके।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. सुमेरा के चरित्र की विशेषताएँ बताइए।
सुमेरा के चरित्र की विशेषताएँ निम्नलिखित थीं-
(i) वह बड़ा ही हिम्मती, साहसी तथा ईमानदार बालक था।
(ii) वह परिश्रम करने से नहीं घबराता था।
(iii) वह अपनी बात को स्पष्ट रूप से कह देने का साहस रखता था।
(iv) चोरी तथा बेईमानी उसके लिए सबसे बड़े पाप कर्म थे।
2. पहले दिन सुमेरा की प्रसन्नता का क्या कारण था?
सुमेरा ने अपना जीवन चलाने के लिए फल बेचने का निश्चय किया। उसने अपने स्कूल मास्टर से तीस रुपए उधार लिए और फल बाज़ार पहुँच गया। उसने तीस रुपयों में एक संतरों की टोकरी खरीदी। फिर सवेरे-सवेरे सब्ज़ी वालों के बीच बैठकर उन्हें बेचने लगा। शाम तक उसने छत्तीस रुपए के संतरे बेच दिए और चार संतरे उसके पास शेष भी बच गए। पहले दिन की अपनी इसी सफलता पर सुमेरा बहुत प्रसन्न हुआ।
3. सुमेरा राजा साहब से क्यों मिलना चाहता था? वह उनसे मिलने में किस प्रकार सफल हो सका?
सुमेरा राजा साहब से मिलकर कमेटी वालों की शिकायत करना चाहता था, ताकि राजा साहब उसका माल वापस दिलवा दें और उन लोगों को उनके अपराध की सज़ा दें। सुमेरा सुबह होते ही राजा साहब से मिलने जा पहुँचा, किंतु पहरेदारों ने उसे अंदर नहीं घुसने दिया। फिर वह सड़क पर बैठकर राजा साहब की गाड़ी के कोठी के बाहर निकलने का इंतजार करने लगा। ग्यारह बजे राजा साहब की गाड़ी कोठी से बाहर निकली, किंतु इससे पहले कि सुमेरा कुछ करता गाड़ी बहुत दूर निकल गई। सुमेरा ने फिर शाम तक वहीं खड़े रहकर राजा साहब के लौटने की प्रतीक्षा की। शाम को जब राजा साहब वापस लौटे तो वह उनकी गाड़ी के आगे खड़ा हो गया। इस प्रकार गाड़ी रुकी तथा सुमेरा को राजा साहब से मिलने का अवसर मिल गया।
4. सही/गलत बताइए।
(i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत (v) सही (vi) गलत
5. किसने, किससे कहा, लिखिए-
(i) मास्टर साहब ने सुमेरा से कहा
(ii) बगल वाले आदमी ने सुमेरा से कहा
(iii) सुमेरा ने राजा साहब से कहा
(iv) राजा साहब ने सुमेरा से कहा

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. हिम्मती और सच्चा 2. तीस रुपए 3. कमेटी का आदमी 4. राजा साहब 5. राजा साहब

भाषा से

(क) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए-

हिम्मती	-	हिम्मत	ईमानदार	-	ईमानदारी
माता	-	ममता	बेहोश	-	बेहोशी
सच्चा	-	सच्चाई	आदमी	-	आदमियत
बच्चा	-	बचपन	प्रसन्न	-	प्रसन्नता

(ख) इन शब्दों के अर्थ लिखिए और वाक्य बनाइए।

दिया	देने की क्रिया	- श्याम ने रमा को सुंदर उपहार दिया।
दीया	दीपक	- शाम होते ही दादी ने दीया जलाकर रोशनी की।
दिन	दिवस	- सूरज दिन में चमकता है।
दीन	गरीब	- दीन-दु:खी पर दया करना ही मानवता है।
पता	ठिकाना	- मुझे उसके घर का पता मालूम है।
पत्ता	दल	- उसने पेड़ से पत्ता तोड़ा।

(ग) विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए।

1. साहसी 2. पके 3. दयालु 4. चालाक 5. बड़ा 6. पक्का 7. नीली 8. बासी

(घ) दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

राजा	–	नरेश	भूप	बालक	–	लड़का	बाल
पिता	–	बाप	जनक	माँ	–	माता	अम्मा
दिन	–	वार	वासर	रात	–	रात्रि	निशा

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 6 : कबीर के दोहे (दोहे)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कस्तूरी कहाँ बसती है?
   कस्तूरी मृग की नाभि में बसती है।
2. प्रेम कहाँ उत्पन्न नहीं होता?
   प्रेम खेतों में उत्पन्न नहीं होता।
3. किसकी संगति गंधी की बास के समान है?
   साधु की संगति गंधी की बास के समान है।
4. हमें कैसी वाणी बोलनी चाहिए?
   हमें मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कबीर ने सतगुरु की क्या महिमा बताई है?
   कबीर ने सतगुरु की महिमा अनंत अथवा अंतहीन बताई है।
2. मृग का उदाहरण देकर कवि ने क्या समझाना चाहा है?
   मृग का उदाहरण देकर कवि यह समझाना चाहता है कि भगवान राम तो मृग की नाभि में कस्तूरी की भाँति सबके हृदय में वास करते हैं। अत: उन्हें इधर-उधर ढूँढ़ने की ज़रूरत नहीं है।
3. जीवन में प्रेम का क्या महत्व है?
   जीवन में प्रेम का बहुत अधिक महत्व है, क्योंकि प्रेम ही हृदय को हृदय का रूप देता है। बिना प्रेम के हृदय श्मशान के समान है।
4. हमें किस तरह की वाणी बोलनी चाहिए तथा क्यों?
   हमें सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए, क्योंकि मीठी वाणी सुनकर मन शीतल अथवा प्रसन्न हो जाता है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. दोहों से प्राप्त शिक्षा का हमारे जीवन में क्या महत्व है?
   दोहों से हमें जीवन के प्रत्येक पक्ष को सुदृढ़ अथवा श्रेष्ठ रूप प्रदान करने की शिक्षा प्राप्त होती है। अधिकांश दोहे ऐसी शिक्षा प्रदान करते हैं जो हमारे सामान्य आचार-व्यवहार को निखारती है तथा हमें जीवन को सही ढंग से जीने के लिए प्रेरित करती है। इनसे प्राप्त सीख हमें मानसिक एवं नैतिक तौर पर सुदृढ़ बनाती है एवं उचित मार्गदर्शन भी करती है। अत: हम कह सकते हैं कि दोहों से प्राप्त शिक्षा हमारे जीवन के लिए अति महत्वपूर्ण है।
2. नीचे दिए दोहों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
   (i) **प्रसंग** – प्रस्तुत दोहा महान भक्ति कवि कबीरदास जी द्वारा लिखा गया है। इस दोहे के माध्यम से वह मृग एवं कस्तूरी का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भगवान राम की महिमा का गुणगान करते हैं।
   भावार्थ – संत कबीर जी कहते हैं कि कस्तूरी तो हिरन की नाभि में विद्यमान होती है, किंतु हिरन उसे वन-वन ढूँढता फिरता है। भगवान राम को लेकर मनुष्य की भी यही स्थिति है। क्योंकि भगवान राम हर किसी के हृदय में निवास करते हैं। फिर भी लोग उन्हें वहाँ देखने के बजाय इधर-उधर खोजते फिरते हैं।
   (ii) **प्रसंग** – प्रस्तुत दोहा भक्ति कवि संत कबीरदास द्वारा लिखा गया है। इस दोहे में उन्होंने प्रेम अथवा प्यार की प्रकृति पर चर्चा की है।
   भावार्थ – कवि कहता है कि प्रेम न तो खेतों में उपजता है और न ही कहीं बाजार में बिकता है। राजा हो या प्रजा यानी कोई अमीर हो अथवा गरीब जिसे भी प्रेम में रुचि हो उसे प्रेम पाने के लिए अपने सिर की कुर्बानी देनी पड़ेगी। अर्थात् प्रेम मुफ्त में नहीं मिलता उसके लिए तो कुर्बानी देनी पड़ती है।
   (iii) **प्रसंग** – प्रस्तुत दोहा भक्तिधारा के श्रेष्ठ संत कवि कबीरदास जी द्वारा लिखा गया है। इस दोहे में उन्होंने मीठी वाणी के प्रभाव से अवगत कराया है।

भावार्थ : कवि कहता है कि हमें ऐसे बोल बोलने चाहिए जो सुनने वाले को इतने अच्छे लगें कि वह स्वयं की सुध-बुध ही खो बैठे। ऐसे मीठे बोल उनको बोलने वाले व्यक्ति के तन-मन को तो शीतल करते ही हैं, साथ ही दूसरों को भी सुख पहुँचाते हैं।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. नयन 2. नाभि 3. श्मशान 4. वृक्ष 5. मीठी

भाषा से

(क) इनके हिंदी पर्याय लिखिए।

औसर	–	अवसर	घटि	–	हृदय
उपजै	–	उपजते	बन	–	वन
बिकाई	–	बिकता	भखै	–	खाता
औरन	–	और	सुभाई	–	स्वभाव
सुबास	–	सुगंध	नेड़े	–	निकट

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

उपकार	–	अपकार	प्रेम	–	घृणा
आज	–	कल	राजा	–	रंक
अपना	–	पराया	शीतल	–	उष्ण
निंदक	–	प्रशंसक	निर्मल	–	मलिन

(ग) वर्ण-विच्छेद कीजिए।

कबीर	–	क् + अ + ब् + ई + र् + अ
सुमरिन	–	स् + उ + म् + अ + र् + इ + न् + अ
लौहार	–	ल् + औ + ह् + आ + र् + अ
दीपक	–	द् + ई + प् + अ + क् + अ
उपदेश	–	उ + प् + अ + द् + ए + श् + अ

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 7 : ईमानदार बालक (एकांकी)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सामान कौन बेच रहा था?
   सामान बालक बसंत बेच रहा था।
2. राजकिशोर कौन था?
   राजकिशोर मज़दूर नेता था।
3. बसंत ने राजकिशोर को क्या बेचा?
   बसंत ने राजकिशोर को छन्नी बेची।
4. राजकिशोर के घर कौन गया?
   राजकिशोर के घर प्रताप गया।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बसंत थैले में कौन-कौन-सी चीज़ें लिए हुए था?
   बसंत थैले में छन्नी, बटन, दियासलाई आदि बहुत-सी चीज़ें लिए हुए था।
2. बसंत राजकिशोर से मुफ़्त में पैसे क्यों नहीं लेता?
   बसंत राजकिशोर से मुफ़्त में पैसे नहीं लेता, क्योंकि इस तरह पैसे लेना वह भीख लेने के समान समझता है।
3. कृष्ण कुमार राजकिशोर से क्या कहता है?
   कृष्ण कुमार राजकिशोर से कहता है कि बसंत जैसे ठग बालक बाज़ार के हर कोने में खड़े मिलते हैं। अब वह लड़का पैसे वापस लेकर नहीं आएगा। अत: उसका इंतजार करने के बजाय घर लौट जाइए।
4. प्रताप कौन था और वह किशनगंज में किसका घर ढूँढ़ रहा था?
   प्रताप बसंत का बड़ा भाई था। वह किशनगंज में मज़दूरों के नेता राजकिशोर का घर ढूँढ़ रहा था।

5. एंबुलेंस क्यों मँगवाई जाती है?
बसंत को अस्पताल में पहुँचाने के लिए एंबुलेंस मँगाई जाती है। क्योंकि दुर्घटना के बाद घायल बसंत अपने घर में पड़ा कराह रहा था।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. बसंत एक ईमानदार बालक है। राजकिशोर को इस बात का ज्ञान कब तथा कैसे हुआ?
कृष्ण कुमार से बातचीत होने के बाद राजकिशोर ने बसंत का और अधिक इंतजार नहीं किया। वह अपने घर लौट आया। किंतु जब बसंत का बड़ा भाई प्रताप राजकिशोर के घर उनके अस्सी पैसे लौटाने के लिए आया और उसने बसंत के साथ हुई दुर्घटना के बारे में बताया तो उनके सामने स्पष्ट हो गया कि बसंत कोई ठग नहीं, बल्कि एक ईमानदार बालक है।
2. राजकिशोर अहीर टोले में भीखू के घर क्यों जाता है? वहाँ क्या-क्या होता है? विस्तार से बताइए।
जब राजकिशोर को प्रताप से यह पता चलता है कि बसंत कार दुर्घटना में घायल हो जाने के कारण उसके पैसे नहीं लौटा पाया तो वह बसंत की ईमानदार से बहुत प्रभावित होता है। फिर तुरंत उसकी सहायता करने के लिए अहीर टोले में भीखू के घर जाता है। क्योंकि बसंत वहीं रहता था। भीखू के घर घायल बसंत के इलाज के लिए डॉक्टर को बुलाया जाता है तथा फिर उसे अस्पताल में पहुँचाने के लिए एंबुलेंस मँगाई जाती है।
3. नीचे दी गई पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।
यह वाक्य कृष्ण कुमार ने राजकिशोर को समझाते हुए कहा, क्योंकि उनकी नज़र में बसंत एक ठग था तथा उनका एक रुपया ठग कर भाग गया था। उन्होंने समझाया - भाई, आपका तो कोई नुकसान नहीं हुआ है, क्योंकि आप तो मज़दूर लोगों के सेवक हैं। अगर बालक पैसे ले भी गया तो क्या हुआ? समझ लो वहाँ भी पैसे आपके ही घर में हैं।
कृष्ण कुमार की बात सुनकर राजकिशोर कहते हैं कि चलो, यह भी कोई बड़ी हानि की बात नहीं हुई। समझेंगे कि एक रुपया देकर एक नई सीख प्राप्त की अथवा एक रुपए में एक नया सबक सीखने को मिला।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. देशी बटन 2. एक रुपया 3. बसंत का भाई 4. किशनगंज 5. ईमानदारी का

भाषा से

(क) इनके विलोम शब्द पाठ में से ढूँढ़कर लिखिए।

बुरा	-	भला	अमीर	-	गरीब
अपरिचित	-	परिचित	स्वामी	-	सेवक
बेईमानी	-	ईमानदारी	अवगुण	-	गुण

(ख) 'दार' प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए तथा उनके अर्थ लिखिए।

दुकानदार	-	दुकान चलाने वाला
हवादार	-	जिसमें हवा की पूरी व्यवस्था हो या खुला
इज्जतदार	-	जिसके पास इज्जत हो
मालदार	-	धनी या जिसके पास बहुत माल हो

(ग) नीचे दिए गए विशेष्यों के लिए उचित विशेषण लिखिए।

ईमानदार	बसंत	आलीशान	घर
दयालु	राजकिशोर	अच्छा	बालक
बड़ा	बाज़ार	गरीब	मज़दूर
छोटी	छन्नी	सूखा	वृक्ष

(घ) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

बालक	-	बालकपन	अच्छा	-	अच्छाई
भाई	-	भाईचारा	खुश	-	खुशी
उत्सुक	-	उत्सुकता	योग्य	-	योग्यता
ईमानदार	-	ईमानदारी	उदास	-	उदासी

(ङ) वर्ण-विच्छेद कीजिए।

ईमानदारी	-	ई + म् + आ + न् + अ + द् + आ + र् + ई
दियासलाई	-	द् + इ + य् + आ + स् + अ + ल् + आ + ई
परिचित	-	प् + अ + र् + इ + च् + इ + त् + अ
अस्पताल	-	अ + स् + प् + अ + त् + आ + ल् + अ

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

(ख) रचनात्मक क्रियाकलाप

5. **शीर्षक - ईमानदार लड़का**

कहानी - किसी नगर में एक लड़का रहता है। उसका नाम नमन था। वह बहुत गरीब था। उसकी गरीबी का कारण उसकी बेरोजगारी थी। पढ़-लिख जाने पर भी उसे कहीं नौकरी नहीं मिली थी। एक दिन वह सड़क पर से जा रहा था। अचानक उसे सड़क पर एक बटुआ पड़ा मिला। उस बटुए में पूरे पाँच हज़ार रुपए तथा साथ ही उसके मालिक का नाम व पता भी मौजूद था। नमन एक ईमानदार लड़का था। इसलिए उसने उस बटुए को अपने पास रखना उचित न समझा। वह तुरंत बटुए को उसके मालिक को लौटाने के लिए चल दिया।

नमन ने बटुआ उसके मालिक को लौटा दिया। मालिक अपना बटुआ पाकर बहुत खुश हुआ। उसने इनाम के रूप में नमन को कुछ रुपए देने चाहे, किंतु नमन ने मना कर दिया। इस तरह बटुए का मालिक नमन पर इतना प्रसन्न हुआ कि उसने उसकी बेरोजगारी की बात सुनकर उसे अपने कारखाने में नौकरी दे दी।

पाठ 8 : सुख का लालच (कहानी)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा का नाम क्या था?
   चित्रसेन।
2. राजा ने किसे बुलाया?
   राजपुरोहित।
3. राजा के समझदार मंत्री का नाम क्या था?
   ज्ञानदेव।
4. राजा ने राजपुरोहित को कितनी स्वर्णमुद्राएँ दीं?
   दस हज़ार स्वर्णमुद्राएँ।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा चित्रसेन को पहली बार सपने में क्या दिखाई दिया?
   राजा चित्रसेन को पहली बार सपने में अपने स्वर्गीय पिता जी स्वर्णमुद्राओं से भरी एक बड़ी थैली अपने हाथ में लिए अपने घोड़े पर इधर-उधर दौड़ते दिखाई दिए।
2. राजपुरोहित कैसा व्यक्ति था? उसने राजा को कैसे ठगा?
   राजपुरोहित एक लालची व्यक्ति था। उसने राजा के सपने की गलत व्याख्या करके उससे धन तथा घोड़े ठगे।
3. राजा चित्रसेन के दु:ख का क्या कारण था?
   राजा चित्रसेन के दु:ख का कारण उसके अस्तबल के वे घोड़े थे जो उसने राजपुरोहित को दिए थे। क्योंकि उसे अपने घोड़ों से बिछुड़ने का गहरा दु:ख था।
4. ज्ञानदेव ने राजा को क्या सलाह दी?
   ज्ञानदेव ने राजा को राजपुरोहित से घोड़े वापस लेने की सलाह दी। उसने राजा को एक ऐसे स्वप्न के बारे में बताया जिसके बल पर राजपुरोहित अपने लालच के कारण हड़पे राजा के धन तथा घोड़ों को आसानी से लौटा सकता था।
5. राजपुरोहित को राजा से क्षमा क्यों माँगनी पड़ी?
   राजपुरोहित ने राजा के पहले सपने की गलत व्याख्या करके राजा से दस हज़ार स्वर्णमुद्राएँ तथा पचास बढ़िया घोड़े हड़प लिए थे। किंतु बाद में ज्ञानदेव की योजना के अनुरूप राजा ने राजपुराहित के सामने जिस स्वप्न की व्याख्या की उसके फलस्वरूप राजपुरोहित का झूठ पकड़ा गया और इसी कारण उसने राजा से क्षमा माँगी।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. राजा ने स्वप्न में क्या-क्या देखा तथा राजपुरोहित ने उसके स्वप्न की क्या व्याख्या की?
   राजा ने स्वप्न में अपने स्वर्गीय पिताजी को स्वर्णमुद्राओं से भरी एक बड़ी थैली को हाथ में लिए अपने घोड़े पर इधर-उधर दौड़ते हुए देखा। राजा ने अपने सपने की व्याख्या करने के लिए राजपुरोहित को बुलाया। उन्होंने राजा के सपने की यह व्याख्या की, कि - आपके स्वर्गीय पिताजी अर्थात् मेरे स्वर्गीय मित्र स्वर्ग में सुखपूर्वक रह रहे हैं। वहाँ उन्हें सब सुख प्राप्त हैं। आपके पिताजी और मैं एक-दूसरे के सुख-दु:ख के भागी रहे हैं। इसलिए अब वह चाहते हैं कि आप मुझे अपने अस्तबल से पचास चुने हुए बढ़िया घोड़े तथा कम-से-कम दस हज़ार स्वर्णमुद्राएँ दे दीजिए। क्योंकि आपके स्वर्गीय पिताजी की यही इच्छा है।

2. राजपुरोहित एक लालची व्यक्ति था, बताइए कैसे?
राजपुरोहित बूढ़े हो चले थे, किंतु फिर भी उनके मन में धन का लालच समाया हुआ था। इसीलिए तो जब राजा ने उनको अपने सपने के बारे में बताया और उसकी व्याख्या करने को कहा तो उन्होंने इसे अपनी धन-संपत्ति में वृद्धि करने का अच्छा अवसर समझा तथा उनके सपने की गलत व्याख्या कर उनसे दस हज़ार स्वर्णमुद्राएँ एवं पचास बढ़िया घोड़े हड़प लिए। राजपुरोहित के इस व्यवहार से स्पष्ट हो जाता है कि वह एक लालची व्यक्ति था।

3. राजा ने दूसरी बार राजपुरोहित को अपने सपने के बारे में बताते हुए क्या-क्या कहा?
राजा ने दूसरी बार राजपुरोहित को अपने सपने के बारे में बताते हुए निम्नलिखित बातें कहीं-
(i) हमारे स्वर्गीय पिताजी के शरीर पर जगह-जगह फोड़े हो गए हैं। उन फोडों का इलाज तभी संभव है जब उनको लोहे की गरम सलाखों से दागा जाए।
(ii) उन्होंने यह इच्छा व्यक्त की है कि धरती पर कोई व्यक्ति उनके नाम पर अपने पूरे शरीर को गरम सलाखों से दगवाए। ऐसा करने से उनके फोड़े अपने आप ठीक हो जाएँगे।
(iii) इस कार्य के लिए उन्होंने आपका नाम सुझाया है राजपुरोहित जी। आपको अपने बालसखा के कष्ट को दूर करने के लिए खुशी-खुशी यह कष्ट सहने के लिए तैयार हो जाना चाहिए।

4. किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए-
(i) राजा ने राजपुरोहित से कहा, क्योंकि वह उनसे अपने सपने का अर्थ जानना चाहते थे।
(ii) राजपुरोहित ने राजा से कहा, क्योंकि वह राजा से स्वर्णमुद्राएँ लेना चाहते थे।
(iii) ज्ञानदेव ने राजा से कहा, क्योंकि उनके पास एक अच्छी योजना थी।
(iv) राजपुरोहित ने राजा से कहा, क्योंकि उसका झूठ सामने आ गया था।

5. पाठ के आधार पर रिक्त स्थान भरिए-
(i) चित्रसेन (ii) लालच (iii) सुख, ऐश्वर्य (iv) फोड़े (v) सपने

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. अपने स्वर्गीय पिता 2. लालची था 3. पचास 4. ज्ञानदेव 5. नर 6. राजपुरोहित 7. सोना

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

राजा	–	रंक	विशाल	–	लघु
ईश्वर	–	अनीश्वर	बढ़िया	–	घटिया
सुख	–	दु:ख	गहरी	–	उथली
मित्रता	–	शत्रुता	स्वर्ग	–	नरक
आशा	–	निराशा	क्षमा	–	दंड

(ख) इन शब्दों से उपसर्ग तथा प्रत्यय अलग-अलग करके लिखिए।

मूल शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय
स्वर्ग		ईय
श्वास	वि	
प्रसन्न		ता
धर्म	अ	
मित्र		ता
उदास		ई
लालच		ई
मान	अप	
संभव	अ	
बुद्धि		मान

(ग) इनके संधि-विच्छेद कीजिए।

सम् + पन्न	राजा + आज्ञा
प्रति + एक	राज + पुरोहित
स्वर्ण + मुद्रा	बाल + सखा

(घ) वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए।

1. लालची 2. सत्यवादी 3. नि:स्वार्थ 4. सहनशील 5. बालसखा

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों में उचित कारक-चिह्न लगाइए।

1. का 2. के लिए 3. ने, को 4. से 5. पर 6. ने, को

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 9 : हम सब एक हैं (निबंध)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कितनी बूँदें मिलकर एक सागर की रचना करती हैं?
   अगणित बूँदें मिलकर एक सागर की रचना करती हैं।
2. हमें स्वयं को क्या समझना चाहिए?
   हमें स्वयं को हिंदुस्तानी समझना चाहिए।
3. भारत के जनसागर में लगभग कितने जन शामिल हैं?
   भारत के जनसागर में सौ करोड़ से अधिक जन शामिल हैं।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सागर की रचना कैसे होती है?
   सागर की रचना अगणित बूँदों से मिलकर होती है।
2. जनसागर से आप क्या समझते हैं तथा इसका क्या महत्व है?
   जनसागर से तात्पर्य देश की कुल जनसंख्या से है। किसी देश की जनसंख्या का उस देश के लिए बहुत अधिक महत्व होता है, क्योंकि उस देश का विकास उसकी जनसंख्या पर ही निर्भर करता है।
3. देश के मुकाबले में हमें कौन-कौन से सवाल मन में नहीं लाने चाहिए?
   देश के मुकाबले में हमें छोटे-छोटे सवाल अपने मन में नहीं लाने चाहिए। उदाहरणत: भले ही हम किसी राज्य, किसी गाँव या मुहल्ले में रहते हों, हमें स्वयं को देश का यानी भारतीय ही समझना चाहिए।
4. भारत की उन्नति और समृद्धि में हम कैसे अपना सहयोग दे सकते हैं?
   भारत की उन्नति और समृद्धि में हम अपना विशेष सहयोग दे सकते हैं। हम अपना यह सहयोग तभी दे सकते हैं, जब स्वयं को देश का एक अभिन्न अंग समझकर आगे बढ़ने की कोशिश करें। क्योंकि देश का अंग आगे बढ़ेगा तो सारा भारत आगे बढ़ेगा।
5. 'हम एक ही पानी के करोड़ों बुलबुले हैं।' बताइए कैसे?
   एक-एक स्त्री-पुरुष मिलकर हम सौ करोड़ से अधिक का जनसागर बनते हैं। अत: इसी कारण हम एक ही पानी के करोड़ों बुलबुले हैं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. एकता की आवश्यकता तथा महता बताने के लिए लेखक ने क्या-क्या तर्क दिए हैं? उनमें से कौन-सा तर्क आपको सबसे अधिक ठीक लगता है?
   एकता की आवश्यकता तथा महता को बताने के लिए लेखक द्वारा कई तर्क प्रस्तुत किए गए हैं। जैसे-
   बूँद-बूँद से मिलकर सागर बनता है तथा उसमें अगणित बूँदों की ताकत समायी हुई होती है।
   घर-घर से मिलकर बस्ती तथा गाँव-गाँव व शहर-शहर से मिलकर देश बनता है।
   प्रत्येक स्त्री-पुरुष मिलकर एक विशाल जनसागर बनाता है तथा हम सब उस जनसागर के पानी के करोड़ों बुलबुले हैं।
   हमारी एक माँ, एक लहू तथा एक घराना है, हिंदुस्तानी। हमारे घर अलग-अलग हैं, किंतु दिल एक है। हम हिंदुस्तानी पहले हैं, पीछे कुछ और।
   लेखक ने सभी तर्क सही दिए हैं, किंतु फिर भी हमें सबसे अधिक ठीक यह तर्क लगा कि- हमारा देश हमारा राज्य, गाँव, शहर या कस्बा नहीं है, बल्कि हिंदुस्तान है, भारत है। लेखकर के इस तर्क से एकता तथा राष्ट्रीयता की स्पष्ट झलक मिलती है।
2. इस पाठ से आपने क्या सीखा? अपने विचार लिखिए।
   इस पाठ से हमने सीखा कि राष्ट्र अथवा देश का निर्माण उसके एक-एक जन के मिलने से होता है। देश का हर जन, हर गाँव/शहर तथा प्रांत उसका अंग होता है। उसके अंग का विकास ही राष्ट्र के विकास को गति देता है एवं उसके प्रत्येक अंग

की ताकत ही राष्ट्र की ताकत होती है। संक्षेप में कहें तो जनसंख्या से बना जनसागर तथा उसकी एकता ही राष्ट्र की शक्ति बनती है। अत: हमें स्वयं को राष्ट्र का अंग मानकर अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

3. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।
   (i) लेखक एकता का महत्व बताते हुए कहता है कि जब करोड़ों अथवा अगणित बूँदें आपस में मिलकर लहराने लगती हैं तो उनमें सागर की ताकत समा जाती है।
   (ii) लेखक का कहने का आशय यह है कि देश के पास जो कुछ है उसमें उसके हर नागरिक का हिस्सा है तथा नागरिकों के पास जो कुछ भी है उसमें देश का हिस्सा है।
4. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. एकता की महता बताना 2. एक-एक घर से 3. कोना 4. धर्म

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पानी	–	जल	नीर	वारि
सागर	–	समुद्र	सिंधु	जलधि
जन	–	आदमी	व्यक्ति	मनुष्य
घर	–	गृह	निकेतन	आलय

(ख) उचित मिलान कीजिए।

एक	–	अनेक	नीचे	–	ऊपर
धरती	–	आकाश	देश	–	विदेश
ताकत	–	कमज़ोरी	धर्म	–	अधर्म
जवान	–	बूढ़ा	उन्नति	–	अवनति
सवाल	–	जवाब	अपने	–	पराए

(ग) क्रियाविशेषण छाँटकर उनके भेद सहित लिखिए।

1. रातभर	कालवाचक	2. वहीं	स्थानवाचक
3. थोड़ा	परिमाणवाचक	4. कहाँ	स्थानवाचक
5. तेज़	रीतिवाचक	6. मधुर	रीतिवाचक

(घ) विशेषण बनाइए।

भारतीय	देशी
सागरीय	विशाल
हिंदुस्तानी	दैनिक
उत्तरी	पूर्वी
पंजाबी	शहरी

(ङ) संधि कीजिए।

संसार	यथोचित
जनसागर	निश्चल
सेवार्थ	सशंय

(च) अनेकार्थी शब्द लिखिए।

जीवन	–	प्राण	वायु	कर	–	हाथ	हाथी की सूँड
पानी	–	जल	इज्ज़त				

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 10 : मेवाड़ की शान-चित्तौड़ दुर्ग (लेख)

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चित्तौड़ दुर्ग कितने क्षेत्रफल में फैला हुआ है?
   लगभग 2.8 वर्ग किलोमीटर।

2. चित्तौड़ दुर्ग में कितने महल परिसर स्थित हैं?
चित्तौड़ दुर्ग में चार महल परिसर स्थित हैं।
3. अलाऊद्दीन खिलजी कौन था।
अलाऊद्दीन खिलजी दिल्ली का सुल्तान (बादशाह) था।
4. रानी कर्मवती ने अपना धर्म भाई किसे बनाया था?
रानी कर्मवती ने अपना धर्म भाई मुग़ल बादशाह हुमायूँ को बनाया था।
5. विजय स्तंभ का निर्माण किसने करवाया?
राणा कंभा।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चित्तौड़ दुर्ग को लेकर कितने युद्ध लड़े गए तथा कब?
चित्तौड़ दुर्ग को लेकर तीन युद्ध लड़े गए। अलाऊद्दीन खिलजी 1803, गुजरात के सुल्तान बहादुरशाह (1335) तथा मुग़ल बादशाह अकबर (1568)।
2. चित्तौड़ दुर्ग की भव्यता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
चित्तौड़ भारत का सबसे बड़ा दुर्ग है। यह दुर्ग लगभग 13 किलोमीटर के दायरे में फैला हुआ है। इस दुर्ग के भीतर बहुत-सी संरचनाएँ शामिल हैं, जैसेकि 4 महल परिसर, 19 मंदिर, 4 स्मारक तथा 20 जलाशय। इन आँकड़ों से दुर्ग की विशालता का पता स्वत: ही चल जाता है।
3. पन्ना धाय कौन थी? उसका चित्तौड़ दुर्ग से क्या संबंध था?
पन्ना धाय महाराणा उदय सिंह की धाय थी। उसका चित्तौड़ दुर्ग से गहरा संबंध था, क्योंकि उसने राजकुमार उदय सिंह को बनवीर से बचाने के लिए अपने पुत्र का बलिदान दे दिया था। अत: पन्ना धाय को आज भी उनकी वफादारी के लिए याद किया जाता है।
4. विजय स्तंभ का वर्णन करते हुए पाँच-छह वाक्य लिखिए।
विजय स्तंभ अथवा जय स्तंभ अपनी अनूठी शान का प्रतीक है। इसका निर्माण राणा कुंभा द्वारा महमूद शाह (प्रथम), मालवा के सुल्तान को युद्ध (1440) में बुरी तरह पराजित कर अपनी विजय स्मृति के रूप में करवाया था। इसका निर्माण 1458 तथा 1468 के बीच हुआ था। इस स्तंभ की ऊँचाई लगभग 37.2 मीटर है जो 47 वर्ग फुट चौड़ाई वाले एक मज़बूत चबूतरे पर खड़ा है।
5. रानी पदमिनी महल तथा उसके जौहर का वर्णन कीजिए।
रानी पदमिनी महल सफेद रंग की इमारत है जो तीन मंजिली एक अति सुंदर संरचना है। यह दुर्ग के दक्षिणी भाग में स्थिति है। इस महल के चारों ओर जल की नहरें बनाईं गई हैं। इसकी छतें छतरीनुमा हैं। यह वही महल है जहाँ अलाऊद्दीन खिलजी ने रानी पदमिनी की छवि दर्पण में देखने की अनुमति मिली थी और उसने रानी को हासिल करने के लिए चित्तौड़ पर आक्रमण कर दिया था। किंतु समय रहते रानी ने जौहर कर लिया था।
6. जौहर मेला क्यों आयोजित किया जाता है?
चित्तौड़ में रानी पदमिनी के जौहर की स्मृति स्वरूप प्रतिवर्ष एक भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। इसे जौहर मेले के नाम से जाना जाता है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. चित्तौड़ दुर्ग का ऐतिहासिक महत्व अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
चित्तौड़ दुर्ग भारत का सबसे बड़ा दुर्ग है। यह दुर्ग राजपूतों के हज़ारों वर्ष पुराने इतिहास को दोहराता है। इस दुर्ग का संबंध कई राजघरानों से है। इसके लंबे इतिहास में कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ समाहित हैं। जैसेकि- रानी पदमिनी के लिए अलाऊद्दीन खिलजी का चित्तौड़ पर आक्रमण तथा रानी का जौहर कर लेना। भक्ति कवयित्री मीराबाई का इसी दुर्ग में रहकर अपनी भक्ति का प्रदर्शन करना तथा रानी कर्मवती का 13000 राजपूत स्त्रियों के साथ जौहर करना। इसके अतिरिक्त यह राणा कुंभा द्वारा निर्मित विजय स्तंभ की राजपूती इतिहास की स्पष्ट झाँकी भी प्रस्तुत करता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि चित्तौड़ दुर्ग अपने ऐतिहासिक महत्व के लिए विशेष रूप से जाना जाता है।
2. चित्तौड़ दुर्ग से संबंधित पौराणिक कथा का वर्णन कीजिए।
चित्तौड़ के भव्य दुर्ग के निर्माण के बारे में एक पौराणिक कथा भी प्रचलित है। उस कथा के अनुसार चित्तौड़ का अस्तित्व महाभारत काल में भी था। कहा जाता है कि पांडव पुत्र भीम जो कि अपने बल के लिए जाना जाता था, एक बार उसने अपना शक्तिशाली मुक्का जमीन पर दे मारा। उसके मुक्के की शक्ति से ज़मीन हिल उठी तथा धरातल के अंदर से पानी का चश्मा फूट पड़ा तथा उसने एक जलाशय का रूप ले लिया। इस जलाशय को भीम कुंड का नाम दिया गया। इस नाम से यहाँ आज भी एक कृत्रिम जलाशय विद्यमान है। इस कथा में यह वर्णन भी मिलता है कि चित्तौड़ दुर्ग का निर्माण कार्य भीम द्वारा प्रारंभ किया गया था।

3. राणा कुंभ महल से संबंधित कुछ प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ लिखिए।
राणा कुंभ महल से संबंधित कुछ प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ इस प्रकार हैं-
(i) यह वही महल है जिसमें पन्ना धाय नामक धाय ने राजकुमार उदय सिंह को बनवीर से बचाने के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया था। अत: यह महल पन्ना धाय की वफादारी की कहानी दोहराता है।
(ii) प्रसिद्ध संत कवयित्री मीराबाई का निवास स्थान भी यही महल था जिनके द्वारा रचित भक्ति पद आज भी दोहराए जाते हैं।
(iii) यही महल कभी रानी पदमिनी की सुंदरता पर नाज करता था और उनके जौहर का साक्षी बना था। रानी कर्मवती तथा उनके धर्म भाई हुमायूँ का किस्सा भी इसी महल से संबंध रखता है। रानी कर्मवती ने अपनी आन बचाने के लिए यहाँ लगभग 13000 राजपूत स्त्रियों के साथ जौहर किया था।

4. उचित मिलान कीजिए।

(i)	बप्पा रावल	सोलंकी राजकुमारी
(ii)	पन्ना धाय	उदय सिंह
(iii)	रानी कर्मवती	हुमायूँ
(iv)	पदमिनी	महाराणा रत्न सिंह
(v)	मीराबाई	संत कवयित्री
(vi)	विजय स्तंभ	महाराणा कुंभ
(vii)	कीर्ति स्तंभ	जैन व्यापारी

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मौर्य शासक 2. 700 एकड़ 3. बहादुर शाह 4. 13,000 5. लगभग 37.2 मीटर

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए तथा उनसे वाक्य बनाइए।

प्राचीन	-	नवीन	नवीन तकनीकी का राष्ट्र विकास में बड़ा योगदान है।
निर्माण	-	विध्वंस	हथियारों से विध्वंस के सिवा और क्या हाथ लगेगा?
युद्ध	-	संधि	राजपूत संधि नहीं, बल्कि युद्ध को महत्व देते थे।
विशाल	-	लघु	उद्यान सागर के बीच एक लघु द्वीप पर स्थित है।
सुंदर	-	कुरूप	रूप भले ही कुरूप हो, मन सुंदर होना चाहिए।
कृत्रिम	-	प्राकृतिक	भारत प्राकृतिक सौंदर्य की भूमि है।
विजय	-	पराजय	युद्ध में पराजय के बाद राजा जंगल में जाकर छिप गया।

(ख) 'ता' प्रत्यय से बनने वाले आठ शब्द लिखिए।

सुंदरता	सरलता	पवित्रता	सफलता
लघुता	कठोरता	कोमलता	नवीनता

(ग) संधि विच्छेद कीजिए।

संग्रहालय	-	संग्रह + आलय
संबंध	-	सम् + बंध
दुर्भाग्य	-	दुर् + भाग्य
गोमुख	-	गो + मुख

(घ) नीचे दिए गए शब्दों से संयुक्ताक्षर अलग करके लिखिए तथा उनसे दो-दो नए शब्द बनाइए।

त्त	पत्ता	कुत्ता
प्प	अप्पू	ठप्पा
श्व	श्वास	अश्व
द्व	द्वारा	द्वेष
न्द	बन्दर	बन्द
द्ध	शुद्ध	क्रुद्ध

(ङ) नीचे दिए गए समास-विग्रहों से समस्तपद या सामासिक शब्द बनाइए।

1. यथासंभव 2. यशप्राप्त 3. सेनानायक 4. राजपुत्र 5. हथकड़ी 6. पथभ्रष्ट 7. भरपेट

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 11 : मुक्ति की आकांक्षा (कविता)

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पिंजरे के बाहर धरती कैसी है?
   पिंजरे के बाहर धरती बड़ी और निर्मम है।
2. चिड़िया के लिए बाहर किसका खतरा है?
   चिड़िया के लिए बाहर बहेलिए का खतरा है।
3. बाहर की हवा में चिड़िया को किसकी गंध नहीं मिलेगी?
   बाहर की हवा में चिड़िया को अपने जिस्म की गंध नहीं मिलेगी।
4. पिंजरे में बंद चिड़िया कौन-सा गाना गाएगी?
   पिंजरे में चिड़िया मुक्ति का गाना गाएगी।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पिंजड़े में बंद चिड़िया क्या चाहती है?
   पिंजड़े में बंद चिड़िया मुक्ति की साँस लेना चाहती हैं अर्थात् पिंजड़े से बाहर उड़ जाना चाहती है।
2. पिंजड़े में चिड़िया को क्या-क्या सुविधाएँ मिली हुई हैं?
   पिंजड़े में चिड़िया को बहुत-सी सुविधाएँ मिली हुई हैं। जैसे- पीने के लिए पानी, खाने के लिए भरपूर चुग्गा तथा बहेलिए से सुरक्षा।
3. पिंजड़े से बाहर चिड़िया के पीने के लिए पानी के क्या-क्या साधन हैं?
   पिंजड़े से बाहर चिड़िया के पीने के लिए पानी के कई साधन मौजूद हैं। जैसेकि समुद्र, नदी, झरने आदि।
4. पिंजड़े के बाहर चिड़िया को क्यों भटकना पड़ेगा?
   पिंजड़े के बाहर चिड़िया को पानी तथा चुग्गे यानी दाने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ेगा।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. पिंजड़े में जीवन की सारी सुविधाएँ मौजूद होने पर भी चिड़िया पिंजड़े से बाहर क्यों उड़ जाना चाहती है? कविता के आधार पर बताइए।
   पिंजड़े में जीवन की सारी सुविधाएँ मौजूद होने पर भी चिड़िया पिंजड़े से बाहर उड़ जाना चाहती है, क्योंकि उसे स्वतंत्रता अथवा आज़ादी के मूल्य का पूरा ज्ञान है। वह गुलामी के जीवन तथा आजादी भरे जीवन के बीच के अंतर को बखूबी पहचानती है। वह जानती है कि गुलाम जीवन में भले ही लाख सुविधाएँ प्राप्त हों, किंतु जीवन का सच्चा सुख कभी नहीं मिलता।
2. इस कविता से जीवन के किस सच का पता चलता है तथा कैसे? बताइए।
   इस कविता से जीवन के सबसे बड़े सच का पता चलता है कि गुलामी यानी परतंत्रता का जीवन भले ही सब सुख-सुविधाओं से भरा हो, फिर भी सच्चे सुख की प्राप्ति होना असंभव ही है। परतंत्रता का जीवन अभिशाप के समान होता है, जबकि स्वतंत्रता का जीवन वरदान के समान। इसलिए स्वतंत्रता के लिए प्राण भी जाएँ तो कोई दु:ख नहीं।
3. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।
   कवि पिंजड़े में बंद चिड़िया को संबोधित करते हुए कहता है कि पिंजड़े के बाहर दाने का खासा अभाव है, जबकि पिंजरे में खाने के लिए पर्याप्त दाना मौजूद है। इसके अलावा पिंजड़े के बाहर बहेलिए का डर भी है, किंतु यहाँ कोई भय या डर नहीं है। तुम मुक्त स्वर से गीत गा सकती हो।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. बहुत बड़ी है 2. पानी 3. स्वतंत्रता का जीवन 4. चिड़िया को 5. बाहर उड़ जाएगी

भाषा से

(क) उचित मिलान कीजिए।

धरती	–	धरा, भूमि, मही
सागर	–	सिंधु, समुद्र, जलधि
नदी	–	सरिता, तटिनी, तरंगिणी
पानी	–	जल, नीर, वारि
हवा	–	समीर, पवन, वायु

(ख) नीचे दिए गए वाक्यों में रंगीन शब्दों के विलोम शब्द चुनकर वाक्य पुन: लिखिए।

1. धरती के लोग बड़े दयालु हैं।
2. पिंजड़े के भीतर सब सुख हैं।

3. बाहर खाने की कमी है।
4. हवा में सुगंध है।
5. चिड़िया गुलामी का गाना गाएगी।

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

1. चिड़िया उड़ती है।
2. मुझसे खाया जाता है।
3. चिड़िया दाना चुगती है।
4. लड़की नृत्य करती है।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 12 : नेताजी सुभासचंद्र बोस (जीवनी)

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. नेताजी सुभाषचंद्र बोस का जन्म कब हुआ था?
   23 जनवरी, 1897 को।
2. सुभाषचंद्र बोस के राजनीतिक गुरु कौन थे?
   देशबंधु चितरंजन दास।
3. 'दिल्ली चलो' का नारा किसने दिया?
   सुभाषचंद्र बोस।
4. सुभाषचंद्र बोस जर्मनी जाकर किससे मिले?
   हिटलर।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सुभाषचंद्र बोस के पिता की क्या इच्छा थी?
   सुभाषचंद्र बोस के पिता की इच्छा थी कि वह आई.सी.एस. की परीक्षा पास करके सरकारी नौकरी में उच्च पद प्राप्त करें।
2. सुभाषचंद्र बोस ने आई.सी.एस. की परीक्षा क्यों उत्तीर्ण की?
   सुभाषचंद्र बोस ने अपने पिताजी की इच्छा पूरी करने के उद्देश्य से आई.सी.एस. की परीक्षा उत्तीर्ण की।
3. सुभाषचंद्र बोस कांग्रेस से अलग क्यों हो गए?
   सुभाषचंद्र बोस ने प्रारंभ में तो कांग्रेस की गतिविधियों पर में बढ़-चढ़कर भाग लिया, किंतु फिर उनकी विचाराधारा का गाँधीजी की नम्र नीतियों से टकराव हो गया। उनकी नम्र नीतियाँ उनके स्वभाव से मेल न खा सकीं, इसीलिए उन्होंने कांग्रेस को छोड़ दिया।
4. सिंगापुर पहुँचकर सुभाषचंद्र बोस ने क्या किया?
   सिंगापुर पहुँचकर सुभाषचंद्र बोस ने वहाँ पर रहने वाले भारतीयों को संगठित किया तथा देश को स्वतंत्र कराने के लिए आज़ाद हिंद फौज़ का गठन किया।
5. तुलादान में महिलाओं ने अपना क्या योगदान दिया?
   तुलादान में महिलाओं ने बहुत बड़ा योगदान दिया। उसके प्रारंभ होते ही उनमें दान देने की होड़-सी लग गई। उन्होंने देश की आज़ादी को ध्यान में रखते हुए अपने कानों के कुंडल, हाथों की चूड़ियाँ, अँगूठियाँ आदि उतार-उतार कर तराजू के पलड़े में चढ़ा दीं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. आज़ाद हिंद फौज़ का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
   सुभाषचंद्र बोस का उद्देश्य भारत को अंग्रेज़ों से स्वतंत्रता दिलाना था। अपने इसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए वह अंग्रेज़ों की आँखों में धूल झोंककर भारत से बाहर निकल गए। जर्मनी जाकर उन्होंने हिटलर से मुलाकात की तथा फिर तुरंत सिंगापुर जा पहुँचे। सिंगापुर और उसके आसपास बहुत से भारतीय रहते थे। जापानियों ने अंग्रेज़ी सेना के बहुत-से सैनिकों को बंदी बनाया था जिनमें अधिकांश भारतीय थे। सुभाषचंद्र बोस ने इन सैनिकों को मुक्त कराया तथा उन्हें संगठित करके आजाद हिंद फौज बनाई। रंगून में आज़ाद हिंद फौज़ की खुली भर्ती चली। इस फौज़ ने अंग्रेज़ सैनिकों को कई जगहों पर पराजित किया, किंतु सुभाषचंद्र बोस की आकस्मिक मृत्यु के कारण यह सेना देश को पूरी तरह से आज़ाद कराने में सफल न हो सकी।
2. इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।
   यह पंक्ति नेताजी सुभाषचंद्र बोस द्वारा कही गई थी, जिसका अर्थ है- तुम मुझे खून यानी कुर्बानी देने के लिए जन-शक्ति उपलब्ध करवाओ, मैं तुम्हें आज़ादी अथवा स्वतंत्रता दिलवाऊँगा।

3. सुभाषचंद्र बोस द्वारा बनाए गए दलों तथा उनके द्वारा निकाले गए समाचारपत्रों के बारे में लिखिए।
सुभाषचंद्र बोस ने फारवर्ड ब्लॉक नाम का एक राजनीतिक दल बनाया था। इनका यह दल अति शीघ्र ही सारे देश में प्रसिद्ध हो गया था। अत: सरकार द्वारा इस पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सुभाषचंद्र बोस को गिरफ्तार कर लिया गया था। इससे पहले उन्होंने स्वराज पार्टी का गठन भी किया था।
सुभाषचंद्र बोस ने देशबंधु की प्रेरणा से 'बांगलार कथा' तथा 'फॉरवर्ड' नाम से दो पत्र निकाले। इन दोनों का संपादन सुभाष ने ही किया। इनके माध्यम से उनकी कार्य कुशलता, सशक्त लेखनी तथा देशभक्ति की चारों ओर धूम मच गई थी।

4. खाली स्थान भरिए-
(i) नेताजी (ii) वकील (iii) देशबंधु चितरंजन (iv) भारतीय (v) हिटलर

5. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. सविनय अवज्ञा आंदोलन 2. 1918 3. 1938 में 4. सिंगापुर में 5. म्यांमार

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

वीर	–	कायर	आज़ाद	–	गुलाम
बचपन	–	बुढ़ापा	देश	–	विदेश
हिंसा	–	अहिंसा	जन्म	–	मृत्यु
युद्ध	–	संधि	अपना	–	पराया
स्वतंत्रता	–	परतंत्रता	आज्ञा	–	अवज्ञा
उत्तीर्ण	–	अनुत्तीर्ण	उपस्थित	–	अनुपस्थित

(ख) निम्नलिखित उपसर्गों से तीन-तीन शब्द बनाइए।

स	–	सफल	सजल	सश्रम
दुर्	–	दुर्जन	दुर्भाग्य	दुर्गुण
अप	–	अपमान	अपवचन	अपयश
सु	–	सुपुत्र	सुफल	सुकर्म

(ग) इन वाक्यों में से सर्वनाम शब्द छाँटकर लिखिए।
1. तुम, मैं, तुम्हें 2. उनकी 3. वे 4. उन्होंने

(घ) स्वयं करें।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 13 : असली अपराधी (किस्सा)

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राजा कृष्णदेव राय कहाँ के सम्राट थे?
विजयनगर।
2. न्याय माँगने वाला व्यक्ति कौन था?
गड़रिया।
3. सम्राट ने जाँच का काम किसे सौंपा?
तेनालीराम।
4. दुकानदार ने घड़ा किससे खरीदा था?
गड़रिया।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गड़रिए ने सम्राट कृष्णदेव राय से क्या शिकायत की?
गड़रिए ने सम्राट कृष्णदेव राय से यह शिकायत की, कि उसके पड़ोसी ने अपनी पुरानी व कमज़ोर दीवार की मरम्मत नहीं करवाई जिससे वह गिर गई तथा उसके नीचे उसकी बकरी दबकर मर गई। अत: उसे हरजाना दिलाया जाए।
2. तेनालीराम ने राजमिस्त्री को दरबार में क्यों बुलवाया?
तेनालीराम ने दीवार के बारे में पूछताछ करने के लिए राजमिस्त्री को दरबार में बुलवाया।

3. मज़दूर ने अपनी सफ़ाई में क्या कहा?
मज़दूर ने अपनी सफ़ाई देते हुए यह कहा कि दीवार के गिरने में उसका दोष नहीं है। गलती पानी वाले की है, क्योंकि उसने सीमेंट में पानी ज़रूरत से अधिक डाल दिया था। अत: इसी कारण दीवार मज़बूत नही बन सकी।

4. दुकानदार ने अपने बचाव में क्या कहा?
दुकानदार ने अपने बचाव में यह कहा कि उसे दोषी ठहराने के बजाय उस व्यक्ति से पूछताछ की जाए जिसने उसको घड़ा बेचा था। क्योंकि उसको घड़ा बेचने वाला व्यक्ति ही असली दोषी है।

5. गड़रिए को हरजाना क्यों नहीं मिल सका?
गड़रिए को हरजाना नहीं मिल सका, क्योंकि अंत में दीवार की कमजोरी के लिए असली दोषी गड़रिए को ही ठहराया गया था।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. गड़रिए ने अपने पड़ोसी में कौन-कौन-से दोष निकाले?
गड़रिए ने अपने पड़ोसी में निम्नलिखित दोष निकाले-
(i) उसका पड़ोसी एक कंजूस व्यक्ति है।
(ii) उसने कभी भी अपनी पुरानी तथा कमज़ोर दीवार की मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया।
(iii) पड़ोसी की दीवार गिरने से उसके नीचे दबकर उसकी बकरी मर गई। अत: उसे उसके पड़ोसी से हरजाना दिलाया जाए।

2. सम्राट ने न्याय की जिम्मेदारी किस पर तथा क्यों सौंपी?
सम्राट ने न्याय की जिम्मेदारी तेनालीराम पर सौंपी, क्योंकि वह गड़रिए को सच्चा एवं निष्पक्ष न्याय प्रदान करना चाहता था। उन्हें तेनालीराम की सूझबूझ एवं ज्ञान पर पूरा विश्वास था। इसलिए उन्होंने तेनालीराम को बुलाकर मामले की छानबीन करके उचित न्याय करने की जिम्मेदारी उन पर सौंपी।

3. तेनालीराम ने मामले की सच्चाई तक पहुँचने के लिए किस-किस से बात की तथा अंत में क्या फ़ैसला दिया?
तेनालीराम ने मामले की सच्चाई तक पहुँचने के लिए राजमिस्त्री, मजदूर, पानी वाला, दुकानदार तथा गड़रिए से बातचीत की। उन्होंने सबसे बातचीत करने के बाद गड़रिए के खिलाफ़ फ़ैसला सुनाया। क्योंकि अंत में दीवार के गिरने का दोषी उस घड़े को पाया गया जिसमें पानी भरकर सीमेंट में डाला गया था। वह घड़ा गड़रिए द्वारा ही दुकानदार को बेचा गया था। इसलिए गड़रिए को ही दोषी ठहराते हुए किसी भी प्रकार का हरजाना देने से मना कर दिया गया।

4. नीचे दिए गए वाक्यों को कहानी के अनुसार उचित क्रम दीजिए-

(i)	महाराज, मैं न्याय के लिए आपकी शरण में आया हूँ।
(ii)	महाराज, इसके लिए मुझे कुछ समय दिया जाए।
(iii)	यह सुनकर तेनालीराम ने राजमिस्त्री को बुलवाया।
(iv)	अब दुकानदार की बारी आई।
(v)	इस बार गड़रिया ही उनके सामने पेश किया गया।
(vi)	दूसरा कोई भी तुम्हारा हरजाना नहीं देगा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. बकरी 2. ज्ञानी 3. गड़रिए का पड़ोसी 4. पानी डालने वाला 5. गड़रिया

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

सम्राट	-	राजा	बादशाह
पानी	-	नीर	जल
आदमी	-	नर	मानव
दिन	-	वार	दिवस

(ख) वचन बदलिए।

गड़रिया	-	गड़रिए		बकरी	-	बकरियाँ
दीवार	-	दीवारें		घड़ा	-	घड़े

(ग) विशेषण, विशेष्य का मिलान कीजिए।

न्यायी	राजा
होशियार	तेनाली
बड़ा	घड़ा

कमज़ोर	दीवार
बूढ़ी	बकरी

(घ) वाक्य बनाइए।

2. आजकल बालक गाना सुनते-सुनते पढ़ते हैं।
3. विदुषी खेल रही है।
4. वह चलती चली जा रही है।
5. रानी अच्छा बोलती है।
6. मज़दूर पानी पीकर लेट गया।

(ङ) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

कमज़ोर	–	कमजोरी	दोषी	–	दोष
कृपालु	–	कृपा	कठोर	–	कठोरता
सच्चा	–	सच्चाई	सुंदर	–	सुंदरता
अपराधी	–	अपराध	दु:खी	–	दु:ख

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 14 : गिल्लू (संस्मरण)

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गिलहरी का बच्चा किससे चिपटा पड़ा था?
   गिलहरी का बच्चा गमले से चिपटा पड़ा था।
2. गिलहरी के बच्चे का क्या नाम रखा गया?
   गिल्लू।
3. गिलहरी के बच्चे की आँखें कैसी दिखती थीं?
   गिलहरी के बच्चे की आँखें काँच के गोल मनको जैसी दिखती है।
4. गिल्लू का प्रिय खाद्य क्या था?
   काजू।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लेखिका गिल्लू को अपने कमरे में क्यों ले आई?
   लेखिका घायल गिल्लू को उपचार देने के उद्देश्य से अपने कमरे में ले आई।
2. गिल्लू लेखिका का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए क्या करता था?
   गिल्लू लेखिका का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए लेखिका के पैर तक आकर सर्र से परदे पर चढ़ जाता और उसी तेज़ी से उतर जाता था। उसका दौड़ने का यह क्रम तब तक चलता रहता था, जब तक लेखिका उसे पकड़ने के लिए न उठती थी।
3. गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आने पर लेखिका ने क्या किया?
   गिल्लू के जीवन का प्रथम वसंत आने पर बाहर की गिलहरियाँ उसकी ओर आकर्षित होने लगीं और गिल्लू भी जाली के पास बैठकर अपनेपन से उनको देखने लगा। अत: लेखिका ने कीलें निकाल कर जाली का एक कोना खोल दिया ताकि गिल्लू कमरे से बाहर जा सके।
4. गिल्लू लेखिका को चौंकाने के लिए क्या करता था?
   गिल्लू लेखिका को चौकाने के लिए कभी फूलदान के फूलों में छिप जाता, कभी परदे की चुन्नट में तो कभी सोनजूही की पत्तियों में।
5. ''गिल्लू इनमें अपवाद है'' लेखिका ने ऐसा क्यों कहा?
   ''गिल्लू इनमें अपवाद है'' लेखिका ने ऐसा कहा, क्योंकि गिल्लू उसके साथ उसकी थाली में भोजन करता था तथा ऐसा साहस उसके किसी भी अन्य पशु-पक्षी ने पहले नहीं दिखाया था।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. लेखिका को गिल्लू कहाँ तथा किस स्थिति में मिला? गिल्लू को जीवन देने के लिए क्या-क्या किया गया?
   लेखिका को गिल्लू अपने घर के आँगन में रखे गमले से चिपटा पड़ा मिला। कौए उसे उठाने की कोशिश कर रहे थे तथा वह लगभग बेहोशी की स्थिति में था। लेखिका उसे उठाकर अपने कमरे में ले गई। उन्होंने रूई से रक्त पोंछकर घावों पर पेनिसिलिन

का मरहम लगाया। फिर रूई की पतली बत्ती से उसे दूध पिलाने की कोशिश की गई। किंतु कई घंटे के उपचार के बाद ही उसके मुँह में एक बूँद पानी टपकाया जा सका। उसे स्वस्थ होने तीन-चार दिन लगे।

2. लेखिका की अस्वस्थता के दौरान गिल्लू ने क्या-क्या किया?
   लेखिका की अस्वस्थता के दौरान गिल्लू बहुत परेशान रहता था। कमरे का दरवाज़ा खुलते ही दौड़ते हुए झूले से नीचे आता तथा फिर किसी दूसरे को देखकर तेज़ी से अपने घोंसले में जा बैठता। सब उसे काजू दे जाते, किंतु वह उन्हें नहीं खाता था। या फिर बहुत कम खाता था। लेखिका के घर लौटने पर वह तकिए पर सिरहाने बैठकर अपने नन्हे-नन्हे पंजों से उनके सिर और बालों को हौले-हौले सहलाता रहता था। वह अक्सर उनके पास ही रहना पसंद करता था।
3. सही/गलत वाक्य बताइए।
   (i) सही (ii) गलत (iii) गलत (iv) सही (v) सही

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. कौए 2. नीला 3. काजू 4. चिक-चिक

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

निश्चेष्ट	–	सचेष्ट	सुलभ	–	असुलभ/दुर्लभ
लघु	–	विशाल	तीव्र	–	मंद
अद्‌भुत	–	साधारण	उष्णता	–	शीतलता
बचपन	–	बुढ़ापा	प्रथम	–	अंतिम

(ख) नीचे कुछ शब्द दिए गए है। इनमें अपनी ओर से प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइए।

विस्मय	–	विस्मित	परिचय	–	परिचित
फल	–	फलित	प्रकाश	–	प्रकाशित
सम्मान	–	सम्मानित	अपमान	–	अपमानित
सुंदर	–	सुंदरता	सफल	–	सफलता
मित्र	–	मित्रता	शत्रु	–	शत्रुता

(ग) अब, नीचे दिए गए वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

1. गिल्लू चिक-चिक कर रहा है।
2. बच्चे खेल रहे थे।
3. दादाजी दिल्ली जाएँगे।
4. पक्षी चहचहा रहे हैं।
5. रमा रोज मंदिर जाती थी।
6. बच्चे शोर मचाएँगे।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 15 : आ रही रवि की सवारी (कविता)

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. किसकी सवारी आ रही है?
   रवि की सवारी आ रही है।
2. बादलों को किसकी उपमा दी गई है?
   बादलों को अनुचरों की उपमा दी गई है।
3. रात का राजा किसे कहा गया है?
   रात का राजा चाँद को कहा गया है।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सूर्य चाँद को क्या देता है?
   सूर्य चाँद को अपना प्रकाश देता है।
2. नव-किरण, बादल-दल तथा पक्षी रवि की सवारी का स्वागत किस प्रकार करते हैं?
   नव-किरण रवि के रथ के रूप में सुसज्जित होते हैं। बादल स्वर्ण पोशाक धारण कर अनुचरों की भूमिका निभाते हैं तथा पक्षी रवि का कीर्ति-गान करते हैं।

3. सूर्य के उदय होने पर चाँद और तारों में क्या परिवर्तन दिखाई देते हैं?
सूर्य के उदय होने पर तारकों यानी तारों की फौज मैदान छोड़कर भाग जाती है। चाँद जो रात भर राजा की तरह था, अब भिखारी बनकर रास्ते में एक ओर खड़ा हो जाता है।
4. रवि की कीर्ति का गान कौन गा रहा है?
रवि की कीर्ति का गान पक्षी, बंदी तथा चारण गा रहे हैं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. इस कविता के आधार पर सूर्योदय का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
इस कविता में सूर्योदय के दृश्य को अत्यधिक सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया है। उगता हुआ सूर्य किरणों के रथ पर सवार होकर आता है। कलियाँ व फूल उसके मार्ग को सजाते हैं तथा बादल सुनहरी वस्त्र धारण करके उसके अनुचरों की भूमिका निभाते हैं। पक्षी, बंदी तथा चारण सूर्य का कीर्ति गान करते हैं एवं रात भर चमकने वाले तारे उसके प्रकाश में लुप्त हो जाते हैं। सूर्योदय के समय चाँद की स्थिति भी एक भिखारी जैसी हो जाती है। अर्थात् वह भी अपना अस्तित्व खो देता है।
2. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. नव-किरण के 2. चाँद

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

तारक	–	तारा	सितारा	नक्षत्र
सूर्य	–	रवि	भानु	सूरज
कुसुम	–	फूल	पुष्प	प्रसून
सेवक	–	नौकर	चाकर	सेवादार

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 16 : गोभी का फूल (व्यंग्य)

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बाबू हनुमान प्रसाद को क्या मर्ज था?
बाबू हनुमान प्रसाद को हरी-सब्ज़ी का मर्ज था।
2. उन्होंने लखनऊ से कौन सी चीज़ मँगवाई?
फूल गोभी।
3. लेखक ने गोभी के फूल कितने पैसे फूल के हिसाब से खरीदे ?
तीस पैसे प्रति फूल।
4. लेखक ने कुली को कितने रुपए दिए?
छह रुपए।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. हनुमान प्रसाद ने गोभी खरीदते समय वर्मा जी को कौन-कौन-सी सावधानियाँ बरतने की सलाह दी?
हनुमान प्रसाद ने गोभी के फूल खरीदते समय वर्मा जी को निम्नलिखित सावधानियाँ बरतने की सलाह दी-
(i) गठा हुआ फूल लीजिएगा, बिखरा हुआ फूल जल्दी खराब हो जाता है, क्योंकि उन पर झाँई पड़ जाती हैं।
(ii) गोभी वाले फूल से पत्ते निकाल लेते हैं। अतः ध्यान रखिएगा कि वे पत्ते न निकाल पाएँ।
(iii) फूल अच्छी तरह से झाड़कर लीजिएगा।
2. प्लेटफार्म पर टिकट चेकर ने कुली से क्या पूछा और क्यों?
प्लेटफार्म पर टिकट चेकर ने कुली से पूछा कि- सामान बुक करवा लिया है कि नहीं। टिकट चेकर ने सामान बुक करवाने के बारे में इसलिए पूछा, क्योंकि उसके अनुसार सामान ज्यादा दिखाई दे रहा था।
3. प्लेटफार्म पर गाड़ी आने पर क्या हुआ?
प्लेटफार्म पर गाड़ी आते ही मारा-मारी का दृश्य उत्पन्न हो गया। लोग डिब्बों के अंदर घुसने के लिए एक-दूसरे से संघर्ष करने लगे।
4. गाड़ी के डिब्बे में बैठे यात्रियों ने वर्मा जी को क्या सलाहें दीं?
गाड़ी के डिब्बे में बैठे यात्रियों ने वर्मा जी को कई तरह की सलाहें दीं। जैसे कि- साहब, सामान उधर ले जाइए। सामान को बेंच के नीचे कर दीजिए। साहब, सामान को ऊपर रख दीजिए, आदि।

5. इलाहाबाद तक पहुँचते-पहुँचते गोभी के फूल कैसे हो गए थे तथा क्यों?
इलाहाबाद तक पहुँचते-पहुँचते गोभी के फूल पूरी तरह से खराब हो गए थे, क्योंकि रास्ते भर उन पर पैर रखकर लोग गुजरते रहे थे।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. इस व्यंग्य के आधार पर हनुमान प्रसाद के व्यवहार की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
हनुमान प्रसाद एक ऐसा व्यक्ति था जो साग-सब्ज़ियों का आवश्यकता से अधिक शौकीन था। वह साग-सब्ज़ियाँ खरीदते समय बहुत अधिक सावधानियाँ बरतता था तथा सब्ज़ी वालों से वाद-विवाद किए बिना बाज नहीं आता था। अत: कोई भी सब्ज़ीवाला नहीं चाहता था कि वह उसकी दुकान से सब्ज़ी खरीदे। इसके अतिरिक्त उसे दूसरों को हिदायत देने की बुरी आदत भी थी। वह अवसर पाते ही लोगों को सब्ज़ियों को लेकर भाषण देना शुरू कर देता था। वह लोगों से अपना काम निकलवाने में माहिर था। उसके कारण कभी-कभी लोगों को हानि उठानी पड़ती थी। अत: लोग उससे बचकर रहना ही पसंद करते थे।
2. इलाहाबाद आने तक वर्मा जी अपने गोभी के झाबे को जी भरकर क्यों नहीं देख पाए?
जब वर्मा जी लखनऊ रेलवे स्टेशन पर गाड़ी में सवार हुए तब डिब्बा ठसाठस सवारियों से भरा हुआ था। ऐसी भीड़ में किसी प्रकार कुली की सहायता से ही वह जगह ले पाए थे। उनको गोभी का झाबा रखने की उचित जगह न मिल पाई तथा झाबा आने-जाने के रास्ते में ही रखना पड़ा। रास्ते में लोग उस पर से आते-जाते रहे तथा भीड़ के कारण झाबा लोगों के पैरों में ही पड़ा रहा। परंतु इलाहाबाद गाड़ी खाली हुई तो वर्मा जी को झाबा देखने का अवसर मिला।
3. आशय स्पष्ट कीजिए-
   (i) लेखक हनुमान प्रसाद के व्यवहार के बारे में अवगत कराते हुए कहता है कि सब्ज़ी बेचने वाले उन्हें देखते ही 'आइए बाबूजी' कहकर उनका स्वागत अवश्य करते थे, किंतु यह कोई नहीं चाहता था कि वह उसकी ही दुकान से सब्ज़ियाँ खरीदे, क्योंकि उसे उससे सब्ज़ियाँ बेचकर बहुत समय तक यह हिसाब लगाने में व्यस्त रहना पड़ता था कि कौन घाटे में रहा है तथा कौन नहीं।
   (ii) इस पंक्ति का आशय यह है कि जब लोगों की भीड़ जनता का रूप ले लेती है तो कोई किसी की बात नहीं सुनता। इसी कारण लेखक की बात भी किसी ने नहीं सुनी।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. हरी सब्ज़ी की 2. लखनऊ 3. तीस पैसे प्रति फूल 4. छह रुपए 5. इलाहाबाद के बाजार से

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

अच्छी	–	बुरी	खुबसूरत	–	बदसूरत
आग्रह	–	दुराग्रह	इनाम	–	सज़ा
समस्या	–	समाधान	भीतर	–	बाहर
कच्चा	–	पक्का	अच्छा	–	बुरा
नीचे	–	ऊपर	कठिन	–	सरल

(ख) स्वयं करें।

(ग) नीचे दिए गए वाक्यों के सामने उनके वाच्य लिखिए।

1. कर्तृवाच्य 2. कर्तृवाच्य 3. कर्मवाच्य 4. भाववाच्य 5. कर्मवाच्य 6. कर्तृवाच्य 7. भाववाच्य

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 17 : महक उठी फुलवारी (कहानी)

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बगीचा कहाँ स्थित था?
घर के पीछे।
2. बगीचे की क्या स्थिति थी?
बगीचा सूख गया था।
3. अनुपमा फूल किन्हें भेंट करती थी?
अनुपमा फूल अपने दोस्तों को भेंट करती थी।
4. अनुपमा ने मन बहलाने के लिए क्या किया?
अनुपमा ने मन बहलाने के लिए कॉमिक्स पढ़ी।

5. बगीचे का सबसे पुराना पेड़ कौन-सा था?
   गुलमोहर।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. अनुपमा को अपने बगीचे पर गुस्सा क्यों आया?
   अनुपमा को अपने बगीचे पर गुस्सा आया, क्योंकि बगीचे में कोई भी फूल नहीं खिल रहा था।
2. अमृता ने अनुपमा को क्या सलाह दी?
   अमृता ने अनुपमा को यह सलाह दी कि तुम्हारे बगीचे के पेड़-पौधे बूढ़े हो गए हैं। अत: उन्हें बदल देना चाहिए।
3. सांझ की मटमैली चादर में लिपटा बगीचा कैसा दिखाई दे रहा था?
   सांझ की मटमैली चादर में लिपटा बगीचा उदास दिखाई दे रहा था। बिना फूलों के मुरझाए हुए पौधे गहरे सन्नाटे में डूबे हुए थे।
4. गुलमोहर दादा ने क्या चिंता प्रकट की?
   गुलमोहर दादा ने यह चिंता प्रकट की कि आज़ इस ज़मीन पर हमारा अंतिम दिन है। आज के बाद हम हमेशा के लिए बिछुड़ जाएँगे।
5. गुलमोहर दादा की बातों का अनुपमा पर क्या प्रभाव पड़ा?
   गुलमोहर दादा की बातों का अनुपमा पर गहरा प्रभाव पड़ा तथा उसने अपने बगीचे की देखभाल करने का संकल्प कर लिया।
6. अनुपमा ने अपनी छुट्टियाँ कैसे बिताई?
   अनुपमा ने अपनी छुट्टियाँ बगीचे के पेड़-पौधों की देखभाल करते हुए बिताईं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. अनुपमा अपने बगीचे को लेकर दु:खी क्यों थी?
   बगीचा सूख गया था। अब उसमें एक भी फूल नहीं खिलता था। फूलों के बिना पेड़-पौधे बहुत अधिक कुरूप दिखाई देते थे तथा उनकी इसी स्थिति के कारण बगीचे में न तो तितलियाँ खेलती दिखाई देती थीं तथा न ही पक्षी चहचहाते हुए। इसी कारण अनुपमा के मन में अपने बगीचे के प्रति क्रोध उत्पन्न हो गया था तथा वह उसे लेकर बहुत दु:खी थी।
2. गुलमोहर दादा ने इंसान के स्वार्थ के बारे में क्या-क्या कहा?
   गुलमोहर दादा ने इनसान के स्वार्थ के बारे में कहा कि- हम पेड़-पौधे इनसान के लिए बहुत से काम करते हैं। जैसे कि उसे फल-फूल देते हैं। स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं। उसके जीवन को स्वस्थ बनाए रखने के लिए और भी बहुत-सी चीज़ें देते हैं। किंतु फिर भी इंसान अपने स्वार्थ के लिए हमें निर्दयता से काट डालता है।
3. इस पाठ के आधार पर पेड़-पौधों का महत्व बताइए।
   इस पाठ के आधार पर पेड़-पौधों का निम्नलिखित महत्व है-
   (i) पेड़-पौधों से हमें फल-फूल प्राप्त होते हैं।
   (ii) पेड़-पौधे साँस लेने के लिए स्वच्छ वायु देते हैं तथा वर्षा लाने में सहायक होते हैं।
   (iii) पेड़-पौधे प्रदूषण कम करके मनुष्य को स्वस्थ जीवन प्रदान करते हैं।
4. खाली स्थान भरिए।
   (i) सूखी (ii) दोस्तों (iii) टेनिस (iv) सायँ-सायँ (v) आठ, बगीचे
5. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. अमृता 2. खूबसूरत महकता बगीचा 3. गुलमोहर 4. अनुपमा 5. बगीचे की देखभाल में

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

बगीचा	–	उद्यान	उपवन	बाग
फूल	–	पुष्प	कुसुम	सुमन
पिता	–	बाप	जनक	पापा
पेड़	–	वृक्ष	तरु	पादप
पक्षी	–	खग	विहग	पंछी

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

खूबसूरत	–	बदसूरत	सूखा	–	गीला
खुशी	–	गमी	बूढ़ा	–	जवान
पुराना	–	नया	स्वार्थी	–	निस्सवार्थी
फायदा	–	नुकसान	अकाल	–	बाढ़
जीवन	–	मृत्यु	सपन्न	–	विपन्न

(ग) वर्ण-विच्छेद कीजिए।

बगीचा	–	ब् + अ + ग् + ई + च् + आ
स्वागत	–	स् + व् + आ + ग् + अ + त् + अ
खूबसूरत	–	ख् + ऊ + ब् + अ + स् + ऊ + र् + अ + त् + अ
अनुपमा	–	अ + न् + उ + प् + अ + म् + आ
गुलमोहर	–	ग् + उ + ल् + अ + म् + ओ + ह् + अ + र् + अ
फुलवारी	–	फ् + उ + ल् + अ + व् + आ + र् + ई
बागवानी	–	ब् + आ + ग् + अ + व् + आ + न् + ई

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 18 : कुंडलियाँ (कविता)

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बिना विचारे काम करने का क्या परिणाम होता है?
   बिना विचारे काम करने से काम बिगड़ जाता है।
2. बीती हुई बात भूलने का क्या लाभ है?
   बीती हुई बात को भूलने से आगे सबक मिल जाता है तथा काम गलत नहीं होता।
3. पहली तथा दूसरी कुंडली में क्या संबंध है?
   पहली तथा दूसरी कुंडली में यह संबंध है कि दोनों के माध्यम से काम करने का सही ढंग बताया गया है।
4. गुण का क्या महत्व है?
   गुण का यह महत्व है कि गुण की कदर सब लोग करते हैं।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. संसार किसी आदमी पर कब हँसता है तथा क्यों?
   संसार किसी आदमी पर उस समय हँसता है जब वह आदमी बिना विचार किए कोई काम करता है तथा वह काम बिगड़ जाता है। ऐसा आदमी लोगों की हँसी का पात्र बन जाता है।
2. जो काम सहज में बन जाए उसी पर ध्यान केंद्रित करने का क्या लाभ है?
   जो काम सहज में बन जाए उसी में ध्यान केंद्रित करने का यह लाभ है कि काम आसानी से बन जाता है तथा व्यक्ति लोगों की हँसी का पात्र बनने से बच जाता है।
3. तीसरी कुंडली में कवि ने क्या सलाह दी है?
   तीसरी कुंडली में कवि ने गुण तथा अवगुण का भेद समझाया है।

(ग) स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. सोच समझकर 2. गुणी के

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

जग	–	संसार	दुनिया	–	विश्व
सम्मान	–	मान	कदर	–	इज्जत
नर	–	मानव	मनुष्य	–	इनसान

(ख) स्वयं करें।

(ग) वर्ण-विच्छेद कीजिए।

कुंडलियाँ	–	क् + उ + ं + ड् + अ + ल् + इ + य् + आ + ँ
पछिताय	–	प् + अ + छ् + इ + त् + आ + य् + अ
कविराय	–	क् + अ + व् + इ + र् + आ + य् + अ

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

उत्तरमाला : हिंदी रीडर-7

पाठ 1 : प्रार्थना (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. 'चिर महान' से क्या तात्पर्य है?
   'चिर महान' से तात्पर्य उस मानव की महानता से है जो जन-कल्याण के लिए युगों तक जाना जाता है।
2. कवि किसके हित की बात कहता है?
   कवि मानव-हित की बात कहता है।
3. कवि किसके परित्राण या रक्षा की बात करता है?
   कवि मानव के परित्राण की बात करता है।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कवि ने संसार में चिर महान किसको कहा है?
   कवि ने सौंदर्य, सत्य तथा मानव के कल्याण की भावना से पूर्ण मनुष्य को चिर महान की संज्ञा दी है।
2. जीवन में भय, संशय और अंधभक्ति कैसे दूर होती है?
   जीवन में भय, संशय और अंधभक्ति ज्ञान रूप शक्ति के मिल जाने पर दूर होगी।
3. कवि स्वयं को किस रूप में देखना चाहता है?
   कवि स्वयं को मानव के रक्षक अथवा अखिल व्यक्ति के रूप में देखना चाहता है।
4. कवि ईश्वर से प्रकाश बनने की कामना क्यों करता है?
   कवि संसार से भय, संशय तथा अंधभक्ति को दूर करने के उद्देश्य से ईश्वर से ज्ञान रूपी प्रकाश बनने की कामना करता है।
5. कवि किसका प्रेमी बनना चाहता है?
   कवि मानव का हित या कल्याण करने वाले महामानव का प्रेमी बनना चाहता है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. कवि मनुष्य की रक्षा कैसे करना चाहता है?
   कवि मनुष्य के जीवन से व्यर्थ के भय, संशय तथा अंधभक्ति की विचारधारा को समाप्त करके उसको नवजीवन की राह पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करके तथा उसे आखिल मानव के रूप में स्थापित करके मनुष्य की रक्षा करना चाहता है।
2. कवि नए जीवन का सवेरा किस प्रकार लाना चाहता है?
   कवि मनुष्य के मन में विद्यमान भय, संशय तथा अंधभक्ति को समाप्त करके उसे सत्य तथा जन-कल्याण की राह पर चलने के लिए प्रेरित करना चाहता है, अर्थात् कवि मनुष्य को लोक-कल्याण की खातिर कार्य करने तथा समस्त मानव जाति को सुखी बनाने की भावना को मानव हृदय में रोपित करके संसार में नवजीवन का सवेरा लाने की चाह रखता है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. संसार 2. ईश्वर 3. मानव का

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

जीवन	×	मरण		महान	×	तुच्छ
पूर्ण	×	अपूर्ण		सत्य	×	असत्य
प्राण	×	निष्प्राण		मानव	×	दानव
प्रकाश	×	अंधकार		सुंदर	×	कुरूप

(ख) इनका उचित मिलान कीजिए।

जग	-	संसार	दुनिया	विश्व
मानव	-	मनुष्य	मनुज	मनु
नाथ	-	ईश्वर	परमात्मा	भगवान
विहान	-	सवेरा	प्रात:	उषा

(ग) वर्णों को जोड़कर शब्द लिखिए।

जीवन	मानव	अंधभक्ति
कल्याण	विहान	नवजीवन

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 2 : सुभागी (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. रामू कैसा लड़का था?
   रामू आलसी तथा कामचोर था।
2. हरिहर ने सुभागी को क्या समझाया?
   हरिहर ने सुभागी को दूसरी शादी करने के लिए समझाया।
3. सजन सिंह कौन था?
   सजन सिंह गाँव का मुखिया था।
4. तुलसी महतो की तेरहवीं पर सुभागी ने कितने रुपए खर्च किए?
   तीन हज़ार रुपए।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. शादी की बात करने पर सुभागी क्या कहती थी?
   शादी की बात करने पर सुभागी कहती थी कि उसका मन शादी करने की इच्छा नहीं रखता है। अत: उससे शादी करने की बात न कही जाए। वह अपने जीवन को बिना किसी का सहारा लिए अपने श्रम के बल पर व्यतीत कर लेगी।
2. सुभागी के बारे में गाँव के लोग क्या कहते थे?
   गाँव के लोग सुभागी के बारे में यह कहते थे कि वह लड़की नहीं, बल्कि देवी है। दो मर्दों का काम भी करती है तथा माँ-बाप की सेवा भी किए जाती है। ऐसी लड़की जिस घर में बहू बनकर जाएगी उसके तो भाग्य ही खुल जाएँगे।
3. तुलसी महतो के परिवार का बँटवारा क्यों हुआ?
   रामू बड़ा ही कामचोर तथा आलसी था। जबकि सुभागी अत्यधिक मेहनती और स्वाभिमानी लड़की थी। वह घर तथा खेत के सारे काम करने के साथ-साथ माता-पिता की सेवा भी करती थी। वह माता-पिता को तिनका तक न उठाने देती थी। इसी कारण रामू के मन में बहन के लिए ईर्ष्या भर गई थी। उसकी ईर्ष्या के कारण ही घर में कलह उत्पन्न हुआ एवं अंत में घर का बँटवारा हो गया।
4. सुभागी ने अपने माँ-बाप का क्रियाकर्म कैसे किया?
   सुभागी ने अपने माँ-बाप का क्रिया-कर्म बड़े ही अच्छे ढंग से किया। सारे गाँव को भोज करवाया तथा अन्य सभी रस्में बड़े ही अच्छे ढंग से पूरी की।
5. रामू तथा उसकी स्त्री का माँ-बाप के प्रति कैसा व्यवहार था?
   रामू तथा उसकी स्त्री का माँ-बाप के प्रति बड़ा ही कठोर व्यवहार था। उन्हें माँ-बाप के सुख-दु:ख की कोई चिंता न थी। रामू ने अपने बेटे होने का कभी कोई कर्तव्य नहीं निभाया। यहाँ तक कि पिता की बीमारी तथा मृत्यु की खबर सुनकर भी वह उनको देखने तक नहीं गया।
6. अंत में सजन सिंह ने सुभागी के सामने क्या प्रस्ताव रखा?
   अंत में सजन सिंह ने सुभागी के सामने यह प्रस्ताव रखा कि वह उसके बेटे से विवाह कर ले।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न!

1. सुभागी का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।
   सुभागी गाँव की एक अति परिश्रमी, स्वाभिमानी तथा समझदार लड़की थी। उसमें जीवन को अपने बल पर जीने की भावना तथा दृढ़ इच्छा शक्ति थी। रामू तथा उसकी पत्नी के बार-बार के तानों के बावजूद उसने हिम्मत नहीं हारी। दो मर्दों का काम अकेली करती तथा साथ ही माता-पिता की सेवा भी करती। उसने माता-पिता के प्रति वे कर्तव्य भी बड़ी ही लगन से निभाए जो एक पुत्र को निभाने चाहिए। उसके इन्हीं गुणों को देखकर गाँव वालों ने उसे देवी का दर्जा दिया तथा उसकी खूब प्रंशसा की। अत: हम कह सकते हैं कि सुभागी एक हिम्मती, परिश्रमी, स्वाभिमानी, उदार तथा नेक लड़की थी।

2. 'बँटवारा होते ही महतो और लक्ष्मी को मानो पेंशन मिल गई।' बताइए, कैसे?
बँटवारे वे बाद सुभागी ने माता-पिता की सेवा करने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। वह उनको कोई भी काम नहीं करने देती थी। इस कारण अब उन्हें पूरा विश्राम मिल गया था। समय पर भोजन मिलता था और पीने के लिए खूब दूध प्राप्त होता था। अब उनके लिए केवल खाना-पीना तथा आराम करना ही शेष रह गया था। इसी आधार पर कहा जा सकता है कि बँटवारे के बाद महतो और लक्ष्मी को मानो पेंशन मिल गई थी।

3. पुत्र को रत्न समझा था, लड़की को पूर्व जन्म के पापों का दंड। वह रत्न कितना कठोर निकला और वह दंड कितना मंगलमय। क्या आप बता सकते हैं कि तुलसी महतो की इन पंक्तियें का क्या आशय है?
तुलसी महतो की इन पंक्तियों का यह आशय है कि जब उनका बेटा रामू पैदा हुआ था तब वह बड़ा ही खुश हुआ था तथा उसने पुत्र यानी बेटे को रत्न के समान समझा था। इसके विपरीत बेटी यानी सुभागी का जन्म हुआ तो उन्होंने उसे लड़की होने के नाते अपने पिछले जन्म के पापों की सजा माना था। किंतु आज अपने बुरे वक्त में उसे पता चल गया था कि उसका वह बेटा अर्थात् रत्न कितना कठोर और उसका वह दंड कितना शुभकारी है। अन्य शब्दों में पुत्र को रत्न समझना तथा पुत्री को पूर्व जन्म के पापों का फल समझना उसकी भूल थी।

4. पाठ के आधार पर रिक्त स्थान भरिए-
(i) विधवा (ii) अँगुल (iii) सज्जन (iv) पेंशन (v) व्रत

5. किसने, किससे और क्यों कहा लिखिए-
(i) रामू ने तुलसी महतो से कहा, क्योंकि वह सुभागी से ईर्ष्या करता था।
(ii) सजन सिंह ने रामू से कहा, क्योंकि वह रामू को समझाना चाहता था।
(iii) लक्षमी ने सुभागी से कहा, क्योंकि वह चाहती थी कि बेटी को भी दूध पीना चाहिए।
(iv) तुलसी महतो ने सजनसिंह से कहा, क्योंकि वह मृत्यु के निकट आ पहुँचा था
(v) सजन सिंह ने सुभागी से कहा, क्योंकि वह उसको अपने पुत्र से विवाह करने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. आवारा 2. मुखिया था 3. रत्न 4. पाँच हज़ार रुपए 5. सजन सिंह

भाषा से

(क) इन तद्भव शब्दों के तत्सग रूप लिखिए-

निभाह	गृह
कार्य	ग्राम
दंत	कर्ण
मुख	पुत्री

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

कामचोर	×	कर्मठ	रात	×	दिन
बाहर	×	भीतर	इंसाफ	×	बेइंसाफी
मुश्किल	×	आसान	जन्म	×	मृत्यु
सज्जन	×	दुर्जन	इच्छा	×	अनिच्छा
दंड	×	पुरस्कार	अबला	×	सबला

(ग) भावबाचक संज्ञाएँ बनाइए।

निपुणता	भाईचारा
आदमियत	सज्जनता
अच्छाई	मित्रता
लड़ाई	प्रसन्नता

(घ) उपसर्ग अलग करके लिखिए तथा उनसे दो-दो शब्द बनाइए।

निर्	निर्गुण	निर्जल
सु	सुफल	सुपुत्र
भर	भरझोली	भरपूर
बद	बदकार	बदजात
बे	बेकार	बेअदब

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 3 : इब्राहम गार्दी (संवाद)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पानीपत का तीसरा युद्ध कब लड़ा गया?
   सन् 1761 में।
2. इब्राहिम गार्दी कौन था?
   मराठों का सेनापति।
3. युद्ध में किसकी जीत हुई?
   अहमदशाह अब्दाली।
4. शुजाउद्दौला कौन था?
   अवध का नवाब।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. अहमदशाह अब्दाली ने दूत को कहाँ और क्यों भेजा?
   अहमदशाह अब्दाली ने दूत को शुजाउद्दौला के पास भेजा ताकि वह इब्राहिम गार्दी को उनके सामने पेश करे।
2. शुजाउद्दौला ने दूत को क्या समझाने का प्रयास किया?
   शुलाउद्दौला ने दूत को यह समझाने के लिए प्रयास किया कि इब्राहिम गार्दी घायलावस्था में है। अत: उसके घावों के भर जाने पर ही शाह के सामने पेश करना उचित रहेगा।
3. अहमदशाह अब्दाली ने गार्दी को तोबा करने के लिए क्यों मजबूर किया?
   अहमदशाह अब्दाली ने गार्दी को तोबा करने के लिए मजबूर करना चाहा, क्योंकि उसकी दृष्टि में गार्दी ने इस्लाम धर्म के विपरीत कर्म किए थे।
4. अब्दाली के प्रलोभन का गार्दी ने क्या उत्तर दिया?
   अब्दाली के प्रलोभन का गार्दी ने यह उत्तर दिया कि अगर छूट गया तो फिर से पलटने तैयार करूँगा तथा फिर पानीपत के मैदान में अपने उन अरमानों को निकालूँगा जिन्हें आज न निकाल पाया।
5. अपने अंतिम समय में गार्दी ने चीख-चीखकर क्या कहा?
   अपने अंतिम समय में गार्दी ने चीख-चीखकर कहा कि - हम हिंदू-मुसलमानों की मिट्टी से ऐसे सूरमा पैदा होंगे जो वहशियों और जालिमों का नामो-निशान मिटा देंगे।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. इब्राहिम का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।
   इब्राहिम गार्दी का चरित्र अत्यंत श्रेष्ठ तथा प्रशंसनीय था। वह जितना अधिक वीर तथा साहसी था, उतना ही अधिक उदार, समझदार तथा राष्ट्रभक्त व्यक्ति भी था। उसे धर्म तथा मानवता की सच्चाई का ज्ञान तो था ही, साथ ही विविध प्रकार के सैन्य तथा अन्य कार्यों का भी विशेष अनुभव था। उसमें राष्ट्र के प्रति अगाध तथा अटूट प्रेम विद्यमान था, इसीलिए तो उसने अहमदशाह अब्दाली के प्रलोभन को ठुकरा दिया तथा भारत पर यानी अपनी मातृभूमि पर कुर्बान हो गया। उसकी कुर्बानी सदैव सभी भारतीयों की प्रेरणा बनी रहेगी।
2. इब्राहिम गार्दी एक सच्चा मुसलमान, एक सच्चा मनुष्य तथा एक सच्चा राष्ट्रभक्त था। क्या आप बता सकते है कि कैसे?
   इब्राहिम गार्दी एक सच्चा मुसलमान था। इस बात का प्रमाण उनका पाँचों वक्त नमाज पढ़ना तथा सच्चे मुसलमान की भाँति मानवता तथा अपने मुल्क से प्राणों से अधिक प्रेम करना है। इसके अतिरिक्त वह एक सच्चा इनसान तथा सच्चा राष्ट्रभक्त भी था। इसकी जानकारी हमें उस समय मिल जाती है जब अहमदशाह अब्दाली के हर प्रलोभन को ठुकरा कर वह भारत या हिंदुस्तान अथवा अपनी मातृभूमि के प्रति विशेष प्रेम तथा वफादारी दिखाता है और अंत में उसी की खातिर अपने प्राण त्याग देता है।

3. इस संवाद से आपने क्या शिक्षा प्राप्त की? अपने शब्दों में लिखिए।

इस संवाद से हमने यह शिक्षा प्राप्त की कि भले ही हमारा कोई धर्म क्यों न हो, हमारे लिए अपना देश अथवा अपनी मातृभूमि ही सर्वोपरि होती है। अपनी मातृभूमि से गद्दारी करना अपने धर्म के खिलाफ चलना है तथा अपनी मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की बलि देना अपने धर्म का गौरव बढ़ाना है। अन्य शब्दों में यह भी कहा जा सकता है कि अपने राष्ट्र की सच्ची सेवा करना उसके प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है, भले ही उसका कोई भी धर्म हो।

4. आशय स्पष्ट कीजिए।

(i) गार्दी एक सच्चे मुसलमान का कर्तव्य बताते हुए कहता है कि जो मुसलमान अपने देश से गद्दारी करे अथवा देश को बर्बाद करने वाले विदेशी आक्रमणकारी का साथ दे, उसे सच्चा मुसलमान कहा ही नहीं जा सकता।

(ii) गार्दी बुत पूजा के नाम पर कहता है कि मैं एक ऐसी मूर्ति की पूजा करता हूँ जिसकी छवि मेरे हृदय में बसी हुई है तथा जिसका ख्याल बड़ा ही सुखदायी है।

(iii) गार्दी तोबा के प्रश्न का उत्तर देते हुए कहता है कि देश पर शहीद होने वाले को तोबा की ज़रूरत नहीं होती, तोबा की ज़रूरत तो उन जालिमों को होती है जो कैदियों, घायलों और निहत्थे लोगों के कत्ल करते हैं।

5. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. शुजाउद्दौला 2. दस हज़ार 3. 1761 में 4. विश्वास राव 5. तोबा

भाषा से

(क) विपरीतार्थक शब्द लिखिए।

युद्ध	×	संधि	भीतर	×	बाहर
घृणा	×	प्रेम	क्रोध	×	शांति
आग्रह	×	दुराग्रह	मीठा	×	कड़वा
नौकर	×	मालिक	खूबसूरत	×	बदसूरत
गद्दार	×	वफादार	प्रसन्न	×	अप्रसन्न

(ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

युद्ध	–	लड़ाई	रण	मिट्टी	–	मृदा माटी
शागिर्द	–	शिष्य	चेला	प्रसन्नता	–	खुशी हर्ष
पानी	–	जल	नीर	खूबसूरत	–	सुंदर रमणीय

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम ढूँढ़िए तथा उनके भेद सहित लिखिए।

1. मैं – उत्तम पुरुष
2. वह – अन्य पुरुष
3. हमें – उत्तम पुरुष
4. तुम – मध्यम पुरुष
5. उसको – अन्य पुरुष
6. मुझे – उत्तम पुरुष

(घ) वर्ण-विच्छेद् कीजिए।

शुजाउद्दौला – श् + उ + ज् + आ + उ + द् + द् + औ + ल् + आ
निजाम – न् + इ + ज् + आ + म् + अ
मुसलमान – म् + उ + स् + अ + ल् + अ + म् + आ + न् + अ
बदज़बान – ब् + अ + द् + अ + ज् + अ + ब् + आ + न् + अ
इतिहास – इ + त् + इ + ह् + आ + स् + अ

(ङ) विशेषण-विशेष्य का मिलान कीजिए।

भयंकर	युद्ध	सच्चा	मुसलमान
क्रूर	अब्दाली	फ्रांसीसी	तहजीब
वीर	सैनिक	अँधेरी	रात
घायल	गार्दी	कुपित	स्वर
घृणित	कार्य	अंतिम	श्वास

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 4 : बगिया में छिपा स्वास्थ्य (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पत्रिका में क्या छपा था?
   पत्रिका में एक व्यक्ति का आश्चर्यजनक आत्म-कथन छपा था।
2. डॉक्टरों के अनुसार व्यक्ति का जीवन कितना शेष बचा था?
   डॉक्टरों के अुनसार व्यक्ति का जीवन छह मास शेष बचा था।
3. व्यक्ति का क्या शौक था?
   व्यक्ति को बागबानी का शौक था?
4. रोगों का मूल करण किसमें छिपा है?
   रोगों का मूल कारण हमारे मानसिक उद्‌वेगों में छिपा है।
5. वनस्पति का हरा रंग मन को क्या देता है?
   वनस्पति का हरा रंग मन को राहत देता है।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कैंसर से पीड़ित व्यक्ति ने क्या निर्णय लिया?
   कैंसर से पीड़ित व्यक्ति को बागबानी करने का शौक था। अत: उसने गुलाब के पौधे उगाने का निर्णय लिया।
2. व्यक्ति किस कार्य में व्यस्त रहता था?
   व्यक्ति गुलाब के पौधों की देखभाल करने अर्थात् उनकी निराई, गुड़ाई, जंगली कुटाव हटाना, छँटाई करना, पानी और खाद देना, कीटनाशक छिड़कना, थाले बनाना आदि कार्यों में व्यस्त रहता था।
3. डॉक्टर ने परीक्षण के उपरांत क्या पाया?
   डॉक्टर ने परीक्षण के उपरांत पाया कि व्यक्ति के शरीर में विद्‌यमान कैंसर की गाँठ लगभग समाप्त हो चुकी थी एवं अब व्यक्ति पूर्णत: स्वस्थ था।
4. शरीर की अंत: स्रावी क्रियाओं को अस्त-व्यस्त क्या करता है?
   विविध प्रकार के मानसिक उद्‌वेग, जैसे कि चिंता, क्रोध, घृणा, प्रतिशोध की इच्छा, निराशा आदि हमारे शरीर की अंत: स्रावी क्रियाओं को अस्त-व्यस्त करते हैं।
5. हमें मानसिक उद्‌वेगों पर नियंत्रण क्यों रखना चाहिए?
   हमें अपने शरीर में विद्‌यमान अंत: स्रावी ग्रंथियों की कार्यप्रणाली को सही तथा दुरुस्त बनाए रखने के उद्‌देश्य से अपने मानसिक उद्‌वेगों पर नियंत्रण रखना चाहिए।
6. प्रख्यात विचारक ब्रर्ट्रेड रसेल का कथन लिखिए।
   प्रख्यात विचारक ब्रर्ट्रेड रसेल का कथन है - मैं किसी बुद्‌धिजीवी से एक घंटा चर्चा करूँ तो ऐसे लगने लगता है कि अब दुनिया का बेड़ा गर्क होने से रोका नहीं जा सकता। लेकिन अपने बगीचे के माली के साथ आधा घंटा लगाने पर मुझे लगता है कि नहीं, भविष्य आशापूर्ण है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. कैंसर से पीड़ित व्यक्ति ने बगीचे में क्या-क्या कार्य किए?
   कैंसर से पीड़ित व्यक्ति ने बगीचे में खड़े गुलाब के पौधों की देखभाल के उद्‌देश्य से बहुत-से कार्य किए। जैसेकि निराई, गुड़ाई करना, जंगली फुटाव हटाना, छँटाई करना, पौधों में खाद एवं पानी देना, उन पर कीटनाशक छिड़कना, थाले बनाना, सूखे फूल हटाना आदि।
2. बागबानी के कारण व्यक्ति के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव दिखाई पड़े?
   बागबानी के कारण व्यक्ति के स्वास्थ्य पर कई तरह के सकरात्मक प्रभाव दिखाई दिए। जैसेकि उसके रोग में किसी तरह की वृद्‌धि नहीं हुई, बल्कि उलटे वह पहले से अधिक स्वस्थ महसूस करने लगा। अपनी इसी सुधरी हुई स्थिति को मध्य नज़र रख वह व्यक्ति जाँच के लिए डॉक्टर के पास जा पहुँचा। डॉक्टर ने जाँच के दौरान पाया कि व्यक्ति लगभग स्वस्थ हो गया है, क्योंकि उसकी कैंसर की गाँठ बहुत कम हो चुकी थी।

3. व्यक्ति की संवेदनाओं का उसके स्वास्थ्य से क्या संबंध है?

व्यक्ति की संवेदनाओं का उसके स्वास्थ्य से गहरा संबंध होता है, क्योंकि उसकी संवेदनाएँ उसके शरीर में मौजूद अंत: स्रावी ग्रंथियों की कार्य प्रणाली पर गहरा असर दिखाती हैं। चिंता, क्रोध, घृणा, प्रतिशोध की इच्छा, निराशा आदि भावनाएँ हमारी अंत: स्रावी ग्रंथियों की स्वाभाविक क्रियाओं को विकृत कर देती हैं तथा परिणामस्वरूप हमारा शरीर कई प्रकार के घातक रोगों का शिकार बन जाता है।

4. 'वाटिका-चिकित्सा' के बारे में विस्तार से बताइए।

आजकल कुछ अस्पतालों में वाटिका चिकित्सा पर शोध अथवा परीक्षण किए जा रहे हैं। इस चिकित्सा प्रणाली के तहत विविध प्रकार के वृक्ष एवं बहुवर्णी पुष्पों वाले पौधे लगाए जाते हैं। ऐसा विशेषत: मरीजों वे वार्डों की खिड़कियों के सामने किया जाता है। वनस्पति के समीप रहने से शरीर में ऐसे जैव द्रव्य या रसायन उत्पन्न होते हैं जो रोगों का शमन करते हैं।

5. सही गलत लिखिए।

(i) सही (ii) गलत (iii) गलत (iv) सही (v) गलत

6. खाली स्थान भरिए-

(i) लॉन (ii) सुख, संतोष (iii) मनोवृत्तियों (iv) राहत (v) मरणासन्न

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. दस साल 2. बागबानी 3. पाँच सौ 4. बुरा 5. शांत 6. बासी भात

भाषा से

(क) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

बीमारी	-	बीमारियाँ	क्रिया	-	क्रियाएँ
चिंता	-	चिंताएँ	ग्रंथी	-	ग्रंथियाँ
पौधा	-	पौधे	इच्छा	-	इच्छाएँ
घड़ी	-	घड़ियाँ	वनस्पति	-	वनस्पतियाँ
गाथा	-	गाथाएँ	बगीचा	-	बगीचे

(ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

बगीचा	-	उद्यान	उपवन	बाग
व्यक्ति	-	मनुष्य	आदमी	नर
फूल	-	पुष्प	प्रसून	सुमन
पेड़	-	तरु	पादप	वृक्ष
सुंदर	-	रमणीय	मनोहर	खूबसूरत
इच्छा	-	कामना	चाह	आकांक्षा

(ग) वर्ण-विच्छेद कीजिए।

बागबानी - ब् + आ + ग् + अ + ब् +आ + न् + ई

बीमारी - ब् + ई + म् + आ + र् + ई

चमत्कार - च् + अ + म् + अ + त् + क् + आ + र् + अ

वनस्पति - व् + अ + न् + अ + स् + प् + अ + त् + इ

सामंजस्य- स् + आ + म् + अ + ं + ज् + अ + स् + य् + अ

शारीरिक - श् + आ + र् + ई + र् + इ + क् + अ

(घ) उचित मिलान कीजिए।

मौत	जिंदगी
शौक	आदत
बनाना	बिगाड़ना
सुंदर	कुरूप
सिद्ध	असिद्ध
घृणा	प्रेम

(ङ) प्रत्यय अलग करके लिखिए।

इक	इक
ता	ई
इत	ई
तर	ता

(च) उचित विशेषण लिखिए।

ठंडी हवा	सुखी	जीवन
छोटा बालक	शांत	चित्त
हरी घास	नीला	आसमान
वफादार सेवक	सफेद	कागज
ईमानदार आदमी	पीला	पक्षी
स्वादिष्ट भोजन	सुंदर	चेहरा

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 5 : झाँसी की रानी की समाधि (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. रानी लक्ष्मीबाई ने किससे युद्ध लड़ा?
   रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों से युद्ध लड़ा।
2. लक्ष्मीबाई कहाँ की रानी थी?
   लक्ष्मीबाई झाँसी की रानी थी।
3. वीर का मान कब बढ़ता है?
   वीर का मान युद्ध में शहीद होने पर बढ़ता है।
4. लक्ष्मीबाई किसके समान ताकतवर थी?
   लक्ष्मीबाई मर्द के समान ताकतवर थी।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. 'भग्न विजयमाला-सी' का क्या आशय है?
   भग्न विजमाला-सी से यह आशय है- विजय रूपी टूटकर बिखरी हुई माला के समान।
2. रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेज़ों के साथ युद्ध क्यों किया?
   रानी लक्ष्मीबई ने देश को स्वतंत्र कराने के लिए अंग्रेज़ों के साथ युद्ध किया।
3. रानी लक्ष्मीबाई की समाधि उनसे भी प्यारी क्यों है?
   रानी लक्ष्मीबाई की समाधि उनसे भी प्यारी है, क्योंकि यह उनकी वीरता तथा कुर्बानी की गाथा को दोहराती है तथा हमें राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा प्रदान करती है।
4. कवयित्री ने समाधि को उनकी अंतिम लीला स्थली क्या कहा?
   कवयित्री ने समाधि को उनकी अंतिम लीला स्थली कहा, क्योंकि यहीं पर अंग्रेज़ों के साथ युद्ध लड़ते हुए वह शहीद हो गई थीं।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. कवयित्री रानी लक्ष्मीबाई को 'मरदानी' की संज्ञा देकर क्या बताना चाहती हैं?
   कवयित्री रानी लक्ष्मीबाई को मरदनी की संज्ञा देकर यह बताना चाहती हैं कि वह पुरुष यानी मर्द के समान वीर तथा साहसी थीं। उन्होंने युद्ध के मैदान में अपनी वीरता तथा दिलेरी का ठीक उसी तरह परिचय दिया, जैसे कि कोई श्रेष्ठ योद्धा अपनी वीरता एवं साहस का प्रदर्शन करता है।

2. रानी लक्ष्मीबाई के जीवन का अंत कैसे हुआ?
रानी लक्ष्मीबाई अंग्रेज़ों के साथ बड़ी ही वीरता एवं साहस के साथ लड़ी। वह युद्ध भूमि में अपनी पूरी ताकत से लड़ी, किंतु भाग्य ने उसका साथ नहीं दिया। अंत में वह अंग्रेज़ों के हाथों घायल हो गई तथा लड़ते-लड़ते ही वीर गति को प्राप्त हुई।

3. आशय स्पष्ट कीजिए।
(i) कवयित्री रानी लक्ष्मीबाई की वीरता का परिचय देते हुए कहती है कि वह युद्ध भूमि लड़ते-लड़ते यहीं कहीं टूटी हुई विजय रूपी माला के समान टूटकर बिखर गई। उस माला के फूल उनकी इसी समाधि में संचित हैं तथा समाधि उनकी समृतिशाला के समान है।
(ii) कवयित्री युद्ध भूमि में लड़ने वाले वीरों को संबोधित करते हुए कहती है कि जो वीर युद्ध भूमि में लड़ते-लड़ते शहीद हो जाता है उसका मान-सम्मान उसी प्रकार बढ़ जाता है, जिस तरह से सोने से बनी सोने की भस्म उससे अधिक मूल्यवान हो जाती है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. 1857 में 2. राख 3. मान 4. स्वतंत्रता

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

स्वतंत्रता	–	परतंत्रता	लघु	–	महान
अंतिम	–	पहला	फूल	–	काँटा
वीर	–	कायर	मान	–	अपमान
आशा	–	निराशा	चढ़ी	–	उतरी

(ख) समूहवाची शब्द लिखिए।

1. टुकड़ी 2. सभा 3. समूह 4. मंडली 5. माला 6. पुंज

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 6 : पारसमणि (निबंध)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मनुष्य को पेड़ के नीचे क्या मिला?
हीरा।
2. पाठ की शुरुआत में किसकी रचना का वर्णन है?
रवींद्रनाथ टैगोर।
3. आदम के सामने कौन बैठा था?
देवदूत।
4. सारी दुनिया को कौन जीत सकता है?
सेवक।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. मनुष्य ने हीरे को नदी में क्यों फेंका?
मनुष्य ने हीरे को नदी में इसलिए फेंका, क्योंकि वह हीरे से भी कीमती चीज़ प्राप्त करना चाहता था।
2. हमारे धर्म ग्रंथों में क्या कहा गया है?
हमारे धर्म-ग्रंथों में कहा गया है कि इस दुनिया में सबसे दुर्लभ वस्तु मनुष्य का शरीर है।
3. अमेरिका में लोग नींद की दवा का सेवन क्यों करते हैं?
अमेरिका में लोग नींद की दवा का सेवन करते हैं, क्योंकि उनको स्वाभाविक रूप से नींद नहीं आती। उनका जीवन सहज नहीं, बल्कि उलझन भरा है।
4. संसार की सबसे दुर्लभ वस्तु मनुष्य का शरीर है। बताइए, कैसे?
संसार की सबसे दुर्लभ वस्तु मनुष्य के शरीर को माना गया है, क्योंकि उसके पास बुद्धि और विवेक है जिसके बल पर वह मनचाही उन्नति कर सकता है।

5. गाँधी जी ने सेवा धर्म के बारे में क्या कहा है?
गाँधी जी ने सेवा धर्म के बारे में यह कहा है कि यही अहिंसा एवं सत्य की बुनियाद है। सेवा धर्म का पालन किए बिना, मैं अहिंसा धर्म का पालन नहीं कर सकता और अहिंसा धर्म का पालन किए बिना मैं सत्य की खोज नहीं कर सकता।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. रवींद्रनाथ की रचना को अपने शब्दों में लिखिए।
रवींद्रनाथ की रचना इस प्रकार है- एक मनुष्य को रात में भगवान दिखाई दिए। भगवान ने उसे एक साधु से मिलने तथा उससे हीरा प्राप्त करने के बारे में कहा। मनुष्य को भगवान की बात पर विश्वास हो गया। वह अगले दिन भगवान द्वारा बताए गए स्थान पर पहुँचा तो उसे सचमुच एक साधु मिल गया। उसने साधु को भगवान की इच्छा बताई। साधु ने उससे नदी के किनारे खड़े पेड़ के नीचे से हीरा उठाने की आज्ञा दी। मुनष्य उस पेड़ के पास गया तो उसे सचमुच वहाँ एक बड़ा हीरा पड़ा मिला। किंतु मनुष्य ने हीरे से भी मूल्यवान वस्तु को पाने का विचार मन में करके उस हीरे को नदी में फेंक दिया।
2. अबू बिन आदम तथा देवदूत के बीच क्या-क्या बातें हुईं?
अबू बिन आदम ने देवदूत से पूछा कि- ''आप क्या लिख रहे हैं?''
उसने जवाब दिया- ''मैं उन लोगों के नाम लिख रहा हूँ जो भगवान को प्यारे हैं।''
आदम फिर बोला- ''भैया, मेरा नाम उन लोगों में लिख लेना जो मानव की सेवा करते हैं।''
3. गाँधी जी ने जीवन का आनंद पाने के लिए क्या-क्या किया?
गाँधी जी ने जीवन का आनंद पाने के लिए सेवा धर्म का पालन किया। वह बिना किसी स्वार्थ के दूसरों की सेवा करते थे। उन्होंने सेवा धर्म को अहिंसा एवं सत्य की बुनियाद माना तथा जीवन भर सत्य एवं अहिंसा धर्म का पालन किया।
4. आशय स्पष्ट कीजिए-
   (i) किसी विद्वान ने बिलकुल सही कहा कि जिस आदमी के पास केवल धन है उससे अधिक गरीब कोई अन्य नहीं है। एक बड़े ही महान आदमी ने बहुत अच्छी बात यह कही है कि मुझसे बड़ा धनी व्यक्ति कोई नहीं, क्योंकि मैं भगवान के अलावा किसी का भी दास नहीं हूँ।
   (ii) गाँधी जी अपने मन के विचार प्रकट करते हुए कहते हैं कि जो आनंद जीवन की सादगी में है, वह धन-दौलत अथवा पैसे की जिंदगी में नहीं है। यदि गाँधी जी चाहते तो अच्छी-खासी कमाई कर सकते थे। अर्थात् खूब रुपया-पैसा अर्जित कर सकते थे। किंतु अगर वह इस ओर ध्यान देते तो वह महात्मा के रूप में कभी नहीं जाने जाते।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. भगवान 2. पेड़ के नीचे 3. सादगीपूर्ण 4. मानव शरीर को 5. दूसरों में बुराइयाँ निकालना

भाषा से

(क) उचित मिलान कीजिए।

रात	-	रजनी	निशा	रात्रि
मनुष्य	-	आदमी	मानव	मनुज
पेड़	-	वृक्ष	तरु	पादप
शरीर	-	तन	देह	काया
नदी	-	सरिता	तटिनी	तरंगिणी
सूरज	-	सूर्य	रवि	भानु

(ख) इनके विशेषण बनाइए।

दैनिक	धनी
सादा	बुरा
कीमती	शारीरिक
आंनदित	बौद्धिक

(ग) अनेकार्थी शब्द लिखिए।

हार	-	माला	पराजय
दंड	-	सजा	छड़
तीर	-	बाण	किनारा
पर	-	पंख	परंतु
पत्र	-	पत्ता	चिट्ठी

(घ) विशेषण तथा प्रविशेषण छाँटकर लिखिए।

विशेषण	प्रविशेषण
पतली	बड़ी
सुंदर	बहुत
अच्छा	काफी
पचास	लगभग
परिश्रमी	अत्यधिक
मीठा	ज्यादा

(ङ) विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. रात 2. बड़ा 3. धनी 4. श्रेष्ठ/ऊँचा 5. शीतलता

(च) संधि-विच्छेद कीजिए।

सम्	+	सार	पारस	+	मणि
अति	+	रिक्त	अशीर	+	वाद
रवि	+	इंद्र	महा	+	आत्मा
प्रति	+	एक	विद्या	+	आलय

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 7 : अन्याय के विरोध में (रूसी कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लेखक ने पढ़ने के कमरे में किसे बुलाया?
   जुलिया को।
2. जूलिया को प्रतिमाह कितने रूबल मिलते थे?
   चालीस रूबल।
3. प्याली टूटने की भरपाई के रूप में लेखक द्वारा कितने रूबल काटे गए?
   दो रूबल।
4. लेखक के बेटे का नाम क्या था?
   कोल्या।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लेखक ने जुलिया को अपने कमरे में क्यों बुलाया?
   लेखक ने जुलिया की तनख्वाह का हिसाब-किताब करने के लिए अपने कमरे में बुलाया।
2. जूलिया का चेहरा पीला क्यों पड़ गया?
   लेखक की अटपटी तथा शोषणपरक बातें सुनकर जूलिया का चेहरा पीला पड़ गया तथा वह खामोश हो गई।
3. लेखक ने जूलिया के वेतन में से कुल कितने रुपए काटे?
   लेखकर ने जूलिया के वेतन में से कुल 69 रूबल काटे।
4. 'धन्यवाद' देने पर अचानक लेखक को क्रोध क्यों आया?
   धन्यवाद देने पर अचानक लेखक को क्रोध आया, क्योंकि उसे जूलिया का भीरु तथा बोदा स्वभाव पसंद नहीं था। वह जूलिया में विरोध करने का साहस उत्पन्न करना चाहता था।
5. लेखक ने जूलिया से माफी क्यों माँगी?
   लेखक ने जूलिया को सबक सिखाने के उद्देश्य से उसकी तनख्वाह में से नाजायज कटौती की तथा उसके साथ क्रूर मजाक किया। अपने इसी व्यवहार के लिए उसने जूलिया से माफी माँगी।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. जूलिया का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।
   जूलिया एक ऐसी युवती है जिसका स्वभाव अत्यंत भीरु, दब्बू तथा बोदा है। अपने इसी स्वभाव के कारण वह अक्सर लोगों के हाथों ठगी का शिकार होती रहती है। लेखक बार-बार बहाने बनाकर उसके वेतन को काटता जाता है, किंतु वह उसका विरोध करने के बजाय खामोश रहती है तथा जो मिलता है उसी को स्वीकार कर लेती है। इससे उसके स्वभाव की उक्त कमजोरी स्वत: ही स्पष्ट हो जाती है।
2. जूलिया के खामोश रहने से और अंत में 'धन्यवाद' कहने से उसके चरित्र की किस कमजोरी का पता चलता है? बताइए।
   जूलिया के खामोश रहने से और अंत में 'धन्यवाद' कहने से उसके चरित्र की एक खास कमजोरी का पता चलता है कि उसमें अन्याय का विरोध करने का जरा भी साहस नहीं है। वह स्वभाव से अत्यंत भीरु, दब्बू तथा कमजोर है। उसमें अपने अस्तित्व को बचाए रखने की भी हिम्मत नहीं है।
3. पाठ के आधार पर रिक्त स्थान भरिए-
   (i) तनख्वाह (ii) कोल्या, वान्या (iii) आँसुओं (iv) ग्यारह, ज़ेब (v) अस्तित्व

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. एक गवर्नेस 2. दो महीने पाँच दिन 3. पाँच रूबल 4. अन्याय के विरुद्ध जगाना चाहता था 5. अस्सी रूबल

भाषा से

(क) विलोम शब्दों से मिलान कीजिए।

अच्छा	-	बुरा	कठोर	-	नरम
बीमार	-	स्वस्थ	मालकिन	-	नौकरानी
अपनी	-	परायी	क्रुद्ध	-	शांत
नुकसान	-	फ़ायदा	ताकत	-	कमज़ोरी
झूठ	-	सच	भीरु	-	निर्भय

(ख) इनके पर्यायवाची शब्द लिखिए।

बच्चा	-	बालक	बाल	लड़का
दिन	-	दिवस	वार	वासर
पत्नी	-	भार्या	वधू	गृहिणी
पेड़	-	तरु	पादप	वृक्ष
पानी	-	जल	नीर	वारि

(ग) अकर्मक तथा सकर्मक क्रियाएँ बताइए।

1. अकर्मक 2. सकर्मक 3. सकर्मक 4. सकर्मक 5. सकर्मक

(घ) स्वयं करें।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 8 : भारत में सिनेमा के जनक (जीवनी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. दादा साहब फालके का वास्तविक नाम क्या था?
   घुंडिराज गोविंद फालके।
2. दादा साहब फालके का जन्म कब हुआ?
   30 अप्रैल, 1870 ई.।
3. दादा साहब फालके को क्या बीमारी हो गई थी?
   कार्निया का अल्सर।
4. दादा साहब फालके ने सबसे पहले कौन-सी फिल्म बनाई?
   राजा हरिश्चंद्र।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. दो महीने तक दादा साहब फालके मुंबई के सिनेमाघरों में क्यों घूमते रहे थे?
   दादा साहब फालके फिल्म निर्माण की जानकारी जुटाने के उद्देश्य से दो महीने तक मुंबई के सिनेमाघरों में घूमते रहे थे।
2. लंदन में कैबोर्न ने फालके की क्या सहायता की?
   लंदन में कैबोर्न ने फालके साहब की फिल्म संबंधी उपकरण खरीदने में सहायता की तथा ए बी सी ऑफ सिनेमैटोग्राफी के लेखक हैपबर्थ से मिलवाया। उन्होंने फालके को फिल्म निर्माण का प्रशिक्षण दिया।
3. उस समय फिल्म में काम करने के लिए अभिनेत्री का मिलना मुश्किल क्यों था?
   उस समय फिल्म में काम करने के लिए अभिनेत्री का मिलना मुश्किल था, क्योंकि महिलाओं का फिल्मों में अभिनय करना उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा के विरुद्ध समझा जाता था।
4. दादा साहब को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?
   दादा साहब को बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। जैसे कि-
   (i) फिल्म बनाने के लिए पूँजी जुटाना।
   (ii) फिल्म निर्माण हेतु उपकरण उपलब्ध कराना।
   (iii) फिल्म में काम करने के लिए अभिनेत्री की खोज करना, आदि।
5. लंकादहन फिल्म की विशेषता तथा इसकी सफलता पर चर्चा कीजिए।
   लंकादहन फिल्म की सबसे बड़ी विशेषता थी हनुमान की समुद्र पर उड़ान। हनुमान उड़ता हुआ आकाश में पहले बहुत ऊँचाई तक जाता है और फिर धीरे-धीरे छोटा होता जाता है। यह एक देखने लायक दृश्य था। यह फिल्म बहुत अधिक सफल रही थी। मद्रास (चेन्नई) से इस फिल्म की टिकटों की बिक्री से एकत्र सिक्कों को बैलगाड़ी में लादकर लाना पड़ा था।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. दादा साहब फालके का रुझान फिल्म निर्माण की ओर कैसे हुआ?
   दादा साहब फालके ललित कलाओं के अच्छे जानकार थे। उन्होंने छायांकन कला में भी विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त किया था। वे फिल्म प्रोसेसिंग की तकनीक से भी भलि-भाँति परिचित थे। अत: उन्होंने जब पहली बार सिनेमा घर में फिल्म देखी तो उनमें फिल्म निर्माण के प्रति विशेष रुचि उत्पन्न हो गई तथा वे अपने इस उद्देश्य को पूरा करने में जुट गए और देखते ही देखते एक फिल्म निर्माता बन गए।
2. दादा साहब फालके को अपनी पहली फिल्म बनाने के लिए क्या-क्या प्रयास करने पड़े?
   दादा साहब फालके को अपनी पहली फिल्म बनाने के लिए कठोर प्रयास करने पड़े। सबसे पहले उन्होंने कई महीनों तक सिनेमाघरों में जाकर लगातार नई-नई फिल्में देखीं और उनका विश्लेषण किया। फिर किसी तरह से धन जुटाया और विदेश से फिल्म निर्माण संबंधी उपकरण और साथ ही फिल्म निर्माण संबंधी प्रशिक्षण लेकर आए। फिर अपने परिवार के सदस्यों तथा कुछ अन्य कलाकारों की मदद से अपनी पहली फिल्म बनाने में सफल हो पाए। उनके द्वारा बनाई गई यह फिल्म राजा हरिश्चंद्र थी।
3. दादा साहब विदेश से कौन-कौन से उपकरण लाए?
   दादा साहब विदेश से निम्नलिखित उपकरण लाए-
   (i) फिल्म निर्माण संबंधी कैमरा।
   (ii) फिल्म धोने तथा मुद्रित करने हेतु उपकरण।
   (iii) कच्ची फिल्म तथा एक परफोरेटर।
4. सत्य/असत्य लिखिए।
   (i) गलत (ii) सही (iii) सही (iv) सही (v) सही

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. 1870 में 2. बायस्कोप 3. 1913 में 4. 1917 में 5. गंगावतरण

भाषा से

(क) भाववाचक संज्ञा बनाइए तथा उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

लघुता - अपनी शारीरिक लघुता के कारण चूहा दौड़कर घास में छिप गया।
लालच - लालच बुरी बला है।
मित्रता - सच्ची मित्रता हमेशा याद की जाती है।
ऊँचाई - पेड़ की ऊँचाई अपेक्षा से अधिक थी।
उर्वरता - मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाने के लिए उसमें खाद डालना ज़रूरी है।

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

जन्म	×	मृत्यु	इच्छा	×	अनिच्छा
रात	×	दिन	गलत	×	सही
देश	×	विदेश	राजा	×	रंक
रोशनी	×	अँधेरा	लघु	×	महान
अपना	×	पराया	आरंभ	×	अंत

(ग) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

उँगली	–	उँगलियाँ	सेना	–	सेनाएँ
भूमिका	–	भूमिकाएँ	कठिनाई	–	कठिनाइयाँ
रानी	–	रानियाँ	पत्नी	–	पत्नियाँ
टिकट	–	टिकटें	गाड़ी	–	गाड़ियाँ
मटर	–	मटरें	सिक्का	–	सिक्के

(घ) इन वाक्यों में प्रयुक्त कारकों के भेद बताइए।

1. अपादान 2. कर्ता 3. संबंध 4. कर्म 5. संबोधन 6. अपादान 7. करण 8. संबंध

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 9 : एक तस्वीर के दो पहलू (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लेखक स्वयं को कैसा नागरिक बताता है?
   जंगली नागरिक।
2. लेखक संस्कृत का कौन-सा ग्रंथ पढ़ रहा था?
   मालतीमाधव।
3. बंदर कहाँ ले जाए जा रह थे?
   हरिद्वार के जंगलों में।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लेखक का स्वभाव कैसा था?
   लेखक का स्वभाव घुमक्कड़ था। वह जंगलों, खेतों, उपवनों तथा पर्वतों में घूमता रहता था। उसे प्रकृति से अगाध प्रेम था।
2. लोग बंदरों को गुड़, चना आदि क्यों खिलाते थे?
   लोग बंदरों को हनुमान का रूप मानकर उनको गुड़, चना आदि खिलाते थे।
3. वानरों के बच्चे किस प्रकार खेल रहे थे?
   वानरों के बच्चे एक-दूसरे की पीठ पर चढ़ने तथा आपस में एक-दूसरे की पूँछ को पकड़कर खींच-तान का खेल खेल रहे थे।
4. लेखक वानर जीवन से किस प्रकार प्रभावित हुआ?
   लेखक वानरों के स्वच्छंद तथा सरल जीवन की मनमोहक गतिविधियों एवं उनके आपसी प्रेम को देखकर बहुत अधिक प्रभावित हुआ।
5. लेखक क्या देखकर स्तब्ध रह गया? उल्लेख कीजिए।
   लेखक जालीदार गाड़ी में बंद बंदरों में उपजे क्रोध तथा वानर माता के अपने बच्चे के प्रति निर्दयतापूर्ण व्यवहार को देखकर स्तब्ध रह गया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. लेखक बंदरों के किस प्रकार के आचार-व्यवहार से प्रभावित हुआ था?
   लेखक ने उपवन में खेल रहे बंदर के बच्चों को बड़ी ही गंभीरता से देखा। बच्चे एक-दूसरे की पीठ पर चढ़कर तथा एक-दूसरे की पूँछ को पकड़कर खींच रहे थे एवं कान काटकर दौड़ जाते थे। बंदर के बच्चों के इन शरारतपूर्ण क्रियाकलापों को देखकर लेखक बहुत अधिक प्रभावित हुआ। इसके अतिरिक्त प्रकृति की गोद में बंदर-बंदरिया का प्रेम तथा वानर माता का अपने बच्चों के प्रति अगाध स्नेह देखकर भी लेखक बहुत प्रभावित हुआ।

2. लेखक ने तीसरे पेड़ की शीतल छाया में क्या देखा तथा उसका लेखक के मन पर क्या प्रभाव पड़ा?
लेखक ने तीसरे पेड़ की शीतल छाया में एक वानर दंपत्ति को प्रेम का वितान तानते हुए देखा। उनकी प्रेम लीला बड़ी ही मनमोहक एवं भावोत्पादक थी। उनकी इस प्रेम लीला को देखकर लेखक का मन प्रसन्न हो गया तथा उसे उपवन में चारों तरफ प्रेम के साम्राज्य का आभास होने लगा।

3. बाग के बंदरों और जालीदार गाड़ी में बंद बंदरों के व्यवहार में क्या असमानता थी?
बाग के बंदरों तथा जालीदार गाड़ी में बंद बंदरों के जीवन में बहुत अधिक असमानता थी। बाग के बंदरों का जीवन अति स्वच्छंद तथा सरल था एवं उनके व्यवहार में अपनापन, प्रेम तथा प्रसन्नता के दर्शन होते थे। जबकि जालीदार गाड़ी में बंद बंदरों में परतंत्रता का दु:ख तथा क्रोध व्याप्त था। उनके व्यवहार में कठोरता, द्वेष एवं पैशाचिकता का समावेश था।

4. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-
(i) जंगली (ii) हनुमान (iii) नशा (iv) प्रेम (v) स्वातंत्र्य, पारतंत्र्य

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. जंगलों में घूमना 2. मंगलवार को 3. अपने बच्चों को 4. वानर 5. सुंदरपुर

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

हँसना	×	रोना	पसंद	×	नापसंद
सज्जन	×	दुर्जन	लोक	×	परलोक
शुष्क	×	आर्द्र	अनुराग	×	विराग
कोलाहल	×	चुप्पी	सुप्त	×	जाग्रत
निर्मल	×	मलिन	जीवन	×	मृत्यु

(ख) इन शब्दों से उपसर्ग अलग करके लिखिए तथा उन उपसर्गों से दो-दो नए शब्द बनाइए।

उपसर्ग	नए शब्द	
पर	परस्त्री	परतंत्र
अ	अधर्म	अजन्मा
स	सजल	सफल
वि	विज्ञान	विशेष
स्व	स्वराज	स्वभाव

(ग) क्रियाविशेषण छाँटकर उनके भेद बताइए।

1. रातभर	कालवाचक
2. ओर	स्थानवाचक
3. उधर	स्थानवाचक
4. खूब	परिमाणवाचक
5. अचानक	रीतिवाचक
6. तेज़	रीतिवाचक

(घ) संधि-विच्छेद कीजिए।

सम्	+	क्षेप	प्रेम	+	अभिनय
सम्	+	सार	अशीर	+	वाद
विपदा	+	ग्रस्त	हरि	+	द्वार
अंतर	+	आत्मा	सम्	+	भावना

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 10 : बापू का पथ (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गाँधी जी ने कितने वर्षों की गुलामी दूर कर दी?
हज़ार बरस।

2. गाँधी जी ने कौन-सी शक्ति जगाकर अयोग्य को योग्य बनाया?
   यौगिक शक्ति।
3. गाँधी जी ने अछूतों को कौन-सी शुभ-संज्ञा दी?
   हरिजन।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गाँधी जी ने हिंदू-मुस्लिम को क्या सिखाया?
   गाँधी जी ने हिंदू-मुस्लिम को महोब्बत का मंत्र सिखाया अथवा उनको प्यार से मिलजुलकर रहना सिखाया।
2. गाँधी जी ने अछूतों के कल्याण के लिए क्या-क्या किया?
   गाँधी जी ने अछूतों को गले से लगाया तथा उन्हें हरिजन की संज्ञा देकर समाज में मान-सम्मान दिलाया।
3. गाँधी जी के कठोर तप का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
   गाँधी जी ने मानव के कल्याण के लिए तथा भारत को स्वतंत्रता दिलाने के लिए कठोर संघर्ष किया। उन्होंने तन-मन से मानव सेवा की तथा सामाजिक भेदभावों को मिटाकर राष्ट्रीय एकता के लिए भरसक प्रयास किए।
4. विश्व शांति कैसे प्राप्त कर सकता है?
   महात्मा गाँधी द्वारा बताए गए पथ पर चलकर विश्व शांति प्राप्त कर सकता है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. कवि किन नेताओं को हज़ार सलामी देने की बात कहता है तथा क्यों?
   कवि उन नेताओं के नेता को हज़ार सलामी देने की बात कहता है जिसने भारत को हज़ार वर्षों की गुलामी से मुक्ति दिलाई। कवि के अनुसार वह नेता गाँधी जी थे। कवि ऐसा इसलिए कहता है, क्योंकि गाँधी जी ने शांति के पथ पर चलकर सामाजिक एवं राष्ट्रीय एकता कायम करके भारत वासियों को स्वतंत्रता पाने के काबिल बनाया था।
2. इस कविता से गाँधी जी की किस महानता का पता चलता है?
   इस कविता से गाँधी जी की महानता का यह पता चलता है कि वह स्वतंत्रता के लिए किए जाने वाले आंदोलनों के नेताओं के नेता थे तथा उन्होंने यौगिक शक्ति के बल पर अयोग्य को योग्य बना दिया था। धर्म, जाति तथा ऊँच-नीच के भेदभाव समाप्त करके लोगों में एकता तथा राष्ट्रीयता की भावना पैदा की थी। साथ ही लोगों को शांति के पथ पर चलते हुए उन्नति करने का संदेश दिया था। उनकी इसी महानता ने देश को स्वतंत्रता दिलाई थी।
3. गाँधी जी द्वारा बताए गए मार्ग पर चलकर हम उन्नति कर सकते हैं पर कैसे?
   गाँधी जी आधुनिक युग के वह महान संत थे जिन्होंने संसार को शांति के पथ पर सत्य एवं अहिंसा का पालन करते हुए जीवन में उन्नति करने का संदेश दिया था। उन्होंने मानव सेवा को प्राथमिकता दी थी तथा मानवता के मार्ग पर चलकर अपना भाग्य चमकाने की प्रेरणा दी थी। अत: यदि हम उनके बताए मार्ग पर चलें तो मानव-कल्याण करते हुए भी अपनी तथा अपने समाज व राष्ट्र की उन्नति कर सकते हैं।
4. आशय स्पष्ट कीजिए-
   कवि अछूतों के प्रति लोगों का व्यवहार प्रकट करते हुए कहता है कि हिंदू वर्षों से जिन अछूतों की उपेक्षा करते आए थे, उनको गाँधी जी ने हरिजन की शुभ संज्ञा दी तथा उन्हें अपने आँसुओं से स्नान कराकर पवित्रता प्रदान की।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. महोब्बत का 2. अछूतों को 3. आँसू 4. एक हज़ार 5. गाँधी जी

भाषा से

(क) 'अ' उपसर्ग लगाकर विलोम शब्द बनाइए।

शुभ	–	अशुभ	धर्म	–	अधर्म
सफल	–	असफल	अर्थ	–	अनर्थ
छूत	–	अछूत	शांति	–	अशांति

(ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए-

गुलामी	–	परतंत्रता	दासता	दृग	–	आँख	नयन
जल	–	नीर	पानी	जग	–	संसार	विश्व
शक्ति	–	ताकत	बल	धरा	–	धरती	पृथ्वी

(ग) स्वयं करें।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 11 : जामुन का पेड़ (व्यंग्य)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सेक्रेटेरियट लॉन में कौन-सा पेड़ गिर पड़ा?
   जामुन का पेड़।
2. दबे हुए आदमी का क्या उपनाम था?
   ओस।
3. दबे हुए आदमी को खाना खिलाने की इजाजत किसने दी?
   पुलिसवाला।
4. दबे हुए आदमी को देखकर माली किसके पास गया?
   क्लर्क।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. दबे हुए आदमी को देखकर माली तथा अन्य लोगों की क्या प्रतिक्रिया हुई?
   दबे हुए आदमी को देखकर माली तथा अन्य लोगों ने तुरंत पेड़ को हटाकर उस घायल आदमी को बचाने की इच्छा जाहिर प्रकट की।
2. जामुन का पेड़ क्यों गिर गया?
   तेज़ आँधी के कारण जामुन का पेड़ गिर गया।
3. व्यापार-विभाग को किस बात पर गुस्सा आया?
   व्यापार-विभाग को इस बात पर बहुत गुस्सा आया कि कृषि विभाग ने जामुन के पेड़ को हटवाने की जिम्मेदारी उसके ऊपर जबकि वह इसे अपनी जिम्मेदारी नहीं मानता था।
4. जामुन का पेड़ सेक्रेटेरियट के लॉन में किसने तथा कितने साल पहले लगाया था?
   जामुन के इस पेड़ को दस साल पहले पीटोनिया राज्य के प्रधानमंत्री ने लगाया था।
5. माली की खुशी का क्या कारण था?
   माली की खुशी का यह कारण था कि फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के आदमी उस पेड़ को काटने के लिए तैयार हो गए थे। अत: उस घायल आदमी के प्राण बच जाने की बात सोचकर माली प्रसन्न था।
6. कानून को हाथ में लेकर माली ने क्या काम किया?
   माली ने कानून को हाथ में लेकर पेड़ के नीचे दबे हुए आदमी को खाना खिलाया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. दबा हुआ आदमी कौन था और उसने क्या आपत्ति प्रकट की?
   दबा हुआ आदमी एक प्रसिद्ध कवि था। उसने 'ओस के फूल' नाम से एक काव्य-संग्रह लिखा था तथा उसका उपनाम 'ओस' था। दबे हुए आदमी ने यह आपत्ति प्रकट की कि उसे साहित्य अकादमी का मेंबर चुनो या न चुनो मगर इस पेड़ के नीचे से निकालो, अन्यथा मेरी जीवन लीला ही समाप्त हो जाएगी।
2. पेड़ काटने से किसने, किसको तथा क्यों रोक दिया?
   पेड़ काटने से विदेश-विभाग ने फॉरेस्ट विभाग को रोका। उसने ऐसा इसी कारण किया, क्योंकि उस पेड़ को दस वर्ष पहले पीटोनिया राज्य के प्रधानमंत्री ने लगाया था। अब इस पेड़ के कट जाने से विदेशी संबंधों के बिगड़ जाने का भय था।
3. हार्टिकल्चर डिपार्टमेंट से क्या जवाब आया? स्पष्ट कीजिए।
   हार्टिकल्चर डिपार्टमेंट से यह जवाब आया कि- आश्चर्य है, इस समय जब हम 'पेड़ लगाओ' स्कीम ऊँचे स्तर पर चला रहे हैं, हमारे देश में ऐसे सरकारी अफ़सर मौजूद हैं जो पेड़ों को काटने का सुझाव देते हैं और वह भी फलदार पेड़ को जिसके फल जनता बड़े चाव से खाती है! हमारा विभाग किसी हालत में इस फलदार पेड़ को काटने की इजाजत नहीं दे सकता।
4. किसने, किससे, क्यों कहा, लिखिए।
   (i) दबे हुए आदमी ने साहित्य अकादमी के सेक्रेटरी से कहा, क्योंकि वह चाहता था कि वे उसे पेड़ के नीचे से बाहर निकलवाने में मदद करें।

(ii) माली ने उपस्थित सरकारी अधिकारियों से कहा, क्योंकि पेड़ के नीचे दबा हुआ व्यक्ति जीवित था।

(iii) माली ने पेड़ के नीचे दबे हुए व्यक्ति से कहा, क्योंकि वह उसे तसल्ली देना चाहता था।

(iv) सुपरिटेंडेंट ने मृत व्यक्ति से कहा, क्योंकि वह उसे पेड़ काटने की मंजूरी के बारे में बताना चाहता था।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. माली 2. अंडर सेक्रेटरी 3. हार्टिकल्चर का सेक्रेटरी 4. ओर 5. पीटोनिया का प्रधानमंत्री

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

खुशी	×	गमी	गुस्सा	×	शांति
सुस्त	×	चुस्त	जवाब	×	सवाल
मोटा	×	पतला	बाहर	×	भीतर
समस्या	×	समाधान	निर्जीव	×	सजीव
निश्चय	×	अनिश्चय	ठंडा	×	गरम

(ख) वचन बदलिए।

जामुन	–	जामुनें	कुल्हाड़ी	–	कुल्हाड़ियाँ
झोली	–	झोलियाँ	युक्ति	–	युक्तियाँ
फाइल	–	फाइलें	अफवाह	–	अफवाहें
कविता	–	कविताएँ	चींटी	–	चींटियाँ

(ग) मिलान कीजिए।

पेड़	–	वृक्ष	तरु	पादप
दिन	–	वार	वासर	दिवस
सुबह	–	प्रातः	सवेरा	उषा
आदमी	–	व्यक्ति	मनुष्य	मनुज
फूल	–	पुष्प	प्रसून	सुमन
आँख	–	दृग	नयन	लोचन

(घ) गुणवाचक विशेषण छाँटकर लिखिए।

1. बेचारा, फलदार 2. रसीली 3. भारी 4. सुस्त, कामचोर, मोटा 5. मोटा, वज़नी 6. मनचले

(ङ) हिंदी पर्याय लिखिए।

सदस्य	अधिक्षक
सचिव	आवेदन
विपत्ति	कृषि
बागवानी	विभाग
अधिकारी	आश्चर्य
लिपिक	स्वीकृति
जीवित	जन-श्रुति

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 12 :एक प्रश्न चार उत्तर (लेख)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लेखक का पहला मित्र कौन है?
   वृद्ध ईसाई पादरी।
2. लेखक का दूसरा मित्र किसका सदस्य है?
   आई. सी. एस.।
3. लेखक का कौन-सा मित्र हम भारतीयों को आलसी बताता है?
   तीसरा मित्र।
4. वृद्धा स्त्री ने हमारे देश की कितने सालों तक सेवा की?
   40 वर्ष।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लेखक को किस बात का खब्त है?
   लेखक को प्रश्न पूछने तथा उनके उत्तर जानने का खब्त है।
2. वृद्ध ईसाई ने हमारे देश के पिछड़ेपन का क्या कारण बताया?
   वृद्ध ईसाई ने हमारे देश के पिछड़ेपन का यह कारण बताया कि यहाँ के लोग अपने काम पर गर्व नहीं करते।
3. दूसरे के प्रति कर्तव्य पूरा न करने की बात किसने तथा कैसे समझाई?
   दूसरे के प्रति कर्तव्य पूरा न करने की बात वृद्ध स्त्री ने कही। उनके अनुसार भारत के लोग दूसरों को आगे नहीं बढ़ाते। स्वयं ही आगे रहना चाहते हैं, जबकि गुणी नवयुवकों को अपनी योग्यता दिखाने का अवसर प्रदान करना इनका नैतिक कर्तव्य है।
4. श्रम का महत्व बताते हुए महिला मित्र ने लेखक से क्या कहा?
   श्रम का महत्व बताते हुए महिला मित्र ने लेखक से कहा कि परिश्रम से ही सफलता मिलती है। संसार में जितने भी बड़े लोग हुए हैं वे सब अपने काम अथवा श्रम के बल पर ही बड़े हुए हैं। अत: केवल श्रम से ही व्यक्ति एवं राष्ट्र की काया पलट सकती है।
5. साधारण जनता किनसे लाभ नहीं उठाती तथा कैसे?
   साधारण जनता अपने बड़े अथवा महान नेताओं से लाभ नहीं उठाती। जनता केवल उनकी मूर्ति-स्थापना कर उनकी जय-जयकार के नारे लगाती है। उनके बताए पथ पर नहीं चलती तथा न ही उनके आदेशों के अनुरूप अपने जीवन को संगठित करती है।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. भारत के लोगों में उदारता नहीं है- ऐसा वृद्ध महिला ने किस आधार पर कहा?
   भारत के लोगों में उदारता नहीं है। यह बात वृद्ध महिला ने इस आधार पर कही, क्योंकि भारत के लोग स्वयं की ही सोचते हैं तथा स्वयं ही आगे बढ़ते रहना चाहते हैं। वे अपने से कम अनुभवी मगर योग्य लोगों को अपनी योग्यता दिखाने का अवसर ही नहीं देते। इस प्रकार बहुत से गुणी लोग अपनी खास विद्या को साथ लेकर ही भगवान को प्यारे हो जाते हैं।
2. हमारे व्यक्तिगत जीवन को संगठित होते ही सारा देश तथा मनुष्य स्वत: ही संगठित हो जाएगा। लेखक के इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।
   हमारे व्यक्तिगत जीवन के संगठित होते ही सारा देश तथा मनुष्य स्वत: ही संगठित हो जाएगा। क्योंकि देश की उन्नति उसके नागरिक की उन्नति पर निर्भर करती है। यदि देश का व्यक्ति योग्य, कर्मठ तथा स्वयं में संगठित होगा तो अपने कर्तव्यों का ठीक से पालन करेगा और सही मायनों में सफलता प्राप्त करेगा। इस तरह वह राष्ट्र तथा मानवता की प्रगति में भी योगदान देगा।
3. चारों मित्रों के उत्तर को सूत्र रूप में लिखिए और बताइए कि इस पाठ से क्या प्रेरणा मिलती है?
   चारों मित्रों का उत्तर सूत्र रूप में यह हो सकता है कि हमें जीवन में आलस्य को त्यागकर श्रम करने की आदत डालनी चाहिए तथा किसी भी काम को अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए। इसके अलावा योग्य लोगों को अपनी योग्यता दिखाने का अवसर प्रदान करना चाहिए। केवल स्वयं को आगे बढ़ाते रहने की सोच को त्याग देना चाहिए। स्वयं को संगठित करके देश को संगठित करना चाहिए।
4. इन पंक्तियों का भावार्थ लिखिए-
   (i) लेखक का आशय यह है कि गुलामी के लंबे जीवन के कारण हम अपनी भारतीय मूल परंपराओं को भूल गए हैं।
   (ii) इस कथन के द्वारा लेखक यह कहना चाहता है कि हम लोग काम को शुरू करने में तो पूरा उत्साह दिखाते हैं, किंतु उसमें पूरी लगन न रखने के कारण काम अधूरा ही छोड़ देते हैं।
   (iii) इस कथन के द्वारा लेखक हमें यह समझाना चाहता है कि यदि हम अपने काम या कर्तव्य को ठीक ढंग से निभाते हैं तो हम किसी देशभक्त से कम नहीं हैं, क्योंकि देश की उन्नति हमारे कर्तव्य पालन पर ही निर्भर करती है।
5. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. 36 वर्ष 2. गर्व 3. दूसरा मित्र है 4. कर्मठ

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

उदारता	×	अनुदारता	उन्नति	×	अवनति
संगठित	×	असंगठित	सत्य	×	असत्य
साधारण	×	असाधारण	गुणी	×	अवगुणी
उपयुक्त	×	अनुपयुक्त	मेहमान	×	मेज़बान

(ख) इन शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए।

समाज	+	इक	असफल	+	ता
दु:ख	+	ई	भारत	+	ईय
उदार	+	ता			

(ग) इन विशेष्यों के लिए उपयुक्त विशेषण लिखिए।

सच्चा	मित्र	विशाल	देश
कठिन	प्रश्न	कर्मठ	नागरिक
सुखी	जीवन	सुंदर	स्त्री
परिश्रमी	धोबी	वृद्ध	पादरी
आलसी	लोग	गरीब	किसान

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 13 : पढ़ो कहानी रेल की (लेख)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बालक जेम्स किस नगर में रहता था?
   ग्रीनक नगर।
2. बालक जेम्स का जन्म कब हुआ?
   26 जनवरी, 1736 को।
3. 'कैच मी हू कैन' किसकी रेलगाड़ी का नाम था?
   ट्रेविथिक।
4. रेलगाड़ी का जनक किसे माना जाता है?
   जॉर्ज स्टिफॅन्सन।
5. रॉकेट किसका नाम था?
   रेल इंजन।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बालक जेम्स वॉट ने किस तरह भाप की शक्ति को पहचाना?
   बालक जेम्स वॉट ने आग पर रखी केतली को ध्यानपूर्वक देखा। केतली में उत्पन्न भाप से उसका ढक्कन बार-बार ऊपर उठता और गिरता था। इस प्रकार बालक समझ गया कि भाप में बड़ी शक्ति हो सकती है जिसे मुक्त करके मनुष्य के काम में लाया जा सकता है।
2. ट्रेविथिक कौन थे? उन्होंने रेलगाड़ी के विकास में क्या योगदान दिया?
   रिचर्ड ट्रेविथिक विलियम मारडक का मित्र था। उसने सर्वप्रथम ऐसी रेलगाड़ी का विकास किया जो पटरी पर चलती थी। इस गाड़ी की गति भी तेज़ थी। अत: इससे आधुनिक रेलगाड़ी के निर्माण की प्रेरणा मिली।
3. जॉर्ज स्टिफॅन्सन को रेलगाड़ी का जनक क्यों कहा जाता है?
   जॉर्ज स्टिफॅन्सन को रेलगाड़ी का जनक कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने ऐसे शक्तिशाली इंजन बनाए जिन्होंने तेज़ गति से चलने वाली रेलगाड़ी का सपना साकार कर दिया।
4. 27 सितंबर, 1825 का दिन चिरस्मरणीय कैसे था?
   27 सितंबर, 1825 एक चिरस्मरणीय दिन था, क्योंकि इस दिन जॉर्ज स्टिफॅन्सन द्वारा निर्मित इंजन से जुड़ी रेलगाड़ी 60 टन वज़न का सामान लेकर स्कॉटन से 16 मील दूर डालिंग्टन पहुँची थी। इस रेलगाड़ी की रफ़्तार को देखकर सब दंग रह गए थे।
5. लोगों ने रॉकेट को बेकार करार क्यों दिया?
   लोगों ने रॉकेट को बेकार करार दिया, क्योंकि अब उन्हें उससे भी अधिक तेज़ गति से चलने वाले इंजन की आवश्यकता महसूस हो रही थी।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. रेलगाड़ी के विकास की कहानी अपने शब्दों में लिखिए।

रेलगाड़ी के विकास की कहानी जेम्स वॉट से प्रारंभ होती है, क्योंकि सर्वप्रथम भाप से चलने वाला यंत्र उन्हीं के द्वारा बनाया गया था। फिर उसके बाद उनकी विचारधारा का अनुसरण करते हुए फ़ारस के एक मज़दूर कुनो ने एक रेलगाड़ी बनाई। कुनो के बाद जेम्स वॉट के एक सहयोगी मारडक ने कोयला गैस से चलने वाली एक गाड़ी तैयार की। ये गाड़ियाँ सड़क पर चलती थीं। पटरियों पर चलने वाली पहली रेलगाड़ी रिचर्ड ट्रेविथिक द्वारा बनाई गई। यह गाड़ी पाँच मील प्रति घंटा की गति से चलती थी। इस रेलगाड़ी की सुविधा प्राप्त हुई और लंबी दूरी तक रेलगाड़ियाँ दौड़ने लगीं। फिर समय के साथ-साथ रेल इंजनों में बदलाव आते गए तथा तीव्र गति से दौड़ने वाली आधुनिक रेलगाड़ियाँ सामने आईं जिनका आज हम सभी लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

2. नार्थ स्टार, लार्ड ऑफ द आइल्स तथा मलार्ड के विषय में आप क्या जानते हैं?
नार्थ स्टार नामक रेलवे इंजन को जॉर्ज स्टिफन्सन के पुत्र रॉबर्ट स्टिफन्सन ने बनाया था। वह अति तीव्र गति से दौड़ता था। जबकि लार्ड ऑफ द आइल्स डेनियल गुच द्वारा बनाया गया इंजन था। यह इंजन एक मील प्रति मिनट चलने वाला एक चमत्कारी इंजन था। फिर निगले गिजल द्वारा मलार्ड नामक इंजन बनाया गया जो एक घंटे में 126 मील की दूरी तय करता था। अत: ये तीनों इंजन अति तीव्र गति से दौड़ने वाले इंजनों में से थे।

3. 'परिवर्तन भविष्य की ओर अग्रसर है' सिद्ध कीजिए, कैसे?
परिवर्तन प्रकृति का नियम है। समय के साथ-साथ प्रत्येक वस्तु में परिवर्तन आता है, भले ही वह इनसान हो या उसके द्वारा बनाई गई कोई चीज़। परिवर्तन से प्रत्येक वस्तु में कोई-न-कोई सुधार आता है तथा प्रगति या उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। फिर भविष्य में नई सुविधाएँ जन्म लेती हैं। अर्थात् जीवन में प्रगति प्राप्त होती है। अत: इसी आधार पर हम कह सकते हैं कि परिवर्तन भविष्य की ओर अग्रसर है।

5. सही वाक्य पर (✓) का तथा गलत वाक्य पर (×) का चिह्न लगाइए।
(i) ✓ (ii) ✓ (iii) × (iv) × (v) ×

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. स्कॉटलैंड 2. ट्रेविथिक 3. 1781 में 4. 500 पौंड 5. मलार्ड

भाषा से

(क) विशेषण बनाइए।

विस्मय	–	विस्मित	अविष्कार	–	आविष्कारी
विरोध	–	विरोधी	स्मरण	–	स्मरणीय
परिवर्तन	–	परिवर्तनशील	बेवकूफ़ी	–	बेवकूफ़

(ख) वर्णों को जोड़कर शब्द लिखिए।

1. विश्वास 2. ग्लासगो 3. रेलगाड़ी 4. शक्तिशाली 5. पुरस्कार

(ग) वाक्यों में विराम-चिह्न लगाकर पुन: लिखिए।

1. जेम्स वॉट का जन्म कहाँ हुआ?
2. पहली रेलगाड़ी ब्रिटेन में चली।
3. पिता ने पुत्र से कहा, ''सीधे चलो।''
4. जॉर्ज ने दिन-रात मेहनत करके इंजन बनाया।
5. अरे! आप आ गए।
6. रजनी, श्याम, मनु व राम ट्रेन से दिल्ली गए।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 14 : नीम हकीम (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चमनलाल किसका नौकर था?
चमनलाल वैद्य जी का नौकर था।

2. चमनलाल दिन भर क्या घोटता रहता था?
   त्रिफला चूर्ण।
3. ऊँट के गले में क्या फँस गया था?
   तरबूज़।
4. चमनलाल ने खुद को क्या घोषित किया?
   वैद्य।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. ऊँट को क्या बीमारी हो गई थी? वैद्य ने उसका इलाज किस प्रकार किया?
   ऊँट को कोई बीमारी नहीं थी। उसके गले में तरबूज़ फँस गया था। वैद्य जी ने ऊँट के गले में फँसे तरबूज़ के नीचे एक पत्थर रखा तथा फिर दूसरे पत्थर से उसे फोड़ दिया। इस तरह तरबूज़ ऊँट के पेट में चला गया और वह स्वस्थ हो गया।
2. वैद्य जी को कैसे पता चला कि रोगी ने आलू खाया है?
   रोगी की चारपाई के नीचे आलू के छिलके पड़े हुए थे। उन छिलकों को देखकर ही वैद्य जी ने अनुमान लगाया कि रोगी ने आलू खाया है।
3. 'तुमने छिपकली खाई है' चमनलाल ने रोगी से यह बात किस आधार पर कही?
   चमनलाल ने रोगी की चारपाई के नीचे छिपकली की पूँछ पड़ी दिखाई दी और बिना किसी प्रकार की सूझबूझ के ही कह दिया कि तुमने छिपकली खाई है।
4. चमनलाल अपने गाँव क्यों लौट गया? उसने गाँव में जाकर क्या किया?
   चमनलाल वैद्य जी की फटकार से नाराज होकर अपने गाँव लौट गया। गाँव में पहुँचकर वह वैद्य बन गया तथा बीमार लोगों का इलाज करने लगा।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. चमनलाल का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।
   चमनलाल गाँव का देहाती लड़का था। उसमें सामान्य सूझबूझ की खास कमी थी अथवा यूँ कहिए कि वह मोटी बुद्धि का मूर्ख युवक था। वह काफी दिनों तक वैद्य जी के पास रहा, किंतु फिर भी उसने जरा-सा भी वैद्यक ज्ञान प्राप्त नहीं किया। उलटे अपने मूर्खतापूर्ण व्यवहार से वैद्य जी से फटकार ही खाई तथा नाराज होकर अपने गाँव पहुँच गया और वहाँ वैद्य बन बैठा। गाँव में रहकर उसने अपनी मूर्खता के कारण बीमार बुढ़िया की जान ले ली और फिर जेल की हवा खानी पड़ी। अतः इस आधार पर यह कहा जा सकता है कि चमनलाल एक मूर्ख लड़का था।
2. चमनलाल ने बुढ़िया का इलाज कैसे किया? उसका क्या परिणाम निकला?
   चमनलाल एक मूर्ख युवक था। उसने बुढ़िया के गले की सूजन को देखकर मन-ही-मन विचार किया कि यह तो वही ऊँट वाला रोग है। अतः उसने दो बड़े पत्थर लेकर एक को बुढ़िया के गले के नीचे रख दिया तथा दूसरे से सूजे हुए भाग पर जोर से वार कर दिया। इस तरह बुढ़िया के तत्काल प्राण पखेरु उड़ गए। उसकी ऐसी मूर्खता पर लोग क्रोध में आ गए। उन्होंने चमनलाल को खूब पीटा तथा फिर पुलिस के हवाले कर दिया।
3. किसने, किससे और कब कहा, लिखिए-
   (i) किसान ने वैद्य जी से कहा जब वह सवेरे-सवेरे वैद्य जी के पास गया।
   (ii) वैद्य जी ने किसान से कहा जब उसने ऊँट की बीमारी की जाँच की।
   (iii) रोगी ने वैद्य जी से कहा जब वैद्य जी ने परहेज न रखने के बारे में जाना।
   (iv) चमनलाल ने वैद्य जी से कहा जब वह रोगी की दवा पहुँचाकर वापस लौटा
   (v) चमनलाल ने बुढ़िया के परिवार वालों से कहा जब उसने बुढ़िया के गले की सूजन देखी।
4. सही/गलत लिखिए।
   (i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत (v) गलत

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. तरबूज़ का 2. गर्दन 3. मूर्ख 4. बुढ़िया 5. अधूरा ज्ञान खतरनाक होता है

भाषा से

(क) अनेकार्थी शब्द लिखिए।

भाग	–	हिस्सा	भागना	मन	–	हृदय	चालीस किलो की तौल
जीवन	–	प्राण	जल	पास	–	उत्तीर्ण	निकट
पर	–	पंख	परंतु				

(ख) शब्द का विलोम शब्द लिखकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. चमनलाल एक देहाती लड़का था।
2. ऊँट अचेत अवस्था में था।
3. रोगी सच बोल रहा था।
4. खाट के नीचे छिपकली की पूँछ पड़ी थी।
5. लड़का वैद्य जी की बात से नाराज हो गया था।

(ग) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

नदी	– आयगा	सरिता	तरंगिणी	तटिनी
लड़का	– बालक	बच्चा	शिशु	बाल
दिन	– वासर	दिवस	वार	दिवा
आदमी	– व्यक्ति	नर	मनुज	मनुष्य

(घ) रिक्त स्थानों में उचित समुच्चयबोधक अव्यय भरिए।

1. और 2. अथवा 3. ताकि 4. इसलिए 5. अन्यथा

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 15 : सूर के पद (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बालक श्रीकृष्ण का शरीर किससे मंडित है?
   धूल से।
2. बालक श्रीकृष्ण के लोचन कैसे हैं?
   सुंदर।
3. बालक श्रीकृष्ण माता यशोदा से किसकी शिकायत करते हैं?
   दाऊ यानी बलराम।
4. सूरदास जी ने कामधेनु किसे बताया है?
   प्रभु यानी भगवान श्रीकृष्ण को।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. श्रीकृष्ण को बलराम किस तरह चिढ़ाते हैं?
   श्रीकृष्ण को बलराम यह कहकर चिढ़ाते हैं कि तुमको माता यशोदा ने मोल लिया है। उन्होंने तुझे जन्म नहीं दिया है।
2. माता यशोदा ने क्या कहकर श्रीकृष्ण की समस्या का समाधान किया?
   माता यशोदा श्रीकृष्ण की समस्या का समाधान करने के लिए कहती हैं कि बलराम तो जन्म से ही धूर्त है। मुझे अपने गोधन की कसम है कि मैं तुम्हारी माता और तुम मेरे पुत्र हो।
3. सूरदास जी को अन्यत्र सुख नहीं मिलता, वे केवल श्रीकृष्ण की भक्ति में लगे रहना चाहते हैं। इस बात का परिचय किस पद से मिलता है तथा कैसे?
   सूरदास जी को अन्यत्र सुख नहीं मिलता, वे केवल श्रीकृष्ण की भक्ति में लगे रहना चाहते हैं। इस बात की जानकारी तीसरे पद से मिलती है। क्योंकि उनका मानना है कि कामधेनु को छोड़कर बकरी को दुहना निरर्थक है। इसके अलावा उनका मन जहाज़ के पंछी की तरह बार बार उन्हीं में आकर रच जाता है।
4. जहाज़ के पंछी की क्या विशेषता बताई गई है?
   जहाज़ के पंछी की यह विशेषता बताई गई है कि वह जहाज़ पर से उड़ता तो अवश्य है, किंतु इधर-उधर भटक कर वापस उसी पर आ बैठता है। क्योंकि उसे और कोई ठिकाना नहीं मिल पाता।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. पहले पद में बाल श्रीकृष्ण की सुंदरता का जो चित्रण हुआ है, उसका अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

पहले पद के अनुसार बालक श्रीकृष्ण के हाथों में मक्खन है तथा उनका सारा शरीर धूल से मंडित है। वे घुटनों के बल चल रहे हैं तथा उनके मुख पर दही का लेप लगा है। उनकी आँखें व गाल बहुत अधिक सुंदर हैं तथा माथे पर सुंगधित पदार्थ का तिलक है। उनके लटकते हुए केश ऐसे लग रहे हैं कि मानो भौंरा मधु पीकर अपनी मस्ती में है। उनके गले में माला शोभित है तथा सिंह के समान उनके नख बहुत ही सुंदर दिखते हैं। इस अनुपम सुंदरता को देखकर सूरदास कहता है कि क्षणभर श्रीकृष्ण की बाललीला के दर्शन की तुलना में सौ वर्षों तक का जीवन भी व्यर्थ है।

2. सूरदास जी ने किन-किन उदाहरणों के द्वारा स्पष्ट किया है कि श्रीकृष्ण की भक्ति के सामने अन्य देवताओं की उपासना व्यर्थ है? लिखिए।

सूरदास जी ने निम्नलिखित उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया है कि श्रीकृष्ण की भक्ति के सामने अन्य देवताओं की उपासना व्यर्थ है-

(i) कमल के समान नैन वाले श्रीकृष्ण को छोड़कर किसी और देवता पर ध्यान क्यों लगाया जाए।

(ii) जिसने भौंरे की तरह कमल का रस पिया हो, वह कड़वा फल क्यों खाए।

(iii) जिसके घर कामधेनु है वह भला बकरी का दूध क्यों दुहने जाएगा।

इन सब उदाहरणों से स्पष्ट हो जाता है कि सूरदास जी की श्रीकृष्ण भक्ति के आगे अन्य सब देवताओं की उपासना व्यर्थ है।

3. आशय स्पष्ट कीजिए।

(i) सूरदास जी बाल श्रीकृष्ण की सुंदरता का वर्णन करते हुए कहते हैं कि उनके गाल तथा आँखें बहुत ही सुंदर हैं तथा माथे पर सुंगधित पदार्थ का तिलक है। उनके लटकते हुए केश ऐसे लगते हैं मानो कि भौंरें मधु पीकर मस्त हो गए हो।

(ii) बालक श्रीकृष्ण माता यशोदा से शिकायत करता हुआ कहता है कि हे माता, तू तो मुझे ही मारना जानती है। दाऊ यानी बलराम को कभी नहीं डाँटती। मोहन अर्थात् बाल श्रीकृष्ण के मुख से ये बातें सुनकर यशोदा बड़ी खुश हो जाती है।

(iii) सूरदास जी अपनी कृष्ण भक्ति का परिचय देते हुए कहते हैं कि मेरा मन अन्यत्र कहीं भी सुख नहीं पाता है। वह तो जहाज़ के पक्षी की तरह इधर-उधर भटक कर फिर से श्रीकृष्ण की भक्ति में रम जाता है।

4. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. दही 2. दाऊ 3. श्याम 4. गोधन 5. बकरी

भाषा से

(क) इन शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए।

रेनु	गण
सत	यसुमति
शरीर	द्यूत
दूत	महात्म्य

(ख) इनके पर्यायवाची शब्द लिखिए।

आँख -	नेत्र	दृग	माता -	अम्मा	माँ
श्रीकृष्ण -	श्याम	मोहन	कमल -	नीरज	अबुंज
पंछी -	पक्षी	विहग	गंगा -	देवनदी	सुरसरि

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 16 : यह मेरा : यह मीत का (प्रेरक-कथा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लेखक के शिक्षक किन शिक्षकों में से थे?
   हार्ड टॉस्क मास्टर।
2. व्यापारी-मीत को भिक्षुक का जीवन क्यों बिताना पड़ा?
   व्यापारी मीत को अपनी सारी संपत्ति लुट जाने के कारण भिक्षुक का जीवन बिताना पड़ा।

4. राजा ने याचक को कितनी मुद्राएँ दीं?
   सौ स्वर्ण मुद्राएँ।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. धनी बालक में क्या विशेष गुण था?
   धनी बालक में विशेष गुण यह था कि वह अपने निर्धन मित्र के प्रति सच्ची मित्रता रखता था।
2. निर्धन मित्र की सहायता हेतु धनी मित्र ने अपने पिता से क्या कहा?
   निर्धन मित्र की सहायता हेतु धनी मित्र ने अपने पिता से यह कहा कि- यदि दरिद्रता के कारण मेरा मीत पढ़-लिख नहीं सकता तो मैं भी नहीं पढ़ूँगा। उसकी तरह मैं भी दरिद्र रहूँगा।
3. निर्धन मित्र राज्य मंत्री के पद पर कैसे पहुँचा?
   निर्धन मित्र अपने धनी मित्र की आर्थिक सहायता से पढ़-लिख गया तथा अपनी योग्यता के बल पर उसने राज्य मंत्री का पद प्राप्त किया।
4. व्यापारी पुत्र पर कौन-सी घोर विपत्ति आई और कैसे?
   व्यापारी पुत्र की सारी संपत्ति डाकुओं द्वारा लूट ली गई तथा साथ ही उसके घर को भी जला दिया गया। अतः इसी कारण अपने परिवार को पालने के लिए उसे भिखारी का जीवन बिताना पड़ा।
5. मंत्री ने अपने व्यापारी मित्र की क्या सहायता की?
   मंत्री ने अपने व्यापारी मित्र को उसकी दरिद्रता से उबारने के उद्देश्य से राजा के हाथों सौ स्वर्ण मुद्राएँ दिलाने की व्यवस्था की।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. मंत्री मित्र राज्य मंत्री के पद पर होते हुए भी अपने व्यापारी मित्र की सहायता नहीं कर सका। क्या आप बता सकते हैं कि क्यों?
   मंत्री मित्र राज्य मंत्री के पद पर होते हुए भी अपने व्यापारी मित्र की सहायता नहीं कर सका, क्योंकि वह एक ईमानदार व्यक्ति था तथा उसके पास इतना धन एकत्र नहीं हो सका था कि वह अपने व्यापारी-मित्र को दे सके।
2. व्यापारी मित्र ने मंत्री के पुत्र को क्या सीख दी तथा उसका बालक पर क्या प्रभाव पड़ा?
   व्यापारी मित्र ने मंत्री के पुत्र को यह सीख दी कि तुम एक-एक ज्ञान को, एक-एक विद्या और गुण को अपना समझ लो तथा उसे अपने लिए तथा अपने मित्रों के लिए दिल और दिमाग में रखते जाओ तो छह वर्षों में तुम ज्ञान व गुण के लखपति बन जाओगे। बालक पर इस सीख का सकारात्मक प्रभाव पड़ा तथा वह पढ़-लिखकर योग्य व्यक्ति बना।
3. इस कहानी से आपने क्या सीखा? अपने शब्दों में लिखिए।
   इस कहानी से हमने यह सीखा कि सभी बच्चे पढ़ने-लिखने में समान रूप से सक्षम नहीं होते। किंतु 'यह मेरा- यह मेरे मीत का' एक ऐसी विधि है जिसकी सहायता से हम स्वयं तो सीख ही सकते हैं, साथ ही अपने साथी को भी सिखा सकते हैं। इस तरह सह-पठन की विधि द्वारा सीखना आसान हो जाता है।
4. पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए-
   (i) मित्रता (ii) वज्रपात (iii) आशा लता (iv) लखपति (v) पंडित, उत्तराधिकारी

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. व्यापारी के विद्वान मीत का 2. डाकुओं ने 3. पूर्णिमा के दिन 4. अपना पुत्र 5. व्यापारी मित्र ने

भाषा से

(क) अनेकार्थी शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

मत	- राय	-	आपका इस बारे में क्या मत है?
मत	- धर्म	-	आप किस मत से संबंध रखते हैं?
लाख	- लाक्षा	-	दुर्योधन द्वारा लाख का महल बनवाया गया।
लाख	- सौ हज़ार	-	उसे एक लाख रुपए का इनाम मिला।
सीधा	- भोला	-	रमेश बड़ा सीधा आदमी है।
सीधा	- जो टेढ़ा न हो	-	एक सीधी रेखा सींचिए।

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

मित्रता	×	शत्रुता	गुरु	×	लघु
गरीब	×	अमीर	अनपढ़	×	पढ़ा लिखा
विद्वान	×	मूर्ख	स्वर्ग	×	नरक
याचक	×	दाता	पूर्णिमा	×	अमावस्या
संपन्न	×	विपन्न	गुण	×	अवगुण

(ग) इन मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

स्वर्ग सिधारना	–	मर जाना	बुढ़िया कल स्वर्ग सिधार गई।
दाने-दाने का मुहताज	–	बहुत अधिक गरीब	व्यापारी पुत्र दाने-दाने का मुहताज हो गया था।
बुद्धि खुलना	–	ज्ञान प्राप्त होना	मंत्री के समझाने से सेवक की बुद्धि खुल गई।
मुँह लटकाना	–	नाराज हो जाना	रमेश की डाँट सुनने के बाद रमा ने मुँह लटका लिया।
हाथ मलना	–	पछताना	समय बर्बाद करोगे तो हाथ मलते रह जाओगे।

(घ) इनके बहुवचन लिखिए।

सुविधा	–	सुविधाएँ	विद्या	–	विद्याएँ
कला	–	कलाएँ	कथा	–	कथाएँ
लता	–	लताएँ	मुद्रा	–	मुद्राएँ
योजना	–	योजनाएँ	सभा	–	सभाएँ
व्यवस्था	–	व्यवस्थाएँ	महिला	–	महिलाएँ

(ङ) संयुक्त व्यंजनों के रूप समझकर दो दो शब्द बनाइए।

व्यय	व्यापार
कद्र	भद्र
सत्य	त्याज्य
वक्त	मुक्ति
प्यास	प्याज
सस्ता	बस्ता

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 17 : वतन के लिए (नाटक)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. टीपू कौन था?
   मैसूर का सुल्तान।
2. दूत किसका संदेश लेकर आया था?
   जनरल कार्नवालिस।
3. अंग्रेज़ जमानत के तौर पर क्या चाहते थे?
   टीपू के शाहजादे।
4. बड़े शाहजादे की आयु क्या थी?
   दस वर्ष।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बंगाल के गवर्नर का दूत टीपू से क्यों मिलना चाहता था?
   बंगाल के गवर्नर का दूत टीपू से उनका संदेश देने के लिए मिलना चाहता था।
2. टीपू अंग्रेज़ों के साथ संधि करने पर विवश था, क्यों?
   टीपू अंग्रेज़ों के साथ संधि करने के लिए विवश था, क्योंकि वह अंग्रेज़ों से युद्ध में हार गया था।
3. महामंत्री ने टीपू को क्या युक्ति सुझाई?
   महामंत्री ने टीपू को शाहजादों के स्थान पर किन्हीं और बालकों को शाहजादे बनाकर अंग्रेज़ों के पास भेजने की युक्ति सुझाई।
4. शाहजादों ने टीपू की चिंता का निवारण कैसे किया?
   शाहजादों ने टीपू के मन में देशभक्ति एवं त्याग की भावना जगाई तथा उनको इस बात के लिए मना लिया कि वे उन्हें यानी अपने शाहजादों को अंग्रेज़ों के पास भेज दें। इस तरह अपने वीर शाहजादों की देशभक्ति को देखकर टीपू उन्हें अंग्रेज़ों के पास भेजने के लिए तैयार हो गया तथा उसकी चिंता का निवारण हो गया।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. जनरल कार्नवालिस ने टीपू के सामने क्या-क्या शर्तें रखी थी?
   जनरल कार्नवालिस ने टीपू के सामने निम्नलिखित शर्तें रखी थीं-
   (i) युद्ध में हुई अंग्रेज़ी सेना की आर्थिक क्षतिपूर्ति के फलस्वरूप तीन करोड़ तीस लाख की राशि एकमुश्त अदा की जाए।
   (ii) लिखित रूप में यह वचन दिया जाए कि आप भविष्य में अंग्रेज़ों के विरुद्ध सिर नहीं उठाएँगे।
   (iii) टीपू को अपने दोनों शाहजादे जमानत के तौर पर अंग्रेज़ों के पास रखने होंगे।
2. टीपू अपने महामंत्री द्वारा सुझाई गई युक्ति को क्यों नहीं अपनाना चाहता था?
   टीपू अपने महामंत्री द्वारा सुझाई गई युक्ति को नहीं अपनाना चाहता था, क्योंकि उनका दिल नहीं मान रहा था कि वह अपने बच्चों के लिए किसी और के बच्चों की बलि चढ़ा दें। वह जानते-बूझते ऐसा नीच कृत्य नहीं करना चाहते थे।
3. टीपू अपने शाहजादों को अंग्रेजों के पास भेजने के लिए कब तथा कैसे तैयार हुआ?
   टीपू के शाहजादों ने महामंत्री तथा अपने पिता के बीच हो रही बातें सुन ली थीं। शाहजादे नहीं चाहते थे कि उनके स्थान पर कोई अन्य बच्चे अंग्रेजों के पास भेजे जाएँ। इसीलिए शाहजादों ने अपनी वीरता तथा साहस का परिचय देते हुए टीपू को इस बात के लिए राजी कर लिया कि वह उनको अंग्रेज़ों के पास भेज दें। टीपू अपने शाहजादों की वीरता, देशभक्ति तथा त्याग की भावना तथा अपने कर्तव्य से प्रेरित होकर उन्हें अंग्रेज़ों के पास भेजने के लिए तैयार हो गया।
4. किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए-
   (i) टीपू ने महामंत्री से कहा, क्योंकि उन्होंने टीपू से उसकी निराशा के बारे में पूछा था।
   (ii) महामंत्री ने टीपू से कहा, क्योंकि वह नहीं चाहता था कि टीपू जल्दबाजी में कोई फ़ैसला लें।
   (iii) टीपू ने महामंत्री से कहा, क्योंकि किसी और के बच्चों को अंग्रेज़ों के पास भेजने के लिए उनका मन नहीं मान रहा था।
   (iv) शाहजादों ने टीपू से कहा, क्योंकि वह वजीरे-आजम द्वारा दिए गए सुझाव के बारे में बात करना चाहते थे।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. बंगाल के गवर्नर ने 2. टीपू सुलतान 3. तीन 4. आठ वर्ष 5. अपने शाहजादे भेजने के लिए तैयार हो गया।

भाषा से

(क) इन शब्दों के हिंदी पर्याय लिखिए।

श्रीमान	संधि
विरुद्ध	राजकुमार
संतान	अवकाश
सही	सफल
मना	सच्चा
आज्ञा	अंतर

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

उपयुक्त	×	अनुपयुक्त	राजा	×	रंक
प्रथम	×	अंतिम	वफा	×	बेवफाई
उपस्थित	×	अनुपस्थित	ताकत	×	कमजोरी
चिंतित	×	निश्चिंत	प्यार	×	दुश्मनी

(ग) उचित मिलान कीजिए।

राजा	-	नृप	नरेश	सम्राट
सेवक	-	सेवादार	नौकर	चाकर
युद्ध	-	रण	लड़ाई	संग्राम
तलवार	-	खड्ग	कृपाण	करवाल
लड़का	-	बाल	बालक	बच्चा

(घ) संधि-विच्छेद कीजिए।

अन	+	उपयुक्त	मन:	+	स्थिति
अभि	+	वादन	सिंह	+	आसन
सम्	+	मुख	चिंता	+	मग्न

(ङ) स्वयं करें।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 18 : प्रणति (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कवि किनकी जय बोलने को कहता है?
   वीर सैनिक।
2. मुँह खोलकर स्नेह किसने नहीं माँगा?
   वीर शहीदों ने।
3. देशभक्तों ने क्या जलाकर चेतना की चिंगारी छिटकाई?
   अस्थियाँ।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गरदन का मोल लिए बिना कौन कहाँ चढ़ गए और क्यों?
   अपनी गरदन का मोल लिए बिना वीर राष्ट्रभक्त अपने राष्ट्र की रक्षा के लिए पवित्र बलि वेदी पर चढ़ गए।
2. कवि ने इतिहास को 'अंधा' 'चकाचौंध का मारा' तथा 'बेचारा' क्यों कहा है?
   कवि ने इतिहास को अंधा, चकाचौंध का मारा एवं बेचारा इसलिए कहा है, क्योंकि भारतमाता पर कुर्बान होने वाले अधिकांश वीर सैनिकों की गाथा इतिहास में दर्ज नहीं है। उनकी कुर्बानी के साक्षी तो केवल सूर्य, चंद्रमा आदि हैं।
3. धरती अब तक क्यों डोल रही है?
   देश पर मर-मिटने वाले वीर सैनिकों की शेर जैसी दहाड़ से धरती अब तक डोल रही है। क्योंकि जब उन्होंने दुश्मन को ललकारते हुए सिंहनाद किया था तब धरती सहम गई थी।

(ग) निबंधात्मक-प्रश्न।

1. आशय स्पष्ट कीजिए।
   कवि वीर सैनिकों का वर्णन करते हुए कहता है कि न जाने कितने ही दीपक तूफानों के बीच जले और जलकर बुझ गए। अर्थात् असंख्य वीर अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ते हुए शहीद हो गए और उन्होंने अपनी कुर्बानी के बदले किसी से कभी मुँह खोलकर स्नेह तक नहीं माँगा।
2. इस कविता से आपने क्या सीखा?
   इस कविता से हमने राष्ट्रप्रेम अथवा राष्ट्रभक्ति की प्रेरणा प्राप्त की। हमने सीखा कि जो लोग अपनी मातृभूमि से सच्चा प्रेम करते हैं वे उस पर नि:स्वार्थ भाव से कुर्बान होते हैं। उन्हें अपनी कुर्बानी के बदले में किसी के स्नेह या पुरस्कार की ज़रूरत नहीं होती।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. स्नेह 2. देशभक्तों के 3. अपनी कलम से

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

सूर्य	–	रवि	सूरज	भानु
दीप	–	दीपक	दीया	
दिन	–	वार	वासर	दिवा

(ख) विलोम शब्द लिखिए।

पुण्य	×	पाप	लघु	×	महान
जय	×	पराजय	स्नेह	×	घृणा
धरती	×	आकाश	पुण्य	×	पाप

(ग) इनके अनेकार्थी शब्द लिखिए।

जल	–	पानी	इज्जत	कांति
लाल	–	बेटा	लाल रंग	माणिक्य
कर	–	हाथ	टैक्स	हाथी की सूँड

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

उत्तरमाला : हिंदी रीडर-8

पाठ 1 : जागो जीवन के प्रभात (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. उषा क्या बटोरती है?
   अरुण गात।
2. मलय वात कैसा अनुभव कराता है?
   सुखद अनुभव।
3. अरुणांचल से क्या तात्पर्य है?
   पूर्व दिशा।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. 'जीवन के प्रभात' से कवि का क्या आशय है?
   जीवन के प्रभात से कवि का आशय है- जीवन की नई सुबह।
2. कवि ने हिमकणों की तुलना किससे की है और क्यों?
   कवि ने हिमकणों की तुलना आँसुओं से की है, क्योंकि ये कण आँसुओं की बूँदों की भाँति प्रतीत होते हैं।
3. प्रभात होने पर कवि हमसे क्या करने को कह रहा है?
   कवि प्रभात होने पर हमसे जाग जाने के लिए कह रहा है, ताकि हम अपने काम-काज में जुट सकें।
4. नयनरूपी तारकगण प्रातः होते ही कहाँ छिप जाते हैं?
   नयनरूपी तारकगण प्रातः होते ही सूर्य की किरणों के पीछे छिप जाते हैं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

आशय स्पष्ट कीजिए।

कवि सूर्योदय का वर्णन करते हुए कहता है कि सूर्य की किरणें समस्त वातावरण में फैल रही हैं तथा अंधकार रूपी आँखों में चमकने वाले तारे उनमें लुप्त हो रहे हैं। सुगंधित हवा चल रही है जो बड़ी ही सुखकारी है। अतः हे मानव, अब जाग जा। जीवन की नई सुबह हो गई है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. ओस 2. लाल 3. सुखद

भाषा से

(क) इनके विलोम शब्द लिखिए।

प्रभात	–	सायं	क्षोभ	–	निर्भयता
सुखद	–	दुखद	जीवन	–	मरण

(ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

नयन	–	आँख	नेत्र	तम	–	अंधकार	अँधेरा
गात	–	शरीर	काया	वसुधा	–	धरा	धरती
रजनी	–	रात	निशा	प्रभात	–	प्रातः	सुबह

(ग) इन शब्दों का अंतर वाक्य द्वारा स्पष्ट कीजिए।

बात – उसकी बात सुनकर सब खुश हो गए।
वात – उसे वात रोग है।
ओस – घास पर ओस की बूँदें थीं।
ओज – उसके चेहरे पर अनोखा ओज था।
गात – उसने तौलिया लिया और अपना पूरा गात पोंछा।
घात – शिकारी ने घात लगाकर शेर पर धावा बोला।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 2 : पानी और पुल (कहानी)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गाड़ी किस स्टेशन से रवाना हुई थी?
   लाहौर।
2. लेखक तथा अन्य यात्री कहाँ जा रहे थे?
   पंजे साहब।
3. विभाजन के समय पंजाब की पाँचों नदियों का जल क्या बन गया था?
   उन्माद की तीखी शराब।
4. लेखक के पिता मूल सिंह कहाँ के रहने वाले थे?
   सराई।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. सराई के स्टेशन पर लोगों की भीड़ द्वारा वहाँ से गए लोगों के बारे में पूछने पर लेखक का रोयाँ-रोयाँ क्यों काँप उठा?
   सराई के स्टेशन पर लोगों की भीड़ द्वारा वहाँ से गए लोगों के बारे में पूछने पर लेखक का रोयाँ-रोयाँ काँप उठा, क्योंकि उसे विभाजन के समय हुई मार-काट का स्मरण हो आया था और वह डर गया था।
2. लेखक के पिता मृत्यु कैसे हुई थी?
   लेखक के पिता की मृत्यु उनके पेट में मौजूद रिसौली के फूटने से हुई थी।
3. लेखक के मामा जी क्यों कुढ़ रहे थे?
   लेखक के मामा जी इसलिए कुढ़ रहे थे, क्योंकि सराई वालों ने पहले तो उन लोगों को मार-मारकर वहाँ से बाहर निकाल दिया और अब वही वापस सराई में आकर बस जाने की बात कह रहे थे। अत: मामा जी को उनका यह बदलाव पसंद नहीं था।
4. लेखक तथा अन्य यात्री कहाँ तथा क्यों जा रहे थे?
   लेखक तथा अन्य यात्री पंजे साहब जा रहे थे, क्योंकि वे सिक्खों के इस पवित्र स्थल के दर्शन करना चाहते थे।
5. सराई के लोगों ने लेखक की माँ से क्या विनती की?
   सराई के लोगों ने लेखक की माँ से वापस सराई में आकर बस जाने की विनती की।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. लेखक की माँ के पाकिस्तान जाने का विरोध क्यों किया गया था?
   लेखक की माँ के पाकिस्तान जाने का विरोध किया गया था, क्योंकि उस समय पंजाब में भयंकर दंगों का दौर चल रहा था। हिंदू-मुसलमान एक-दूसरे को मारने-काटने पर तुले थे। इसलिए परिवार का कोई भी सदस्य नहीं चाहता था कि वह पंजाब जाए। उस समय पंजाब में जाना स्वयं आग में कूदने जैसा था।
2. सराई गाँव के लोगों ने लेखक तथा उसकी माँ के साथ कैसा व्यवहार किया?
   सराई गाँव के लोगों ने लेखक तथा उसकी माँ के साथ बहुत अच्छा व्यवहार किया। उन्होंने उनसे उनके परिवार की कुशलता के बारे में पूछा तथा प्रेम के उपहार स्वरूप बादाम, अखरोट तथा किशमिश से भरी थैलियाँ भेंट कीं। साथ ही लेखक की माँ से विनती की कि वह फिर से अपने परिवार सहित सराई (पाकिस्तान) में आकर बस जाए।
3. किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए-
   (i) लेखक की माँ ने लेखक से कहा, क्योंकि वह सराई जाने वाली रेल लाईन के प्रत्येक स्टेशन से भली-भाँति परिचित थी।
   (ii) लेखक ने सराई के लोगों से कहा, क्योंकि उन्होंने लेखक के पिता का नाम पूछा था।
   (iii) एक आदमी ने गार्ड से कहा, क्योंकि वह गाड़ी चलाने के लिए सीटी बजाना चाहता था।
   (iv) एक आदमी ने लेखक की माँ से कहा, क्योंकि उसे लेखक के पिता की मौत की ख़बर सुनकर अपना दु:ख प्रकट करना था।
   (v) एक आदमी ने लेखक की माँ से कहा, क्योंकि वह उन्हें वापस सराई आकर बस जाने हेतु राजी करना चाहता था।
4. आशय स्पष्ट कीजिए।
   लेखक विभाजन के समय उत्पन्न स्थिति का वर्णन करते हुए कहता है कि विभाजन के समय पंजाब की पाँचों नदियों का जल पागलपन की शराब बन गया था अर्थात् सब पर मार-काट का भूत सवार था।
   लेखक दंगों के रुक जाने के बाद की स्थिति का वर्णन करते हुए कहता है कि दंगों की आग बुझ जाने के बाद पेशावर तक लाहौर तथा अमृतसर के बीच की ज़मीन फट-सी गई थी तथा उस पार एक गहरी खाई बन गई थी। अर्थात् विभाजन की एक एक ऐसी रेखा खींच गई थी कि दोनों तरफ के लोग एक-दूसरे के लिए पराए हो गए थे।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. तीन सौ 2. दयाल सिंह 3. उत्तर प्रदेश में 4. पोटलियाँ 5. जेहलम नदी को

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

गहरी	–	उथली	विरोध	–	समर्थन
अनिष्ट	–	ईष्ट	ज़मीन	–	आसमान
अंधकारमय	–	प्रकाशमय	अपना	–	पराया
पुराना	–	नया	तरल	–	ठोस
बाहर	–	भीतर	कोलाहल	–	शांति
बूढ़ा	–	जवान	निर्मल	–	मलिन

(ख) 'बे' उपसर्ग लगाकर छह शब्द बनाइए।

बेकार	बेशर्म	बेअदब
बेइज्जत	बेलगाम	बेखबर

(ग) पूर्ण पुनरुक्ति शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

1. वह बार-बार छत पर चढ़ रहा था।
2. नदी का जल कल-कल करते हुए बह रहा था।
3. उसे अपना घर भी बेगाना-बेगाना-सा लग रहा था।
4. उसकी नस-नस में जोश उमड़ आया था।
5. गाड़ी फच-फच की ध्वनि उत्पन्न करते हुए चल रही थी।
6. लेखक डर गया तथा उसका रोयाँ-रोयाँ काँप उठा।

(घ) संयुक्ताक्षरों को अलग करके उनसे दो-दो नए शब्द बनाइए।

न्म	–	जन्म	आजन्म
स्थ	–	स्थित	स्थान
च्छ	–	गुच्छा	लच्छी
ब्ब	–	गुब्बारा	गब्बर
च्च	–	कच्चा	सच्चा

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का परिचय दीजिए।

1. विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, लड़की विशेष्य का विशेषण क्रिया पदबंध, अकर्मक, क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, कर्तृवाच्य
2. सर्वनाम, अन्य पुरुष, बहुवचन, पुल्लिंग, दिनों संज्ञा का विशेषण, व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, संबधकारक, क्रिया, सकर्मक, संयुक्त क्रिया, एकवचन, पूर्ण भूत कर्तृवाच्य
3. जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, सोई नहीं क्रिया का कर्ता सर्वनाम, पुरुषवाचक, मध्यम पुरुष, स्त्रीलिंग, एकवचन
4. सम्मतिसूचक शब्द, पुल्लिंग, एकवचन संख्यासूचक शब्द, बहुवचन, पुल्लिंग

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 3 : अकबरी लोटा (व्यंग्य)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लाला झाऊलाल की पत्नी ने उनसे कितने रुपए माँगे?
   ढाई सौ रुपए।
2. लाला झाऊलाल ने अपनी विपदा किसे सुनाई?
   पंडित बिलवासी मिश्र को।
3. लोटा किस पर जाकर गिरा?
   अंग्रेज़ पर।
4. अंग्रेज़ ने लोटा कितने रुपए में खरीदा?
   पाँच सौ रुपए।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. लाला झाऊलाल की पत्नी ने अचानक उनसे ढाई सौ रुपए माँग लिए थे जो उनके पास नहीं थे। अतः उनके लिए ढाई सौ रुपए की व्यवस्था करना एक बड़ी विपदा के समान था।
2. लोटा कब तथा कैसे गिरा?
   लोटा तब गिरा जब लाला झाऊलाल उससे पानी पी रहे थे। एकाएक न जाने उनका हाथ कैसे हिला कि लोटा हाथों से छूटकर नीचे जा गिरा।
3. लाला झाऊलाल को अंग्रेज़ी के किस कोश का ज्ञान हुआ?
   लाला झाऊलाल को अंग्रेज़ के माध्यम से अंग्रेज़ी के उस कोश का ज्ञान हुआ जिसमें ठूँस-ठूँसकर गालियाँ भरी हुई थीं। क्योंकि अंग्रेज़ उन्हें चुन-चुनकर गालियाँ दे रहा था।
4. अंग्रेज़ लोटे से इतना प्रभावित क्यों हुआ?
   अंग्रेज़ लोटे से बहुत अधिक प्रभावित हुआ, क्योंकि पंडित बिलवासी मिश्र ने उस लोटे को अकबरी लोटे के रूप में वर्णित किया तथा उसका इतिहास बताते हुए उस लोटे को खरीदने की इच्छा प्रकट की।
5. लोटे के असली ग्राहक तथा उसकी कीमत का फ़ैसला कैसे किया गया?
   लोटे के असली ग्राहक तथा उसकी कीमत का फ़ैसला लोटे की बोली लगाकर किया गया। पंडित बिलवासी मिश्र तथा अंग्रेज़ दोनों ने लोटे के दाम लगाए तथा अंत में लोटे का ग्राहक अंग्रेज़ को ठहराया गया, क्योंकि उसने लोटे को बिलवासी से अधिक दाम में खरीदने का साहस दिखाया।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. पंडित बिलवासी ने लोटे को बिकवाने में क्या भूमिका निभाई तथा कैसे?
   पंडित बिलवासी ने लोटे को बिकवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी होशियारी का परिचय देते हुए पहले तो अंग्रेज़ के सामने उसे अकबरी लोटा घोषित किया तथा फिर उसका झूठा इतिहास बताते हुए अंग्रेज़ को उस लोटे की ओर आकर्षित किया तथा अंग्रेज़ को लोटा खरीदने के लिए उकसाया। लोटे की खरीद में स्वयं शामिल होते हुए उसके बढ-चढ़कर दाम लगाए, किंतु बाद में अंग्रेज़ के सामने हार मान ली तथा वह लोटा अंग्रेज़ को ही खरीदना पड़ा।
2. श्रीमान डगलस कौन था तथा उसने जहाँगीरी अंडा किससे तथा कितने में खरीदा था? अंडे की क्या विशेषता थी?
   श्रीमान डगलस अंग्रेज़ का पड़ोसी था। पिछले साल वह हिंदुस्तान में आया था तथा यहाँ के एक व्यक्ति से उसने जहाँगीरी अंडा खरीदा था। जहाँगीरी अंडे की विशेषता यह थी कि वह उस कबूतर का अंडा था जिसने जहाँगीर तथा नूरजहाँ के बीच प्रेम कराया था।
3. अंग्रेज़ ने उस लोटे को पाँच सौ रुपए में क्यों खरीद लिया?
   पंडित बिलवासी बड़े ही चालाक व्यक्ति थे। उन्होंने लाला झाऊलाल के साधारण से लोटे को अकबरी लोटा बताकर उसका लंबा-चौड़ा इतिहास गढ़ दिया। फिर अंग्रेज़ के सामने उस लोटे को स्वयं खरीदने की इच्छा जाहिर की। अंग्रेज़ पुरानी चीज़ें खरीदने का शौकीन था तथा पुरानी चीजों को लेकर उसकी अपने पड़ोसी मेजर डगलस से प्रतिस्पर्धा थी। इसी कारण वह बिलवासी के साथ भिड़ गया तथा उसने लोटे के अधिकतम दाम लगाकर उसे पाँच सौ रुपए में खरीद लिया।
4. पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए-
   (i) पंडित बिलवासी मिश्र (ii) गिलास (iii) बदन, खून (iv) अकबर (v) अंतर्ध्यान
5. सही/गलत लिखिए-
   (i) सही (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत (v) सही

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. सातवें दिन 2. बहुत नापसंद था 3. शेरशाह 4. पाँच सौ रुपए 5. जहाँगीरी अंडा

भाषा से

(क) इन शब्दों के उपसर्ग तथा प्रत्यय अलग करके लिखिए।

अन	अधिकार	ई
सु	शिक्षा	इत
वि	श्वसन	ईय
वि	फल	ता
निर्	मल	ता

(ख) इन विशेष्यों के लिए विशेषण पाठ से ढूँढ़कर लिखिए।

अकबरी लोटा	पाँच सौ रुपए
पक्का वादा	शाही घराना

ऊँचे तिमंजिले	ऐतिहासिक चीज़ें
बिल्लोरी हाँडी	जहाँगीरी अंडा

(ग) विलोम शब्द लिखिए।

नया	–	पुराना	पास	–	दूर
मुश्किल	–	आसान	शक्ति	–	कमज़ोरी
अपराधी	–	निरपराधी	मालिक	–	नौकर
शौक	–	आदत	सुखद	–	दुखद

(घ) नीचे दिए गए वाक्यों में कारक रेखांकित कर उनका नाम लिखिए।

1. ने — कर्ता कारक
2. के लिए — संप्रदान कारक
3. में — अधिकरण कारक
4. से — अपादान कारक
5. का — संबंध कारक
6. ने — कर्ता कारक

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 4 : एलबम (कहानी)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पंडित शादीराम कौन था?
   पंडित शादीराम लाला सदानंद का पुरोहित था।
2. पंडित शादीराम ने किससे कर्ज लिया था?
   लाला सदानंद से।
3. पुरानी पत्रिकाएँ किसने खरीदी थीं?
   पुरानी पत्रिकाएँ पंडित शादीराम के बड़े भाई ने खरीदी थीं।
4. पत्रिकाओं से तस्वीरें काटकर एलबम बनाने का सुझाव किसने दिया?
   लाला सदानंद।
5. एलबम कितने में बिका?
   एक हज़ार रुपया।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पंडित शादीराम की चिंता का क्या कारण था?
   पंडित शादीराम की चिंता का कारण लाला सदानंद का पाँच सौ रुपए का कर्ज़ था जिसे वह लंबे समय से चुका नहीं पा रहा था।
2. लाला सदानंद ने पत्रिकाएँ देखकर पंडित जी से क्या कहा?
   लाला सदानंद ने पत्रिकाएँ देखकर पंडित जी से कहा कि इनमें छपे सुंदर और रंगीन चित्र चित्रकला के बढ़िया नमूने हैं। अत: इनकी एलबम बनाकर किसी को बेच दीजिए। कोई-न-कोई शौकीन एलबम को अवश्य खरीद लेगा।
3. पंडित शादीलाल के लिए एक-एक पैसा मोहर जैसा क्यों था?
   पंडित शादीलाल के लिए एक-एक पैसा मोहर के जैसा था, क्योंकि उसकी आर्थिक स्थिति बहुत कमज़ोर थी।
4. लाला जी के बेसुध होने पर कौन-सा रहस्य खुला?
   लाला जी के बेसुध होने पर पंडित जी को उनके सिराहने से वही एलबम मिला जिसे कोलकाता के मारवाड़ी के नाम स्वयं लाला जी ने ही खरीदा था। अब पंडित जी जान गए थे कि लाला जी ने उनकी आर्थक मदद करने के लिए ही एलबम का किस्सा रचा था।
5. अंत में पंडित शादीराम ने लाला सदानंद के बारे में क्या सोचा?
   अंत में पंडित शादीराम ने लाला सदानंद के बारे में यह सोचा कि लाला जी बहुत बड़े सज्जन, उपकारी तथा ऊँचे व्यक्ति हैं। उनकी उदारता की कोई सीमा नहीं है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. लाला सदानंद का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में लिखिए।
   लाला सदानंद उन व्यक्तियों में से थे जो इनसानियत को धन से अधिक महत्व देते हैं। उनमें एक सज्जन या श्रेष्ठ इंसान होने के समस्त गुण मौजूद थे, जैसे कि उदारता या दयालुता, नेकी, परोपकारिता की भावना आदि। अपने इन्हीं गुणों से प्रभावित होकर लाला जी ने गरीब पंडित शादीराम की आर्थिक सहायता करने के उद्देश्य से शादीराम को चित्र एलबम बनाकर बेचने की सलाह दी तथा फिर उस एलबम को गुप्त रूप से स्वयं ही एक हज़ार रुपए में खरीद लिया। इस उदाहरण से स्वत: ही स्पष्ट हो जाता है कि लाला जी बड़े नेक तथा परोपकारी इनसान थे।
2. आशय स्पष्ट कीजिए।
   (ii) लाला सदानंद इतने भले आदमी थे कि उनके सामने आँखें उठाकर बात करने की हिम्मत नहीं होती थी।
   (iii) अत्यधिक निराशा अथवा नाउम्मीदी ने सब दरवाज़े बंद कर दिए थे, अर्थात् कहीं से भी काम बनने के आसार नजर नहीं आते थे।
   (iv) दिन भर दिल में आशा बनी रहती थी किंतु रात को वही ऐसे समाप्त हो जाती थी जैसे कि सड़क पर मौजूद धूल संध्या के समय बैठ जाती है।
   (v) मुझे आज हलका अर्थात् कर्ज़ से मुक्त हो जाने दीजिए।
3. इस कहानी से प्राप्त शिक्षा के बारे में लिखिए।
   इस कहानी से हमने यह शिक्षा प्राप्त की कि हमें अपने से गरीब व्यक्ति की सहायता अवश्य करनी चाहिए तथा साथ ही यह ध्यान भी रखना चाहिए कि हम जिसकी सहायता कर रहे हैं उसके आत्मसम्मान को भी किसी प्रकार की ठेस न पहुँचे। अन्य शब्दों में-हमें अपने जीवन में उदारता एवं परोपकारिता को विशेष महत्व देना चाहिए।
4. खाली स्थान भरिए-
   (i) पुरोहित (ii) निराशा (iii) डाकिए (iv) बेसुध (v) चिरंजीवी

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. परोपकारी 2. पाँच सौ रुपए का 3. अस्सी रुपए 4. हज़ार रुपए

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

गरीब	–	अमीर	रोना	–	हँसना
अपना	–	पराया	सुंदर	–	कुरूप
बीमार	–	स्वस्थ	बढ़िया	–	घटिया
अंधकार	–	प्रकाश	ठंडी	–	गरम
शांति	–	अशांति	आशा	–	निराशा

(ख) वचन बदलिए।

पैसा	–	पैसे	आशा	–	आशाएँ
भाषा	–	भाषाएँ	सड़क	–	सड़कें
पत्रिका	–	पत्रिकाएँ	चारपाई	–	चारपाइयाँ

(ग) इन मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

सिर पीटना	–	पछताना	काम बिगड़ने पर सिर पीटने के सिवा बचता ही क्या है?
दिल काँपना	–	घबरा जाना	कार दुर्घटना देखकर मेरा तो दिल ही काँप गया।
पेट काट काटकर	–	बड़ी मुश्किल से	पंडित जी ने पेट काट-काटकर अस्सी रुपए जमा किए।

(घ) इनके लिए विशेषण लिखिए।

बड़ी	रकम	पुरानी	इमारत
दयालु	लाला जी	सुंदर	एलबम
छोटा	बच्चा	सौ	रुपए
घना	जंगल	कीमती	वस्तु
तेज़	बारिश	ताज़ा	दूध
		ऊँची	आवाज़

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 5 : कर्ण का मित्र प्रेम (कविता)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कर्ण किससे बात कर रहा है?
   श्रीकृष्ण से।
2. कर्ण का रोम-रोम किसका ऋणी है?
   दुर्योधन का।
3. सूर्य और सोम कौन हैं?
   सूरज और चंद्रमा।
4. कर्ण ने अनमोल रत्न किसे बताया है?
   मित्रता को।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. इस कविता में कौन किसको संबोधित कर रहा है और क्यों?
   इस कविता में श्रीकृष्ण कर्ण को संबोधित कर रहे हैं, क्योंकि वह चाहते हैं कि कर्ण दुर्योधन का साथ छोड़कर पांडवों के पक्ष में आ जाए।
2. इस कविता के आधार पर कर्ण और दुर्योधन की मित्रता का उल्लेख कीजिए।
   यह कविता पढ़कर स्पष्ट हो जाता है कि कर्ण तथा दुर्योधन के बीच सच्ची मित्रता है। क्योंकि कर्ण का तन, मन, धन सबकुछ दुर्योधन को अर्पित है तथा उसकी मित्रता के सामने स्वर्ग भी कर्ण के लिए तुच्छ वस्तु है। वह दुर्योधन की मित्रता पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने के लिए सदैव तत्पर रहता है।
3. 'है ऋणी कर्ण का रोम-रोम।' इस कथन का क्या आशय है?
   इस कथन का यह आशय है कि कर्ण का रोम-रोम कर्जदार है। अर्थात् कर्ण पूर्ण रूप से दुर्योधन का कर्जदार है।
4. मित्रता को 'बड़ा अनमोल रत्न' क्यों कहा गया है?
   मित्रता को धन से नहीं तोला जा सकता। मित्रता संसार की सबसे अनमोल चीज़ है। अत: इसी कारण कवि ने मित्रता को बड़ा अनमोल रत्न कहकर संबोधित किया है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. स्वयं करें।
2. इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।
   (i) कर्ण अपने ऊपर दुर्योधन के अहसानों का वर्णन करते हुए श्रीकृष्ण को बताता है कि वह तो धूल में पड़ा हुआ था। दुर्योधन के स्नेह को पाकर ही वह बड़ा हुआ है तथा उसी के कारण उसे मान-सम्मान मिला है। उसी ने उसको राजा बनाकर गौरव प्रदान किया है।
   (ii) कर्ण अपनी मित्रता की चर्चा करते हुए कहता है कि इस धरती की तो बिसात ही क्या है। अगर स्वर्ग भी उसके हाथ आ जाए तो वह उसको भी कुरुपति यानी दुर्योधन के चरणों में अर्पित कर देगा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. कर्ण 2. दुर्योधन 3. स्वर्ग 4. अनमोल रत्न

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

सच	–	झूठ	सम्मान	–	अपमान
जीवन	–	मरण	सुरपुर	–	असुरपुर
मित्रता	–	शत्रुता	धरती	–	आकाश

(ख) इनके पर्यायवाची शब्द लिखिए।

मित्र	–	मीत	सखा	दोस्त
राजा	–	नृप	नरेश	सम्राट
तरु	–	पेड़	वृक्ष	पादप
सूर्य	–	सूरज	भानु	रवि
सोम	–	चाँद	चंद्रमा	तारकपति

(ग) भाववाचक संज्ञा बनाइए तथा उन्हें वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

मित्रता – सच्ची मित्रता अनमोल रत्न के समान है। अच्छाई – आदमी को अच्छाई को अपनाना चाहिए।

ऋण – व्यक्ति को ऋण लेकर भूलना नहीं चाहिए। नरत्व – नर हो तो नरत्व का पालन करो।

(घ) मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

1. रोम-रोम ऋणी होना – पूरी तरह से एहसानों में डूबे होना। – कर्ण का रोम-रोम दुर्योधन का ऋणी था।
2. मुख मोड़ना- साथ छोड़ना। – भले मित्र विपत्ति में साथ देते हैं, मुख नहीं मोड़ते।
3. बाँह गहना - सहारा लेना। – जिसकी बाँह गही हो उस नर का मान रखना ज़रूरी है।
4. वार न चलने देना - दुश्मन को सक्रिय न होने देना। – तुम कितनी ही कोशिश कर लो, मैं तुम्हारा वार न चलने दूँगा।
5. कुठार चलने देना - नाश होने देना। – कर्ण दुर्योधन पर कुठार चलते नहीं देख सकता था।

(ङ) अनेकार्थी शब्द लिखिए।

रोम - रोवाँ छिद्र कर्ण - कान कुंती पुत्र कर्ण

घट - घड़ा शरीर कृष्ण - काला वासुदेव का पुत्र

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 6 : देशप्रेम के दाम (कहानी)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. नारायण बाबू छद्म वेश में क्या करते घूम रहे थे?
   नारायण बाबू आज़ादी की अलख जगाते घूम रहे थे।
2. नारायण बाबू की पत्नी का क्या नाम था?
   सौदामिनी।
3. श्रम मंत्री कौन थे?
   स्वतंत्रता सेनानी।
4. मधुमिता का ट्रांसफर कहाँ हुआ था?
   कोरापुट।
5. नारायण बाबू के लिए सरकार द्वारा कितना भत्ता देना स्वीकार हुआ था?
   पाँच सौ रुपए प्रतिमास।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. नारायण बाबू क्यों और कैसे पकड़े गए?
   नारायण बाबू रातभर अपने बीमार बच्चे की देखभाल में लगे रहे, जबकि उन्हें घंटे भर बाद ही जगह छोड़ देनी थी। अत: सुबह होते ही पुलिस ने उनके घर को घेर लिया तथा उन्हें गिरफ्तार कर लिया।
2. नारायण बाबू आधी रात में घंटे-दो-घंटे के लिए ही घर आ पाते थे, क्यों?
   नारायण बाबू आधी रात में घंटे-दो-घंटे के लिए ही घर आ पाते थे, क्योंकि पुलिस उनके पीछे पड़ी हुई थी और बार-बार उनकी पत्नी से पूछताछ करने के लिए उनके घर आती रहती थी।
3. महात्मा गाँधी का नारायण बाबू पर क्या प्रभाव था?
   नारायण बाबू पर महात्मा गाँधी का गहरा प्रभाव था। उनके आह्वान पर ही उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी थी तथा तन-मन से स्वतंत्रता आंदोलन में कूद गए थे।
4. नारायण बाबू को स्वतंत्रता के बाद के अनशनकारियों से क्या शिकायत थी?
   नारायण बाबू को स्वतंत्रता के बाद के अनशनकारियों से यह शिकायत थी कि वे अपनी अंतिम साँस तक अनशन करने के लिए अनशन नहीं करते, बल्कि फलों का रस पीकर अनशन तोड़ने के लक्ष्य से अनशन करते हैं।
5. नारायण बाबू को गोकुल भोल की बहुत याद आती थी, क्यों?
   स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों में जब नारायण बाबू जेल में बंद हुए थे, तब गोकुल भोल ही उनकी टहल किया करता था। इसी कारण उसके लिए नारायण बाबू के दिल में अगाध प्रेम था। अत: वह अक्सर गोकुल भोल को याद कर लिया करते थे।
6. सनातन और मधुमिता नारायण से क्या अपेक्षा रखते थे?
   सनातन और मधुमिता नारायण बाबू से यह अपेक्षा रखते थे कि वह स्वतंत्रता सेनानी होने के नाते उन्हें आर्थिक लाभ पहुँचाए कोई सरकारी पद अथवा पदवी प्राप्त कर ले अथवा फिर इस काम में उनकी मदद करे।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. इस कहानी के आधार पर स्वतंत्रता से पूर्व तथा स्वतंत्रता के बाद देश में आए कुछ परिवर्तनों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
इस कहानी के आधार पर स्वतंत्रता से पूर्व तथा उसके बाद देश में जो परिवर्तन देखने में आता है, वह यह कि अधिकांश स्वतंत्रता सेनानी जो स्वतंत्रता से पूर्व सच्चे मन से स्वतंत्रता आंदोलनों में भाग लेते थे तथा अंग्रेज़ें के हाथों यातनाएँ सहते थे अथवा निःस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सेवा करते थे। स्वतंत्रता के बाद राजनीतिक एवं आर्थिक लाभ पाने के लिए हाथ-पाँव मारने लगे। उनमें राष्ट्र सेवा से अधिक आर्थिक लाभ कमाने की भावना घर कर गई। भोग ही जीवन का एकमात्र लक्ष्म बन गया तथा त्याग की भावना किसी में न रही।
2. सनातन तथा मधुमिता के स्वभाव में आए परिवर्तन का कारण क्या था? इससे उनके चरित्र का कौन-सा पक्ष उजागर होता है?
सनातन तथा मधुमिता नारायण बाबू से चाहते थे कि वह अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की तरह आर्थिक अथवा राजनीतिक लाभ प्राप्त करे। किंतु नारायण बाबू ऐसा करना अपने वसूलों के खिलाफ मानता था। इसी कारण उसका बेटा तथा बहू उससे नाराज रहते थे तथा उसकी उपेक्षा करते थे। किंतु जैसे ही नारायण बाबू के लिए सरकार द्वारा पाँच सौ रुपए महीना का भत्ता मंजूर किया गया। सनातन तथा मधुमिता का स्वभाव परिवर्तित हो गया। वे दोनों नारायण बाबू की देखभाल तथा सेवा में जुट गए। यह केवल धन का ही मोह था, न कि बेटे-बहू का कर्तव्य। अतः हम कह सकते हैं कि सनातन तथा मधुमिता स्वार्थी तथा लालची थे।
3. पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए-
(i) सौदामिनी (ii) मरणवेदना (iii) मांस-मछली (iv) रंज (v) शहीद
4. आशय स्पष्ट कीजिए-
(i) नारायण बाबू अपने आपसे कहते हैं कि उनके आसपास के सभी लोग अपने व्यक्तिगत स्वार्थ पूरे करने में लगे हैं, उनके बीच वह स्वयं को अकेला महसूस कर रहे हैं। जो सबसे अधिक अपने हैं, वह भी पराए से लग रहे हैं। इस स्थिति से तो अच्छा यह था कि वह भी महारणा या गोकुल भोल की तरह जेल में ही शहीद हो जाते। अब तो जीना कुछ नहीं रह गया है, बस मरणवेदना को ही सहना है।
(ii) नारायण बाबू मधुमिता को संबोधित करते हुए कहते हैं कि बेटी, जिस तरह यह सरकारी भत्ता बहुत देर से मिला है, ठीक उसी प्रकार तुम्हारा स्नेह मिलने में भी बहुत देरी हो गई है। अब मेरे पास उसका उपभोग करने का समय ही नहीं बचा।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. उड़ीसा में 2. गाँधी जी 3. एक शिक्षिका 4. गोकुल भोल 5. शहीद

भाषा से

(क) उचित मिलान कीजिए।

आज़ादी	–	गुलामी	अपना	–	पराया
इनाम	–	सज़ा	क्रोध	–	शांति
जीवन	–	मरण	मुनाफ़ा	–	नुकसान
सच्चा	–	झूठा	बीमार	–	स्वस्थ
उन्नति	–	अवनति	देश	–	विदेश
घृणा	–	प्रेम	दुर्भाग्य	–	सौभाग्य

(ख) वचन बदलिए।

बेटा	–	बेटे	हिदायत	–	हिदायतें
कुत्ता	–	कुत्ते	पौधा	–	पौधे
बगीचा	–	बगीचे	पहाड़ी	–	पहाड़ियाँ
बहू	–	बहुएँ	पोती	–	पोतियाँ
पोता	–	पोते	रात	–	रातें

(ग) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

स्वतंत्रता	–	आज़ादी	मुक्ति	स्वाधीनता
आकाश	–	गगन	नभ	अंबर
देह	–	काया	शरीर	तन
मेघ	–	बादल	घन	जलधर
लड़ाई	–	युद्ध	रण	संग्राम
पत्नी	–	वधू	भार्या	गृहिणी
रवि	–	सूर्य	सूरज	भानु
पुत्र	–	बेटा	सुत	आत्मज

(घ) कर्म तथा संप्रदान कारक पहचानकर लिखिए।

1. कर्म कारक
2. कर्म कारम
3. संप्रदान कारक
4. कर्म कारक
5. संप्रदान कारक
6. संप्रदान कारक

(ङ) संधि-विच्छेद कीजिए।

प्रति + वाद	दुर् + व्यवहार
स्व + तंत्र	महा + आत्मा
गो + कुल	स्थिति + प्रज्ञ
देव + इंद्र	प्रति + एक
सम् + सार	निर् + लिप्त

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 7 : एक कुत्ता और एक मैना (संस्मरण)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. श्री निकेतन का मकान कैसा था?
   तिमंजिला मकान।
2. गुरुदेव लेखक को क्या कहकर पुकारते थे?
   दर्शनार्थी।
3. गुरुदेव की चिताभस्म कोलकाता से कहाँ लाई गई?
   आश्रम में।
4. मैना की चाल में गुरुदेव को क्या दिखाई देता था?
   करुणा।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. शांतिनिकेतन छोड़ने का विचार गुरुदेव के मन में क्यों आया?
   आश्रम के अधिकांश लोग अवकाश पर चले गए थे तथा गुरुदेव किसी अन्य जगह पर जाना चाहते थे। इसी कारण वह शांतिनिकेतन छोड़कर श्रीनिकेतन आकर रहने लगे।
2. कुत्ता गुरुदेव के पास कैसे पहुँच गया?
   कुत्ता अपनी बुद्धि, स्नेह तथा सजगता के बल पर गुरुदेव के पास पहुँच गया। उसे अपने स्नेहदाता से अगाध प्रेम था।
3. कुत्ते के विषय में किस आश्चर्यजनक प्रसंग का वर्णन लेखक द्वारा किया गया है?
   कुत्ते के विषय में इस आश्चर्यजनक प्रसंग का वर्णन किया गया है कि न तो कुत्ते को किसी ने राह दिखाई तथा न ही उसको यह बताया कि उसका स्नेहदाता दो मील दूर रहता है। फिर भी कुत्ता अपने स्नेहदाता यानी गुरुदेव के पास पहुँच गया।
4. मैना के माध्यम से लेखक को किस तरह का अनुभव हुआ?
   मैना के माध्यम से लेखक को इस बात का अनुभव हुआ कि मैना में भी करुणा का भाव होता है।
5. मैना दंपत्ति अपना घोंसला बनाने के लिए क्या-क्या करते थे?
   मैना दंपत्ति अपना घोंसला बनाने के लिए कई तरह के कार्य करते थे। जैसे कि कभी तिनके तो कभी कागज़ या गोबर का टुकड़ा उठाकर लाते थे तथा उन्हें सूराख में रखकर घोंसला तैयार करते थे।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. इस निबंध से गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर के चरित्र की किन विशेषताओं का पता चलता है?
   इस निबंध से गुरुदेव रवींद्रनाथ ठाकुर के चरित्र की उन विशेषताओं का पता चलता है जो उन्हें महामानव का दर्जा प्रदान करती हैं। जैसेकि वह एक महान कवि तथा लेखक होने के साथ-साथ पशु-पक्षियों के प्रति भी अगाध प्रेम रखते थे। वे पशु-पक्षियों की भावनाओं को बखूबी समझते थे। कुत्ता तथा मैना के उदाहरण से उनकी यह विशेषता स्वत: ही स्पष्ट हो जाती है।
2. स्वयं करें।

3. देखते हो। यह रोज फुदकती है, ठीक यहीं आकर। मुझे इसकी चाल में एक करुण भाव दिखाई देता है। गुरुदेव ने ये शब्द किसके लिए तथा क्यों कहे?
गुरुदेव ने ये शब्द लँगड़ी मैना के विषय में कहे थे। क्योंकि जब वह फुदक-फुदककर चलती थी, तो गुरुदेव को उसकी चाल में करुणा का भाव दिखाई पड़ता था।
4. गुरुदेव द्वारा लिखित कुत्ते से संबंधित कविता किस भाव में शामिल थी?
गुरुदेव द्वारा लिखित यह कविता 'आरोग्य' में शामिल थी। इस कविता के जरिए गुरुदेव ने अपने यह भाव व्यक्त किए थे कि - प्रतिदिन प्रात:काल यह भक्त कुत्ता स्तब्ध होकर आसन के पास तब तक बैठा रहता है, जब तक अपने हाथों के स्पर्श से मैं इसका संग स्वीकार नहीं करता।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. तीन 2. अस्तगामी सूर्य 3. मैना 4. मैना दंपत्ति

भाषा से

(क) नीचे दिए गए शब्दों से उपसर्ग, प्रत्यय तथा मूल शब्द करके लिखिए।

उपसर्ग	प्रत्यय	मूल शब्द
स	परिवार	×
प्रति	दिन	×
उप	योग	ई
सर्व	व्यापक	

(ख) वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए।

दर्शनार्थी	तिमंजिला
दर्शनीय	विधवा
विधुर	निबंधकार
वक्ता	श्रोता

(ग) वचन बदलिए।

पट्टी	-	पट्टियाँ	लता	-	लताएँ
चिट्ठी	-	चिट्ठियाँ	बाला	-	बालाएँ
भट्ठी	-	भट्ठियाँ	दवा	-	दवाएँ

(घ) संधि-विच्छेद कीजिए।

अधिक + अंश	सदा + एव	सह + अनुभूति	दर्शन + अर्थी
सद् + उपयोग	सम् + सार		

(ङ) प्रथम प्रेरणार्थक तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियाएँ बनाइए।

चलना	चलाना	चलवाना
ठहरना	ठहराना	ठहरवाना
दौड़ना	दौड़ाना	दौड़वाना
पीसना	पिसाना	पिसवाना
फटना	फाड़ना	फड़वाना
चमकना	चमकाना	चमकवाना
लड़ना	लड़ाना	लड़वाना
खेलना	खिलाना	खिलवाना
सोना	सुलाना	सुलवाना
बोलना	बुलाना	बुलवाना

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 8 : अंतरिक्ष में भारत के कदम (लेख)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. अंतरिक्ष का पहला कदम क्या था?
रॉकेट का आविष्कार अंतरिक्ष का पहला कदम था।

2. प्रथम उपग्रह स्पूतनिक आकाश में कब छोड़ा गया?
   4 अगस्त, 1957 को।
3. राकेश शर्मा का जन्म कहाँ हुआ?
   पटियाला (पंजाब में)।
4. प्रथम भारतीय महिला अंतरिक्ष यात्री कौन थी?
   कल्पना चावला।
5. सबसे लंबे समय तक स्पेशवॉक करने का रिकार्ड किसने बनाया?
   सुनीता विलियम्स।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. अंतरिक्ष में क्या-क्या चीज़ें स्थित हैं?
   अंतरिक्ष में बहुत-सी चीज़ें स्थित हैं, जैसे- नक्षत्र, पुच्छल तारे, नीहारिकाएँ, ग्रह, उपग्रह, क्षुद्रग्रह, सूर्य, चंद्रमा आदि।
2. राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष में जाकर क्या-क्या किया?
   राकेश शर्मा ने अंतरिक्ष में जाकर कई प्रयोग एवं अनुसंधान किए तथा साथ ही अपने यान से पृथ्वी, सूर्य, चंद्रमा तथा अन्य ग्रहों के दुर्लभ चित्र लिए।
3. कल्पना चावला के जन्म स्थान तथा शिक्षा-दीक्षा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
   कल्पना चावला का जन्म 1 जुलाई, 1961 को हरियाणा के करनाल शहर में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा करनाल में स्थित टैगोर बाल निकेतन में पूरी हुई। फिर उन्होंने पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज से वैमानिकी अभियांत्रिकी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की तथा उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चली गई।
4. सुनीता विलियम्स के परिवार तथा शिक्षा-दीक्षा की चर्चा कीजिए।
   सुनीता विलियम्स जन्म 19 सितंबर, 1965 को अमेरिका के ओहियो में यूक्लिड नामक स्थान पर हुआ था। उनके पिता दीपक पांड्या गुजराती तथा माता बोनी पांड्या स्लोवेनियन मूल की हैं। उनकी शिक्षा-दीक्षा नीडहैम हाईस्कूल, यू.एस. नावेल एकेडमी तथा फ्लोरिडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में संपन्न हुई।
5. सुनीता विलियम्स द्वारा बनाए गए कुछ रिकार्ड बताइए।
   सुनीता विलियम्स द्वारा बनाए गए कुछ रिकार्ड इस प्रकार हैं-
   (i) वह सबसे ज्यादा समय तक अंतरिक्ष में रहीं।
   (ii) सबसे लंबे समय तक स्पेसवॉक करने का रिकार्ड बनाया। वह 22 घंटे, 27 मिनट तक चहलकदमी करती रहीं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. राकेश शर्मा के जीवन तथा उनकी अंतरिक्ष यात्रा का परिचय अपने शब्दों में दीजिए।
   राकेश शर्मा का जन्म 13 फरवरी, 1949 को पटियाला (पंजाब) में हुआ था। उन्होंने हैदराबाद में रहकर शिक्षा प्राप्त की और 1966 में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1970 में उन्होंने भारतीय वायु सेना में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने 30 अप्रैल, 1984 को अंतरिक्ष में कदम रखा उन्हें अंतरिक्ष में जाने का यह सुअवसर अंतरिक्ष यान 'सूयोज टी-11' की मार्फत हासिल हुआ। उन्होंने अंतरिक्ष में रहकर प्रयोग और अनुसंधान किए तथा साथ ही अपने यान से पृथ्वी, चंद्रमा, सूर्य तथा विविध ग्रहों के दुर्लभ चित्र लिए।
2. सुनीता को अंतरिक्ष जाने की प्रेरणा किससे मिली? उनका यह सपना कैसे साकार हुआ?
   सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष में जाने की प्रेरणा नील आर्मस्ट्रांग से मिली। उन्होंने अपने बचपन में टी.वी. पर उनको अंतरिक्ष में चहलकदमी करते हुए देखा था। उसी समय से उनके मन में अंतरिक्ष में जाने की दृढ़ इच्छा उत्पन्न हो गई थी। उनको अंतरिक्ष में जाने का अवसर उस समय मिला जब वह 1998 में अंतरिक्ष यात्री के तौर पर चुनी गईं। उन्होंने लंबे समय तक प्रशिक्षण लिया तथा अपनी अंतरिक्ष यात्रा के दौरान कई रिकार्ड स्थापित किए। जैसेकि वह सबसे लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहीं तथा उन्होंने सबसे लंबे समय तक स्पेसवॉक करने का रिकार्ड बनाया। वे 22 घंटे, 27 मिनट तक चहलकदमी करती रहीं।
3. प्रश्न दो का उत्तर देखें।
4. आशय स्पष्ट कीजिए।
   सुनीता विलियम्स ने अपने मन के भाव प्रकट करते हुए कहा था कि मैं अंतरिक्ष के लिए बनी हूँ, अर्थात् मेरा जन्म अंतरिक्ष यात्रा के लिए ही हुआ है। मैंने अपने जीवन का हर क्षण इसी के बारे में सोचते हुए बिताया है तथा मेरी मृत्यु भी इसी की सोचते हुए होगी।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. एक कुतिया 2. 1949 ई. में 3. करनाल में 4. कल्पना चावला के पति 5. गुजरात

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखए।

विशाल	–	लघु	प्रारंभ	–	अंत
आकाश	–	पाताल	प्राकृतिक	–	कृत्रिम
सम्मानित	–	अपमानित	दोस्त	–	दुश्मन
बाह्य	–	आंतरिक	बचपन	–	बुढ़ापा
ज्ञान	–	अज्ञान	जन्म	–	मृत्यु

(ख) पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पृथ्वी – धरा धरती मही सूर्य – रवि सूरज भानु

चंद्रमा – चाँद सोम शशांक

(ग) संधि-विच्छेद कीजिए।

ब्रह्म + अंड स्वर्ण + अवसर

गौरव + अनत सु + भाग्य

उप + अध्यक्ष उत् + ज्वल

(घ) वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।

असीम

अनंत

जिज्ञासु

प्रशिक्षक

अभियांत्रिकी

(ङ) स्वयं करें।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 9 : प्रेमचंद के फटे जूते (व्यंग्य)

अभ्यास

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. प्रेमचंद किसके साथ फोटो खिंचा रहे हैं?
   अपनी पत्नी।
2. कौन से पाँव का जूता फटा हुआ है?
   बाएँ पाँव का।
3. लेखक साहित्यिक पुरखा किसे कहते हैं?
   मुंशी प्रेमचंद को।
4. कुंभनदास का जूता कहाँ जाने से फट गया था?
   कुंभनदास का जूता फतेहपुर सिकरी आने-जाने में फट गया था।
5. होरी को कौन-सी कमज़ोरी ले डूबी थी?
   नेम-धर्म वाली।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. प्रेमचंद के फटे जूते की क्या स्थिति थी?
   प्रेमचंद के फटे जूते की स्थिति अत्यंत खराब थी। उनके जूते में छेद हो गया था तथा उसमें से अँगुली बाहर निकल आई थीं।
2. प्रेमचंद में कौन-सा गुण नहीं है?
   प्रेमचंद में पोशाकें बदलने का गुण नहीं है। वह एक ही पोशाक को बार-बार पहनते हैं।
3. लेखक के जूते की स्थिति स्पष्ट कीजिए।
   लेखक के अपने जूते की स्थिति भी अच्छी नहीं है। उनके जूते का तला घिस गया है। अँगूठा ज़मीन से घिसटता है तथा मिट्टी पर रगड़ खाकर लहूलुहान हो जाता है। किंतु अँगुली बाहर नहीं दिखती।
4. लेखक ने प्रेमचंद के जूते के फटने का क्या कारण बताया?
   लेखक प्रेमचंद के जूते के फटने का यह कारण बताते हैं कि वह किसी सख्त चीज़ को ठोकर मारते हैं तथा ठोकर मार-मारकर अपना जूता फाड़ लिया है।

5. लेखक फोटो का महत्व समझाते हुए प्रेमचंद को क्या सुझाव देता है?
   लेखक फोटो का महत्व समझाते हुए प्रेमचंद को यह सुझाव देता है कि फोटो खिंचाना था तो ठीक जूते पहन लेते या फोटो न खिंचाते। या फिर किसी के जूते माँग लेते। कम से कम तुम्हारी दरिद्रता की स्थिति पर पर्दा तो पड़ा रहता ।
6. 'एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं।' में निहित व्यंग्य स्पष्ट कीजिए।
   लेखक के अनुसार जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है तथा एक जोड़ा जूतों की कीमत में पचीसों टोपियाँ खरीदी जा सकती हैं। अत: उक्त पंक्ति में यही व्यंग्य निहित है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. इस व्यंग्य के माध्यम से लेखक ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं को उभारा है?
   इस व्यंग्य के माध्यम से लेखक ने मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व की कुछ खास विशेषताओं को उभारा है। जैसे कि प्रेमचंद जी बहुत ही सादगीपूर्ण जीवन व्यतीत करते थे। वह हिंदी साहित्य जगत करे श्रेष्ठ लेखक होते हुए भी फटे जूते तथा साधारण पोशाक में फोटो खिंचवाने में संकोच महसूस नहीं करते। वह अपनी लेखनी से जिस तरह के जीवन तथा पात्रों का सृजन करते हैं, स्वयं भी उसी तरह का जीवन व्यतीत करते हैं। अर्थात् उनका जीवन भी अभावों से ग्रस्त है जिसे वह छिपाते नहीं बल्कि निस्संकोच प्रकट करते हैं।
2. इस व्यंग्य का मूल उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।
   इस व्यंग्य का मूल उद्देश्य हिंदी साहित्य के रचनाकारों की अर्थिकी स्थिति से अवगत कराना है। लेखक व्यंग्य के माध्यम से हमें यह बताना चाहता है राष्ट्रभाषा हिंदी की सेवा करने वाले साहित्यकारों को जीवन में मूलभूत सुविधाएँ तक उपलब्ध नहीं हो पातीं। वे दरिद्रतापूर्ण जीवन व्यतीत करते हैं। यह हमारे देश की विडंबना ही है कि हम अपनी राष्ट्रभाषा के साहित्य को अपेक्षित महत्व नहीं देते तथा इसके रचनाकारों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए कुछ विशेष प्रयास नहीं करते।
3. सही/गलत लिखिए-
   (i) सही (ii) सही (iii) गलत (iv) सही (v) सही
4. पाठ के आधार पर खाली स्थान भरिए-
   (i) कैनवस (ii) मोटे (iii) पाँच (iv) चाव (v) फटता

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. कुरता-धोती 2. समाज पर 3. नेम-धर्म 4. अभ्युदय का कारण 5. हलकू

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

बंद	-	खुला	बाहर	-	भीतर
गुण	-	अवगुण	विश्वास	-	अविश्वास
आग्रह	-	दुराग्रह	खुशबू	-	बदबू
महान	-	लघु	अपना	-	पराया

(ख) अनेकार्थी शब्द लिखिए।

कर	-	हाथ	टैक्स	मन	-	हृदय	चालीस किलो की तौल
पर	-	पंख	परंतु	वर	-	वरदान	दूल्हा
जीवन	-	जल	प्राण	पानी	-	जल	इज्जत

(ग) विशेषण-विशेष्य का मिलान कीजिए।

अँधेरी	रात	सुंदर	फूल
फटा	जूता	सख्त	ज़मीन
मोटा	कपड़ा	विशाल	भवन
चिपकी	कनपटी	छोटी	अँगुली
घनी	मूँछें	महान	कथाकार

(घ) निम्नलिखित शब्दों के समान तुकवाले शब्द लिखिए।

बड़ा	घड़ा	लड़ा
दृष्टि	वृष्टि	सृष्टि
अपना	सपना	जपना
पाँव	छाँव	गाँव

(ङ) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम शब्दों के विभिन्न रूपों का वाक्यों में प्रयोग करते हुए एक तालिका बनाइए।

मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम

तुम एकवचन	**आप बहुवचन**
तुम जाते हो।	आप जाते हैं।
तुमने खाना कब खाया?	आपने खाना कब खाया?
तुम्हें क्या चाहिए?	आपको क्या चाहिए?
तुम्हारे लिए चाय लाया हूँ।	आपके लिए चाय लाया हूँ।
तुमसे यह काम नहीं बनेगा।	आपसे यह काम नहीं बनेगा।
तुम्हारा क्या नाम है?	आपका क्या सुझाव है?
तुम पर पूरा विश्वास है।	आप पर विश्वास किया जा सकता है।

(च) नीचे दिए गए शब्दों का प्रयोग करतु हुए उनके अर्थ समझाइए।

अपराध – बिना टिकट यात्रा करना एक सामाजिक अपराध है।
पाप – पशु-पक्षियों को सताना पाप है।
आयु – वह अस्सी बरस की आयु में स्वर्ग सिधार गया।
उम्र – अठारह वर्ष से अधिक उम्र का व्यक्ति इस पद के योग्य हो सकता है।
अवस्था – कर्ण बीस वर्ष की अवस्था में ही फौज में भर्ती हो गया था।
दया – घायल हिरण को देखकर उसके दिल में दया भावना जाग उठी।
कृपा – आपकी कृपा से मेरा बिगड़ा काम बन गया।
वन – वह दिनभर वन में घूमता रहा।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 10 : रहीम के दोहे (दोहे)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. चंदन पर कौन लिपटा रहता है?
   साँप।
2. सौ बार भी किसे मनाना चाहिए?
   सज्जन व्यक्ति को।
3. गरीब पर हित करने वाले लोग कैसे होते हैं?
   बड़े लोग।
4. रहीम ने बावरी किसे बताया है?
   जिह्वा को।
5. मछली किसका मोह नहीं छोड़ती?
   जल अथवा नीर।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कुसंग का प्रभाव किन लोगों पर नहीं पड़ता है? कवि ने इस बात को समझाने के लिए कौन-सा उदाहरण दिया है?
   उत्तम स्वभाव के लोगों पर कुसंगति का प्रभाव नहीं पड़ता है। कवि ने इस बात को समझाने के लिए चंदन पर लिपटे साँपों का उदाहरण दिया है। उनके अनुसार जिस तरह चंदन पर साँपों के लिपटने से वे जहरीले नहीं हो जाते, अर्थात् उनमें कोई दोष नहीं आता। ठीक उसी प्रकार उत्तम स्वभाव के व्यक्ति में कुसंगति में रहने पर भी कोई बुराई उत्पन्न नहीं होती है।
2. चिता और चिंता में अंतर स्पष्ट कीजिए।
   चिता और चिंता में यह अंतर है कि चिता तो मृत अथवा निर्जीव शरीर को जलाती है, किंतु चिंता जीते-जी अथवा जीवित शरीर को जलाती या मारती है।
3. सूई और तलवार का उदाहरण देकर रहीम क्या कहना चाहते हैं?
   सूई और तलवार का उदाहरण देकर रहीम जी हमसे यह कहना चाहते हैं कि किसी बड़े व्यक्ति का साथ पाकर हमें अपने से छोटे यानी कम प्रभावशाली लोगों को नहीं त्यागना चाहिए।

5. सच्चे प्रेमी का लक्षण किस दोहे में बताया गया है? उसकी व्याख्या कीजिए।
   सच्चे प्रेमी का लक्षण अंतिम दोहे में बताया गया है। उसके अनुसार जाल में जल मछली का मोह छोड़कर बह जाता है, किंतु मछली उसके प्रेम को कभी नहीं छोड़ती, बल्कि उससे बिछुड़कर मर जाती है। सच्चे प्रेमी का लक्षण भी ठीक ऐसा ही होता है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. दोहों की हमारे जीवन में क्या उपयोगिता है? अपने विचार लिखिए।
   दोहों की हमारे जीवन में बहुत अधिक उपयोगिता है। क्योंकि दोहों से हमें ऐसी जीवनोपयोगी शिक्षाएँ मिलती हैं जिन्हें हम अपने जीवन में ग्रहण करके अपने आचार-व्यवहार को निखार सकते हैं तथा अपने जीवन को सुखमय अथवा सफल बना सकते हैं।
2. इस पाठ के अंतिम दोहे का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिए।
   भावार्थ - कवि सच्चे प्रेमी की विशेषता बताते हुए कहते हैं कि जाल पड़ने पर जल मछली के प्रेम को त्यागकर जाल से बाहर बह जाता है। जबकि मछली जल का प्रेम कभी नही त्यागती अर्थात् जल के बिना वह तड़प कर मर जाती है।
3. निम्नलिखित दोहों का भावार्थ लिखिए।
   (i) रहीम कुपूत की व्याख्या करते हुए कहता है कि कुपूत की स्थिति दीपक के समान होती है। क्योंकि दीपक जलता है तो उजाला होता है तथा बुझता है तो अँधेरा छा जाता है।
   (ii) रहीम कहता है कि हमें अपने मन के दु:ख को मन में ही सीमित रखना चाहिए। यही अच्छा है। क्योंकि लोग किसी का दु:ख नहीं बाँटते, बल्कि उलटे दु:ख के बारे में सुनकर उसका मजाक ही बनाते है। अर्थात् हमारे दु:ख पर हँसते हैं।
4. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. चंदन 2. सौ बार 3. श्रीकृष्ण का 4. जल का

भाषा से

(क) पर्यायवाची शब्द लिखए।

विष	-	ज़हर	भुजंग	-	साँप
दीप	-	दीपक	गरीब	-	निर्धन
हित	-	कल्याण	तलवार	-	कृपाण
नर	-	मानव	जल	-	नीर

(ख) इनके दो-दो अर्थ लिखिए।

कुल	-	संपूर्ण	वंश
कर	-	हाथ	टैक्स
जल	-	पानी	खस

(ग) नीचे दिए गए अनुच्छेद में उचित विराम-चिह्न लगाकर पुन: लिखिए।
विकास की क्रिया में मानव की पूर्ण बनने की अपनी प्रेरणा है। विकास के लिए समन्वय का भाव होना परमावश्यक होता है। यदि हम विभिन्न विचारधाराओं और उनके जन्मदाताओं, महापुरुषों का पूर्ण खंडन अथवा मंडन करें, तो विकास पथ अवरुद्ध हो जाएगा। अत: समन्वय की भावना से मुक्त होकर सब ओर से सार वस्तुओं को ग्रहण करते हुए उनका लाभा उठा सकते हैं। किसी धर्म विशेष या मान्यताओं को खूँटे के साथ संकीर्ण भाव से बाँधकर परंपराओं और रूढ़ियों से जकड़े हुए हम आगे नहीं बढ़ सकते।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 11 : गौरी (कहानी)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. गौरी कौन थी?
   गौरी बाबू राधाकृष्ण की बेटी थी।
2. सीताराम जी कहाँ काम करते थे?
   सीताराम जी कांग्रेस के दफ्तर में काम करते थे।
3. गौरी के पिता के समक्ष क्या कठिनाई थी?
   गौरी के पिता के सामने यह कठिनाई थी कि उन्हें गौरी के लिए उचित वर नहीं मिल पा रहा था।
4. सीताराम जी के कितने बच्चे थे?
   दो बच्चे।

5. सीताराम जी को कितने साल की सज़ा हुई?
   एक साल की सज़ा।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. राधाकृष्ण के आने पर पत्नी ने क्या अनुमान लगाया?
   राधाकृष्ण के आने पर पत्नी ने यह अनुमान लगाया कि उनके पति जिस काम के लिए घर से गए थे, शायद वह काम नहीं बन पाया।
2. गौरी के अपने विवाह के बारे में क्या विचार थे?
   गौरी अपने पिता को परेशानी उठाते हुए देखकर अपने विवाह के विषय में यही सोचती थी कि माता-पिता जिसके साथ चाहें उसका विवाह कर दें वह उसी के साथ सुखी रहेगी और विवाह न भी करें, तो भी वह सुखी है।
3. सीताराम जी विवाह क्यों करना चाहते थे?
   सीताराम जी की पत्नी दो छोटे बच्चों को छोड़कर स्वर्ग सिधार गई थी। सीताराम जी अपने उन्हीं दो बच्चों की देखभाल अथवा पालन-पोषण के लिए विवाह करना चाहते थे।
4. दोनों बच्चों को देखकर कुंती के मन में क्या भाव उत्पन्न हुए?
   बच्चों को देखकर कुंती बड़ी प्रभावित हुई तथा उसने मन-ही-मन सोचा कि- 'कितने अच्छे बच्चे हैं। यदि बिना किसी प्रकार का संबंध बनाए सीताराम जी इन बच्चों को सँभालने का भार उसे सौंप दें तो वह खुशी-खुशी ले ले।'
5. गौरी ने अचानक कानपुर जाने का फ़ैसला क्यों किया?
   गौरी सीताराम जी तथा उनके दोनों बच्चों से बहुत अधिक प्रभावित थी। उसने मन-ही-मन सीताराम जी को अपना वर चुन लिया था। इसीलिए जब उसने सीताराम जी के गिरफ्तार होने की खबर पढ़ी तो उनके बच्चों की देखभाल की सोचकर तुरंत कानपुर जाने का फ़ैसला कर लिया।
6. गौरी सीताराम जी के किन गुणों से प्रभावित थी?
   गौरी सीताराम जी की सादगी, सच्चाई, ईमानदारी तथा उनकी देशभक्ति एवं देश के प्रति सच्ची त्याग भावना से प्रभावित थी। क्योंकि त्यागी वीरों के लिए उसके हृदय में बड़ा सम्मान था।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. राधाकृष्ण जी गौरी का विवाह सीताराम जी से क्यों नहीं करना चाहते थे?
   राधाकृष्ण जी को सीताराम जी में किसी तरह की कोई बुराई तो नजर नहीं आती थी। वह सीताराम जी की सादगी, सच्चाई से प्रभावित थे। किंतु फिर भी अपनी बेटी गौरी का विवाह उनसे नहीं करना चाहते थे क्योंकि एक तो सीताराम जी दो बच्चों के बाप थे और वह नहीं चाहते थे कि उनकी बेटी किसी के बच्चों की धाय बने। दूसरे सीताराम जी स्वतंत्रता आंदोलनों में सक्रिय भाग लेते थे तथा उन्हें अक्सर जेल जाना पड़ता था। यह बात भी राधाकृष्ण के लिए डर का कारण बनी हुई थी।
2. गौरी नायब तहसीलदार से विवाह क्यों नहीं करना चाहती थी?
   गौरी के मन में त्यागी वीर देशभक्तों के लिए बड़ा सम्मान था। वह सीताराम जी के लिए देश के प्रति प्रेम तथा उत्सर्ग की भावना से बहुत अधिक प्रभावित थी। वह अक्सर सोचती थी कि नायब तहसीलदार अपने आराम के लिए अंग्रेजों की गुलामी करते हैं। ऐसे लोगों के प्रति गौरी के मन में गहरी घृणा थीं। अत: इसी कारण वह नायब तहसीलदार से विवाह नहीं करना चाहती थी। उसका हृदय तो सीताराम जी में रम गया था तथा उसको गौरी ने मन-ही-मन अपना वर मान लिया था।
3. सीताराम जी का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।
   सीताराम जी बड़े ही उदार तथा त्यागी स्वभाव के व्यक्ति थे। उनमें सादगी, सच्चाई तथा राष्ट्र के प्रति प्रेम कूट-कूट कर भरा हुआ था। वह बी.ए. पास व्यक्ति थे। अत: चाहते तो अंग्रेज़ी सरकार में कोई उच्च पद प्राप्त कर सकते थे। किंतु उन्होंने ऐसा नहीं किया। वह तो राष्ट्र की आज़ादी का दृढ़ संकल्प करके स्वतंत्रता हेतु किए जाने वाले आंदोलनों का सक्रिय हिस्सा बन गए। देश की खातिर सभी सुखों को त्याग कर जेल की यातनाएँ भोगते रहे। इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि सीताराम जी देश के सच्चे सपूत तथा देशभक्त इंसान थे।
4. आशय स्पष्ट कीजिए।
   (i) सीताराम जी से गौरी के विवाह के बारे में सोचते हुए राधाकृष्ण ने मन-ही-मन अपने आप से कहा कि क्या मेरी लड़की सीताराम जी के बच्चों की धाय बनकर उनके घर जाएगी, कभी नहीं। उधर उनकी पत्नी के मन में यह विचार था कि ऐसे मासूम बच्चों के लालन-पालन का भार उठाकर कोई भी स्त्री अपने जीवन को सार्थक बना सकती है अर्थात् अपने जीवन को असली अर्थ प्रदान कर सकती है।
   (ii) गौरी सीताराम जी के बारे में मन-ही-मन यह बात सोचती है कि सीताराम जी भी तो बी.ए. पास व्यक्ति है। यदि वह चाहता तो तहसीलदार बन सकता था। किंतु उसने ऐसा नहीं किया, क्योंकि उसके जीवन का उद्देश्य तो देश पर कुर्बान होना है। उसके लिए त्याग करना है। वह सरकार की गुलामी पसंद नहीं करते।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. पूनों का चाँद 2. सीधे व्यक्ति थे 3. तीस रुपए 4. आषाढ़ में 5. वर के पिता

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखकर खाली स्थान भरिए।

1. गौरी सीताराम जी के साथ सुखी थी।
2. गौरी के लिए योग्य वर नहीं मिल पा रहा था।
3. आँगन के भीतर कुछ कुरसियाँ लगाई गईं।
4. नायब तहसीलदार अधिक सुंदर नहीं था।
5. बच्चों की बातें बड़ी ही मीठी थीं।
6. नेता जी सरकार की दृष्टि में अपराधी था।

(ख) उचित मिलान कीजिए।

पत्नी	वधू	भार्या	गृहिणी
बालक	बाल	बच्चा	लड़का
घर	गृह	निकेतन	आलय
दिन	वार	वासर	दिवस
सुंदर	खूबसूरत	रमणीय	मनमोहक
संध्या	शाम	साय	साँझ

(ग) लिंग अथवा पुल्लिंग बताइए।

पिता	–	पुल्लिंग	चाय	–	स्त्रीलिंग
आदमी	–	पुल्लिंग	बेटी	–	स्त्रीलिंग
कुरसी	–	स्त्रीलिंग	बालक	–	पुल्लिंग
टोपी	–	स्त्रीलिंग	कुरता	–	पुल्लिंग
नेता	–	पुल्लिंग	दर्पण	–	पुल्लिंग

(घ) वाक्यांश के लिए एक शब्द लिखिए।

1. निश्छल 2. भविष्य 3. कपटी 4. असंतुष्ट 5. रहस्य 6. गुलदस्ता

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 12 : आदर्श बदला (ऐतिहासिक कथा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. तानसेन कौन था?
   अकबर बादशाह का गवैया।
2. शंकरानंद ने बैजू बावरा को क्या सिखाया?
   गान विद्या।
3. बालक बैजू ने रोते हुए बाबा शंकरानंद से क्या कहा?
   बालक बैजू ने कहा कि मेरे साथ अनर्थ हुआ है।
4. हिरन कैसे आ गए?
   हिरन बैजू के संगीत पर मुग्ध होकर आ गए।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. तानसेन की शर्त क्या थी?
   तानसेन की यह शर्त थी कि जो मनुष्य गान विद्या में मेरी बराबरी न कर सके वह आगरा की सीमा के अंदर न गाए। यदि उसने ऐसा किया तो मृत्युदंड का पात्र समझा जाएगा।
2. साधुओं को मृत्यु दंड क्यों दिया गया?
   साधुओं ने आगरा की सीमा में घुसकर गाने की हिम्मत की तथा फिर वे तानसेन द्वारा गान विद्या से संबंधित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर भी नहीं दे सके। अत: तानसेन की शर्त के अनुसार उनको मृत्यु दंड दे दिया गया।

3. बालक बैजू ने रोते हुए बाबा शंकरानंद से क्या कहा?
बालक बैजू ने रोते हुए बाबा शंकरानंद से यह कहा कि उसके साथ घोर अनर्थ हुआ है तथा उस पर वज्र गिरा है। तानसेन ने उसे तबाह कर दिया तथा वह उनसे बदला लेना चाहता है।
4. बैजू बावरा तानसेन से बदला क्यों लेना चाहता था?
बैजू बावरा तानसेन से बदला लेना चाहता था, क्योंकि तानसेन द्वारा उसके निर्दोष पिता को मृत्यु दंड दिया गया था।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. बैजू ने तानसेन से बदला लेने के लिए क्या-क्या किया?
बैजू बावरा ने तानसेन से बदला लेने के लिए बाबा शंकरानंद से बारह वर्ष एक गान विद्या का ज्ञान प्राप्त किया। जब वह ज्ञान विद्या में पूर्णत: निपुण हो गया तो उसने आगरा की सीमा में घुसकर गाने का साहस दिखाया। फिर तानसेन के साथ गान विद्या में मुकाबला किया तथा उसे बुरी तरह से पराजित किया। फलत: तानसेन का घमंड चूर-चूर हो गया तथा उसे बैजू से माफी माँगनी पड़ी।
2. बैजू बावरा ने तानसेन को कैसे पराजित किया?
बैजू बावरा तथा तानसेन के बीच गान विद्या को लेकर मुकाबला हुआ। मुकाबले के दौरान बैजू ने इतना मधुर संगीत बजाया कि सभी उपस्थित श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए तथा साथ ही उसके संगीत के प्रभाव से जंगल के हिरन भी उसके पास आकर खड़े हो गए। उसके मुकाबले में तानसेन ने भी अपने पूरे प्रयास से संगीत बजाया किंतु हिरनों को अपने पास न बुला सका। इस तरह वह चिढ़ गया तथा उसने बैजू को पुन: हिरनों को वापस बुलाने की बात कही। बैजू ने फिर संगीत बजाया तथा हिरन फिर उसके पास दौड़े चले आए। इस प्रकार बैजू की जीत तथा तानसेन की पराजय हुई।
3. बैजू बावरा जब गाते हुए आगरा के बाजारों से निकला तो क्या हुआ?
बैजू बावरा ने बारह वर्ष तक गान विद्या सीखी तथा उसमें पूर्णत: निपुण होने पर वह गाना गाते हुए आगरा के बाजारों में आ घुसा। उसका गीत इतना अधिक मधुर था कि लोग मंत्र-मुग्ध होकर सब कुछ भूल गए तथा उसके पीछे-पीछे चलने लगे। उसे पकड़ने के लिए सिपाही आगे आए तो उनका भी रंग पलट गया। वे भी संगीत की मधुर ध्वनि में डूब गए। उसे गिरफ्तार करने के बजाय उसके गाने को सुनने लगे। सभी बैजू के पीछे-पीछे चलने लगे।
4. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए-
(i) आनंद (ii) साधुओं (iii) तानसेन (iv) रवि (v) प्रेम
5. किसने, किससे, क्यों कहा?
(i) बालक बैजू ने बाबा शंकरानंद से कहा, क्योंकि तानसेन ने उसके पिता को मृत्यु दंड दिया था।
(ii) बाबा शंकरानंद ने बालक बैजू से कहा क्योंकि वह बालक को तानसेन से बदला लेने में समर्थ बनाना चाहते थे।
(iii) तानसेन ने बैजू बावरा से कहा, क्योंकि तानसेन की नज़र में बैजू एक साधारण गवैया तथा उसका अपराधी था।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. मृत्यु दंड 2. बाबा शंकरानंद 3. हिरनों के 4. इससे किसी को हानि न पहुँचाना

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

अंधकार	–	प्रकाश	सुगंधित	–	दुर्गंधयुक्त
ईश्वर	–	अनीश्वर	मृत्यु	–	जन्म
अनाथ	–	सनाथ	अनर्थ	–	अर्थ
शांति	–	अशांति	शस्त्र	–	अस्त्र

(ख) पढ़िए, समझिए और लिखिए।

अ + पार	–	जिसका कोई पार न हो
अ + थाह	–	जिसकी गहराई का पता न हो
अ + बोध	–	जिसे बोध या ज्ञान न हो, नासमझ
अन + अर्थ	–	जिसका कोई अर्थ न हो या अनहोनी घटना
अ + शांत	–	जो शांत न हो, बेचैन
अन + आवश्यक	–	जो आवश्यक न हो

(ग) शब्दों के अर्थ भेद स्पष्ट कीजिए।

संघर्ष	–	किसी चीज़ को पाने हेतु प्रतिस्पर्धा
युद्ध	–	दो राज्यों या देशों के बीच लड़ाई

अभिमान – अपने को बड़ा तथा दूसरों को छोटा समझना
घमंड – अपने गुणों को अधिक समझकर अहंकार करना

(घ) उचित विस्मयादिबोधक का वाक्यानुसार मिलान कीजिए।

1. हाय! बेचारा मर गया। अहा! हम जीत गए।
2. अरे! आप कब आए? ओह! अब मेरा क्या होगा?
3. छि:! कितनी गंदगी है। सच! वह चला गया।
4. शाबाश! तुमने बहुत अच्छा किया। वाह! क्या शीतल हवा चल रही है।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 13 : जीवन का लक्ष्य (निंबध)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. 'सफलता' शब्द सुनते ही तन-मन में किसका संचार हो जाता है?
   प्रसन्नता।
2. किसका लक्ष्यभेद मशहूर है?
   अर्जुन।
3. प्रकृति हमें क्या प्रेरणा देती है?
   प्रकृति हमें काम में जुटे रहने की प्रेरणा देती है।
4. दूसरों का मुँह ताकने से क्या होता है?
   केवल असफलता मिलती है।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. बालक अर्जुन के लक्ष्यभेद के बारे में बताइए।
   बालक अर्जुन का लक्ष्यभेद प्रसिद्ध है। उन्होंने पेड़ पर टँगी लकड़ी की चिड़िया की एक आँख को निशाना बनाकर बाण छोड़े थे।
2. सफलता के लिए मंजिल का चुनाव करना अनिवार्य क्यों है?
   सफलता के लिए मंजिल का चुनाव करना अनिवार्य है, क्योंकि यदि मनुष्य अपनी मंजिल को निश्चित नहीं करेगा तो वह सफलता से भटक जाएगा। अपनी सही मंजिल पर कभी नहीं पहुँच पाएगा।
3. लक्ष्य निर्धारण में रुचि का क्या महत्व है?
   लक्ष्य निर्धारण में रुचि का बहुत अधिक महत्व है, क्योंकि यदि लक्ष्य को रुचि के अनुरूप निर्धारित किया जाता है तो उसे पाना आसान हो जाता है।
4. गलत लक्ष्य निर्धारित करने पर क्या होगा?
   गलत लक्ष्य निर्धारित करने पर व्यक्ति में उसको पाने की रुचि कम हो जाएगी तथा वह मन से श्रम नहीं कर पाएगा। फलत: उसे असफलता का मुँह देखना पड़ेगा।
5. लक्ष्य सिद्धि का मुख्य आधार क्या है तथा कैसे?
   लक्ष्य सिद्धि का मुख्य आधार परिश्रम है, क्योंकि परिश्रम के बिना लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. सफलता प्राप्त करने के लिए कौन-कौन-से कदम उठाने चाहिए?
   (i) सबसे पहले अपना लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। लक्ष्य को अपनी रुचि के अनुरूप ही तय करना चाहिए।
   (ii) अपने लक्ष्य को पाने में पूरी तरह से डूब जाना चाहिए तथा उसे पाने के लिए सतत् रूप से परिश्रम एवं प्रयास करना चाहिए।
   (iii) अपना लक्ष्य मानवता को आधार बनाकर चुनना चाहिए।
   (iv) लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मन में दृढ़ इच्छा रखनी चाहिए।
2. किस प्रकार के व्यक्ति को महान माना गया है और क्यों?
   संसार में जो व्यक्ति अपने जीवन लक्ष्य को मानवता के आधार पर चुनता है, उसे ही महान व्यक्ति माना गया है। क्योंकि उसके विचार तथा कार्य समय की सीमा पार कर अमर हो जाते हैं। वे अन्य लोगों की प्रेरणा का स्रोत बनते हैं। ऐसा व्यक्ति ही समाज तथा राष्ट्र का सही मायनों में हित कर सकता है। वह स्वयं सफलता का आनंद लेता है तथा दूसरों को जीवन में सफलता पाने के लिए प्रेरित करता है।

3. लक्ष्य सिद्धि का आधार परिश्रम को माना गया है। क्या आप बता सकते हैं कि क्यों?
लक्ष्य सिद्धि को परिश्रम का आधार माना गया है, क्योंकि बिना परिश्रम किए लक्ष्य को प्राप्त करना असंभव है। परिश्रमी अथवा मेहनती व्यक्ति ही अपना प्रत्येक काम समय पर करता है तथा पूरी लगन से करता है। वह अपने किसी भी काम अधूरा नहीं छोड़ता। जबकि आलसी व्यक्ति परिश्रम के अभाव में अपना कोई भी काम समय पर तथा सही ढंग से पूरा नहीं करता। इसी कारण वह असफल रह जाता है।

4. आशय स्पष्ट कीजिए-
(i) लेखक सफल तथा महान लोगों के चरित्र की विशेषता का बखान करते हुए कहता है कि उनके चरित्र अथवा चाल-चलन का तेज उनके मुख या चेहरे पर स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।
(ii) लेखक दृढ़ संकल्प के विषय में कहता है कि यदि व्यक्ति का संकल्प दृढ़ होता है तो वह हर सफलता पा सकता है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. खुशियों, उत्साह व प्रेरणाओं का 2. बालक अर्जुन का 3. शिलाओं का 4. सफल

भाषा से

(क) इनके पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पेड़	-	वृक्ष	पादप	तरु
सागर	-	सिंधु	समुद्र	जलधि
गंगा	-	जाह्नवी	सुरसरिता	देवनदी
पहाड़	-	पर्वत	नग	भूधर
नदी	-	सरिता	तटिनी	तरंगिणी

(ख) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

लघुता	देवत्व
उदारता	कायरता
योग्यता	पशुत्व

(ग) नीचे दिए गए वाक्यों में 'कि' तथा 'की' का उचित प्रयोग कीजिए।
1. की 2. कि 3. कि 4. की, की

(घ) विशेषण तथा क्रियाविशेषण शब्द छाँटकर अलग-अलग लिखिए।

विशेषण	**क्रिया विशेषण**
सुंदर फूल	लगातार बरसना
बूढ़ा आदमी	अचानक हँसना
नीला कुरता	प्रतिदिन आना
हरी घास	धीरे-धीरे चलना
कमजोर बच्चा	बहुत खाना

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 14 : केरल का उल्लास (ओणम्)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. वैशाखी का त्योहार किस राज्य में मनाया जाता है?
पंजाब।
2. बंगाल का लोकप्रिय त्योहार कौन-सा है?
दुर्गा पूजा।
3. राजा बलि अपने किस गुण के लिए प्रसिद्ध था?
दानशीलता।
4. विष्णु ने किसका रूप धारण किया?
वामन।

5. विष्णु के साथ किसकी पूजा की जाती है?
महाबलि।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. ओणम के दिनों में केरल में किस प्रकार का वातावरण रहता है?
ओणम के दिनों में केरल में संगीत, नृत्य और क्रीड़ा का आनंदपूर्ण वातावरण चारों ओर छाया रहता है।
2. केरल वासी ओणम का त्योहार किस-किस प्रकार मनाते हैं?
केरल वासी ओणम के अवसर भगवान विष्णु के साथ-साथ राजा बलि की पूजा करते हैं। जगह-जगह भंडारों का आयोजन होता है। समधुर गीत गाए जाते हैं तथा नृत्य-नाटिकाएँ अभिनीत की जाती हैं। नौका दौड़ का आयोजन होता है।
3. विष्णु ने किसके कहने पर वामन का अवतार लिया तथा क्यों?
विष्णु ने इंद्र देव के कहने पर वामन का अवतार लिया। वह राजा बलि की दानशीलता की परीक्षा लेना चाहते थे।
4. ओणम के अवसर पर कौन-सी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है तथा उसकी शोभा कैसी होती है?
ओणम के अवसर पर सर्पाकार नौकाओं की दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन होता है। इनकी शोभा देखते ही बनती है।
5. वामन अवतार किस रूप में महाबलि के पास आए और उससे उन्होंने क्या माँगा?
वामन अवतार एक ब्राह्मण के वेश में महाबलि के पास आए तथा उन्होंने महाबलि से तीन पग भूमि दान के रूप में माँगी।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. ओणम से संबंधित पौराणिक कथा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।
ओणम से संबंधित पौराणिक कथा है कि - प्राचीन काल में केरल में महाबलि नाम के राजा राज करते थे। वह अपनी प्रजा से बहुत प्रेम करते थे। उनके राज्य में ऊँच-नीच का कोई भेदभाव नहीं था। छल-कपट तथा अन्याय को कोई जानता तक नहीं था। जनता उन्हें अपना भगवान मानकर पूजती थी। अपनी दानशीलता के लिए वह लोक प्रसिद्ध थे। किंतु देवताओं से उसकी लोकप्रियता देखी न गई। विष्णु ने इंद्र के कहने पर वामन का रूप धारण किया तथा एक ब्राह्मण का वेश बनाकर राजा बलि के पास आया। उसने राजा बलि से तपस्या करने के लिए तीन पग भूमि दान स्वरूप माँगी राजा बलि ने हाँ कर दी। देखते ही देखते वामन ने विराट रूप धारण कर लिया तथा भू-लोक व स्वर्ग लोक दोनों नाप लिए, तब तीसरा पग रखने की जगह न मिली। अतः राजा बलि ने अपना वचन पूरा करने के लिए अपना सिर उनके सम्मुख कर दिया। विष्णु ने महाबलि को पाताल लोक में रहने को कहा। किंतु साथ ही उनको एक वर माँगने को भी कहा। महाबलि ने वर्ष में एक बार अपनी प्रजा का सुख-दुःख देखने का अवसर माँगा। उनकी प्रार्थना स्वीकार हुई। ओणम साल का वही अवसर है जब राजा बलि अपनी प्रजा का सुख-दुःख देखने आते हैं।
2. महाबलि ने वामन से वरदान के रूप में क्या माँगा और इस वरदान के माँगने से उनकी कौन-सी विशेषता का पता चलता है?
महाबलि ने वामन से वरदान के रूप में यह माँगा कि वर्ष में एक बार उन्हें भू-लोक में आकर अपनी प्रजा से मिलने का अवसर दिया जाए ताकि वह अपनी प्रजा का दुःख-सुख देख सकें। उनको यह स्वीकृति मिल गई। राजा बलि द्वारा यह वरदान माँगने से उनकी इस विशेषता का पता चलता है कि वह अपनी प्रजा से बहुत अधिक प्रेम करते थे तथा उन्हें सदैव प्रजा के सुख-दुःख की चिंता रहती थी।
3. हमें वैशाखी, दुर्गा पूजा, होली तथा ओणम जैसे उल्लास पर्वों को मनाने की आवश्यकता क्यों है? अपने विचार प्रकट कीजिए।
हमें इन उल्लास पर्वों को मनाने की महती आश्यकता है। क्योंकि इन त्योहारों के माध्यम से लोग परस्पर निकट आते हैं। साथ-साथ मिलकर खुशियाँ मनाते हैं तथा खाते-पीते, नाचते-गाते हैं। इससे पारस्परिक मेलजोल बढ़ता है तथा आपसी प्रेम, भाईचारे एवं एकता की भावना को बल मिलता है। इसके अतिरिक्त हमारी सांस्कृतिक परंपराएँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे फलती रहती हैं।
4. सही/गलत बताइए।
(i) गलत (ii) सही (iii) सही (iv) गलत (v) सही

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. प्रसन्नता का पर्व 2. इंद्र देवता 3. तीन पग 4. पंद्रह मीटर

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

उत्साह	-	निरुत्साह	वरदान	-	अभिशाप
राजा	-	रंक	ऐश्वर्य	-	अनेश्वर्य
स्वर्ग	-	नरक	सजीव	-	निर्जीव
सम्मुख	-	विमुख	रुचि	-	अरुचि

(ख) उपसर्ग अलग करके लिखिए तथा उनसे दो-दो नए शब्द बनाइए।

सुमधुर	सु	सुमन	सुफल
विशेष	वि	विज्ञान	विश्वास
बेअसर	बे	बेशर्म	बेनाम

(ग) संधि-विच्छेद कीजिए।

प्रति + एक	सर्व + अधिक
सम् + मुख	उत् + स्व
स्व + आगत	पो + इत्र

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 15 : हरी-हरी दूब पर (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. ओस कहाँ दिखाई देती है?
   हरी-हरी दूब पर।
2. बाल सूर्य कहाँ से फूटता है?
   क्वार की कोख से।
3. सूर्य किस दिशा में उगता है?
   पूर्व दिशा।
4. ओस क्षणिक क्यों है?
   ओस क्षणिक है, क्योंकि वह जरा-सी धूप में लुप्त हो जाती है।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कवि ने ओस की बूँदों के लिए ऐसा क्यों कहा कि अभी थीं, अब नहीं हैं?
   कवि ने ओस की बूँदों के बारे में यह बात इसलिए कही, क्योंकि सूर्य के उदय होने के बाद ओस की बूँदें गायब हो गई थीं।
2. कवि क्षणिक ओस के बिखरे सौंदर्य का पान क्यों करना चाहता है?
   कवि क्षणिक ओस के बिखरे सौंदर्य का पान करना चाहता है, क्योंकि कवि के विचार से जीवन के क्षण-क्षण को जीना अनिवार्य है तथा कण-कण के सौंदर्य का आनंद उठाना ज़रूरी है।
3. शाश्वत खुशियों के संदर्भ में कवि की क्या धारणा है?
   शाश्वत खुशियों के संदर्भ में कवि की यह धारणा है कि ऐसी खुशियाँ न कभी थीं और न ही कहीं पर हैं। खुशियाँ तो ओस की भाँति क्षणिक होती हैं।
4. वास्तविक जीवन की सच्चाई को स्वीकार करने में कवि कहाँ तक सफल है?
   वास्तविक जीवन की सच्चाई को स्वीकार करने में कवि पूर्ण रूप से सफल है, क्योंकि वह जानते हैं कि जीवन का हर पल परिवर्तन लेकर आता है। जीवन में कोई खुशी सदा नहीं टिकती। अत: जीवन के क्षण-क्षण को जीना अनिवार्य है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. स्वयं करें।
2. आशय स्पष्ट करें।
   (i) सूरज एक सच्चाई है। अत: इसके अस्तित्व को झुठलाया नहीं जा सकता। किंतु ओस भी एक सच्चाई है अर्थात् ओस की भी उपेक्षा नहीं की जा सकती।
   (ii) ऐसी खुशियाँ जो हमेशा यानी जीवन भर बनी रहें, इस संसार में कभी नहीं थी और कहीं भी नहीं है।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. ओस 2. बाल सूर्य 3. वारि 4. ओस की बूँदें 5. ओस को

भाषा से

(क) इनके पर्यायवाची शब्द लिखिए।

सूर्य	-	सूरज	बाल	-	बच्चा
पाँव	-	पैर	सौंदर्य	-	सुंदरता

(ख) 'इक' प्रत्यय लगाकर नए शब्द बनाइए।

क्षणिक	साहित्यिक	हार्दिक	वास्तविक
मार्मिक	प्राकृतिक		

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 16 : जहाँनारा (ऐतिहासिक कथा)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. शाहजहाँ का कौन-सा पुत्र भाग निकला था?
   दारा शिकोह।
2. नमकहराम दिलेर खाँ किससे मिल गया था?
   औरंगज़ेब।
3. जहाँनारा कौन थी?
   जहाँनारा शाहजहाँ की बेटी थी।
4. जहाँनारा के हाथ में कौन-सा कागज़ था?
   शाहजहाँ द्वारा लिखित परवाना।
5. जहाँनारा ने किसके साथ रहना पसंद किया?
   शाहजहाँ।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. जहाँनारा ने औरंगज़ेब को नारकीय पिशाच क्यों कहा?
   जहाँनारा ने औरंगज़ेब को नारकीय पिशाच कहा, क्योंकि वह अपने पिता के जीवित रहते जबरदस्ती उनका तख्त-ताऊस कब्जाना चाहता था।
2. जहाँनारा के हाथ में कौन-सा कागज़ था? उस कागज़ पर क्या लिखा था?
   जहाँनारा के हाथ में शाहजहाँ द्वारा लिखा गया हुक्मनामा था जिसमें लिखा था कि इस शख्स का सब हुक्म मानो तथा मेरी तरह इज्जत करो।
3. शाहजहाँ की मृत्यु के बाद जहाँनारा का जीवन कैसे बीता?
   शाहजहाँ की मृत्यु के बाद जहाँनारा के लिए कोई काम नहीं रह गया था। वह केवल महल में इधर-उधर घूमती रहती थी। उसकी पूर्व स्मृति उसे बहुत सताने लगी थी।
4. लोग जहाँनारा को मूर्तिमती करुणा मानने लगे थे, क्यों?
   जहाँनारा दीन-दु:खियों के प्रति गहरी सहानुभूति रखती थी तथा उनकी सेवा करती थी। इसी कारण लोग उसे मूर्तिमयी करुणा मानने लगे थे।
5. अंत में औरंगज़ेब से क्या सहन न हो सका?
   अंत में औरंगज़ेब से अपनी बहन जहाँनारा का दु:ख सहन न हो सका। उसका पाषण हृदय पिघला तथा वह जहाँनारा से मिलने चला आया।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. जहाँनारा का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।
   जहाँनारा औरंगज़ेब की बहन तथा मुग़ल बादशाह शाहजहाँ की बेटी थी। वह अपने बादशाह पिता के बुढ़ापे अथवा बुरे दिनों में उनकी एकमात्र सहारा थी। तख्त-ताऊस को निर्दयी औरंगज़ेब द्वारा कब्जा लेने के बाद जहाँनारा ने अपने वृद्ध तथा लाचार पिता की मन लगाकर सेवा की तथा शाही परिवार की सदस्या होते हुए भी दासियों-सा जीवन बिताया। इसके साथ ही उसने एक तपस्विनि की भाँति दीन-दुखियों की सेवा भी की। उसके दिल में दया व सेवा भावना के सिवा कुछ न था। लोग उसे मूर्तिमती करुणा के रूप में देखने लगे थे। अत: हम कह सकते है कि जहाँनारा एक उदार, दयालु तथा भली महिला थीं।
2. जहाँनारा ने शाहजहाँ को औरंगज़ेब से बचाने के लिए क्या-क्या किया?
   जहाँनारा ने शाहजहाँ को औरंगज़ेब से बचाने के लिए कई कार्य किए। जैसे कि बेहोशी की स्थिति में उन के चेहरे पर सुगंधित जल छिड़क कर होश दिलाया तथा पकड़कर उठाया। फिर उनके लिए औरंगज़ेब से भिड़ गई तथा जब कोई वश न चला तो वह अपने बादशाह पिता को जीवित रखने के उद्देश्य से उनकी दासी बनकर सेवा करने में जुट गई। यदि वह ऐसा न करती तो क्रूर औरंगज़ेब उनको मारने में किसी प्रकार का संकोच न करता।

3. इस कहानी से औरंगज़ेब के चरित्र एवं व्यवहार की किन विशेषताओं का पता चलता है?
इस कहानी से औरंगज़ेब के चरित्र एवं व्यवहार की निम्नलिखित विशेषताओं का पता चलता है-
(i) औरंगज़ेब एक क्रूर एवं अत्याचारी व्यक्ति था।
(ii) वह अच्छा पुत्र नहीं था। उसने मात्र राजपाट हथियाने के उद्देश्य से अपने बूढ़े पिता से उनका तख़्त-ताऊस छीन लिया तथा उन्हें कष्ट सहने के लिए भाग्य के भरोसे छोड़ दिया।
(iii) औरंगज़ेब एक अच्छा भाई भी साबित नहीं हुआ। क्योंकि उसने सत्ता के लालच में आकर अपनी सगी बहन को मारने की धमकी दी तथा उसके प्रति अपना कोई कर्तव्य पूरा नहीं किया।

4. किसने, किससे और क्यों कहा, लिखिए।
(i) शाहजहाँ ने जहाँनारा से कहा, क्योंकि औरंगज़ेब ने सिंहासन हथियाने के लिए विद्रोह कर दिया था।
(ii) शाहजहाँ ने जहाँनारा से कहा, क्योंकि वह औरंगज़ेब का सामना करने के लिए तलवार उठाना चाहता है।
(iii) औरंगज़ेब ने जहाँनारा से कहा, क्योंकि वह नहीं चाहता था कि जहाँनारा दारा की तरफदारी करे।
(iv) औरंगज़ेब ने जहाँनारा से कहा, क्योंकि अपनी भूल सुधारना चाहता था।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. सन्नाटा छाया हुआ था 2. तख़्त-ताऊस हथियाना 3. जहाँनारा 4. जहाँनारा का भाई 5. यमुना के जल में

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

निराश	–	आशावान	नापाक	–	पाक
अकर्मण्य	–	कर्मठ	फुरती	–	सुस्ती
अधिकार	–	अनाधिकार	अदब	–	बेअदबी

(ख) इनके हिंदी पर्याय लिखिए।

हुक्म	–	आदेश	लफ्ज	–	बोल
तबियत	–	स्वास्थ्य	नापाक	–	अपवित्र
शाही	–	राजसी	लाश	–	मृत काया
शख्स	–	मनुष्य	बेअदबी	–	अव्यवहार
हिफाजत	–	सुरक्षा	फिसाद	–	कलह

(ग) 'बे' उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए।

बेअदब	बेशर्म
बेकार	बेइज्जत
बेशक	बेकाबू
बेईमान	बेअसर

(घ) प्रविशेषणों का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य बनाइए।
1. रजनी काफी मोटी लड़की है।
2. आपकी कमीज बहुत सुंदर है।
3. आम ज्यादा खट्टा है।
4. दावत में लगभग पचास लोग आए।
5. सीमा अत्यधिक आलसी है।

(ङ) इन शब्दों से नाम धातु क्रियाएँ बनाइए।

गरम	–	गरमाना	खटखट	–	खटखटाना
तोतला	–	तुतलाना	साठ	–	सठियाना
बात	–	बतियाना	मिनमिन	–	मिनमिनाना
शर्म	–	शर्माना	चक्कर	–	चक्कराना
झूठ	–	झुठलाना	बड़बड़	–	बड़बड़ाना

(च) वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।
1. जहाँनारा ने शाहजहाँ को बड़ी तलवार दी।
2. हमने सुना होगा।
3. औरंगज़ेब के दिल में दया नहीं थी।
4. सभी ने अपना-अपना काम किया।
5. हम खेलना चाहते हैं।

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 17 : दानवीर दुकौड़ी (नाटक)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. दुकौड़ी दत्त कौन था?
   एक वकील।
2. कंगालीचरण दुकौड़ी दत्त के पास क्यों आता है?
   कंगालीचरण दुकौड़ी दत्त के पास चँदा माँगने के लिए आता है।
3. नेताराम के बाद कौन आता है?
   लालचंद।
4. दुकौड़ी का पुराना मित्र कौन था?
   हरिशंकर।
5. हरिहर किसलिए आता है?
   हरिहर दुकौड़ी का पैसा लेकर आता है।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कंगालीचरण मन-ही-मन को चँदा देने के बजाय उसे दुकौड़ी को सबक सिखाने का निश्चय क्यों करता है?
   दुकौड़ी कंगालीचरण को पुलिस में पकड़वाने की धमकी देता है। इसी कारण वह मन-ही-मन दुकौड़ी को सबक सिखाने का निश्चय करता है।
2. दुकौड़ी दत्त के घर लोगों की भीड़ लग जाती है। बताइए, क्यों?
   कंगालीचरण दुकौड़ी को सबक सिखाने के उद्देश्य से अखबार में यह खबर छपवा देता है कि उसने 'संगीत उत्थान सभा' को पाँच हज़ार रुपए चँदा दिया। बस इसी खबर से प्रेरित होकर दुकौड़ी के घर चँदा माँगने वाले लोगों की भीड़ लग जाती है।
3. नेतराम देश की चिंता करते हुए क्या कहता है?
   नेतराम देश की चिंता करते हुए कहता है कि देश को कुछ लोग लूट रहे हैं तथा देश का धन बाहर जा रहा है।
4. हरिशंकर दुकौड़ी से किस बात पर नाराज हो जाता है तथा फिर उससे क्या कहता है?
   हरिशंकर दुकौड़ी से चँदा न देने वाली बात को लेकर नाराज हो जाता है तथा कहता है कि तुम कहाँ-कहाँ की बरसाती संगीत सभाओं को तो पाँच-पाँच हजार रुपए का दान दे सकते हो, पर मित्र के अनुरोध पर पाँच रुपए का चँदा नहीं दे सकते। अब कौन पाखंडी होगा जो तुम्हारे पास आएगा।
5. हरिहर कौन था तथा वह क्या चाहता था?
   हरिहर नंदलाल बाबू का आदमी था और दुकौड़ी को उनके पैसे देना चाहता था।
6. नाटक के अंत में दुकौड़ी दत्त क्या निर्णय लेता है?
   नाटक के अंत में दुकौड़ी दत्त अपने ननिहाल जाकर अपने मामा के साथ रहने का निर्णय लेता है।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. लालचंद दुकौड़ी दत्त की प्रशंसा करते हुए क्या-क्या कहता है?
   लालचंद दुकौड़ी दत्त की प्रशंसा करते हुए बहुत सारी बातें कहता है। जैसेकि आपकी दानशीलता की चर्चा पूरे देश में फैली है। आप देशभक्त व्यक्ति हैं तथा देश के सभी कार्यक्रमों में आपकी बड़ी रुचि है।
2. इस नाटक का उद्देश्य क्या है?
   इस नाटक का उद्देश्य देश में चँदे के नाम पर धन एकत्र करने वाले लोगों की वास्तविक स्थिति से परिचित कराना है। इस नाटक के जरिए लेखक बताना चाहता है कि विभिन्न सभाओं व संस्थाओं के नाम पर चँदा माँगने वाले लोग किस तरह से एक भले आदमी को केवल चँदा देने से मना करने पर अनावश्यक रूप से तंग कर सकते हैं। अर्थात् चँदे के नाम पर धन उगाहना हमारे बहुत से लोगों का रवैया बन गया है।
3. दुकौड़ी दत्त का चरित्र-चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।
   दुकौड़ी दत्त एक मध्य वर्गीय व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह एक वकील हैं तथा अपने व्यवसाय को चलाना बखूबी जानते हैं तथा फालतू सभाओं, कार्यक्रमों आदि के नाम पर चँदा एकत्र करने वालों के प्रति उनका बहुत ही सख्त रवैया है। भले ही चँदा माँगने वालों ने उन्हें खुश करने के लिए बहुत बड़ी-बड़ी बातें की, किंतु उन्होंने चँदा किसी को नहीं दिया। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि वह अपने वसूलों के पक्के इंसान हैं।

4. सही/गलत लिखिए।

(i) सही (ii) सही (iii) गलत (iv) सही (v) गलत

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. बही 2. दुकौड़ी बाबू 3. तबलची 4. ननिहाल

भाषा से

(क) विलोम शब्द लिखिए।

देश	–	विदेश	अर्थ	–	अनर्थ
पसंद	–	नापसंद	झूठ	–	सच
उत्थान	–	पतन	प्रवेश	–	बहिरर्गमन
असली	–	नकली	अपना	–	पराया
प्रेम	–	घृणा	उदारता	–	अनुदारता

(ख) संधि-विच्छेद कीजिए।

पुस्तक	+	आलय	उत्	+	थान
अनु	+	वाद	सत्	+	जन
महान	+	अनुभव	कुरु	+	क्षेत्र

(ग) स्त्रीलिंग अथवा पुल्लिंग लिखिए।

तबला	–	पुल्लिंग	बही	–	स्त्रीलिंग
नेताराम	–	पुल्लिंग	तानपूरा	–	पुल्लिंग
मित्र	–	पुल्लिंग	सभा	–	स्त्रीलिंग
धरती	–	स्त्रीलिंग	कुआँ	–	पुल्लिंग
कुरसी	–	स्त्रीलिंग	दुशाला	–	पुल्लिंग

(घ) 'ता' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए।

दानशीलता	सफलता
सुंदरता	नम्रता
प्रसन्नता	सम्पन्नता
योग्यता	दरिद्रता
स्पष्टता	वास्तविकता

(ङ) भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए।

उदारता	बड़प्पन
महानता	सुंदरता
व्यक्तित्व	मित्रता

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।

पाठ 18 : मुस्कराकर चल मुसाफिर (कविता)

अभ्यास

संकलित-मूल्यांकन (SA)

(क) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न।

1. पथ पर चलने वाला क्या कहलाता है?
   पथिक।
2. ध्येय पथ से क्या तात्पर्य है?
   लक्ष्य का मार्ग।

3. कवि किससे भिड़ने की बात कहता है?
   मौत से।
4. आँधियों के सामने मुस्कराने वाले समय के पथ पर क्या छोड़ जाते हैं?
   पद-चिह्न।
5. सर पर क्या गरजते हैं?
   प्रलय के काले बादल।

(ख) लघु उत्तरीय प्रश्न।

1. कवि मुसाफिर से किस तरह चलने की विनती करता है?
   कवि मुसाफिर से मुस्कराकर अर्थात् मुसकराते हुए चलने की विनती करता है।
2. कवि के अनुसार कौन-सा राही सफल है?
   कवि के अनुसार जीवन पथ पर वही मुसाफिर सफल है जिसमें आँधियों और बिजलियों के बीच स्थिरता से डटे रहने का दम हो।
3. कवि द्वारा मुसाफिर, हौसलों एवं प्रगति की क्या विशिष्टता बताई गई है?
   कवि द्वारा मुसाफिर, हौसलों एवं प्रगति की निम्नलिखित विशिष्टता बताई गई है-
   उसे मुसाफिर नहीं कहा जा सकता जिसको राह के मात्र कुछ काँटे ही थका देते हैं।
   उसे सच्ची प्रगति नहीं कहा जा सकता जिसमें कुछ रंगिनी कलियाँ एवं तितलियाँ ही मुसकराकर लक्ष्य पथ से भटका दें।
4. कवि रास्ते में आने वाली किन-किन बाधाओं का वर्णन करता है?
   कवि रास्ते में आने वाली विभिन्न बाधाओं का वर्णन करता है, जैसे शूल, आँधियाँ, बिजलियाँ, प्रलय के बादल आदि।
5. किन लोगों को अपनी जिंदगी भार स्वरूप लगने लगती है?
   जो लोग मात्र कुछ मुश्किलों से घबराकर जीवन पथ पर पीछे हट जाते हैं, उन्हें अपनी जिंदगी भार स्वरूप लगने लगती है।
6. कवि के अनुसार कैसे लोग समय के पथ पर पद-चिह्न छोड़ जाते हैं?
   कवि के अनुसार आँधियों यानि विपत्तियों के सामने मुसकराने वाले लोग समय पथ पर अपने पद-चिह्न छोड़ जाते हैं।

(ग) निबंधात्मक प्रश्न।

1. किस उदाहरण के माध्यम से कवि जीवन में संघर्ष के महत्व को उजागर करता है तथा कैसे? कविता के आधार पर लिखिए।
   कवि फूल के उदाहरण को माध्यम बनाकर जीवन में संघर्ष के महत्व को उजागर करता है। वह कहता है कि भले ही काँटों ने फूल के समस्त तन को छेदकर जर्जर कर दिया है, किंतु फिर भी वह फूल अपनी डाल पर प्रत्येक क्षण मुस्कराता ही रहता है। अत: जीवन में भले ही कितना ही संघर्ष क्यों न करना पड़े, हर स्थिति का सामना मुसकराकर करना चाहिए।
2. स्वयं करें।

बहुविकल्पी प्रश्न (MCQs)

1. हँसते हुए 2. अविचल रहता है

भाषा से

(क) उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए।

अविचल	अन्याय
अधर्म	अविराम
असफल	अचल

रचनात्मक-मूल्यांकन (FA)

स्वयं करें।